

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
Delhi Technological University



10th ANNUAL
REPORT

(1 August, 2023 - 31 July, 2024)

10 वाँ वार्षिक
प्रतिवेदन

(1 अगस्त, 2023 - 31 जुलाई, 2024)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

परिसर मानचित्र



- 1 प्रवेश और निकास बिंदु
- 2 दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डी.एस.एम.)
- 3 प्रशासनिक भवन
- 4/5/6/7/9/10/11 शैक्षणिक विभाग
- 8 डी.टी.यू. परिसर की मुख्य कैंटीन
- 12 डिजाइन विभाग
- 13 केंद्रीय पुस्तकालय
- 14 डॉ. बी.आर. अंबेडकर सभागार
- 15 संगणक केंद्र
- 16 ओपन एयर थिएटर
- 17 नवनिर्मित शैक्षणिक ब्लॉक
- 18 राज सोइन हॉल (एम.पी. हॉल)

- 19 तालाब
- 20 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम छात्रावास
- 21/22 छात्रावास (लड़को के लिए)

- 23 खेल संकुल
- 24 प्रज्ञान भवन
- 25 वीरांगना लक्ष्मीबाई छात्रावास

- 26/29 छात्रावास (लड़कियों के लिए)
- 27 भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई)
- 28 गेस्ट हाउस
- 30 स्वास्थ्य केंद्र



(Handwritten signature)

ASHISH SOOD
Minister of Home, Power, UD, Education,
Higher Education, Training & Technical Education,
Govt. of NCT of Delhi
A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat,
I.P. Estate, New Delhi-110002

10 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

(1 अगस्त, 2023 - 31 जुलाई, 2024)



10th ANNUAL REPORT

(1 August, 2023 - 31 July, 2024)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
Delhi Technological University





सत्यमेव जयते

राज निवास
दिल्ली-११००५४
RAJ NIWAS
DELHI-110054



Do. No. / 2024 / 453
Date. 04 / 12 / 2024

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल

Vinai Kumar Saxena
Lt. Governor

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डी.टी.यू.) शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। पिछले 83 वर्षों में डी.टी.यू. द्वारा प्रदर्शित प्रतिस्कंदन, नवाचार और उपलब्धियाँ अत्यंत सराहनीय रही हैं।

शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुसंधान में एक विशिष्ट इतिहास के साथ, डी.टी.यू. ने लगातार कुशल स्नातकों का निर्माण किया है जिन्होंने सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और प्रगति के नए रास्ते तलाशते हुए संस्थान की विरासत को सम्मानित किया है।

मैं इस अवसर पर संपूर्ण डी.टी.यू. बिरादरी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ और उनके भविष्य के सभी प्रयासों में अपार सफलता की कामना करता हूँ।

(विनय कुमार सक्सेना)



ATISHI
CHIEF MINISTER



GOVT. OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
DELHI SECRETARIAT, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002
PHONE - 23392020, 23392030



D.O. No.: OSD CMI/68
Date: 03/12/24

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। मैं इस अवसर पर सभी हितधारकों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं देती हूँ।

समय के साथ शिक्षा में कई नवाचार हुए हैं, खासकर तकनीकी प्रगति और वैश्वीकरण के वर्तमान युग में। विश्वविद्यालय ने विविध और नवीन शिक्षण विधियों के माध्यम से छात्रों के लिए एक जीवंत और उत्पादक वातावरण को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता हासिल की है, जिसने समाज की समग्र उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज और राष्ट्रीय विकास पर डीटीयू का सकारात्मक प्रभाव वास्तव में प्रशंसनीय है और निस्संदेह तकनीकी रूप से उन्नत भारत में योगदान देगा। दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ वैश्विक साझेदारी के माध्यम से, डीटीयू अपनी वैश्विक पहुँच और प्रभाव को बढ़ाता है, और उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है।

मैं इस वार्षिक रिपोर्ट के संकलन में शामिल कुलपति और उनकी टीम को बधाई देती हूँ। मैं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की सफलता की कामना देती हूँ।


(आतिशी)



नंदिनी पालीवाल, भा.प्र.से.
NANDINI PALIWAL, IAS

सचिव
Secretary

Tel. No. 011-27322948
Email : pstechedu@nic.in



राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
Government of National Capital Territory, Delhi
प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग/ उच्च शिक्षा
Department of Training & Technical Education/
Higher Education
मुनि माया राम मार्ग, पीतम पुरा, दिल्ली-110034
Muni Maya Ram Marg, Pitam Pura, Delhi-110034

D.O. No. : PS/Secy/TE/2024-25/229

दिनांक
Date : 20.01.2025

संदेश

मैं दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के सभी हितधारकों को शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 की वार्षिक रिपोर्ट जारी होने पर हार्दिक बधाई देती हूँ। यह रिपोर्ट उल्लेखनीय मील का पत्थर और उपलब्धियों से भरे एक और वर्ष का प्रमाण है। विश्वविद्यालय की सफलताओं का व्यापक रिकॉर्ड इस प्रतिष्ठित संस्थान के छात्रों, शिक्षकों, प्रशासन, प्रबंधन और कर्मचारियों के अटूट समर्पण, दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों को दर्शाता है। डीटीयू का सामूहिक योगदान नए मानक स्थापित करने में सहायक रहा है।

मुझे इस वार्षिक रिपोर्ट में डीटीयू की उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर होते देखकर खुशी हो रही है। यह सराहनीय है कि चुनौतियों के बावजूद, डीटीयू के छात्र कुशल पेशेवरों के रूप में उभरे हैं; हमारी चुनौतीपूर्ण दुनिया में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं। मुझे विश्वास है कि डीटीयू ऐसे असाधारण इंजीनियर, प्रशासक और नेता तैयार करता रहेगा जो राष्ट्र और समाज की प्रगति में योगदान देते रहेंगे।

विश्वविद्यालय के सभी लोगों को मेरी हार्दिक बधाई, जिन्होंने इस वर्ष की उपलब्धियों में अपनी भूमिका निभाई है। मैं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक समुदाय के लिए निरंतर सफलता और नवाचार से भरे भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ। आगे बढ़ते हुए, आइए हम अतीत की उल्लेखनीय उपलब्धियों से प्रेरणा लेते रहें और एक और उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रयास करें।

'जय हिंद'

(नंदिनी पालीवाल)





आगंतुक

महामहिम
श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
भारत की राष्ट्रपति



कुलाधिपति

श्री विनय कुमार सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल,
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

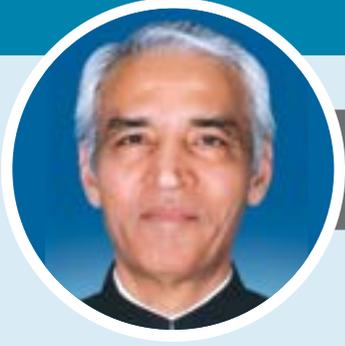


सुश्री आतिशी
माननीय मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री,
उच्च शिक्षा, टीटीई
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार



हमारे दूरदर्शी नेता

माननीय कुलाधिपतिगण



श्री तेजेन्द्र खन्ना
जुलाई, 2009 से जुलाई, 2013 तक



श्री नजीब जंग
जुलाई, 2013 से दिसंबर 2016 तक

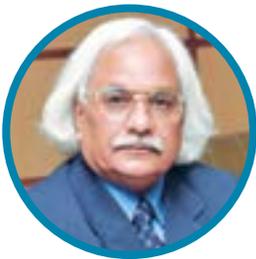


श्री अनिल बैजल
दिसंबर, 2016 से मई, 2022 तक



श्री विनय कुमार सक्सेना
मई, 2022 से अब तक

कुलपति



प्रो. पी. बी. शर्मा
जुलाई, 2009 से जुलाई, 2014 तक



प्रो. पंकज जलोटे
मार्च, 2014 से अगस्त, 2014 तक



प्रो. प्रदीप कुमार
अगस्त, 2014 से सितंबर, 2015



प्रो. योगेश सिंह
सितंबर, 2015 से अक्टूबर, 2021 तक



प्रो. जे. पी. सैनी
अक्टूबर, 2021 से सितंबर, 2023 तक



प्रो. एस. इंदु
सितंबर, 2023 से नवंबर, 2023 तक



प्रो. प्रतीक शर्मा
नवंबर, 2023 से अब तक

दृष्टि और उद्देश्य



दृष्टि

“मानवता की सेवा के लिए शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनना”

उद्देश्य



विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्रों के उभरते क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना।

इनक्यूबेशन, उत्पाद विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना।

सहयोग, प्रयोग, कल्पना और रचनात्मकता का वातावरण बनाना।

विश्लेषणात्मक क्षमताओं, नैतिकता और अखंडता के साथ मानवीय क्षमता का विकास करना।

स्थानीय और वैश्विक आवश्यकताओं के लिए पर्यावरण अनुकूल, उचित और टिकाऊ समाधान प्रदान करना।





मूल मूल्य और गुणवत्ता नीति

बुनियादी मूल्य



अखंडता

हम जो कहते हैं, वह विश्वास से करते हैं, पारदर्शिता और इमानदारी।

करुणा

हम दया, विचारशीलता और परोपकार के लिए सभ्य मानसिकता को बढ़ावा देते हैं।

प्रतिबद्धता

हम अपने सभी प्रयासों के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

रचनात्मकता

हम नवाचार, कल्पना और विचार को पोषित करते हैं।

सहयोग

हम एकजुटता, सद्भाव और स्वीकृति के माध्यम से सामूहिक कार्य को बढ़ावा देते हैं।

समावेश

हम विविधता को सम्मान, स्वीकृति और पुष्टि के साथ अपनाते हैं।

गुणवत्ता नीति



विश्वविद्यालय अत्याधुनिक अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से ज्ञान का प्रसार करके विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी प्रक्रियाओं के निरंतर मूल्यांकन और सुधार के माध्यम से मुख्य और संबद्ध कार्यों में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाते हैं।

दृष्टि प्राप्ति हेतु दिशानिर्देश

उत्पाद विकास और उद्यमिता

इनक्यूबेशन और इनोवेशन फाउंडेशन
उत्पाद

विकास और उद्यमिता

स्नातक पाठ्यक्रम में
ट्रैक पेश किया गया



शिक्षा को मजबूत करना

लचीला पाठ्यक्रम

परिणाम-आधारित शिक्षा

अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता
पर ध्यान केंद्रित

परियोजनाओं और प्रयोगों पर
आधारित शिक्षा



सहयोग और रचनात्मकता

अनुसंधान उत्कृष्टता शोधकर्ताओं
के लिए पुरस्कार और अनुदान
अग्रणी उद्योगों और विश्वविद्यालयों
के साथ समझौता ज्ञापन

स्नातक और स्नातकोत्तर
पाठ्यक्रम में अनुसंधान ट्रैक शुरू
किया गया



नीति एवं अखंडता

मूल्यों, नैतिकता और खेलों पर
एफईसी

नैतिक मूल्यों, व्यावसायिकता पर
नियमित कार्यशाला

विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्लेषणात्मक क्षमताओं और
आलोचनात्मक सोच के



स्थिरता

हरा-भरा परिसर

शून्य निर्वहन परिसर

सीवेज उपचार संयंत्र

सौर ऊर्जा संयंत्र

जैविक से अपशिष्ट ऊर्जा संयंत्र



शैक्षणिक कार्यक्रम (2023-24)

बी.टेक.	एम.टेक.	पीएच.डी.	अन्य
रासायनिक अभियांत्रिकी	बायोइनफॉर्मेटिक्स	रासायनिक अभियांत्रिकी	बीबीए
गणित और कंप्यूटिंग	संरचनागत अभियांत्रिकी	रसायन विज्ञान	बी.ए.- अर्थशास्त्र (ऑनर्स)
अभियांत्रिकी भौतिकी	भू-तकनीकी अभियांत्रिकी	अंक शास्त्र	बी. डिजाइन
जैव प्रौद्योगिकी	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	भौतिक विज्ञान	एम.ए.- अर्थशास्त्र
जनपद अभियांत्रिकी	कृत्रिम बुद्धिमत्ता	जैव प्रौद्योगिकी	एम.डिजाइन-इंटरैक्शन डिजाइन
संगणक विभाग और अभियांत्रिकी विभाग	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	जनपद अभियांत्रिकी	एम.डिजाइन-उत्पाद डिजाइन
सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	डेटा विज्ञान	भूसूचना विज्ञान के लिए बहुविषयक केंद्र	एम.डिजाइन - दृश्य संचार
विद्युत अभियांत्रिकी	सूचना प्रणाली	खुशी के विज्ञान के लिए उत्कृष्टता केंद्र	एम.डिजाइन - परिवहन और सेवा डिजाइन
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	सिग्नल प्रोसेसिंग और डिजिटल डिजाइन	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	एम.डिजाइन - जीवनशैली और एक्सेसरी डिजाइन
पर्यावरणीय अभियांत्रिकी	वीएलएसआई डिजाइन और एम्बेडेड सिस्टम	विद्युत अभियांत्रिकी	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
सूचना प्रौद्योगिकी	नियंत्रण और इन्स्ट्रुमेंटेशन	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	एमबीए - नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास
यांत्रिक अभियांत्रिकी	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमबीए - बिजनेस एनालिटिक्स
उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी	औद्योगिक अभियांत्रिकी और प्रबंधन	पर्यावरणीय अभियांत्रिकी	एमबीए - व्यवसाय प्रशासन (यूएसएमई)
यांत्रिक अभियांत्रिकी के साथ ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता	संगणक सहायता प्राप्त विश्लेषण और डिजाइन	मानविकी	एमबीए - कार्यकारी
		सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन प्रबंधन	एम.एससी. - जैव प्रौद्योगिकी
		प्रबंधन और उद्यमिता	एम.एससी. - रसायन विज्ञान
		नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास	एम.एससी. - गणित
		अर्थशास्त्र	एम.एससी. - भौतिकी
		अभिकल्प	

अंतर्वस्तु

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	i
डीटीयू पर एक नज़र	iii
कुलपति का प्रतिवेदन	v

1. संगठन और प्रशासन 1

1.1 विश्वविद्यालय न्यायालय	1
1.2 प्रबंधन के बोर्ड	2
1.3 शैक्षणिक परिषद	3
1.4 योजना बोर्ड	4
1.5 वित्त समिति	5
1.6 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)	6
1.7 डीटीयू प्रशासन	8

2. शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी 11

2.1 अकादमिक स्टाफ	11
2.2 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी	12
2.3 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी (संविदा)	14

3. शैक्षणिक कार्यक्रम 16

3.1 स्नातकीय प्रोग्राम	16
3.2 परास्नातक प्रोग्राम	17
3.3 डॉक्टरेट प्रोग्राम	18

4. शैक्षणिक विभाग 19

4.1 अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान विभाग	19
4.2 अनुप्रयुक्त गणित विभाग	28
4.3 अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग	38
4.4 जैव प्रौद्योगिकी विभाग	49
4.5 जनपद अभियांत्रिकी विभाग	60
4.6 संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	67
4.7 अभिकल्प विभाग	78
4.8 दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डीएसएम)	83
4.9 इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग	89
4.10 विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	103
4.11 पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग	117
4.12 मानविकी विभाग	122
4.13 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	126
4.14 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	134
4.15 सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग विभाग	140
4.16 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (यूएसएमई)	148

5. केंद्र और अन्य इकाइयाँ	158
5.1 डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन (डीटीयू-आईआईएफ)	158
5.2 मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी)	168
5.3 सौर ऊर्जाकेंद्र	173
5.4 रसोई अपशिष्ट संयंत्र	174
5.5 उन्नत अध्ययन और अनुसंधान ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में केंद्र	175
5.6 विनोद धाम सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उत्कृष्टता केंद्र (वीडीसीओई4एसएम)	185
5.7 औद्योगिक अभिकल्प एवं कार्यानुकूलन केंद्र (सीआईडीई)	189
5.8 बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ	191
5.9 बहुविषयक भू-सूचना विज्ञान केंद्र (एमसीजी)	195
5.10 उद्यमिता विकास केंद्र (ईडीसी)	198
5.11 समान अवसर प्रकोष्ठ	203
5.12 विद्युत वाहन और संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (ईवीआरटी के लिए सीओई)	206
5.13 खुशी के विज्ञान के लिए उत्कृष्टता केंद्र	210
6. पूर्व छात्रों का योगदान	212
7. आउटरीच और विस्तार गतिविधियाँ	215
8. अंतर्राष्ट्रीय मामले	217
9. योजना एवं परामर्श (पी एंड सी)	220
10. औद्योगिक अनुसंधान और विकास (आईआरडी)	227
11. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)	230
12. छात्र कल्याण, समितियां और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ	233
13. केंद्रीय सुविधाएं	253
13.1 पुस्तकालय	253
13.2 कंप्यूटर केंद्र	257
13.3 प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग	259
13.4 खेल और शारीरिक शिक्षा	264
13.5 स्वास्थ्य केंद्र	272
13.6 सुरक्षा एवं परिवहन शाखा सुरक्षा	275
13.7 सभागार	277
13.8 स्टोर और खरीद	280
13.9 अभियांत्रिकी सेल एवं एस्टेट कार्यालय	281
14. अन्य सुविधाएं	286
14.1 डीटीयू स्टूडियो	286
14.2 गेस्ट हाउस	290
15. विश्वविद्यालय खाते	291



ऐतिहासिक पृष्ठभूमि



दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) दिल्ली का एक प्रमुख संस्थान है जो शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में अपने कठोर कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध, डीटीयू छात्रों को नवीनतम प्रगति और नवाचारों से जुड़ने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करता है। विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण समग्र है, जो तकनीकी और प्रबंधकीय प्रशिक्षण को आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स विकास के साथ एकीकृत करता है। डीटीयू में छात्रों को नवाचार और डिज़ाइन से लेकर उद्यमिता और नेतृत्व तक कई तरह की गतिविधियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। तकनीकी विशेषज्ञता और व्यक्तिगत विकास दोनों पर यह ध्यान सुनिश्चित करता है कि स्नातक पूर्णतः विकसित, आत्मविश्वासी और अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हों। डीटीयू का वातावरण रचनात्मकता को प्रेरित करने और निरंतर सीखने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। यह इसे न केवल एक शैक्षणिक संस्थान बनाता है, बल्कि व्यापक विकास के लिए एक गतिशील स्थान भी बनाता है, जो अगली पीढ़ी के नेताओं और पेशेवरों का पोषण करता है। यह छात्रों को विविध प्रकार की गतिविधियाँ प्रदान करता है जिनमें नवाचार, डिज़ाइन और उद्यमिता शामिल हैं, साथ ही उनके तकनीकी कौशल, सॉफ्ट स्किल्स और नेतृत्व क्षमताओं का विकास भी होता है। डीटीयू रचनात्मकता और लीक से हटकर सोचने पर ज़ोर देता है, और व्यापक व्यक्तिगत और शैक्षणिक विकास के लिए एक गतिशील वातावरण प्रदान करता है।

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) की 83 वर्षों की एक विशिष्ट विरासत है, जिसकी शुरुआत 1941 में दिल्ली पॉलिटेक्निक के रूप में हुई, 1965 में दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के रूप में विकसित हुई और 2009 में डीटीयू बन गई। यह विकास शैक्षिक और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2017-2018 में पूर्वी दिल्ली परिसर की स्थापना एक नए अध्याय का प्रतीक है, जिसने प्रबंधन, उद्यमिता, अनुसंधान और नवाचार पर डीटीयू ने केंद्रित किया है। यह परिसर विविध शैक्षिक अवसर प्रदान करने और शैक्षणिक परिदृश्य को समृद्ध बनाने के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करता है।

डीटीयू एक प्रसिद्ध वैश्विक संस्थान है जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में विविध, उद्योग-प्रासंगिक कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके मजबूत उद्योग संबंध, वैश्विक अनुसंधान सहयोग और सम्मानित पूर्व छात्र इसे छात्रों के लिए एक शीर्ष विकल्प और एक अग्रणी तकनीकी विश्वविद्यालय बनाते हैं। डीटीयू एक विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान है जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अत्याधुनिक अनुसंधान और नवीन प्रगति के प्रति अपने समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। यह स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर अंतःविषय और उद्योग-केंद्रित कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो छात्रों की सफलता को लगातार आगे बढ़ाता है। विश्वविद्यालय उद्योग-अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने और शीर्ष वैश्विक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करने में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, जो शिक्षा के प्रति इसके दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, डीटीयू के पुरस्कारों और मान्यता की विरासत को रेखांकित करते हैं। असाधारण प्रतिभाओं को पोषित करके और एक गतिशील तकनीकी परिसर को बनाए रखते हुए, डीटीयू ने खुद को शीर्ष रैंकिंग वाले छात्रों के लिए एक अग्रणी विकल्प के रूप में स्थापित किया है। इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा इसके शानदार इतिहास, व्यापक पूर्व छात्र नेटवर्क और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है, जिससे डीटीयू की एक प्रमुख प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रूप में स्थिति मजबूत होती है।





प्रदान की गई डिग्रियाँ

स्नातक : 2865

स्नातकोत्तर : 790

पीएचडी : 175

श्रेणीबद्ध

एनआईआरएफ
रैंकिंग **29**

टाइम्स हायर एजुकेशन
वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

601-800

एनबीए मान्यता प्राप्त कार्यक्रम

स्नातक: 08 स्नातकोत्तर: 09



घटनाएँ

इंजीफेस्ट'24

15 - 17 फरवरी, 2024

पराक्रम'24

14 - 17 फरवरी, 2024

युवान'24

13 - 14 फरवरी, 2024

टेकवीक'23

4 - 10 नवंबर, 2023

आरंभ'23

20 - 21 अक्टूबर, 2023

डीटीयू पर एक नज़र

शैक्षणिक वर्ष: 2023-24

विश्वविद्यालय
के आँकड़े

छात्र शक्ति

16033 कुल छात्र संख्या

4334 कुल नामांकित छात्र
2023-24 में

3163 स्नातक छात्रगण

970 स्नातकोत्तर छात्रगण

201 डॉक्टरेट छात्रगण



शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक सदस्य

प्रोफेसर | **119+5**

सह प्रोफेसर | **48**

सहायक प्रोफेसर | **124**

अन्य | **18**

गैर-शैक्षणिक सदस्य | **79+93**

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं

45 परामर्श
परियोजनाएं

₹ **11+** करोड़ परिव्यय

30 प्रायोजित
परियोजनाएँ

₹ **18+** करोड़ परिव्यय

18 पेटेंट प्रदान
किए गए

अनुसंधान
उत्कृष्टता पुरस्कार

416
सराहनीय

25
प्रधान



डीटीयू का विकास

दिल्ली पॉलिटेक्निक
(1941)



दिल्ली कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग (1965)



दिल्ली प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय (2009)

स्नातक कार्यक्रम

बी.टेक.: 14
बी.डेस., बी.बी.ए.
बी.ए. (अर्थशास्त्र)

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

एम.टेक. 14
एम.एससी. 04
एम.बी.ए. 04
एम.डिजाइन. 05
एम.ए. (अर्थशास्त्र)

पीएच.डी. 20

शैक्षणिक

16 विभाग
20 केंद्र और अन्य
इकाईयाँ
12 केंद्रीय सुविधाएं

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट आँकड़े

360+ भर्तीकर्ता
2053 नौकरियों के प्रस्ताव
₹85.3 उच्चतम पैकेज
एलपीए
14.02 औसत पैकेज
एलपीए



कुलपति का प्रतिवेदन »



दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), जिसे पहले दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (डीसीई) के नाम से जाना जाता था, अपनी उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इसका 83 वर्षों का एक लंबा और गौरवशाली इतिहास है। दिल्ली पॉलिटेक्निक के रूप में अपनी स्थापना से लेकर दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के रूप में इसके विकास और अंततः दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रूप में इसके उत्थान तक, इस संस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विश्वविद्यालय की स्वायत्तता, निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रयास द्वारा अनुसंधान और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण रही है। विश्वविद्यालय का युवा और ऊर्जावान चरित्र विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति के साथ मौजूद है।

अपने पूरे इतिहास में, संस्थान ने निरंतर समकालीन और लचीले शैक्षिक बुनियादी ढांचे के साथ तकनीकी शिक्षा प्रदान की है। डीटीयू एक शैक्षणिक संस्थान है जो नियमित रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्रों में प्रमुख योगदान देता है। एक अल्मा मेटर के रूप में, डीटीयू अपने पूर्व छात्रों के बीच कुलीन इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों के एक प्रभावशाली समूह का दावा करता है; जिनमें श्री अशोक के बावेजा (प्रमुख, क्वेस्ट ग्लोबल डिफेंस इंजीनियरिंग सर्विसेज), श्री प्रमोद हक (ह्यूस्टन में स्थित दुनिया के सबसे प्रशंसित वेंचर कैपिटलिस्ट और प्रसिद्ध टेक्नो-उद्यमी), श्री विनोद धाम (पेंटियम चिप के जनक), श्री संजय नायर (सीईओ, कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स इंडिया एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड), श्री राज सोइन, यूएस के एवियोनिक्स के मास्टर और एक शीर्ष रैंकिंग वाले टेक्नो उद्यमी, श्री दुर्गादास अग्रवाल, डॉ. डी. योगी गोस्वामी (निदेशक, स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान केंद्र, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय), कुछ नाम हैं।

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अनुसंधान, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार में गुणवत्ता के प्रति अडिग रहकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। डीटीयू की परंपरागत दृष्टि के अनुरूप, स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षा और डॉक्टरेट अनुसंधान को बेहतर और सुदृढ़ बनाने के निरंतर प्रयासों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नए कार्यक्रमों की शुरुआत और अनुसंधान एवं विकास पर विश्वविद्यालय के केन्द्रित होने के साथ ही, छात्रों को बाजार और उद्योग जगत में भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। इन विशेषताओं के कारण, डीटीयू स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बना हुआ है, और क्रमशः जेईई (मेन्स) और गेट जैसी राष्ट्रीय स्क्रीनिंग परीक्षाओं के शीर्ष उम्मीदवारों को आकर्षित करता है।

डीटीयू देश की सेवा के लिए प्रतिबद्ध सूचित, प्रतिभाशाली और रचनात्मक पेशेवरों के रूप में छात्रों में आवश्यक कौशल विकसित करके छात्रों, उद्योग और समुदाय की गतिशील आवश्यकताओं का एहसास करने का प्रयास करता है। हमारे पूर्व छात्र देश के लिए अमूल्य संसाधन हैं क्योंकि कार्य नैतिकता और तकनीकी दक्षता डीटीयू में उनके प्रारंभिक वर्षों के दौरान उनमें निहित थी। विश्वविद्यालय कई कार्यक्रम प्रदान करता है जैसे: चौदह बी.टेक, चौदह एम.टेक, चार एम.एससी., चार एमबीए, पांच एम.डिजाइन, एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.डेस., बीबीए, बी.ए. - अर्थशास्त्र (ऑनर्स) और पीएचडी बीस कार्यक्रमों में। यह वृद्धि विश्वविद्यालय के समर्पण को दर्शाती है जो एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देता है जो उद्यमशीलता, रचनात्मकता और नवाचार को पोषित करता है और छात्रों को स्टार्ट-अप और बढ़ते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफल होने के अवसर प्रदान करता है। विवेक विहार में अपने पूर्वी दिल्ली परिसर को रणनीतिक रूप से स्थापित करके, डीटीयू ने बढ़ते स्टार्टअप आंदोलन को ध्यान में रखते हुए युवा नव प्रवर्तकों और उद्यमियों के लिए आवश्यक वातावरण प्रदान किया है। डीटीयू की राष्ट्र-निर्माण रणनीति का एक प्रमुख घटक युवा मस्तिष्कों को पूर्ण विकसित और सक्षम वयस्कों के रूप में विकसित करना है। यह रणनीतिक किरण केन्द्र छात्रों को देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार करने के डीटीयू के समर्पण को दर्शाता है।

दाखिले

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अपने बी.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश संयुक्त प्रवेश परामर्श (जेएसी), एक संयुक्त परामर्श पद्धति के माध्यम से पूरा करता है। डीटीयू के साथ, जेएसी में निम्नलिखित शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं: इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयू), दिल्ली; इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), दिल्ली; और नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी), दिल्ली। शैक्षणिक वर्ष; 2023-24 में, विश्वविद्यालय ने जेएसी के माध्यम से कुल 2513 छात्रों को प्रवेश दिया। इसके अतिरिक्त, 100 छात्रों को डीएएसए/आइसीसीआर/डीटीयू पोर्टल के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। इसके अलावा, तेरह छात्रों को पीएमएसएसएस के तहत और बावन छात्रों को पार्श्व प्रवेश योजनाओं के माध्यम से नामांकित किया गया है। इसके अलावा, बीबीए में 182 छात्र, बीए - अर्थशास्त्र (ऑनर्स) में 181, और बी.डेस डीटीयू स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए भी छात्रों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बना हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप, 284 छात्र एम.टेक. में, एम.बी.ए. में 346,

एम.एससी. में 233, एम.ए. (अर्थशास्त्र) में 59 और एम.डिस. में 36 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। कुल मिलाकर, 2023-2024 के लिए 970 स्नातकोत्तर छात्रों (बारह अंतर्राष्ट्रीय छात्रों सहित) का नामांकन हुआ। इसके अलावा, इस दौरान डीटीयू के शोध समुदाय में कुल 201 पीएचडी शोधार्थियों (चार अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं सहित) का स्वागत किया गया। अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए धन उपलब्ध कराकर, डीटीयू सभी स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों को शोध में संलग्न रखता है जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध समुदाय के साथ सहयोग करने का अवसर मिलता है।

प्रशिक्षण और नियुक्ति

डीटीयू देश के शीर्ष क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को लाने के अपने उद्देश्य में अडिग रहा है। डीटीयू ने मौजूदा प्लेसमेंट सीजन में बड़े आर्शावाद और उत्साह के साथ प्रवेश किया है। प्रक्रिया शुरू करने के लिए, विश्वविद्यालय ने कंपनियों को प्री-प्लेसमेंट मीटिंग के लिए आमंत्रित किया, जहाँ वे प्रस्तावित नौकरी विवरणों पर चर्चा कर सकते थे। इन चर्चाओं ने छात्रों को संभावित नियोक्ताओं और नौकरी क्यूआर की जरूरतों से परिचित होने और उन्हें उन्मुख करने के लिए एक उपयोगी मंच प्रदान किया। विभिन्न विशेषज्ञताओं और शाखाओं वाले छात्रों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया। 2023-2024 शैक्षणिक वर्ष के दौरान कुल 360 से अधिक भर्तीकर्ताओं ने कैम्पस प्लेसमेंट में भाग लिया, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को 2053 रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। ₹ 85.3 लाख प्रति वर्ष का अधिकतम पैकेज पेश किया गया। इस वर्ष, औसत पैकेज ₹ 14.02 लाख प्रति वर्ष था। छात्रों के इंटरशिप प्रदर्शन के आधार पर कंपनियों द्वारा कुल 210+ प्री-प्लेसमेंट ऑफर दिए गए, जिनमें अधिकतम 2 लाख रुपये का स्टाइपेंड शामिल है। इसके अलावा, डीटीयू के कई अन्य स्नातक वर्तमान में म्यूनिख तकनीकी विश्वविद्यालय, ड्यूक विश्वविद्यालय, पड्यु विश्वविद्यालय, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकित हैं।

सतत शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम (सीडीपी), गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी), और सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) जैसी पहलों ने शिक्षा जगत, उद्योग जगत और डीटीयू संकायों में गहरी रुचि पैदा की है। सीईपी पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन कार्यरत पेशेवरों के लिए बनाए गए हैं जो उद्योग की बदलती ज़रूरतों के अनुरूप अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। एफडीपी कार्यक्रमों का एक और सेट प्रशिक्षकों और महत्वाकांक्षी विद्वानों द्वारा बहुत पसंद किया जाता है, जिससे क्षेत्र के पेशेवरों और शिक्षकों के बीच संवाद की मात्रा बढ़ती है। ये कार्यक्रम आजीवन शिक्षा, करियर में उन्नति और शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के बीच सहयोगात्मक संवाद को बढ़ावा देने के लिए डीटीयू के समर्पण को प्रदर्शित करते हैं।

संकाय केंद्रित नीतियां

व्यावसायिक विकास निधि अनुदान डीटीयू संकाय सदस्यों को सम्मेलन, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण अनुभव और अन्य व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लेने में सहायता करता है। इसकी शुरुआत सुविधा स्थापना के

लिए ₹ 2 लाख के शुरुआती अनुदान से होती है और हर तीन साल में ₹ 2 लाख के क्रमिक आवंटन के साथ जारी रहती है। करियर एडवांसमेंट स्कीम के निरंतर कार्यान्वयन का परिणाम संकाय सदस्यों के लिए कई पदोन्नतियां रही हैं। कई शैक्षणिक सदस्यों को शिक्षण में उनकी उत्कृष्टता के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। डीटीयू के शोध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि, जैसा कि इसके बढ़ते एच-इंडेक्स और 2023 में 2,020 शोध पत्रों के प्रकाशन से स्पष्ट है। शोध प्रयुक्तकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने के लिए, विश्वविद्यालय हर साल तीन अलग-अलग श्रेणियों में शोध पुरस्कार देता है: उत्कृष्ट, प्रीमियर और सराहनीय। कुल 25 प्रीमियर पुरस्कार और 416 सराहनीय पुरस्कार वितरित किए गए।

डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन (डीटीयू-आईआईएफ)

डीटीयू ने रचनात्मक कौशल और बौद्धिक संपदा पर क्षेत्रों के बढ़ते ध्यान के जवाब में डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन की स्थापना की है। यह फाउंडेशन एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है जो नए व्यवसायों, उद्यमशीलता के प्रयासों और बौद्धिक संपदा के सृजन को बढ़ावा दे। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है ताकि रोजगार सृजन, मूल्य संवर्धन और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित किया जा सके। वर्तमान में डीटीयू आईआईएफ के तहत विभिन्न क्षेत्रों में 30 से अधिक इनक्यूबेटिंग स्टार्ट-अप कंपनियां मौजूद हैं। कई छात्रों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार, 5जी हैकथॉन, टाइड 2.0 अनुदान आदि शामिल हैं।

आउटरीच और विस्तार

सामाजिक उद्यमिता पर केंद्रित अनेक परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए, डीटीयू ने दो केंद्र स्थापित किए हैं: आउटरीच एवं विस्तार गतिविधियाँ केंद्र और मानव संसाधन विकास केंद्र। इन कार्यक्रमों में कई तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं, जैसे एसिड हमलों के पीड़ितों के लिए प्रशिक्षण सत्र, महिलाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, रक्तदान अभियान, अंगदान जागरूकता अभियान, डिजिटल साक्षरता, ई-कचरा संग्रहण, जल निस्पंदन ईकाई की स्थापना, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान अभियान, वस्त्रदान पहल और स्वच्छता को बढ़ावा देने के अभियान। इसके अलावा, डीटीयू की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) छात्रों को समुदाय के साथ बेहतर संपर्क प्रदान करती है, जिससे विचारों और अंतर्दृष्टि का एक बड़ा भंडार जुड़ता है और परिसर और समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनती है।

अपने सक्रिय शोध और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, डीटीयू एक समृद्ध तकनीकी और खेल संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय नियमित रूप से कई गतिविधियों का आयोजन करता है ताकि छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे परिसर का जीवंत और विविध समुदाय और भी समृद्ध होता है। हर साल, डीटीयू उद्यमिता प्रकोष्ठ एक "ई-शिखर सम्मेलन" का आयोजन करता है, जिसे हैवेल्स, बॉश, पैक्सफुल, हेल एनर्जी और अन्य कंपनियों का समर्थन प्राप्त होता है। नए व्यवसाय इस आयोजन का उपयोग व्यावसायिक जगत के समान विचारधारा वाले लोगों से सलाह और दिशा प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। डीटीयू सांस्कृतिक परिषद ने 15 से 17 फरवरी, 2024 तक "इंजिफेस्ट" का आयोजन किया जिसका उद्देश्य छात्रों को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहयोग करने और भाग लेने

के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक परिषद ने हाल ही में प्रवेश पाने वाले छात्रों के लिए 20-21 अक्टूबर, 2023 तक "आरंभ" नामक दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि उन्हें विश्वविद्यालय में स्थापित होने और परिसर के संसाधनों से परिचित होने में मदद मिल सके। इसके अतिरिक्त, 13-14 फरवरी, 2024 को दो दिवसीय कार्यक्रम "युवान: साहित्य एवं फिल्म महोत्सव" और 9-12 फरवरी, 2024 को चार दिवसीय कार्यक्रम "इन्विक्टस" आयोजित करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, 4-10 नवंबर, 2023 तक, आईईईई-डीटीयू ने "आईईईई डीटीयू टेकवीक 23" की मेजबानी की, जिसका उद्देश्य डीटीयू और अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को व्यावहारिक परियोजना निर्माण का अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ कई तकनीकी कार्यशालाएँ आयोजित करना था। शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखना संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। छात्रों को प्रेरित करने और उन्हें विभिन्न खेलों में रुचि दिलाने के लिए, डीटीयू नियमित रूप से विभिन्न खेल आयोजनों का आयोजन करता है। डीटीयू के संकायों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता "पराक्रम" का आयोजन 14 से 17 फरवरी, 2024 तक किया गया।

डीटीयू रैंकिंग

देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग संस्थानों पर विभिन्न स्वतंत्र सर्वेक्षणों में से प्रत्येक में डीटीयू को भारत के 10 सर्वश्रेष्ठ अभियांत्रिकी संस्थानों में से प्रथम स्थान मिला है। 2023 में इंडिया टुडे द्वारा डीटीयू को विश्वविद्यालय श्रेणी में 6वां और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में 8वां स्थान दिया गया है। 2023 की एनआईआरएफ रैंकिंग में डीटीयू को इंजीनियरिंग संस्थानों में 29वां और विश्वविद्यालयों की श्रेणियों में 40वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने तीसरी बार टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भाग लिया है और 2023 में विश्वविद्यालय श्रेणी में 601-800 स्थान पर और भारत में 7वां स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूट्स ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स (एआरआईआईए) में विश्वविद्यालय ने "राज्य विश्वविद्यालय और डीम्ड विश्वविद्यालय (सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त) (तकनीकी)" श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया है। एनएएसी ने विश्वविद्यालय को "A" मान्यता प्रदान की है। इसके अलावा, डीटीयू विभिन्न कार्यक्रमों के मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है; परिणाम स्वरूप, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने कुल 8 स्नातक और 9 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को मान्यता दी है। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने भी कार्य शुरू कर दिया है।

गुणवत्ता संवर्द्धन के लिए कई पहल की गई हैं, जिनमें प्रक्रियाओं में ईआरपी और ई-गवर्नेंस का कार्यान्वयन, प्रश्न पत्रों का मानकीकरण, एसओपी के अनुसार नियमित प्रक्रिया ऑडिट करना, फीडबैक एकत्र करना और उसका विश्लेषण करना, परिसर का ग्रीन ऑडिट करना और आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त करना शामिल है।

डीटीयू, जीएनसीटीडी, एमएचआरडी, डीएसटी, एआईसीटीई, यूजीसी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीआरडीओ द्वारा प्रदान की जा रही निरंतर वित्तीय सहायता के लिए अत्यंत आभारी है। हम विशेष रूप से उन समर्पित शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों को नमन करते हैं जिन्होंने डीटीयू को एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय बनाने में योगदान दिया।

डीटीयू उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा में निरंतर योगदान देते हुए और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पित है। हम माननीय उपराज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, वित्त एवं उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिवों और डीटीटीई, दिल्ली के निदेशक के निरंतर सहयोग के लिए अत्यंत आभारी हैं। अकादमिक परिषद, योजना बोर्ड, वित्तसमिति, प्रबंधन बोर्ड और अन्य समूहों में आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद।

इस अध्ययन पर समर्पित कार्य के लिए आईक्यूएसी संपादकीय टीम को धन्यवाद।

जय हिंद



प्रो. प्रतीक शर्मा
कुलपति, डीटीयू, दिल्ली

1. संगठन और प्रशासन

1.1 विश्वविद्यालय न्यायालय

विश्वविद्यालय न्यायालय समय-समय पर विश्वविद्यालय की व्यापक नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करता है। विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाना। न्यायालय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखाओं और ऐसे लेखाओं पर उसके लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर भी विचार करता है।

विश्वविद्यालय न्यायालय के सदस्य दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली (2023-24)



1.2 प्रबंधन के बोर्ड

प्रबंधन बोर्ड विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी समिति है और इसके पास विश्वविद्यालय अधिनियम और विश्वविद्यालय के नियमों के प्रावधानों के अधीन विश्वविद्यालय के प्रशासन के लिए आवश्यक शक्तियाँ एवं सभी अधिकार हैं। यह नियुक्तियों, वित्त, लेखा और निवेश के लिए अध्यादेश और विनियम भी बनाता है और विश्वविद्यालय में पदों का सृजन करने, कर्मचारियों के विभिन्न संवर्गों के वेतन ढांचे और नियम व शर्तें निर्धारित करने का अधिकार रखता है।

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली (2023-24)



1.3 शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। यह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यों को नियंत्रित करता है। विश्वविद्यालय के भीतर शिक्षण, शिक्षा, अनुसंधान और परीक्षा के मानकों को बनाए रखना और ऐसी अन्यशक्तियों का प्रयोग करना तथा ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करना जो अधिनियम और विधियों द्वारा उसे प्रदत्त या अधिरोपित किए जा सकते हैं। शैक्षणिक परिषद को सभी शैक्षणिक मामलों पर प्रबंधन बोर्ड को सलाह देने का अधिकार है।

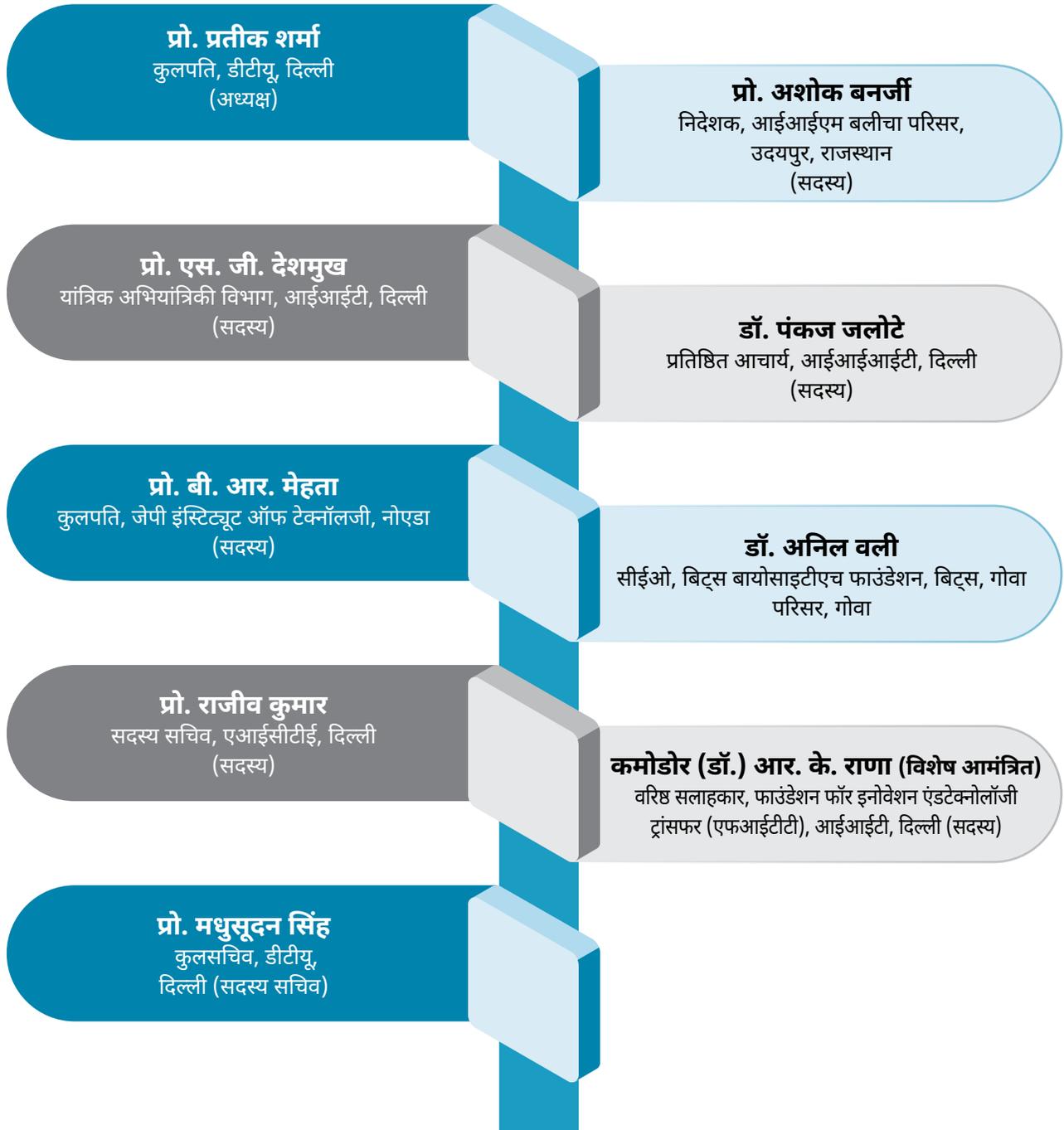
अकादमिक परिषद के सदस्य, डीटीयू, दिल्ली (2023-24)



1.4 योजना बोर्ड

योजना बोर्ड विश्वविद्यालय का प्रमुख नियोजन निकाय है। यह विश्वविद्यालय के विकास और विस्तार के लिए उपयुक्त योजनाएँ तैयार करता है। इसे विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक समझे जाने वाले किसी भी मामले पर प्रबंधन बोर्ड और विद्या परिषद को सलाह देने का अधिकार है।

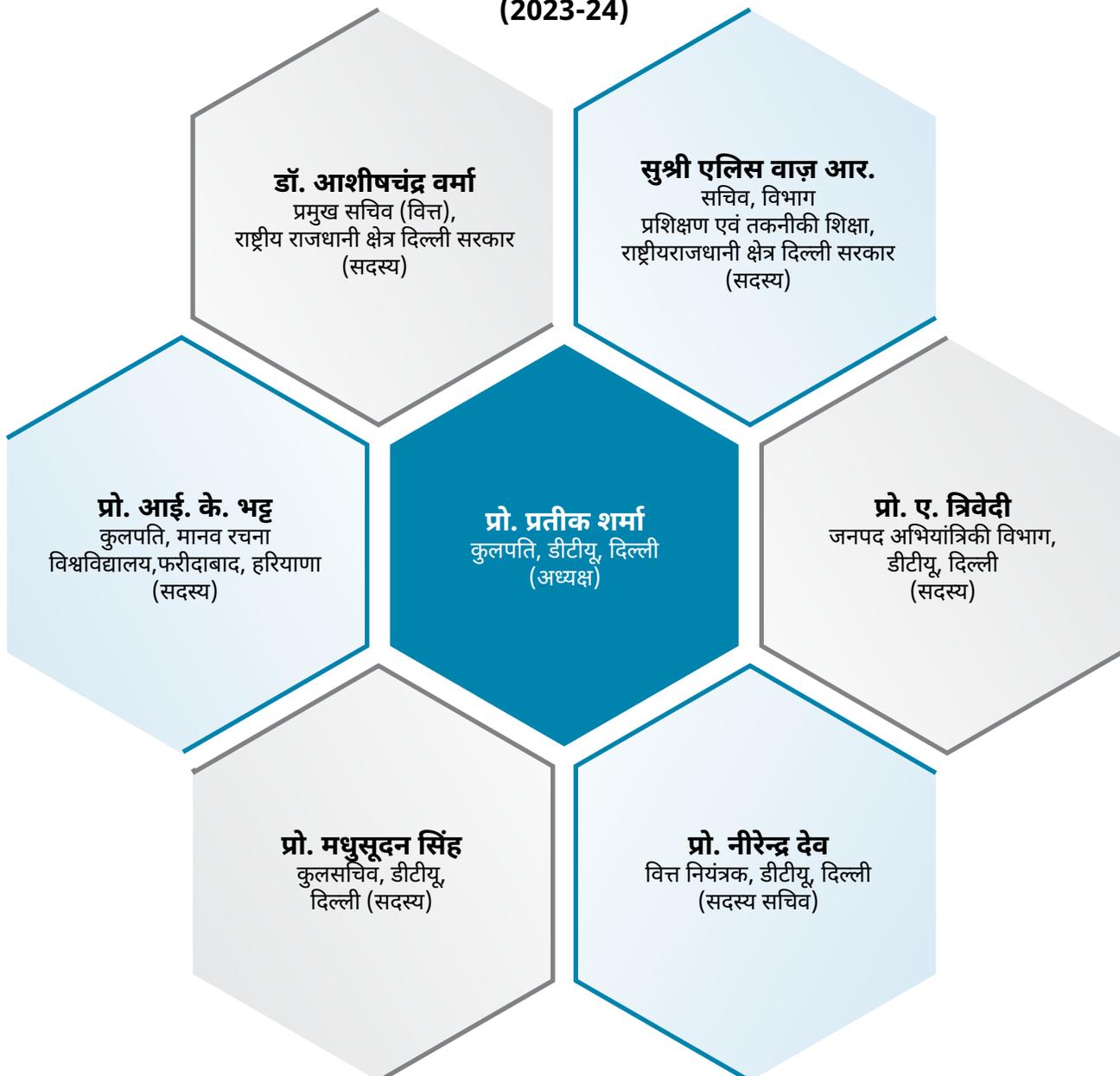
योजना बोर्ड के सदस्य दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली (2023-24)



1.5 वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की वित्तीय नीतियाँ विकसित करती है और विश्वविद्यालय के राजस्व एवं व्यय की देखरेख करती है (यह विश्वविद्यालय की गतिविधियों के माध्यम से राजस्व सृजन पर सिफारिशें करती है और इन सिफारिशों को निर्णय हेतु प्रबंधन बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करती है)। वित्त समिति विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट की जाँच और समीक्षा करती है, वित्तीय मामलों पर अपनी सिफारिशें प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत करती है। वेतन संशोधन, वेतनमानों के उन्नयन और बजट में शामिल न किए गए मदों से संबंधित सभी प्रस्तावों की वित्त समिति द्वारा जाँच की जाती है।

विश्वविद्यालय न्यायालय के सदस्य दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली (2023-24)



1.6 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने शिक्षा की गुणवत्ता संस्कृति को बनाए रखने, आश्वासन करने और बढ़ाने के लिए एक आंतरिक तंत्र के रूप में गुणवत्ता चेतना की गति को बनाए रखने हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना की है। डीटीयू-आईक्यूएसी, वास्तव में, हितधारकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक गुणवत्ता संस्कृति के निर्माण और उसे सुनिश्चित करने हेतु एक तंत्र के रूप में परिकल्पित है। डीटीयू-आईक्यूएसी का उद्देश्य विश्वविद्यालय की गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाना, मार्गदर्शन करना और निगरानी करना है। आईक्यूएसी शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों और उपायों को दिशा प्रदान करता है और विश्वविद्यालय का एक सुविधाप्रद और सहभागी अंग है। यह कमियों को दूर करने और गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु हस्तक्षेप रणनीतियों पर काम करके गुणवत्ता लाने की प्रेरक शक्ति है।

अध्यक्ष

प्रो. प्रतीक शर्मा
डीटीयू के कुलपति

सदस्य - सभी स्तरों का प्रतिनिधित्व करनेवाले शिक्षक

- प्रो. नीरेन्द्र देव, आचार्य, सीईडी
- प्रो. राजेश्वरी पांडे, आचार्य, ईसीई
- प्रो. रिकू शर्मा, आचार्य, अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान
- प्रो. अमित मुखर्जी, आचार्य, यूएसएमई
- प्रो. पूर्णिमा मित्तल, आचार्य, ईसीई
- प्रो. अनिल कुमार, आचार्य, अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान
- डॉ. शिल्पा पाल, सहायक आचार्य, सीईडी

सदस्य - प्रबंधन, डीटीयू, दिल्ली से

- डीन, डीटीयू, बीओएम में नामित

सदस्य - कुछ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

- प्रो मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू
- प्रो राजेश्वरी पांडे, सीओई, डीटीयू
- प्रो नीरेन्द्र देव, सीओएफ, डीटीयू
- श्री. प्रदीप तियोतिया, प्रभारी अधिकारी एस एंड पी, डीटीयू

सदस्य - स्थानीय समाज, छात्रों और पूर्वछात्रों में से प्रत्येक से एक नामित व्यक्ति

- श्री अरुण गुप्ता, पूर्व छात्र, डीटीयू
- श्री कृष अग्रवाल, ईसीई - छात्र
- श्री अरुण अग्रवाल, स्थानीय सोसायटी

सदस्य - नियोक्ता/उद्योगपति/विभाग से एक-एक नामित व्यक्ति/हित धारक

- श्री सुनील सिंह सोलंकी, एशिया प्रशांत जापान प्रमुख - एसएपी क्लाउड प्लेटफॉर्म।
- श्री पीयूष सी. ओझा, उपाध्यक्ष, सिनर्जी सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस, नोएडा, यू.पी.
- श्री प्रमोद कुमार पांडा, दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र, दूरसंचार विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी और रेलवे मंत्रालय, भारत सरकार।

सदस्य सचिव - आईक्यूएसी के समन्वयक/निदेशक के रूप में वरिष्ठ शिक्षकों में से एक-

- प्रो. नीता पांडे, निदेशक आईक्यूएसी, डीटीयू

आईक्यूएसी कोर टीम के सदस्य



1.7 डीटीयू प्रशासन

कुलपति



प्रो. प्रतीक शर्मा
(29 नवंबर, 2023- वर्तमान)



प्रो. एस. इंदु
(26 सितंबर, 2023-28 नवंबर, 2023)



प्रो. जे. पी. सैनी
(8 अक्टूबर, 2021 - 25 सितंबर, 2023)



कुलसिचव
प्रो. मधुसूदन सिंह

डीन



प्रो. रिकू शर्मा
शैक्षणिक (पीजी)



प्रो. राजेश्वरी पांडे
शैक्षणिक (स्नातक)



प्रो. एस इंदु
छात्र कल्याण



प्रो. नीरेन्द्र देव
योजना एवं परामर्श



प्रो. राजेश रोहिल्ला
पूर्व छात्र विभाग



प्रो. प्रवीर कुमार
अंतरराष्ट्रीय मामले



प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव
जनसंपर्क और विस्तार गतिविधियाँ



प्रो. राजीव चौधरी
छात्र अनुशासन



प्रो. प्रगति कुमार
औद्योगिक अनुसंधान विकास

निदेशक



प्रो. आर. सी. सिंह
खेल परिषद



प्रो. नीता पांडे
आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ

भर्ती प्रकोष्ठ



प्रो. वी. के. मिनोचा
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)



प्रो. यशा हसीजा
(19 सितंबर-31 दिसंबर, 2023)



प्रो. दिनेश कुमार
(1 अगस्त, 2019 - 19 सितंबर, 2023)

मानव संसाधन विकास केंद्र



प्रो. पी. के. गोयल
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)



प्रो. एस. अंबु कुमार
(1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर 2023)

समान अवसर प्रकोष्ठ



प्रो. अंजना गुप्ता
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)



प्रो. रचना गर्ग
(15 नवंबर 2018-31 दिसंबर 2023)

प्रशासन

विभाग के प्रमुख

अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान प्रो. अनिल कुमार
अनुप्रयुक्त गणित प्रो. रमेश श्रीवास्तव (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) प्रो. एस. शिवप्रसाद कुमार (1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
अनुप्रयुक्त भौतिकी प्रो. ए.एस. राव
जैव प्रौद्योगिकी प्रो. यशा हसीजा (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) प्रो. प्रवीर कुमार (1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी प्रो. विनोद कुमार
जनपद इंजीनियरिंग प्रो. के.सी. तिवारी (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) प्रो. वी. के. मिनोचा (1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट डॉ. सौरभ अग्रवाल (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) डॉ. अर्चना सिंह (1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
अभिकल्प विभाग प्रो. आर. सी. सिंह (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी (27 सितंबर, 2018 - 31 दिसंबर, 2023)
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी प्रो. ओ. पी. वर्मा
विद्युत. अभियांत्रिकी प्रो. रचना गर्ग
पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रो. अनिल कुमार हरिताश
मानविकी विभाग डॉ. सरोज बाला (1 जनवरी, 2024 - वर्तमान) प्रो. नंद कुमार (1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
सूचना प्रौद्योगिकी प्रो. दिनेश के. विश्वकर्मा
यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रो. बी. बी. अरोड़ा (23 अप्रैल, 2024 - वर्तमान) प्रो. एस. के. गर्ग (10 अप्रैल, 2024 - 19 अप्रैल, 2024)
सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी प्रो. रुचिका मल्होत्रा
यूएसएमई प्रो. अमित मुखर्जी
बी. टेक. ईवनिंग प्रो. राम भगत

सह डीन एवं सह निदेशक

सह डीन, यूजी प्रो. प्रिया महाजन
सह डीन, पीजी प्रो. राजू सरकार
सह डीन, पी एंड सी प्रो. मुनेंद्र कुमार
सह डीन, आईआरडी प्रो. रोली पुरवार
सह डीन, पूर्व छात्र मामले यशा हसीजा
सह डीन, छात्र कल्याण प्रो. राम सिंह
सह डीन, छात्र अनुशासन प्रो. डी. सी. मीणा
सह डीन, आउटरीच और एक्सटेंशन प्रो. नितिन पुरी
सह निदेशक, एचआरडीसी प्रो. विनोद सिंह (12 अप्रैल, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)
सह निदेशक, आईक्यूएसी डॉ. शिल्पा पाल

अन्य

परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेश्वरी पांडे (12 मार्च, 2024 - वर्तमान) डॉ. कमल पाठक (17 अप्रैल, 2017 - 5 मार्च, 2024)
वित्त नियंत्रक प्रो. निरेन्द्र देव
प्रो निरेन्द्र देव आचार्य राजेश रोहिल्ला
मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री दिव्या नारायण
मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. टी. विजय कुमार
उप कुलसचिव, स्थापना डॉ. रविंदर कौशिक
उप कुलसचिव, जनरल प्रशासन डॉ. अनिल कुमार
परीक्षा अधीक्षक प्रो. राजीव चौधरी
चीफ वार्डन प्रो. दिनेश. के. विश्वकर्मा
पुस्तकालयाध्यक्ष श्री आर. के. शुक्ला
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एम. जयसिंहाद्री
कार्यालय प्रभारी, अतिथि गृह प्रो. राजेश कुमार यादव
कार्यालय प्रभारी, स्वास्थ्य केंद्र प्रो. राजेश बिरोक
ओएसडी परिणाम श्री. मधुकर चेरुकुरी
सहायक कुलसचिव, स्टोर एवं खरीद डॉ. प्रदीप तेवतिया
सहायक कुलसचिव, कानूनी, योजना, आर टीआई, सतर्कता डॉ. लोकेश गर्ग
सहायक कुलसचिव, यूएसएमई डॉ. विवेक त्रिपाठी
नॉलेज नेटवर्क प्रबंधक श्री पीयूष वैश्य
सुरक्षा अधिकारी, परिवहन अधिकारी एवं ओआईसी एनसीसी डॉ. राघवेंद्र गौतम

2. शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

2.1 अकादमिक स्टाफ

क्र. सं.	विभाग	आचार्य	सहायक/ एमेरिटस प्रोफेसर	सह-आचार्य	सहायक आचार्य	संविदात्मक/ विजिटिंग संकाय	प्रोग्रामर/ फोरमैन प्रशिक्षक	कुल
1.	अनुप्रयुक्त रसायन	7	1	3	2	-	-	13
2.	अनुप्रयुक्त गणित	8	-	2	10	-	-	20
3.	अनुप्रयुक्त भौतिकी	7	-	6	8	-	-	21
4.	जैव प्रौद्योगिकी	3	-	2	-	3	-	8
5.	जनपद अभियांत्रिकी	16	-	4	4	-	-	24
6.	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	7	2	-	13	1	1	24
7.	अभिकल्प विभाग	2	-	-	5	-	-	7
8.	दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2	-	4	7	-	-	13
9.	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	13	-	3	29	-	-	45
10.	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी	21	2	4	21	1	-	49
11.	पर्यावरणीय अभियांत्रिकी	2	-	2	2	-	-	6
12.	मानविकी	3	-	1	1	-	-	5
13.	सूचना प्रौद्योगिकी	3	-	2	5	-	-	10
14.	मैकेनिकल अभियांत्रिकी	23	-	12	-	4	2	41
15.	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी विभाग	1	-	2	5	2	-	10
16.	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एवं उद्यमिता	1	-	1	12	4	-	18
कुल		119	5	48	124	15	3	314

2.2 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

क्र. सं.	पद	कुल भरा हुआ पद	वर्तमान पोस्टिंग	टिप्पणी
1	कुलपति	1	कुलपति कार्यालय	नियमित
2	मुख्य परिचालन अधिकारी	1	संगणक केंद्र	नियमित
3	उप कुलसचिव	2	स्थापना शाखा	नियमित
			सामान्य प्रशासन	नियमित
4	उप लेखा नियंत्रक (डीसीए)	1	लेखा शाखा	प्रतिनियुक्ति
5	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	2	लेखा शाखा	प्रतिनियुक्ति
6	ईडीपी प्रबंधक	1	परिणाम अनुभाग	नियमित
7	केएनएम	1	संगणक केंद्र	नियमित
8	सिस्टम प्रबंधक	1	संगणक केंद्र	नियमित
9	सहायक कुलसचिव	3	पूर्वी परिसर	नियमित
			कानूनी शाखा, योजना शाखा, सतर्कता शाखा, पीजीएमएस और आरटीआई	नियमित
			सेल स्टोर और खरीद	प्रतिनियुक्ति
10	एएओ	1	लेखा शाखा	प्रतिनियुक्ति
11	सहायक प्रोग्रामर	3	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी- 1	नियमित
			संगणक सेंटर-2	नियमित
12	मुख्य स्टोर कीपर	1	भंडार	नियमित
13	प्रोग्रामर	1	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	नियमित
14	अनुभाग अधिकारी	4	स्थापना शाखा - 1	नियमित
			स्टोर और खरीदारी - 1	नियमित
			स्थापना शाखा - 1	प्रतिनियुक्ति
			लेखा शाखा-1	प्रतिनियुक्ति
15	एसओए	3	कानूनी एवं सतर्कता - 1	नियमित
			सामान्य प्रशासन - 1	नियमित
			शैक्षणिक (यूजी) - 1	प्रतिनियुक्ति
16	ड्राफ्ट्समैन	1	यांत्रिक अभियांत्रिकी	नियमित
17	फोरमैन	6	विद्युत अभियांत्रिकी - 2	नियमित
			विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 3	नियमित

18	वरिष्ठ मैकेनिक	15	अनुप्रयुक्त भौतिकी - 2	नियमित
			जनपद अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			विद्युत अभियांत्रिकी - 2	नियमित
			विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 9	नियमित
19	कार्यालय सहायक	1	स्थापना शाखा	नियमित
20	जूनियर कार्यालय सहायक	2	पेंशन सेल - 1	नियमित
			लेखा शाखा - 1	नियमित
21	जूनियर अभियंता (सी)	1	अभियांत्रिकी सेल	नियमित
22	जूनियर मैकेनिक	5	यांत्रिक अभियांत्रिकी - 5	नियमित
23	मल्टी टास्किंग स्टाफ	3	विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			डायवर्टेड क्षमता पर डीटीटीई - 1	नियमित
			परियोजना कार्यालय - 1	नियमित
24	स्टेनोग्राफर ग्रेड-II	1	डीन (शैक्षणिक- पीजी)	नियमित
25	स्टेनोग्राफर ग्रेड-III	3	भर्ती शाखा - 1	नियमित
			छात्रावास कार्यालय - 1	नियमित
			वीसी कार्यालय - 1	नियमित
26	तकनीकी सहायक	3	जैव प्रौद्योगिकी - 1	नियमित
			विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान - 1	नियमित
27	ड्राइवर	1	व्यक्तिगत शाखा, वीसी कार्यालय	नियमित
28	काउंटर सहायक	3	पूर्वी परिसर - 1	नियमित
			केंद्रीय पुस्तकालय - 2	नियमित
29	चौकीदार	1	लेखा शाखा	नियमित
30	दफ्तरी	1	लेखा शाखा	नियमित
31	चपरासी	1	केंद्रीय पुस्तकालय	नियमित
32	लाइब्रेरी परिचारक	1	केंद्रीय पुस्तकालय	नियमित
33	सफाई कर्मचारी	4	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान - 1	नियमित
			छात्रावास कार्यालय - 1	नियमित
			संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी - 1	नियमित
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 1	नियमित
कुल		79		

2.3 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी (संविदा)

क्र. सं.	पद	कुल भरा हुआ पद	वर्तमान पोस्टिंग
1	कुलपति के निजी	1	डीन, ओईए
2	सचिव वरिष्ठ कार्यालय	2	स्थापना - 1 परीक्षा शाखा - 1
3	सहायक आशुलिपिक	1	कुलसचिव की प्राथमिक शाखा
4	कार्यालय सहायक	2	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी - 1 स्थापना - 1
5	जूनियर कार्यालय सहायक	27	परीक्षा शाखा - 1 मैकेनिकल अभियांत्रिकी - 1 पर्यावरण अभियांत्रिकी - 1 वीसी कार्यालय - 1 छात्रावास कार्यालय - 1 आरटीआई सेल - 1 परिणाम अनुभाग - 3 डीन एसडब्लू - 1 योजना शाखा - 1 शैक्षणिक पीजी - 2 स्थापना - 2 पूर्वी दिल्ली परिसर - 1 सामान्य प्रशासन - 1 परियोजना कार्यालय - 1 लेखा शाखा - 3 रजिस्ट्रार की प्रधान शाखा - 1 शैक्षणिक यूजी - 1 डिज़ाइन विभाग - 1 डीन यूजी - 1 सतर्कता - 1 सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी - 1 संगणक सेंटर - 1
6	सहायक लाइब्रेरियन	1	पुस्तकालय
7	काउंटर सहायक	2	पुस्तकालय
8	सहायक स्टोर कीपर	1	भण्डार एवं खरीद
9	केयरटेकर	1	परियोजना कार्यालय

10	ड्राइवर	2	परिवहन कार्यालय
11	सहायक प्रोग्रामर	3	परिणाम अनुभाग - 1
			संगणक केंद्र - 1
			अनुप्रयुक्त गणित - 1
12	नेटवर्क सहायक	2	संगणक केंद्र
13	तकनीकी सहायक	4	विद्युत और संचार अभियांत्रिकी - 1
			सूचना प्रौद्योगिकी - 1
			संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी - 1
			संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी - 1
14	जूनियर तकनीकी सहायक	14	विद्युत अभियांत्रिकी - 7
			सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी - 2
			अभियांत्रिकी भौतिकी - 3
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 2
15	सीनियर मैकेनिक	5	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान - 1
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 2
			जैव प्रौद्योगिकी - 2
16	सीनियर मैकेनिक जीपी-I	6	विद्युत अभियांत्रिकी - 1
			यांत्रिक अभियांत्रिकी - 5
17	वरिष्ठ मैकेनिक ग्रुप-II	3	मैयांत्रिक अभियांत्रिकी - 2
			विद्युत एवं संचार अभियांत्रिकी - 1
18	वरिष्ठ मैकेनिक ग्रुप-III	1	यांत्रिक अभियांत्रिकी
19	वरिष्ठ मैकेनिक ग्रुप-V	3	यांत्रिक अभियांत्रिकी
20	वरिष्ठ मैकेनिक ग्रुप-IV	1	मैयांत्रिक अभियांत्रिकी
21	जूनियर मैकेनिक	5	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान - 2
			अनुप्रयुक्त भौतिकी - 1
			जैव प्रौद्योगिकी - 1
			पर्यावरण अभियांत्रिकी - 1
22	जूनियर मैकेनिक जीपी-I	1	विद्युत अभियांत्रिकी
23	तकनीकी प्रशिक्षक जूनियर	1	विद्युत और संचार अभियांत्रिकी
24	अभियंता (विद्युत)	1	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ
25	जूनियर अभियांत्रिकी (जनपद)	1	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ
26	इलेक्ट्रीशियन	1	अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ
27	बावर्ची	1	अतिथि गृह
कुल			93

3. शैक्षणिक कार्यक्रम

3.1 स्नातकीय प्रोग्राम

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.)

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत अनुमोदित	कुल भर्ती संख्या
1	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान	रासायनिक अभियांत्रिकी	4 वर्ष	76	76
2	अनुप्रयुक्त गणित	गणित और कंप्यूटिंग	4 वर्ष	181	181
3	अनुप्रयुक्त भौतिकी	अभियांत्रिकी भौतिकी	4 वर्ष	116	116
4	जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी	4 वर्ष	76	76
5	जनपद अभियांत्रिकी	जनपद अभियांत्रिकी	4 वर्ष	151	151
6	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	4 वर्ष	481	481
		सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	4 वर्ष	181	181
7	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत अभियांत्रिकी	4 वर्ष	301	301
8	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	4 वर्ष	241	241
9	पर्यावरण अभियांत्रिकी	पर्यावरण अभियांत्रिकी	4 वर्ष	76	76
10	सूचना प्रौद्योगिकी	सूचना प्रौद्योगिकी	4 वर्ष	181	181
11	यांत्रिक अभियांत्रिकी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	4 वर्ष	301	301
		उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी	4 वर्ष	76	76
		यांत्रिक अभियांत्रिकी ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ	4 वर्ष	76	76
कुल		बी.टेक. जेएसी के माध्यम से प्रवेश	4 वर्ष	2514	2513
		बी.टेक. लेटरल एंट्री	3 वर्ष	57	52
		पीएमएसएसएस उम्मीदवार	-	15	13
कुल योग				2586	2578

बीबीए/बी.ए./बी.डिस.

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत कुल संख्या	कुल संख्या भर्ती
1	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (यूएसएमई)	बीबीए	3 वर्ष	182	182
		उद्यमिता (यूएसएमई) बीए-अर्थशास्त्र (ऑनर्स)	3 वर्ष	182	181
2	अभिकल्प विभाग	बी.डिस.	3 वर्ष	122	122
कुल				486	485

3.2 परास्नातक प्रोग्राम

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.)

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत कुल संख्या	प्रवेशित छात्र
1	जैव प्रौद्योगिकी	जैवसूचना विज्ञान	2 वर्ष	25+5	14
2	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	2 वर्ष	30+5	34
		कृत्रिम बुद्धिमत्ता	2 वर्ष	30+5	32
3	जनपद अभियांत्रिकी	संरचना अभियांत्रिकी	2 वर्ष	25+5	32
		भू - तकनीकी अभियांत्रिकी	2 वर्ष	25+5	11
4	सूचना प्रौद्योगिकी	सूचना प्रणाली	2 वर्ष	25+5	26
5	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	सिग्नल प्रोसेसिंग और डिजिटल डिज़ाइन	2 वर्ष	25+5	15
		वीएलएसआई डिज़ाइन और एम्बेडेड सिस्टम	2 वर्ष	25+5	26
6	विद्युत अभियांत्रिकी	नियंत्रण एवं इन्स्ट्रुमेंटेशन	2 वर्ष	25+5	07
		विद्युत-उर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रणाली	2 वर्ष	30+5	13
7	यांत्रिक अभियांत्रिकी	औद्योगिक अभियांत्रिकी और प्रबंधन	2 वर्ष	30+5	13
		संगणक सहायता प्राप्त विश्लेषण और डिज़ाइन	2 वर्ष	30+5	10
8	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	2 वर्ष	25+5	23
		डेटा विज्ञान	2 वर्ष	30+5	28
कुल				657+125	284

मास्टर ऑफ डिज़ाइन (एम.डिस.)

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत कुल संख्या	प्रवेशित छात्र
1	डिज़ाइन	एम.डिज़ाइन - इंटरैक्शन डिज़ाइन	2 वर्ष	15	13
		एम.डिज़ाइन - उत्पाद डिज़ाइन	2 वर्ष	15	8
		एम.डिज़ाइन - विजुअल कम्युनिकेशन	2 वर्ष	15	11
		एम.डिज़ाइन - परिवहन और सेवा डिज़ाइन	2 वर्ष	15	1
		एम.डिज़ाइन - जीवनशैली और सहायक उपकरण डिज़ाइन	2 वर्ष	15	3
कुल				75	36

प्रबंधन कार्यक्रम

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत कुल संख्या	प्रवेशित छात्र
1	यूएसएमई	एमबीए - नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास (एमबीए-आईईवी)	2 वर्ष	30	11
		एमबीए - बिजनेस एनालिटिक्स (एमबीए-बीए)	2 वर्ष	40	32
		मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	2 वर्ष	120	115
2	डीएसएम	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए-एग्जीक्यूटिव)	2 वर्ष	60	41
		मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	2 वर्ष	150	147
कुल				400	346

एम.एससी. प्रोग्राम

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	प्रवेशित छात्र
1	रसायन विज्ञान	एम.एससी.	2 वर्ष	60	51
	गणित		2 वर्ष	60	61
	भौतिकी		2 वर्ष	60	61
	जैव प्रौद्योगिकी		2 वर्ष	60	60
कुल				240	233

एम.ए. (अर्थशास्त्र) प्रोग्राम

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश	प्रवेशित छात्र
1	यूएसएमई	एमए (अर्थशास्त्र)	2 वर्ष	60	59

3.3 डॉक्टरेट प्रोग्राम

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रम	प्रवेशित शोधार्थी
1	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान	रासायनिक अभियांत्रिकी	11
		रसायन विज्ञान	01
2	अनुप्रयुक्त गणित	गणित	22
3	अनुप्रयुक्त भौतिकी	भौतिक विज्ञान	25
4	जैव प्रौद्योगिकी (बीटी)	जैव प्रौद्योगिकी	07
5	जनपद अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी	14
		बहुविषयक भूसूचना विज्ञान केंद्र	04
		खुशी के विज्ञान के लिए उत्कृष्टता केंद्र	03
6	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी (सीएसई)	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	11
7	विद्युत अभियांत्रिकी (ईई)	विद्युत अभियांत्रिकी	17
8	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (ईसीई)	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	19
9	मैकेनिकल अभियांत्रिकी (एमई)	यांत्रिक अभियांत्रिकी	15
10	पर्यावरण अभियांत्रिकी (ईएनई)	पर्यावरण अभियांत्रिकी	06
11	मानविकी (एचयूएम)	मानविकी	04
12	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	सूचना प्रौद्योगिकी	08
13	दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डीएसएम)	प्रबंधन	18
14	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (यूएसएमई)	प्रबंधन और उद्यमिता	03
		नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास	02
		अर्थशास्त्र	04
15	अभिकल्प विभाग	डिजाइन	03
कुल योग			197

4. शैक्षणिक विभाग

4.1 अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान विभाग



प्रो. अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक.
(केमिकल अभियांत्रिकी)
अनुमोदित: 76
प्रवेशित: 76

एमएससी
(रसायन विज्ञान)
अनुमोदित: 60
प्रवेशित: 51

पीएचडी
(रासायनिक अभियांत्रिकी)
प्रवेशित: 01

मुख्य विशेषताएं

विभाग का उद्देश्य अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान, रासायनिक अभियांत्रिकी और बहुलक प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अत्याधुनिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुगम बनाना हमारी प्रमुख चिंता है। रसायन विज्ञान, रासायनिक अभियांत्रिकी और बहुलक विज्ञान में नवाचार वैश्विक उद्योगों को हरित प्रौद्योगिकियां और उत्पाद प्रदान करने और नवीन पृथक्करण प्रक्रियाओं के डिजाइन पर केंद्रित हैं। मानव स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल में सुधार के लिए नए अणु, उन्नत कृषि उत्पादों के लिए हाइड्रोजेल, स्वच्छ जल के लिए पॉलीफाइब्रिल, संवाहक बहुलक, खाद्य पैकेजिंग के लिए नैनो-एम्बेडेड और हरित बहुलक कुछ ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जिनमें स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्र कल्पना से परे उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं।

विभाग ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के लिए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन करके औद्योगिक और शैक्षणिक संपर्क के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभाग के पूर्व छात्र प्रतिष्ठित संगठनों/उद्योगों में अच्छी स्थिति में हैं और कुछ भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

शोध प्रकाशन

पेटेंट मंजूर किया गया : 02 (राष्ट्रीय)
प्रकाशित : 03 (राष्ट्रीय)

पत्रिकाएँ : 81

सम्मेलन : 81

पुस्तक के अध्याय : 12

प्रयोगशालाएं

विभाग ने प्रयोगशालाएं भी स्थापित कर ली हैं, जहां सभी स्नातक, स्नातकोत्तर छात्र और अनुसंधान छात्र अपने शोध/परियोजनाएँ चलाते हैं। प्रयोगशाला में मौजूद उपकरणों के नाम नीचे दिए गए हैं:

बहुलक प्रसंस्करण प्रयोगशाला	ब्लो फिल्म प्लांट; हैंड इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन; एक्सट्रूजन ब्लो मोल्डिंग; दो रोल मिल; प्लास्टिक की अल्ट्रासोनिक वेल्डिंग; बॉक्स संपीड़न शक्ति परीक्षक; पाउच पैकेजिंग मशीन।
रासायनिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला	डिजिटल रिफ्रैक्टोमीटर; डबल पाइप हीट एक्सचेंजर; स्टीफन बोल्डज़मैन उपकरण; सरल भाप आसवन; धातु की छड़ और द्रव की तापीय चालकता के लिए उपकरण; इन्सुलेशनस्लैब की तापीय चालकता; प्राकृतिक और बलात् संवहन में ऊष्मा स्थानांतरण; बूँद-बूँद/ फिल्म-बूँद संघनन; उत्सर्जन मापन; वाष्प-द्रव संतुलन; पैकड बेड में द्रव-द्रव निष्कर्षण; पैकड बेड में अधिशोषण; छलनी प्लेट आसवन; पैकड बेड में अवशोषण।
प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग प्रयोगशाला	फ्लोक्व्यूलेशन परीक्षण इकाई; बेंजोइक अम्ल के विलयन की गतिकी; वलयाकार यूवी प्रकाश रिएक्टर; बहुलकीकरण रिएक्टर; रुद्धोष्म बैच रिएक्टर; इमल्शन बहुलकीकरण रिएक्टर; आरटीडी अध्ययन पैकड बेड रिएक्टर; मिश्रित प्रवाह रिएक्टर; प्लग प्रवाह रिएक्टर; सतत विरंजित टैंक रिएक्टर; नलिकाकार प्रवाह रिएक्टर स्वचालित अनुमापक।
इंस्ट्रुमेंटेशन लैब, ऊष्मा और द्रव्यमान स्थानांतरण प्रयोगशाला	एफटीआईआर उपकरण; नैनोफ्लैश; डीएमए उपकरण; वाष्प दाब ऑस्मोमीटर; डिलेटोमीटर; ऑसिलेटिंग डिस्क रियोमीटर; ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर; विरलन शक्ति परीक्षक; हाइड्रोलिक पेलेट प्रेस; थर्मो-ग्रेविमेट्रिक विश्लेषक।
फाइबर प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला	बीकर रंगाई मशीन; डीप फ्रीजर; इलेक्ट्रोस्पिनिंग मशीन; गर्म हवा ओवन; उच्च तापमान और उच्च दबाव रंगाई मशीन; प्रयोगशाला सेंट्रीफ्यूज; पीएच मीटर; यूवी-विज़स्पेक्ट्रोफोटो मीटर; अल्ट्रासोनिक क्लीनर; गीली कताई मशीन; वजन संतुलन।
संगणक सहायता प्राप्त अभिकल्प	संगणक, प्रिंटर; सॉफ्टवेयर: केम ऑफिस, ऑटोकैड, प्रोई।
नवाचार और अनुसंधान	मफल फर्नेस (50-1100 डिग्री सेल्सियस); अल्ट्रासोनिकेटर; इलेक्ट्रॉनिक तौल संतुलन; वैक्यूम फर्नेस और वैक्यूम पंप; पोर्टेशियोस्टेट / गैल्वेनोस्टेट मॉडल PG16125-EC; हाइड्रोथर्मल वेसल; यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोफोटोमीटर; FTIR स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किन एल्मर); रोटरीइवेपोरेटर; ओजोनोलाइज़र; मिलि-क्यू जल शोधन प्रणाली; सेंट्रीफ्यूज मशीन; वाटर बाथ; आटोक्लेव; ओवन; लेमिनार वायु प्रवाह; पोर्टेशियोस्टेट / गैल्वेनोस्टेट ऑटोलैब।





शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. अनिल कुमार
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: अकार्बनिक रसायन विज्ञान

प्रो. डी. कुमार
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: रसायन विज्ञान, पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

प्रो. एस. जी. वारकर
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: अकार्बनिक बहुलक सामग्री

प्रो. अर्चना रानी
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कार्बनिक रसायन विज्ञान

प्रो. राजेंद्र के. गुप्ता
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कार्बनिक रसायन विज्ञान

प्रो. अनुभा मंडल (सहायक)
(बी.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: वायु प्रदूषण

प्रो. राम सिंह
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कार्बनिक रसायन विज्ञान

प्रो. रोली पुरवार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: फाइबर प्रौद्योगिकी

सह-आचार्य

डॉ. ऋचा श्रीवास्तव
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कार्बनिक रसायन विज्ञान

डॉ. डी. संथिया
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नैनो जैव-प्रौद्योगिकी

डॉ. रमिंदर कौर
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: रासायनिक अभियांत्रिकी

सहायक आचार्य

डॉ. पूनम सिंह
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: अकार्बनिक रसायन विज्ञान

डॉ. मनीष जैन
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: रासायनिक अभियांत्रिकी

विभाग की उपलब्धियाँ:

अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। यह अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान, रासायनिक अभियांत्रिकी और बहुलक प्रौद्योगिकी के विविध विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अत्याधुनिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करता है। इसके नवाचार वैश्विक उद्योगों को हरित प्रौद्योगिकी और उत्पाद प्रदान करने पर केंद्रित हैं। विभाग में परियोजना कार्य और अनुसंधान हेतु पंद्रह सुव्यवस्थित प्रयोगशालाएँ हैं। पिछले एक वर्ष में, विभाग के संकायों ने लगभग 81 शोध पत्र और 12 पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया है। विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सम्मेलन कार्यवाहियों और पुस्तक अध्यायों में भी योगदान दिया है। विभाग के छात्रों को सुस्थापित उद्योगों में नियुक्तियाँ मिली हैं और उनमें से कुछ ने विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश भी लिया है।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/सह-
पीआई:
प्रो. रोली पुरवार

शीर्षक: पुनर्जीवित सिल्क फाइब्रोइन/मेटल ऑक्साइड नैनो कंपोजिट फिल्मस और हाइड्रोजेल्स का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डिजाइन और विकास।

एजेंसी: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)

राशि (₹): 29,95,693/-

स्वीकृति तिथि: 28 जून, 2023

अवधि: 3 वर्ष

प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण:

आविष्कारक:
रोली पुरवार और
चंद्र मोहन श्रीवास्तव

शीर्षक: सिल्क फाइब्रोइन लचीली फिल्में हाइड्रोजेल कणों और उसकी प्रक्रिया द्वारा तैयार किया गया।

स्थिति: प्रकाशित (भारतीय)

पेटेंट संख्या: 504734

पेटेंट प्रकाशन की तिथि: 30 जनवरी, 2024

आविष्कारक:
अनुजा अग्रवाल, रमिंदर कौर,
आर. एस. वालिया

शीर्षक: जैव-आधारित कठोर पॉलीयूरेथेन फोम संरचना और उसकी विधि।

स्थिति: प्रकाशित

पेटेंट संख्या: 201911027962

पेटेंट प्रकाशन की तिथि: 28 फरवरी, 2024

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	तारीख	कार्यक्रम की समन्वयक/सह-समन्वयक
20 अक्टूबर, 2023 को आचार्य एस. सुब्रमण्यन द्वारा विशेषज्ञ वार्ता, सामग्री अभियांत्रिकी विभाग, आईआईएससी, बेंगलोर, विषय "ई-कचरे का प्रसंस्करण: चुनौतियां और अवसर"	20 अक्टूबर, 2023	डॉ. दीनन संधिया
"कार्बोहाइड्रेट और बायोमास के इंटरफेस पर बुनियादी विश्लेषणात्मक और संबद्ध विज्ञान (CARBOXXXVII)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	30 नवंबर - 2 दिसंबर, 2023	प्रो. राम सिंह
नेताजी सुभाष की जयंती विकसित भारत के तहत चंद्र बोस अभियान।	23 जनवरी, 2024	प्रो. अर्चना रानी
"बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और स्टार्ट-अप के लिए आईपी प्रबंधन" पर कार्यशाला वरिष्ठ आईपी वकील श्री अरुणव मैती द्वारा।	22 मई, 2024	प्रो. रोली पुरवार
डॉ. जयकुमार कंडासामी द्वारा "पैलेडियम उत्प्रेरितहेके - प्रकार युग्मन अभिक्रियाएँ: सी-एरिलग्लाइकोसाइड्स के स्टीरियो-नियंत्रित संश्लेषण में अनुप्रयोग" पर विशेषज्ञ व्याख्यान।	4 अप्रैल, 2024	डॉ. राम सिंह
भारतीय रासायनिक अभियंता संस्थान का स्थापना दिवस।	24 फरवरी, 2024	डॉ. मनीष जैन
व्याख्यान श्रृंखला: आईआईसीएचई (एनआरसी)	30 मार्च, 2024	डॉ. मनीष जैन
सतत ईंधन उत्पादन को बढ़ाने के लिए पेट्रोलियम रिफाइनरियों का जैव-रिफाइनरियों के साथ एकीकरण।	21 जून, 2024	डॉ. रोली पुरवार (भारतीय रासायनिक इंजीनियर्स संस्थान (उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र) और भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) के सहयोग से)।



अनुसंधान, संकाय सदस्य आदान-प्रदान और छात्र आदान-प्रदान के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ:

संकाय सदस्य का नाम	सहयोगी	सहयोग का प्रकार	सहयोग शुरू हुआ
प्रो. आर. के. गुप्ता	प्रो. योगेश त्यागी, रसायन विज्ञान विभाग, बेसिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली।	संयुक्त पर्यवेक्षक	2022
प्रो. अर्चना रानी	डॉ. विधु अहेरी, फार्माकोग्नॉसी एवं फाइटोकेमिस्ट्री, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एवं रिसर्च, जामिया हमदर्द, दिल्ली।	एमएससी पर्यवेक्षण	2023
प्रो. रोली पुरवार	डॉ. नंदिनी, वैज्ञानिक ई, डीआरडीओ	अनुसंधान	2022
प्रो. राम सिंह	डॉ. योगेश कुमार त्यागी, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली और प्रो. गीतांजलि, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	अनुसंधान	2014
डॉ. रमिंदर कौर	प्रो. मोहम्मद जुल्फिकार, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली	अनुसंधान	2022

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

डॉ. रमिंदर कौर

शीर्षक: एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "अनुसंधान एवं नवाचार: प्रस्ताव लेखन उपकरण, तकनीकें और वित्तपोषण"

आयोजन: एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली-एनसीआर परिसर द्वारा महात्मा हंसराज मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएच-एमएमटीटीसी), विश्वविद्यालय के सहयोग से।

तिथि: 11 - 16 मार्च, 2024

शीर्षक: "स्थायित्व: एक हरित भविष्य की ओर अग्रसर" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।

आयोजन: पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग एसटीईपी-डीटीयू, दिल्ली के सहयोग

तिथि: 30 - 31 अक्टूबर, 2023

डॉ. रमिंदर कौर और डॉ. पूनम सिंह

शीर्षक: "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" पर एक सप्ताह का एफडीपी
आयोजक: शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक: 28 अगस्त - 3 सितंबर, 2023

राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता प्राप्त निकायों से:



वार्षिक प्रशस्ति पुरस्कार

प्रो. रोली पुरवार और प्रो. डी. कुमार

संचयी प्रशस्ति पुरस्कार

प्रो. डी. कुमार

अत्यधिक उद्धृत पेपर पुरस्कार

प्रो. डी. कुमार

सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार

प्रो. डी. कुमार, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. एस.जी. वारकर, प्रो. राम सिंह, प्रो. रोली पुरवार, डॉ. दीनन सैथिया, डॉ. रमिंदर कौर, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. मनीष जैन

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/ भूमिका	आयोजक	दिनांक
प्रो. राम सिंह	"संश्लेषण और उत्प्रेरण में उभरते प्रवृत्तियाँ (ईटीएससी-2023)" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	सामग्रियों में हाल के रुझान	एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा	12-13 अप्रैल, 2023
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एकीकृत रासायनिक विज्ञान"	अलज़ाइमर रोग: उपचार की संभावनाएँ	देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	7 अक्टूबर, 2023
	रसायन विज्ञान विभाग: रसायन नटवा, केमिकल सोसाइटी वेबिनार	हरित और टिकाऊ रसायन विज्ञान	हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	20 जनवरी, 2024
डॉ. पूनम सिंह	राष्ट्रीय कार्यशाला "बौद्धिक संपदा अधिकार, साहित्य खोज और औषधीय एवं संबद्ध विज्ञानों में अनुसंधान नैतिकता"	बौद्धिक संपदा फार्मास्युटिकल और संबद्ध विज्ञानों में अधिकार	औषधि विज्ञान विभाग औरआईआईसी एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय	23 फरवरी, 2024
	संकाय परिचय कार्यक्रम (अभिविन्यास कार्यक्रम 24 कार्य दिवसों के लिए)	दैनिक जीवन में रसायन शास्त्र	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश)	16 फरवरी, 2024

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:

समझौता ज्ञापन का विवरण:
डीटीयू, दिल्ली और भारतीय रासायनिक परिषद, आईसीसी, मुंबई, भारत के बीच हस्ताक्षरित
उद्देश्य: उद्योग अकादमिक संबंध को सुगम बनाना समझौता ज्ञापन
हस्ताक्षरित वर्ष: 2023
अवधि: 3 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण:
डीटीयू, दिल्ली और भारतीय रसायन परिषद, एससीओ, मुंबई, भारत के बीच हस्ताक्षरित
उद्देश्य: उद्योग-अकादमिक संबंध को सुविधाजनक बनाना
समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित वर्ष: 2023
अवधि: 3 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण:
डीटीयू और मित्सुई केमिकल्स लिमिटेड, भारत के बीच हस्ताक्षरित
उद्देश्य: दोनों संगठनों के बीच अनुसंधान एवं विकास सहयोग को सुगम बनाना
समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित वर्ष: 2023
अवधि: 3 वर्ष

अनुसंधान, संकाय सदस्य आदान-प्रदान और छात्र आदान-प्रदान के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ:

संकाय सदस्य का नाम	सहयोगी	सहयोग का प्रकार	सहयोग शुरू हुआ
प्रो. आर. के. गुप्ता	प्रो. योगेश त्यागी, रसायन विज्ञान विभाग, बेसिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली।	संयुक्त पर्यवेक्षक	2022
प्रो. अर्चना रानी	डॉ. विधु अहेरी, फार्माकोग्नॉसी एवं फाइटोकेमिस्ट्री, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एवं रिसर्च, जामिया हमदर्द, दिल्ली।	एमएससी पर्यवेक्षण	2023
प्रो. रोली पुरवार	डॉ. नंदिनी, वैज्ञानिक ई, डीआरडीओ	अनुसंधान	2022
प्रो. राम सिंह	डॉ. योगेश कुमार त्यागी, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली और प्रो. गीतांजलि, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय.	अनुसंधान	2014
डॉ. रमिंदर कौर	प्रो. मोहम्मद जुल्फिकार, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली।	अनुसंधान	2022

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. रमिंदर कौर, डॉ. डी. संधिया
गतिविधि का विवरण: ओपेन डे दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उद्देश्य: स्कूली छात्रों को जागरूक करना अक्टूबर, 2023 में डीटीयू, दिल्ली में अनुसंधान गतिविधियों के बारे में

संकाय सदस्य का नाम: प्रो. अनिल कुमार, प्रो. रोली पुरवार, प्रो. अर्चना रानी, डॉ. ऋचा श्रीवास्तव, डॉ. रमिंदर कौर
गतिविधि का विवरण: अकादमिक लेखा परीक्षक, एनबीए आंतरिक
उद्देश्य: प्रदर्शन का मूल्यांकन करना सितंबर, 2023 में बाह्य लेखापरीक्षा के लिए विभागों की

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:

छात्र का नाम	कार्यक्रम (डीटीयू)	उच्च शिक्षा के लिए कार्यक्रम	विश्वविद्यालय
श्रुति सामंतराय	बी.टेक.	मास्टर्स	डेल्टा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शिक्षा एवं छात्र मामले, नीदरलैंड
भावुक रोहिल्ला	बी.टेक.	मास्टर्स	टोक्यो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
अनुष्का जंतवाल	एमएससी	पीएचडी	केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन
प्रिंसी सिंह	एमएससी	पीएचडी	इंडियाना विश्वविद्यालय, ब्लूमिंगटन
हेमा तेवतिया	एमएससी	पीएचडी	नेब्रास्का-लिनकन विश्वविद्यालय
एकता यादव	एमएससी	परियोजना सहयोगी	आईआईएसईआर, भोपाल

छात्रों की उपलब्धियाँ:

छात्र का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	तारीख
दिव्यम यादव	बी.टेक.	"शेल टेक्नोलॉजी सेंटर बैंगलोर में नेट ज़ीरो चैलेंज फिनाले" में भाग लिया।	11 अक्टूबर, 2023
यशिका कनौजिया	बी.टेक.	आकाशवाणी, दिल्ली द्वारा आयोजित "आज की दुनिया में" जी20 सांस्कृतिक कार्यक्रम में पेट्रोकेमिकल्स में भाग लिया।	23 अगस्त, 2023
शायनी	बी.टेक.	आकाशवाणी, दिल्ली द्वारा आयोजित "आज की दुनिया में" जी20 सांस्कृतिक कार्यक्रम में पेट्रोकेमिकल्स में भाग लिया।	23 अगस्त, 2023

4.2 अनुप्रयुक्त गणित विभाग



प्रो. एस. शिवप्रसाद कुमार
विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)



प्रो. रमेश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक. गणित और कंप्यूटिंग
अनुमोदित: 181
प्रवेशित: 181

एम.एससी. गणित
अनुमोदित: 60
प्रवेशित: 61

पीएचडी
प्रवेशित: 22

शोध प्रकाशन

पेटेंट प्रकाशित : 01 (राष्ट्रीय)

पत्रिकाएँ: 44

सम्मेलन : 02

पुस्तक अध्याय : 01

मुख्य विशेषताएं

डीटीयू में अनुप्रयुक्त गणित विभाग अपनी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में कार्य करता है गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटिंग में एक मजबूत आधार प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह विभाग छात्रों को सैद्धांतिक समझ व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करता है। व्यापक पाठ्यक्रम को मूल गणितीय अवधारणाओं को उनके वास्तविक-विश्व अनुप्रयोगों के साथ सहजता से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्नातक शैक्षणिक गतिविधियों और उद्योग की माँगों दोनों से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हों।

विभाग की सफलता का मूल इसके उच्च योग्यता प्राप्त संकाय सदस्यों की टीम है, जिनकी विशेषज्ञता विविध गणितीय क्षेत्रों में फैली हुई है। ये संकाय सदस्य शिक्षण और अनुसंधान दोनों के प्रति गहन रूप से प्रतिबद्ध हैं, और सक्रिय रूप से ऐसी क्रांतिकारी परियोजनाओं में संलग्न हैं जो विभाग की शैक्षणिक छवि को बेहतर बनाती हैं। उनका योगदान कक्षा से परे भी है, क्योंकि वे नवीन शोध पहलों का नेतृत्व करते हैं और अंतर्विषयक परियोजनाओं पर सहयोग करते हैं, जो विद्वानों की खोज और बौद्धिक विकास की एक गतिशील संस्कृति को दर्शाता है।

अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता का यह जीवंत वातावरण विभाग के प्रभावशाली प्रकाशनों और सहयोगात्मक द्वारा और भी स्पष्ट होता है। संकाय सदस्य लगातार उच्च-प्रभावी अनुसंधान में शामिल रहते हैं, और ऐसे कार्य करते हैं जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर प्रतिध्वनित होते हैं। ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए अपने समर्पण के माध्यम से, विभाग अनुप्रयुक्त गणित में एक अग्रणी के रूप अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखता है, और ऐसे छात्रों और विद्वानों को आकर्षित करता है जो इस क्षेत्र में सार्थक योगदान लिए उत्सुक हैं।



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला का विवरण
अनुसंधान प्रयोगशाला I	"सूचना सुरक्षा और क्रिप्टोग्राफी" एक शोध प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य एक सैद्धांतिक ढाँचा विकसित करना है जो सूचना सिद्धांत को समझने के लिए विचार को उन्नत कर सके।
अनुसंधान प्रयोगशाला III	इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को सिग्नल प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए आवश्यक विभिन्न उपकरणों और सॉफ्टवेयर तक पहुँच प्रदान करना है।
कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला I	ये प्रयोगशालाएँ विभिन्न गणितीय समस्याओं के लिए कंप्यूटर के उपयोग की समझ प्रदान करती हैं। छात्र मैटलैब, एसपीएसएस और सी++, जावा, पाइथान, .NET, मैटलैब, माइएसक्यूएल आदि जैसी कंप्यूटर भाषाओं का उपयोग करना सीखते हैं।
कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला II	
कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला III	
कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला IV	



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. रमेश श्रीवास्तव
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: वित्तीय गणित

प्रो. संगीता कंसल
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पेट्री नेट सिद्धांत

प्रो. एस. शिवप्रसाद कुमार
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: जटिल विश्लेषण

प्रो. नवकान्त देव
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सन्निकटन सिद्धांत और
वास्तविक विश्लेषण

प्रो. अंजना गुप्ता
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: अनुकूलन तकनीक, फ़ज़ी लॉजिक
और अनुकूलन

प्रो. एल. एन. दास
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: अनुकूलन तकनीकें

प्रो. सी.पी. सिंह
(एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान

प्रो. आदित्य कौशिक
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विभेदक समीकरण और
संख्यात्मक विश्लेषण

सह-आचार्य

डॉ. विवेक कुमार अग्रवाल (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: संख्यात्मक सिमुलेशन

डॉ. नीलम (एम.फिल., पीएच.डी.)
अनुसंधान क्षेत्र: गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन,
महामारी विज्ञान

सहायक आचार्य

डॉ. दिनेश उदार (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बीजगणित

श्री रोहित कुमार [एम.एससी., पीएचडी (अध्ययनरत)]
अनुसंधान क्षेत्र: क्वांटम सूचना, ग्राफ सिद्धांत

डॉ. गुंजन जैन (पीएचडी, एम.टेक., बी.ई.)
अनुसंधान क्षेत्र: प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, खेल सिद्धांत

डॉ. सत्यब्रत अधिकारी (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: क्वांटम सूचना प्रसंस्करण

सुश्री ताशा गुप्ता (एम.टेक., एम.एससी.)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर विज्ञान

डॉ. धीरेन्द्र कुमार (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: चिकित्सा छवि विभाजन, सिग्नल
प्रोसेसिंग, छवि क्रिप्टोग्राफी

डॉ. पायल (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पेट्री नेट सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत

सुश्री सुमेधा सेनियाराय (एम.टेक., बी.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: निर्देश का पता लगाना,
नेटवर्क सुरक्षा, मशीन लर्निंग

डॉ. अंशुल अरोड़ा (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन

श्री क्लॉक टौथांग (एम.एससी., एम.फिल.)
अनुसंधान क्षेत्र: फ़्रेम सिद्धांत, हार्मोनिक
विश्लेषण, कार्यात्मक विश्लेषण

विभाग की उपलब्धियाँ:

उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में 44 शोध पत्र प्रकाशित
विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा।

अनुप्रयुक्त गणित विभाग एनबीए द्वारा तीन साल के लिए मान्यता प्राप्त है।

विभाग ने गणित दिवस मनाया।

विकसित भारत-2047 मिशन के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विभाग ने एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया
"मेपल" सेमिनटिव्स के सहयोग से।

"दान का आनंद सप्ताह" का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और
कर्मचारियों को पुस्तकें, कपड़े, खिलौने आदि दान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/
सह-पीआई:
प्रो. आदित्य
कौशिक

शीर्षक: विलक्षण रूप से विक्षुब्ध साधारण और आंशिक विभेदक
समीकरणों के लिए उच्च क्रम अनुकूली अंतर योजनाएँ।

एजेंसी: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)

राशि (₹): 6.6 लाख स्वीकृति

तिथि: 12 मई, 2024

अवधि: 3 वर्ष | **स्थिति:** जारी

2023-24 में प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण:

आविष्कारक के नाम:

डॉ. नेहा पुनेठा,
डॉ. सुमन मदान,
डॉ. प्रवीण अरोड़ा,
डॉ. गुंजन जैन

पेटेंट का शीर्षक: कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का
उपयोग करके व्यक्तिगत नौकरी अनुशंसाओं के
लिए प्रणाली और विधि।

स्थिति: प्रकाशित

पेटेंट संख्या: 202411052482

दिनांक: 26 जुलाई, 2024

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	तारीख	कार्यक्रम के विभाग समन्वयक/ सह-समन्वयक
गणित दिवस समारोह	18 - 20 दिसंबर, 2023	डॉ. धीरेंद्र कुमार
डॉ. प्रमोद कंवर द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	8 जनवरी, 2024	डॉ. दिनेश उदार डॉ. सत्यब्रत अधिकारी
डॉ. विकास चौहान द्वारा आमंत्रित वार्ता	15 जनवरी, 2024	डॉ. अंशुल अरोड़ा
दान का आनंद	5 - 9 फरवरी, 2024	डॉ. धीरेंद्र कुमार
डॉ. देबराता पाल द्वारा आमंत्रित व्याख्यान	8 फरवरी, 2024	डॉ. सत्यब्रत अधिकारी डॉ. दिनेश उदार
एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम "मेपल, एसपीएसएस और स्टेटक्राफ्ट"	12- 16 फरवरी, 2024	डॉ. दिनेश उदार डॉ. सत्यब्रत अधिकारी
एवोल्यूट 24	27 - 28 फरवरी, 2024	डॉ. अंशुल अरोड़ा
पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता	28 फरवरी, 2024	डॉ. धीरेंद्र कुमार



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

संकाय सदस्य का नाम	घटना विवरण	आयोजक	तारीख	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹)
डॉ. गूंजन जैन	दो सप्ताह का "एनईपी 2020 अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम"	अन्तर्राष्ट्रीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (म.प्र.)	16 - 27 दिसंबर, 2023	1000
डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा से नियारे, सुश्री त्रशा गुप्ता	"कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित डेटा व्यावसायिक अनुसंधान एवं शिक्षण हेतु विश्लेषण" पर एक सप्ताह का एफडीपी	प्रबंधन अध्ययन विभाग, एबीवी - आईआईआईटीएम, ग्वालियर	24 - 30 मई, 2024	2000 (प्रत्येक)

अनुसंधान, संकाय सदस्य आदान-प्रदान और छात्र आदान-प्रदान के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ:

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. सत्यव्रत अधिकारी
सहयोग का प्रकार: भट्ट मीट कमलेश भाई (2311051) प्रथम वर्ष एकीकृत एम.एससी., एनआईएसईआर, भुवनेश्वर
सहयोग प्रारंभ तिथि: ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
सहयोग की तिथि: 16 जून, 2024

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक विकास का शीर्षक कार्यक्रम	आयोजक	तारीख
प्रो. सी. पी. सिंह	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "गुरुत्वाकर्षण, खगोल विज्ञान और भौतिक विज्ञान ब्रह्मांड विज्ञान (ईसीजीएसी-2024)"	सीसीएसएस, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा	14 - 16 जून, 2024
श्री रोहित कुमार	"डेटा एनालिटिक्स स्प्रेडशीट का उपयोग" पर औद्योगिक प्रशिक्षण	एनआईईएलईटी, गोरखपुर	1 - 16 जुलाई, 2024
श्री रोहित कुमार, डॉ. गुंजन जैन, डॉ. धीरेन्द्र कुमार, डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय	एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम "मेपल, एसपीएसएस और स्टेटक्राफ्ट"	अनुप्रयुक्त गणित विभाग, डीटीयू	2 - 16 फ़रवरी, 2024
डॉ. गुंजन जैन, डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में इसका अनुप्रयोग" पर एक सप्ताह का एसटीपी	"कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू"	7 - 11 अगस्त, 2023
डॉ. गुंजन जैन, श्री जामखोंगम टौथांग	दो सप्ताह का "एनईपी 2020 अभिविन्यास एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम"	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	16 - 27 दिसंबर, 2023
डॉ. धीरेन्द्र कुमार, सुश्री त्रशा गुप्ता	डीएसटी समर स्कूल में "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियाँ स्तर 2: रक्षा सुरक्षा और खुफिया के लिए भू-स्थानिक समाधान विकसित करना"	डीटीयू, एनजीपी, डीएसटी के सहयोग से	27 मई - 19 जून, 2024
डॉ. धीरेन्द्र कुमार	दो सप्ताह का औद्योगिक प्रशिक्षण	सीईआरटी-इन, माईटी	15 - 30 जुलाई, 2024
डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय सुश्री त्रशा गुप्ता	व्यावसायिक अनुसंधान और शिक्षण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित डेटा विश्लेषण" पर एक सप्ताह का एफडीपी	प्रबंधन अध्ययन विभाग, एबीवी-आईआईआईटीएम, ग्वालियर	24 - 30 मई, 2024
डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय	केस स्टडी और औद्योगिक डेटा विज्ञान में अनुप्रयोग" पर वेबिनार	उन्नत संगणना विकास केंद्र	25 सितंबर, 2023
डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय सुश्री त्रशा गुप्ता	दो सप्ताह का औद्योगिक प्रशिक्षण	सेलोनीस	10 - 28 जून, 2024

संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक विकास का शीर्षक कार्यक्रम	आयोजक	तारीख
डॉ. पायल, सुश्री सुमेधा सेनियाराय सुश्री त्रशा गुप्ता	आपदा तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण" पर एफडीपी	एनआईडीएम, दिल्ली सिविल अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू के सहयोग से	11 - 15 दिसंबर, 2023
सुश्री सुमेधा सेनियाराय	एनईपी 2020 के कार्यान्वयन" पर कार्यशाला	डीटीयू, दिल्ली	5 अक्टूबर, 2023
	प्राचीन प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता एनईपी 2020 के संदर्भ में" पर कार्यशाला	डीटीयू, दिल्ली	5 अप्रैल, 2024
श्री जामखोंगम तोउथांग	"परिणाम आधारित शिक्षा और शिक्षकों के लिए आवश्यक एई उपकरण" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन एफडीपी	रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शताब्दी कॉलेज, रहारा, कोलकाता	14 - 20 दिसंबर, 2023
	दो सप्ताह का अंतःविषय पुनश्चर्या "उन्नत अनुसंधान पद्धति" में पाठ्यक्रम	टीएलसी, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	17 - 31 दिसंबर, 2023
	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "गणितीय विज्ञान में प्रगति (आईएसएएमएस)"	कैनेडियन विश्वविद्यालय दुबई, यूई और एनआईटी, जालंधर	23 - 24 मार्च, 2024
	अभियांत्रिकी और विज्ञान में गणित - महत्व और अनुप्रयोग (एमईएस-2024)" पर 5-दिवसीय एफडीपी	वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश	2 - 6 जनवरी, 2024
	बीजगणितीय कोड और एमएजीएमए संगणना" पर कार्यशाला	आईआईटी, पटना	10 - 11 नवंबर, 2023
	एसटीसी "गणित के साथ कम्प्यूटेशनल लर्निंग के लिए अभियांत्रिकी और तकनीकी अनुप्रयोग (एमसीईटी)"	एनआईटी, जालंधर	20 - 24 नवंबर, 2023
	"वर्चुअल तत्व विश्लेषण: वैज्ञानिक गणना और अनुप्रयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	वीआईटी, वेल्लोर	10 - 12 जनवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला "कंटेनर और ओपनशिफ्ट"	आईपीएसआर सॉल्यूशंस लिमिटेड और वैलिन-यूके, अमेरिका और कनाडा	28 फरवरी, 2024
	चौथे सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र "बीजगणित, विश्लेषण और अनुप्रयोग (सीएए -2023)"	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली	9 दिसंबर, 2023
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गणित और अनुप्रयोग (आईसीएमए-2024)" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	माता सुंदरी कॉलेज (महिला), दिल्ली विश्वविद्यालय	10 - 12 जनवरी, 2024
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कम्प्यूटेशनल गणित और डेटा विज्ञान में उभरते रुझान (आईसीआईटीसीएमडीएस-2024)" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	श्री कृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, भारतियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु	10 - 11 जनवरी, 2024	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति (आईसीएएम-2024)" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, तुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक	10 - 11 जनवरी, 2024	

संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक विकास का शीर्षक कार्यक्रम	आयोजक	तारीख
श्री जामखोंगम तोउथांग	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विश्लेषण और उसके अनुप्रयोग" (आईसीएए-2024) पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	विज्ञान संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	19 - 21 जनवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अनुप्रयुक्त गणित और नैनोविज्ञान (आईसीएएमएन-2024)" में शोधपत्र प्रस्तुत किया।	विद्या अकादमी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, त्रिशूर	23 - 25 जनवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गणितीय विज्ञान और कंप्यूटिंग में उभरते रुझान" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया (आईईएमएससी-2024)	आईईएम, कोलकाता	2 - 4 फ़रवरी, 2024
	"शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित (आईसीपीएएम 2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।	जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,	22 - 23 फ़रवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति (आईसीपीएएम-2024)" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	8 - 10 फ़रवरी, 2024
	"गणितीय विज्ञान और अनुप्रयोग (आईसीएमए-2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया	सेक्रेड हार्ट कॉलेज, तिरुपत्तूर, वेल्लोर	15 - 16 फ़रवरी, 2024
	"कार्यात्मक विश्लेषण और फ़ैक्टल्स" विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र (सीएफएएफ -2024)	आईआईआईटी, इलाहाबाद,	16 - 18 फ़रवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र "अभियांत्रिकी, विज्ञान, प्रबंधन और कला में समकालीन शोध (आईसीसीआरआईएसएमए-2024)"	एनएफईडी, कोयंबटूर, तमिलनाडु	22 - 24 फ़रवरी, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र "गणित और डेटा विज्ञान में अनुसंधान रुझान (आईसीआरटीएमडीएस-2024)"	पेट्रीशियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, मद्रास विश्वविद्यालय	1 - 2 मार्च, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "गणितीय चुनौतियाँ और नवीन अनुप्रयोग (आईसीओएमएसीएनए-2024)" में शोधपत्र प्रस्तुत किया।	एएनजेए कॉलेज शिवकाशी, तमिलनाडु	21 - 22 मार्च, 2024
	राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्राचीन गणित और इसके उभरते क्षेत्र (एएमईए-2024)" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।	तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद	24 अप्रैल, 2024
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "गणित और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज में अनुप्रयोग (आईसीएमएसटीएस-2024)" में शोधपत्र प्रस्तुत किया।	असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय, असम,	9 - 10 मई, 2024
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अनुप्रयुक्त गणित" (आईसीएएम-2024) में शोधपत्र प्रस्तुत किया	विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	27 - 28 जून, 2024	

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का विवरण	व्याख्यान का विषय/भूमिका	आयोजक	तारीख
डॉ. नीलम	पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन'	मॉटे कार्लो नियतात्मक और संभाव्यतावादी व्यवहार का अनुकरण, यादृच्छिक संख्याएँ उत्पन्न करना	श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	13 - 17 फ़रवरी, 2024
	"गणित की हालिया उन्नति" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार	संक्रामक रोगों पर भिन्नात्मक विभेदक समीकरणों का महत्व	गणित विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय	22-24 जनवरी, 2024
डॉ. सत्यव्रत अधिकारी	राष्ट्रीय कार्यशाला "क्वांटम प्रौद्योगिकी"	संरचनात्मक भौतिक पुनर्संरखण संचालन का सन्निकटन	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	1 - 2 मार्च, 2024
डॉ. धीरेंद्र कुमार	पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग	फ़ज़ी सेट सिद्धांत दृष्टिकोण का उपयोग करके चिकित्सा छवि विभाजन	एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़	16 - 20 अक्टूबर, 2023
	ऑनलाइन कार्यशाला "ब्रेन एमआरआई इमेज सेगमेंटेशन"	मस्तिष्क एमआरआई छवि विभाजन	डीएसटी केंद्र अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान (सीआईएमएस), विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	20 जनवरी, 2024
	आमंत्रित वार्ता	छवि प्रसंस्करण में गणित	डीएसटी केंद्र अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान (सीआईएमएस), विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	16 फरवरी, 2024
	आमंत्रित वार्ता	छवि प्रसंस्करण के लिए पायथन	डीएसटी केंद्र अंतर्विषयक गणितीय विज्ञान (सीआईएमएस), विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	22 सितंबर, 2024
सुश्री सुमेधा सेनियाराय	साइबर सुरक्षा पर अल्पकालिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	साइबर सुरक्षा में रुझान और जागरूकता	दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम	17 - 21 जुलाई, 2024
डॉ. अंशुल अरोड़ा	उन्नत कार्यकारी सूचना सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक पर कार्यक्रम	मोबाइल फोरेंसिक उपकरण	पंजाब प्रौद्योगिकी कॉलेज, चंडीगढ़	14 अक्टूबर, 2024
	प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए उन्नत अनुकूलन तकनीकों पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम	साइबर सुरक्षा के लिए अनुकूलन तकनीकों	"राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र"	29 दिसंबर, 2023

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का विवरण	व्याख्यान का विषय/ भूमिका	आयोजक	तारीख
प्रो. एस. शिवप्रसाद कुमार	लघु अवधि पाठ्यक्रम आमंत्रित वार्ता	सामाजिक विज्ञानों के लिए गणित पर व्याख्यान श्रृंखला	गणित विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय	25 अप्रैल, 2024

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं जनसंपर्क गतिविधियों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	गतिविधि का विवरण	गतिविधि का उद्देश्य	सत्र
डॉ. नीलम	विभाग समन्वयक	देश के मेंटर	शैक्षणिक वर्ष 2023-24
डॉ. गुंजन जैन	एमएसएस 199 (समुदाय) के लिए पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रथम वर्ष, एमसी1 बैच के लिए एंगेजमेंट	मेंटरिंग स्कूल स्टूडेंट्स	शैक्षणिक वर्ष 2023-24
डॉ. पायल	एमएसएस 199 (समुदाय) के लिए पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रथम वर्ष, एमसी3 बैच के लिए एंगेजमेंट	मेंटरिंग स्कूल स्टूडेंट्स	शैक्षणिक वर्ष 2023-24
सुश्री त्राशा गुप्ता	एमएसएस 199 (समुदाय) के लिए पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रथम वर्ष, एमसी3 बैच के लिए एंगेजमेंट	मेंटरिंग स्कूल स्टूडेंट्स	शैक्षणिक वर्ष 2023-24
डॉ. दिनेश उदार	कक्षा समन्वयक	देश के मेंटर	शैक्षणिक वर्ष 2023-24

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:

कार्यक्रम (डीटीयू): उच्च शिक्षा के लिए
कार्यक्रम: प्रबंधन में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम

छात्र का नाम: संयम गुप्ता
विश्वविद्यालय: भारतीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद

छात्र का नाम: तुहिना चकमा
विश्वविद्यालय: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रबंधन (आईआईएम), काशीपुर

छात्रों की उपलब्धियाँ

छात्र का नाम: राहुल गुप्ता

कार्यक्रम: रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार पीएम पुरस्कार विजेता

उपलब्धि का विवरण: अध्याय संख्या 60 और सर्वेक्षण ड्रोन एक नरम स्तर हीट मैप प्रदान करने के लिए के लिए 1.5 करोड़ रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया

तिथि: 31 मई, 2024

4.3 अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग

प्रो. ए. श्रीनिवास राव, विभागाध्यक्ष



शैक्षणिक कार्यक्रम



मुख्य विशेषताएं

अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का एक प्रमुख विभाग है जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा प्रदान करता है। विभाग का उद्देश्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके कुशल इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की भावी पीढ़ी का निर्माण करना है ताकि वे वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और अपने समग्र सतत भविष्य के विकास के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें।

प्रयोगशालाएं

विभाग में 27 सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं: अनुप्रयुक्त भौतिकी प्रयोगशाला, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला, एफपीजीए डिजाइन प्रयोगशाला, मोबाइल और उपग्रह संचार प्रयोगशाला, ईएमटी, एंटीना और प्रसार प्रयोगशाला, वैकल्पिक ऊर्जा भंडारण और रूपांतरण उपकरण प्रयोगशाला, संघनित पदार्थ भौतिकी प्रयोगशाला, संचार प्रणाली प्रयोगशाला, प्रकाशिकी प्रयोगशाला, माइक्रोप्रोसेसर और इंटरफेसिंग प्रयोगशाला, फाइबर ऑप्टिक्स और ऑप्टिकल संचार प्रयोगशाला, माइक्रोवेव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, उन्नत इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला, नवाचार प्रयोगशाला और कई अन्य।

शोध प्रकाशन

पेटेंट	मंजूर किया गया : 05 (राष्ट्रीय) प्रकाशित : 01 (राष्ट्रीय)	
पत्रिकाएँ	: 134	
सम्मेलन	: 34	
पुस्तक	: 01 (संपादित) पुस्तक अध्याय : 08	



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. ए. एस. राव
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: दुर्लभ पृथ्वी/संक्रमण धातु आयनों मिला हुआ फॉस्फोरस/ सफेद एलईडी, बायो-इमेजिंग और लक्ष्यीकरण के क्षेत्र में विभिन्न फोटोनिक अनुप्रयोगों के लिए नैनोफॉस्फोर/ग्लास दवाई वितरण, ऑप्टोएलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सौर सेल।

प्रो. सुरेश सी. शर्मा

(एम.फिल. (विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: प्लाज्मा भौतिकी/प्लाज्मा अनुप्रयोग, नैनो संरचनाएं विशेष रूप से कार्बननैनोट्यूब (सीएनटी), 2डी ग्राफीन, बायोसैसिंग अनुप्रयोगों के लिए सीएनटीएफईटी/जी-एफईटी, सीएनटी और ग्राफीन आधारित सौरसेल।

प्रो. आर. के. सिन्हा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: फाइबर ऑप्टिक्स और ऑप्टिकल संचार

प्रो. रिकू शर्मा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: परमाणु एवं आणविक टैराहर्ट्ज निम्न आयामी संरचनाओं के रैखिक और गैर-रैखिक गुण, प्लाज्मा भौतिकी, और उत्सर्जन, भौतिक विज्ञान, विकिरण

प्रो. विनोद सिंह (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: संश्लेषण और नैनोमटेरियल का लक्षण का कार्यात्मक वर्णन

प्रो. रिशु चौजर [एम.एससी. (स्वर्ण पदक विजेता) लेफ्ट.डी.]

अनुसंधान क्षेत्र: अर्धचालक डिवाइस मॉडलिंग और सिमुलेशन नवीन डिवाइस संरचनाओं का विश्लेषण फिन-एफईटी, नैनोवायर एफईटी, टनेल एफईटी हाइड्रलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर का बायोमेडिकल, वायरलेस और सेंसर अनुप्रयोगों के लिए अध्ययन

प्रो. नितिन के. पुरी (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सेंसर, जैव सेंसर। नैनोटेक्नोलॉजी, पदार्थों का आयन-बीम संशोधन, पतली फ़िल्में

सह-आचार्य

डॉ. मोहन सिंह मेहता
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: नैनोमटेरियल/क्वांटम डॉट्स (क्यूडीएस) और 2डी सामग्री, क्यूएलईडी, क्यूएलईडी, फ्लोरोसेंट स्पेक्ट्रोस्कोपी, इलेक्ट्रिक फील्ड मॉड्यूलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी, सामग्रियों का मॉडलिंग (डीएफटी/टीडी-डीएफटी)

डॉ. पवन के. त्यागी
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: कार्बन नैनोट्यूब: फील्ड एमिटर, ग्राफीन संश्लेषण, एकल क्रिस्टल हीरा संश्लेषण।

डॉ. योगिता कालरा
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: फाइबर और एकीकृत प्रकाशिकी, नैनो फोटोनिक्स, फोटोनिक क्रिस्टल और उनके उपकरण अनुप्रयोग

डॉ. एम. जयसिम्हाद्री
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ऑप्टिकल/फ्लोरोसेंट स्पेक्ट्रोस्कोपी, ल्यूमिनसेंट सामग्री, सामग्री विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी

डॉ. अजीत कुमार (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: फाइबर ऑप्टिक्स, एकीकृत ऑप्टिक्स, सौर ऊर्जा

डॉ. अमरीश के. पंवार
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ऊर्जा भंडारण और रूपांतरण उपकरण (Li+/Na+ बैटरी/सुपरकैपेसिटर/सौर सेल), सतह संशोधन, गीलापन, आसजन, कोटिंग और जैव-संगत सामग्री, थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री, मल्टीफेरोइक सामग्री, नैनो हाइब्रिड, नैनो कंपोजिट

सहायक आचार्य

डॉ. रेणुका बोकोलिया
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: फेरोइलेक्ट्रिक सिरेमिक, अपकन्वर्जन ल्यूमिनेसेंस, फॉस्फोरस, डाइइलेक्ट्रिक सामग्री

डॉ. सरिता बघेल (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सौर कोशिकाएं और सौर ऊर्जा सामग्री

डॉ. मुख्तियार सिंह (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: प्रथम-सिद्धांत गणना, घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत, 2डी और 3डी थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री, टोपोलॉजिकल क्वांटम चरण संक्रमण, एई-सहायता प्राप्त नवीन सामग्री खोज, विषम नरनस्ट प्रभाव

डॉ. देशराज मीणा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: मेटलऑक्साइड आधारित प्रतिरोधक गैस सेंसर, उच्च परावैद्युत मिश्रित सामग्री, PEC का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन उत्पादन

डॉ. ऋचा शर्मा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयन सामग्री, फेरोइलेक्ट्रिक और डाइइलेक्ट्रिक सिरेमिक

डॉ. भारती सिंह (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों, मेमोरी उपकरणों के लिए 2डी सामग्री

डॉ. कमल किशोर (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: फाइबर ऑप्टिक्स, नैनो फोटोनिक्स: फोटोनिक क्रिस्टल पर आधारित उपकरण, सेंसर और घटक

श्री योगेंद्र मीणा (एम.एससी.)

अनुसंधान क्षेत्र: नैनोमटेरियल और उनके अनुप्रयोग, गणितीय मॉडलिंग, क्वांटम डॉट्स

विभाग की उपलब्धियाँ:

- अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग ने एचआरडीसी-डीटीयू के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं।
- "ग्लास उद्योग" के सहयोग से बी.टेक. (ईपी) के प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कौशल केंद्र विकसित किया गया। इसके बाद, 6 फरवरी 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- आचार्या रिशु चौजर डीएसटी-एसईआरबी पावर फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- आचार्या रिशु चौजर को 38.1 लाख रुपये का एसईआरबी-पावर रिसर्च अनुदान प्रदान किया गया।
- डॉ. भारती सिंह को एसईआरबी SURE अनुसंधान परियोजना के लिए 31.6 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया गया।
- डॉ. मुख्तियार सिंह को 28 लाख रुपये की डीएसटीएसईआरबी परियोजना से सम्मानित किया गया।
- प्रो. रिशु चौजर को डीटीयू में "विनोद धाम सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उत्कृष्टता केंद्र (वीडीसीओइ4एसएम)" की स्थापना के लिए केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया है।
- डीटीयू ने 11 फरवरी, 2020 को सीएसआईआर प्रयोगशाला सीएसआईओ, चंडीगढ़ के साथ पाँच वर्षों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग के कई संकाय (प्रो. ए. एस. राव, प्रो. आर. के. सिन्हा, प्रो. रिशु चौजर, डॉ. मोहन सिंह मेहता और डॉ. एम. जयसिंहाद्री) स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल हैं।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान

डॉ. भारती सिंह

शीर्षक: यांत्रिक ऊर्जा संचयन का उपयोग एमएक्सीन फंक्शनलाइज्ड पॉलिमर कम्पोजिट नैनोफाइबर और इसे ईयोट और पहनने योग्य अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा भंडारण उपकरणों के साथ

संस्था: एसईआरबी | **राशि (₹):** 31.6 लाख

दिनांक: 13 नवंबर, 2023

अवधि: 3 वर्ष

डॉ. मुख्तियार सिंह

शीर्षक: मशीन लर्निंग सहायता प्राप्त वेइल सेमीमेटल्स में असामान्य नर्नस्ट प्रभावका प्रथम-सिद्धांत अध्ययन

संस्था: एसईआरबी

राशि (₹): 28 लाख

दिनांक: 16 फरवरी, 2024 अवधि: 3 वर्ष

प्रो. रिशु चौजर

शीर्षक: न्यूमेरिकल मॉडलिंग और बायोमेडिकल डायग्नोस्टिक्स और पर्यावरण निगरानी में कमशक्ति और संवेदन अनुप्रयोगों के लिए नकारात्मक कैपेसिटेंस फिनफेट का सिमुलेशन

संस्था: एसईआरबी | **राशि (₹):** 38.1 लाख

दिनांक: 9 नवंबर, 2022

अवधि: 3 वर्ष

शीर्षक: मशीन लर्निंग सहायता प्राप्त वेइल सेमीमेटल्स में असामान्य नर्नस्ट प्रभाव का प्रथम-सिद्धांत अध्ययन

संस्था: एसईआरबी

राशि (₹): 28 लाख

दिनांक: 16 फरवरी, 2024

अवधि: 3 वर्ष

2023-24 में प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण:

पेटेंट का विवरण

आविष्कारक: डॉ. मोहन सिंह मेहता,
वी. शर्मा, ए. टंडन

पेटेंट का शीर्षक: प्रकाश उत्सर्जक धातु
और दोहरी धातु-डोपेड जिंक सेलेनाइड
क्वांटम डॉट्स और इसकी विधि

स्थिति: स्वीकृत

पेटेंट संख्या: 531913

दिनांक: 5 अप्रैल, 2024

आविष्कारक: डॉ. मोहन सिंह मेहता
पेटेंट का शीर्षक: उपकरण और किसी
नमूने के विद्युत क्षेत्र मॉड्युलित अवशोषण
और प्रकाश-प्रकाशदीप्ति का पता लगाने
की विधि

स्थिति: स्वीकृत

पेटेंट संख्या: 529469

दिनांक: 21 मार्च, 2024

आविष्कारक: डॉ. मोहन सिंह मेहता

पेटेंट का शीर्षक: सिस्टम और
त्रिसंयोजक का पता लगाने की विधि
धातु आयनों

स्थिति: स्वीकृत

पेटेंट संख्या: 463021

दिनांक: 27 अक्टूबर, 2023

आविष्कारक: डॉ. मोहन सिंह मेहता,
अनीशा

पेटेंट का शीर्षक: जांच जलीय वातावरण
में फेरिक आयनों का पता लगाना और
उसकी विधि

स्थिति: स्वीकृत

पेटेंट संख्या: 481999

दिनांक: 13 दिसंबर, 2023

आविष्कारक: डॉ. पवन कुमार त्यागी,
डॉ. लकी कृष्णिया

पेटेंट का शीर्षक: विकास वायुमंडलीय
दबाव पर थर्मल सीवीडी का उपयोग करके
हीरा फिल्म बनाना, कार्बन प्रीकर्सर के रूप
में गन्ने की खोई का उपयोग करना और
उसकी प्रक्रिया

स्थिति: स्वीकृत | **पेटेंट संख्या:** 419036

दिनांक: 24 जनवरी, 2023

आविष्कारक: प्रो. रिशु चौजर, शिवम
गुप्तापेटेंट का शीर्षक: एक नया
डिज़ाइन एक ऑल-बैक कॉन्टैक्ट सिग्स
सोलर कक्ष

स्थिति: प्रकाशित

पेटेंट संख्या: 201911027963

दिनांक: 20 सितंबर, 2023

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का विवरण	सहयोग में (यदि कोई हो)	दिनांक	विभाग समन्वयक/ सह-समन्वयक
शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेताओं द्वारा "अनुप्रयुक्त भौतिकी और प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान (आरटीएपीई-2024)" पर दूसरा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	-	12 अप्रैल, 2024	डॉ. मुख्तियार सिंह (संयोजक)
"क्वांटम दुनिया में सुरक्षित संचार" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान	"विकास" की पहल के तहत भारत"	18 मार्च, 2024	डॉ. मुख्तियार सिंह (समन्वयक)
एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "कांच और ग्लेज़िंग के लिए एक कौशल केंद्र की स्थापना" (उद्योग और शिक्षा जगत को एकसाथ लाना)	-	11 अगस्त, 2023	प्रो. रिशु चौजर (संयोजक)
"ऊर्जा संरक्षण दिवस" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	एचआरडीसी, डीटीयू	14 दिसंबर, 2024	डॉ. अमरीश के. पंवार एवं डॉ. सरिता बघेल (समन्वयक)
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "परमाणु, आणविक, पदार्थ, नैनो और प्रकाशीय भौतिकी अनुप्रयोगों सहित (आई.सी.ए.एम.एन.ओ.पी- 2023)"	-	20 - 22 दिसंबर, 2023	प्रो. रिकू शर्मा (अध्यक्ष) एवं डॉ. मोहन सिंह मेहता (सह संयोजक)



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

संकाय सदस्यों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता

<p>कार्यक्रम: मौखिक प्रस्तुति आयोजक: प्लाज्मा भौतिकी विभाग एसोसिएशन ऑफ एशिया पैसिफिक फिजिक्स सोसाइटीज (एएपीपीएस-डीपीपी 2023), पोर्ट मेसे, नागोया, जापान। अवधि: 12-17 नवंबर, 2023 डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि: ₹ 1,00,621/-</p>	<p>प्रो. सुरेश सी. शर्मा</p>
<p>कार्यक्रम: मौखिक प्रस्तुति आयोजक: आईआईएससी बेंगलोर, आरपीजीआर-2023 अवधि: 20-23 नवंबर, 2023 डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि: ₹ 38,000/-</p>	<p>डॉ. भारती सिंह</p>
<p>कार्यक्रम: 2 पेपर प्रस्तुतियाँ आयोजक: 19वीं आईईईई - एनईएमएस 2024 मई को आयोजित 2-5, 2024, क्योटो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एडवांस्ड साइंस क्योटो, जापान। अवधि: 2-5 मई, 2024 डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि: ₹ 1,01,335/-</p>	<p>प्रो. रिशु चौजर</p>
<p>कार्यक्रम: मौखिक प्रस्तुति आयोजक: त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा अवधि: 31 जनवरी - 2 फरवरी, 2024 डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि: ₹ 38,928/-</p>	<p>डॉ. देशराज मीणा</p>

अनुसंधान, संकाय सदस्य आदान-प्रदान और छात्र आदान-प्रदान के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ:

संकाय सदस्य का नाम	सहयोग	सहयोग का प्रकार	सहयोग की शुरुआत	सहयोग की अपेक्षित अवधि
डॉ. मोहन सिंह मेहता	प्रो. एन. ओह्टा राष्ट्रीय चियाओ तुंग विश्वविद्यालय, और संस्थान आण्विक विज्ञान के, सिंचु, ताइवान	संयुक्त पीएच.डी. छात्रों के माध्यम से अनुसंधान सुश्री. नेहा भट्ट	2019	7 वर्ष
डॉ. मोहन सिंह मेहता	प्रो. विक्टर एनआईसीपी, रूसी विज्ञान अकादमी, मॉस्को, रूस	अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त अनुसंधान सहयोग	2019	11 वर्ष

संकाय सदस्य का नाम	सहयोग	सहयोग का प्रकार	सहयोग की शुरुआत	सहयोग की अपेक्षित अवधि
प्रो. रिशु चौजर	प्रो. एम. जमाल दीन, मैकमास्टर विश्वविद्यालय,	संयुक्त पीएचडी छात्रा सुश्री आयुषी लांबा	2021	5-6 वर्ष
डॉ. देशराज मीणा	कनाडा अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, दिल्ली	बीटीआर परियोजना के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान	2022	3 वर्ष
प्रो. रिकू शर्मा	डॉ. सिद्धार्थ लाहोन, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	सहयोगात्मक अनुसंधान संयुक्त पीएच. डी. छात्रा सुश्री रश्मि मीणा के माध्यम से	2021	5-6 वर्ष
प्रो. रिकू शर्मा	डॉ. मनोज कुमार, सरकार महिला कॉलेज, जिंद, हरियाणा	सहयोगात्मक अनुसंधान संयुक्त पीएचडी छात्र सुश्री पूजा सोरेन के माध्यम से	2023	5-6 वर्ष
डॉ. एम. जयसिंहाद्री	प्रो. डी. हरनाथ, एनआईटी, वारंगल	सहयोगात्मक अनुसंधान पीएचडी छात्र श्री विकास के लिए	2019	5वर्ष
डॉ. रेणुका बोकोलिया	डॉ. ओ. पी. ठाकुर	संयुक्त पर्यवेक्षक संयुक्त पीएचडी छात्र श्री नीलेश चोले के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान	2023	5 वर्ष

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों (पीडीपी) में संकायों की भागीदारी:

पीडीपी में संकायों की भागीदारी

प्रो. रिशु चौजर

शीर्षक: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग और कंप्यूटिंग अनुप्रयोग में इसके अनुप्रयोग
आयोजक: ईसीई विभाग, सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ प्रौद्योगिकी, बेंगलुरु
अवधि: 06 -10 नवंबर, 2023

डॉ. देशराज मीणा

शीर्षक: एनईपी 2020 के संदर्भ में उन्नत शिक्षण अध्यापन और परिणाम आधारित शिक्षा
आयोजक: एचआरडीसी-डीटीयू दिल्ली के सहयोग से एनआईटीटीटीआर, भोपाल
अवधि: 27-31 मई, 2024

डॉ. एम. जयसिंहाद्री और डॉ. रेणुका बोकोलिया

शीर्षक: ई-संसाधनों पर साक्षरता कार्यशाला: अनुसंधान के लिए एक प्रवेश द्वार
आयोजक: केंद्रीय पुस्तकालय, डीटीयू
अवधि: 25-29 सितंबर, 2023

राज्य, राष्ट्रीय, मान्यता प्राप्त निकायों में पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय स्तर से और मान्यता:

संकाय सदस्य का नाम	पुरस्कार का शीर्षक	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/विश्वविद्यालय/संस्थान	वर्ष
डॉ. मोहन सिंह मेहता	"अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय और अनुसंधान, जल्दी अनुसंधान प्रभाव इन्फ्लुएंस अवार्ड्स-2023)"	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध वैज्ञानिकों की शीर्ष 2% (विश्व रैंकिंग) में शामिल।	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए	2023
डॉ. अमरीश के. पंवार	अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार-2023)	डीटीयू, दिल्ली	2023
प्रो. रिशु चौजर	"अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय अनुसंधान, संचयी प्रशस्ति पत्र - रजत, प्रारंभिक अनुसंधान प्रभाव और प्रभाव पुरस्कार-2023)"	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध वैज्ञानिकों के शीर्ष 2% (विश्व रैंकिंग) में शामिल।	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए	2023 2022
	एसईआरबी-पावर फेलोशिप	डीटीयू, दिल्ली	2025 2023
प्रो. रिकू शर्मा	"अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार-2023)"	डीटीयू, दिल्ली	
प्रो. एस. सी. शर्मा	"अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार-2023)"	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
डॉ. योगिता कालरा	"अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार-2023)"	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
डॉ. पवन कुमार त्यागी	अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (प्रारंभिक अनुसंधान प्रभाव और प्रभाव पुरस्कार-2023)	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
डॉ. एम. जयसिंहाद्री	अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (सराहनीय और अनुसंधान, जल्दी अनुसंधान प्रभाव इन्फ्लुएंस अवार्ड्स-2023)	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	2023
	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध वैज्ञानिकों की शीर्ष 2% (विश्वरैंकिंग) में शामिल।	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका	2023

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा :

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय	आयोजित	दिनांक
डॉ. मोहन सिंह मेहता	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भौतिकी का स्पेक्ट्रम: कण से ब्रह्मांड तक"	फ्लोरोसेंट शून्य- और द्वि-आयामी नैनो संरचनाओं का निर्माण और उनके अनुप्रयोग।	भौतिकी विभाग, लाजपत राय कॉलेज, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ	20 - 22 मई, 2024
	"परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी तथा उसके अनुप्रयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी एएमएनओपी -2023)	"अणुओं और क्वांटम बिंदुओं की उत्तेजित अवस्था गति की।"	अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली	20 - 22 दिसंबर, 2023

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय	आयोजित	दिनांक
डॉ. मुखियार सिंह	"परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी तथा उसके अनुप्रयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमएनओपी-2023)	दुर्लभ-पृथ्वी मोनोपनिकटाइड्स में टोपोलॉजिकल चरण संक्रमण का एक प्रथम-सिद्धांत अध्ययन।	अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली	20 - 22 दिसंबर, 2023
	"डीएफटी के 60 वर्ष: सिद्धांत और गणना में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	दुर्लभ-पृथ्वी मोनोपनिकटाइड अर्ध धातुओं में टोपोलॉजिकल चरण और गैर-त्रिविअल सतही अवस्थाओं का उद्भव	आईआईटी, मंडी,	21 - 26 जुलाई, 2024
प्रो. सुरेश सी. शर्मा	"नवीकरणीय ऊर्जा और सतत प्रौद्योगिकी (आईसीआरईएसटी 2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	मॉडलिंग और सिमुलेशन बेलनाकार डबल गेट प्लाज्मा-सहायता प्राप्त कार्बन नैनोट्यूब क्षेत्र प्रभाव संवेदन के लिए ट्रांजिस्टर अनुप्रयोग	जामिया मिलिया दिल्ली	4 - 6 जुलाई, 2023
	"ऊर्जा और उन्नत सामग्री" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	विश्लेषणात्मक मॉडलिंग और संख्यात्मक सिमुलेशन बेलनाकार द्वि-द्वार जंक्शन रहित कार्बन नैनोट्यूब क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर (जेएल-सीएनटीएफईटी) संवेदन अनुप्रयोगों के लिए	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा	2 - 4 नवंबर, 2024
डॉ. भारती सिंह	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "ग्राफीन और 2डी सामग्री अनुसंधान में हालिया प्रगतिपर, 20-23 नवंबर 2023"	पीवीडीएफ और 2डी में प्रगति स्तरित सामग्री-आधारित ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए नैनोकंपोजिट	आईआईएससी, बैंगलोर	20 - 23 नवंबर, 2023
	संस्थान व्याख्यान	परिवेशी यांत्रिक ऊर्जा पीजो/ ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर का उपयोग करके संचयन	एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा	22 सितंबर, 2023
प्रो. रिशु चौजर	"सेमीकंडक्टर और क्वांटम भौतिकी के क्षेत्र में नवाचार" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार	फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर: एकप्रभावी बायोसेन्सर	अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली,	6 मार्च, 2024
	9वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय "नैनो/सूक्ष्म अभियांत्रिकी और आणविक प्रणालियाँ (आईईईईएनईएमएस 2024)" पर सम्मेलन	पेपर प्रस्तुति	क्योटो उन्नत विज्ञान विश्वविद्यालय (क्यूएस), क्योटो, जापान द्वारा आयोजित	2 - 5 मई, 2024
	आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और बुद्धिमान संचार प्रणालियाँ (आईसीआईटीआईआईसीएस-2024)	पेपर प्रस्तुति	वेमना इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु.	28 - 29 जून, 2024

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय	आयोजित	दिनांक
डॉ. अजीत कुमार	"परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी तथा उसके अनुप्रयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमएनओपी-2023)	उच्च शक्ति अनुप्रयोगों के लिए विशिष्ट ऑप्टिकल फाइबर का विशिष्ट ऑप्टिकल फाइबर का	अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली	20 - 22 दिसंबर, 2023
	"फोटोनिक्स में हाल के विकास (रॅप-2023)" पर छठी आईईईई अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।"	अनुप्रयोग विशिष्ट विशेषता ऑप्टिकल फाइबर	आईआईआईटी, इलाहाबाद	7 - 9 दिसंबर, 2023
	आमंत्रित व्याख्यान	लीकी ऑप्टिकल फाइबर और इसके अनुप्रयोग।	भौतिकी विभाग, एआरएसडी कॉलेज, डीयू	16 सितंबर, 2023
डॉ. एम. जयसिम्हाद्रि	दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "पदार्थ विज्ञान में लिए स्पेक्ट्रोस्कोपी (आईसीओएसआईएमएस-2024)"	डब्ल्यू-एलईडी अनुप्रयोगों के लिए दुर्लभ पृथ्वी सक्रियित बेरियम जिंक फॉस्फेट ग्लास में रंग समायोज्य फोटोलुमिनेसेंट विशेषताएं	विश्वविद्यालय एवेइरो, पुर्तगाल	5 - 7 जून, 2024
	"नैनोटेक्नोलॉजी रिसर्च और इनोवेशन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनटीआरआई-2023)	संरचनात्मक और प्रकाश- प्रकाशिकी अध्ययन दुर्लभ मृदा डोपड मेटासिलिकेट ठोस अवस्था के लिए फॉस्फोर प्रकाश अनुप्रयोगों	विश्वविद्यालय एवेइरो, पुर्तगाल	20 - 24 नवंबर, 2023
प्रो. ए. एस. राव	सरकारी स्वायत्त महाविद्यालयों के संघ के लिए गुणवत्ता अधिदेश पर तीन-दिवसीय कार्यशाला	स्वायत्त महाविद्यालयों में नवाचार, इनक्यूबेशन एवं अनुसंधान अनुदान	कॉलेजिएट शिक्षाआयुक्त, राजमुंदरी, आंध्रप्रदेश	20 जुलाई, 2024
डॉ. अमरीश के. पंवार	"ऊर्जा भंडारण उपकरण - उद्योग अकादमिक सम्मेलन" पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय बैठक (आईएमईएसडी-2023)	आमंत्रित व्याख्यान	आईआईटी के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित, रुड़की	7 - 10 दिसंबर, 2023

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने सीएसआईआर प्रयोगशाला सीएसआईओ, चंडीगढ़ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए 11 फरवरी, 2020 को।

6 फरवरी, 2024 को "अखिल भारतीय ग्लास निर्माता संघ, दिल्ली" के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और बी.टेक. (ईपी) के प्रथम वर्ष के छात्र को प्रशिक्षित करने के लिए एक कौशल केंद्र विकसित किया गया

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	गतिविधि का विवरण	गतिविधि का उद्देश्य	दिनांक
डॉ. एम. जयसिंहाद्री	ओरिएंटेशन सह इंडक्शन प्रोग्राम	नव प्रवेशित छात्रों के लिए	31 जुलाई - 4 अगस्त, 2023
	टेक्निकल उत्सव इनविक्टस'24	तकनीकी उत्सव, डीटीयू	9 - 11 फरवरी, 2024
	एंजिफेस्ट	डीटीयू वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव,	15 - 17 फरवरी, 2024
	युवान-2024	डीटीयू वार्षिक साहित्य और फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।	16 - 18 फरवरी, 2024
डॉ. देशराज मीणा	देश के मेंटर	डीटीयू के छात्रों को डीसीपीसीआर और डीटीयू द्वारा दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित देश के मेंटर कॉन्क्लेव में ले जाया गया।	11 मई, 2023
	देश के मेंटर	छात्रों ने समूहों में समाज के प्रति विभिन्न गतिविधियाँ की हैं, जैसे स्कूली छात्रों की काउंसलिंग, पिछड़े छात्रों की कक्षाएँ आदि।	अगस्त, 2023 से अप्रैल, 2024

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:



सम्मेलन/सेमिनार में भाग लेने के लिए छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। चालू वर्ष के दौरान संगोष्ठियां/कार्यशाला/एसटीसी/प्रशिक्षण

सुश्री वरनाम शेरावत (पीएचडी (भौतिकी))
कार्यक्रम: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "एसपीआईई+फोटोनिक्स 2023"
आयोजक: सैन डिएगो, यूएसए
अवधि: 20 - 24 अगस्त, 2023
डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि: ₹1,06,571

छात्रों की उपलब्धियाँ:

प्रियंका
(अनुप्रयुक्त भौतिकी, पीएच.डी.)

उपलब्धि: सर्वश्रेष्ठ पोस्टर, आईसीएएमएनओपी 2023
दिनांक: 22 दिसंबर, 2023

4.4 जैव प्रौद्योगिकी विभाग



प्रो. प्रवीर कुमार, विभागाध्यक्ष
(01 जनवरी, 2021-31 दिसंबर, 2023)

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी)
अनुमोदित: 76
प्रवेशित: 75

एम.टेक. (जैव सूचना विज्ञान)
अनुमोदित: 25
प्रवेशित: 14

एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी)
अनुमोदित: 60
प्रवेशित: 60

पीएचडी.
प्रवेशित: 07

शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 58

सम्मेलन : 28



पुस्तकें: (01 : पाठ, 02 : संदर्भ)
पुस्तक के अध्याय: 10



प्रो. यशा हसीजा, विभागाध्यक्ष
(01 जनवरी, 2024 - वर्तमान)

मुख्य विशेषताएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी और इसने शैक्षणिक, नियोजन, औद्योगिक प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में एक उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान और व्यापक शिक्षा का केंद्र है। हमारा मिशन अग्रणी अनुसंधान के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाना और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सुसज्जित उच्चकुशल पेशेवरों को तैयार करना है। विभाग जैव प्रौद्योगिकी ने बी.टेक., जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी., और जैव सूचना विज्ञान में एम.टेक. पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग ने एम.टेक. बाई रिसर्च और एकीकृत बी.एससी.-एम.एससी. शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

विभाग जैव प्रौद्योगिकी में बी.टेक., जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी., जैव सूचना विज्ञान और औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी में एम.टेक. और जैव प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से शोध द्वारा एम.टेक. और एकीकृत बी.एससी.-एम.एससी. कार्यक्रम भी शुरू किया है। सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को समय-समय पर नवीनतम प्रगति और उद्योग-प्रासंगिक कौशल को शामिल करने के लिए अद्यतन किया जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि हमारे स्नातक नौकरी बाजार के लिए अच्छी तरह से तैयार हों और उनमें अनुवादात्मक अनुसंधान और नवाचार के लिए आवश्यक योग्यताएँ हों।

विभाग अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में किए गए अपने अत्याधुनिक शोध के लिए प्रसिद्ध है। डीएसटी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीबीटी और यूजीसी जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाएं स्वास्थ्य सेवा, कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित

मुख्य विशेषताएं (जारी)

करती हैं। संकाय सदस्य, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी हैं, इन शोध पहलों का मार्गदर्शन करते हैं और एक सहयोगात्मक और नवोन्मेषी माहौल को बढ़ावा देते हैं। विभाग के छात्र व्यावहारिक शिक्षण अनुभवों से लाभान्वित होते हैं, जैव प्रौद्योगिकी पद्धतियों में व्यावहारिक ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग का प्लेसमेंट रिकॉर्ड अच्छा रहा है और प्रतिष्ठित कंपनियों में शीर्ष पदों पर नियुक्ति के अवसर प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, हमारे छात्र गेट और सीएसआईआर-नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में लगातार उच्च रैंकिंग प्राप्त करते हैं, जो उन्हें प्राप्त शिक्षा और सहायता की गुणवत्ता को दर्शाता है। विभाग, संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी-डीटीयू) के सहयोग से नियमित रूप से सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित करके एक जीवंत स्टार्टअप संस्कृति के विकास को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य छात्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देना और उन्हें नवीन विचारों को सफल उद्यमों में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता प्रदान करना है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग नियमित रूप से उद्यमिता-अकादमिक मेंटरशिप कार्यक्रम, उद्यमिता कार्यशालाएँ, एनएसएस के साथ जागरूकता वार्ताएँ और विकसित भारत अभियान के तहत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर विशेषज्ञ व्याख्यान जैसे कार्यक्रम आयोजित करता है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग जैव प्रौद्योगिकीविदों और शोधकर्ताओं की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए समर्पित है। कठोर शिक्षा, नवीन अनुसंधान और एक सहायक शिक्षण वातावरण के संयोजन के माध्यम से, हम अपने छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए तैयार करते हैं।



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशालाओं का नाम	कमरा संख्या	प्रयोगशाला प्रभारी
आणविक तंत्रिका विज्ञान और कार्यात्मक जीनोमिक्स प्रयोगशाला।	LW6-SF1	प्रो. प्रवीर कुमार
पादप एवं शैवाल जैवप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला	LW6-TF9	डॉ. नवनीता भारद्वाज
पर्यावरण एवं औद्योगिक जैवप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला।	LW6-TF8	प्रो. जय गोपाल शर्मा
जटिल प्रणालियाँ और जीनोम सूचना विज्ञान प्रयोगशाला।	LW5-TF9	प्रो. यशा हसीजा
इम्यूनोथेरेप्यूटिक्स लैब	LW6-TF3	डॉ. अस्मिता दास
औद्योगिक और आणविक जीव विज्ञान (शिक्षण प्रयोगशाला)	LW6-TF1	प्रो. जय गोपाल शर्मा
जैव रसायन और इम्यूनोलॉजी लैब (शिक्षण प्रयोगशाला)	LW5-TF13	डॉ. नवनीता भारद्वाज
कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (शिक्षण प्रयोगशाला)	LW6-TF5	प्रो. यशा हसीजा
सेमिनार सह शिक्षण कक्ष	LW6-TF13	विभागाध्यक्ष (बीटी)
जैव प्रौद्योगिकी विभाग कार्यालय	LW6 TF8	विभागाध्यक्ष (बीटी)



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. यशा हसीजा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: जीनोम सूचना विज्ञान, मानव रोग जीनोमिक्स और इंटरैक्ट ओमिक्स और जीनोम एनोटेशन

प्रो. जयगोपाल शर्मा
(एम.एससी., पीएचडी., पोस्ट-डॉक.)
अनुसंधान क्षेत्र: जल गुणवत्ता प्रबंधन, औद्योगिक और पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, जलीय कृषि और मछली पोषण।

प्रो. प्रवीर कुमार
(एम.एससी., पीएचडी., पोस्ट-डॉक्टरेट)
अनुसंधान क्षेत्र: न्यूरोबायोलॉजी, न्यूरोन्कोलॉजी और आणविक दवा।

सह-आचार्य

डॉ. नवनीता भारद्वाज (एम. एससी., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: पादप ऊतक और शैवाल संवर्धन-आधारित औद्योगिक और औषधीय उत्पादन के लिए दृष्टिकोण मेटाबोलाइट्स.

डॉ. अस्मिता दास (बी.एससी., एम.एससी., पीएचडी., पोस्ट-डॉक)
अनुसंधान क्षेत्र: कोशिकीय प्रतिरक्षा विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान, प्रतिरक्षा से बचने के लिए ट्यूमर कोशिकाओं का मॉड्यूलेशन, और विकास कैंसर के लिए संयुक्त प्रतिरक्षा चिकित्सा विज्ञान।

सहायक प्रोफेसर

डॉ. स्मिता रस्तोगी वर्मा (संविदा) (एम.एससी., एम.टेक., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: सूक्ष्मजीवों का पृथक्करण और लक्षण वर्णन औद्योगिक प्रासंगिकता, लिग्निन क्षरण और आणविक जीव विज्ञान

डॉ. कृति भंडारी (संविदा) (एम.एससी., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, एंजाइमोलॉजी और जैव ईंधन

डॉ. प्रकाश चंद्र (संविदा) (एम.एससी., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: नैनोबायोटेक्नोलॉजी, ऊतक इंजीनियरिंग, विष विज्ञान, बायोचिप, सेंसर और बायो माइक्रोफ्लुइडिक्स

विभाग की उपलब्धियाँ:

साची गोयल 2K22/BT/41 - "66वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप" में भाग लिया।

शुभम झा 23/BT/511 - शॉर्ट पुट (तीसरा रैंक)

शुभम प्रसाद 23/BT/510 - डीटीयू एनसीसी फायरिंग (दूसरा रैंक)

सौम्या सिंह 2K22/BT/54 - कबड्डी (तीसरा रैंक)

देवांशी शर्मा 23/BIO/05 - सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार "आईसीवीएमडब्ल्यूटी 2024", एमएमएमयूटी गोरखपुर, और स्प्रेिंगर में एक पेपर स्वीकार किया गया।

योगिता भट्ट 23/BIO/11 - यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद द्वारा आईसीएमआर कार्यशाला के लिए चयनित हैदराबाद में "सीआरईएसपीआर" का प्रयोग।

निशांत कुमार, 2K22/MSCBIO/34 - IEEE सम्मेलन में पेपर स्वीकार किया गया

आस्था कौशिक 2K22/BIO/01 - योग्य "डीबीटीबीईटी 2024"

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/सह पीआई : आचार्य जय गोपाल शर्मा

शीर्षक: मैक्रोफाइट्स-आधारित फ्रीड के विकास, आंत शरीर क्रिया विज्ञान, डीएचए और ईपीए के जैव संश्लेषण में शामिल विशिष्ट जीनों की अभिव्यक्ति और गुणवत्ता वाले मीठे पानी की मछलियों के उत्पादन पर प्रभाव का मूल्यांकन

संस्था: विभाग जैव प्रौद्योगिकी (डीबीटी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

राशि (₹): 21,933,60.00

दिनांक: 12 नवंबर, 2021

अवधि: 3 वर्ष

शीर्षक: एक्वापोनिक प्रणाली में लेटेस कैल्केरिफ़र और मैक्रोब्रैकियम रोसेनबर्गी की **एकीकृत खेती:** एक टिकाऊ जल उपयोग दृष्टिकोण

संस्था: विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

राशि (₹): 20,77,229.00

दिनांक: 9 दिसंबर, 2020

अवधि: 3 वर्ष

परियोजना: कूसीफेरस ट्रक फसलों में माइक्रो-नैनो प्लास्टिक (एमएनपी) फिंगर प्रिंटिंग पर जांच, सिलिको विश्लेषण, संभाव्य स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और ब्रैसिका में उनकी परस्पर क्रिया ओलेरेशिया एसपीपी.

संस्था: विभाग जैव प्रौद्योगिकी (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का विवरण	तारीख	समन्वयक/सह-समन्वयक
27 फरवरी को "वर्तमान रुझान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जैव प्रौद्योगिकी" विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के तहत	27 फरवरी 2024	डॉ. अस्मिता दास और डॉ. प्रकाश चंद्रा
"विज्ञान में महिलाएँ" पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी	11 फरवरी, 2024	डॉ. अस्मिता दास
"उद्यमिता-अकादमिक मार्गदर्शन कार्यक्रम" विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के अंतर्गत	27 मई, 2024	डॉ. अस्मिता दास और डॉ. प्रकाश चंद्रा
"सतत विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी" पर संगोष्ठी	23 जनवरी, 2024	डॉ. नवनीता भारद्वाज और डॉ. प्रकाश चंद्रा
"प्रोटोटाइप/प्रक्रिया डिज़ाइन और विकास" पर कार्यशाला और "जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार" पर ई-पोस्टर प्रस्तुति (डॉ. साकेत चट्टोपाध्याय, बीएचयू में बायोनेस्ट के सीईओ)	21 मई, 2024	डॉ. नवनीता भारद्वाज (आईआईसी के सहयोग से)
"बायोइंटरफेस को बेंचटॉप से बेडसाइड तक ट्रांसलेट करना" पर विशेषज्ञ व्याख्यान (डॉ. हितेश हांडा, एसोसिएट प्रोफेसर, जॉर्जिया विश्वविद्यालय)	9 जुलाई, 2024	डॉ. नवनीता भारद्वाज
"नवाचार/प्रोटोटाइप सत्यापन: नवाचार को स्टार्टअप में बदलना" पर कार्यशाला (श्री नवीन के. गौर, डीएसटी-आईहब अनुभूतिआईआईआईटी, दिल्ली में वरिष्ठ प्रबंधक)	25 अगस्त, 2023	डॉ. नवनीता भारद्वाज (आईआईसी के सहयोग से)



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

संकाय सदस्य: प्रो. यशा हसीजा

कार्यक्रम विवरण: आईईईई-प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय "कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, सिमुलेशन और ऑप्टिमाइज़ेशन (आईसीसीएमएसओ '24)" पर सम्मेलन

आयोजक: आईईईईई

तिथि(या तिथियाँ): 14 - 16 जून, 2024

संकाय सदस्य: प्रो. जय गोपाल शर्मा

कार्यक्रम विवरण: ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र में आयोजित "बायोगैस उत्पादन, विद्युत उत्पादन और संपीडित बायोगैस प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

आयोजक: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

दिनांक: 17 - 19 जनवरी, 2024

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	पीडीपी का विवरण	आयोजक	दिनांक
डॉ. स्मिता रस्तोगी वर्मा	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के अंतर्गत "एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण" यूजीसी का (यूजीसी-एमएमटीटीसी)	उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), दिल्ली विश्वविद्यालय।	20 - 30 मई, 2024
डॉ. नवनीता भारद्वाज	एसटीसी "अपशिष्ट के लिए जैव प्रक्रिया इंजीनियरिंग" पर मूल्य निर्धारण"	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एनआईटी, जालंधर	1 - 5 नवंबर, 2023
	"अनुसंधान वित्तपोषण, कार्यप्रणाली और आईपी जागरूकता" पर एक सप्ताह का एफडीपी: प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अंतर्संबंधों को सुलझाना नवाचार"	डॉल्फिन इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड प्राकृतिक विज्ञान, देहरादून।	1 - 5 दिसंबर, 2023
	"उन्नत शिक्षण शिक्षाशास्त्र और परिणाम-आधारित शिक्षा एनईपी 2020 के संदर्भ में" पर एक सप्ताह का एफडीपी	एचआरडीसी, डीटीयू के सहयोग से एनआईटीटीआर, भोपाल।	27 - 31 मई, 2024
	"आपदा तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण" पर एक सप्ताह का एफडीपी	राष्ट्रीय आपदा संस्थान प्रबंधन, गृह मंत्रालय, दिल्ली	11वीं - 15वीं दिसंबर, 2023
	"एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम"	यूजीसी-एमएमटीटीसी श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू	8-17 जनवरी, 2024
डॉ. अस्मिता दास	"आपदा तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण" पर एक सप्ताह का एफडीपी।	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	11वीं - 15वीं दिसंबर, 2023
	पीयूएम नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	आईआईएफ, डीटीयू, दिल्ली	20 - 30 नवंबर, 2023

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान का दौरा:

प्रो. प्रवीर कुमार

कार्यक्रम का शीर्षक: उच्च स्तरीय कार्यशाला (Karyashala)
व्याख्यान का विषय: कृत्रिम शिक्षा में बुद्धिमत्ता
आयोजक: जामिया हमदर्द, दिल्ली
दिनांक: 1 मार्च, 2024

कार्यक्रम का शीर्षक: एसएनसीआई सम्मेलन
व्याख्यान का विषय: कृत्रिम शिक्षा में बुद्धिमत्ता
आयोजक: जामिया हमदर्द, दिल्ली
दिनांक: 19 अप्रैल, 2024

प्रो. जय गोपाल शर्मा

कार्यक्रम का शीर्षक: फिजिका में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
व्याख्यान का विषय: विज्ञान की भूमिका समाज के विकास में प्रौद्योगिकी का योगदान
संगठित द्वारा: भौतिकी सोसायटी, भौतिकी विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
दिनांक: 28 फरवरी, 2024

कार्यक्रम का शीर्षक: शैवाल जैव प्रौद्योगिकी और वर्गीकरण में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
व्याख्यान का विषय: मीठे पानी के मैक्रोफाइट्स और उनकी जैव रासायनिक संरचना की स्थायी संवर्धन तकनीकों का विकास
आयोजक: वनस्पति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
दिनांक: 28 मार्च, 2023

कार्यक्रम का शीर्षक: विशिष्ट व्याख्यान दिया गया
व्याख्यान का विषय: जल गुणवत्ता और मोती उत्पादन में चारा प्रबंधन
आयोजक: मुक्ता उत्सव, गाजियाबाद
दिनांक: 25 फरवरी, 2023

कार्यक्रम का शीर्षक: "ई-कचरा प्रबंधन और पर्यावरण" विषय पर एसटीपीआई, नोएडा में विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।
व्याख्यान का विषय: ई-कचरा प्रबंधन और पर्यावरण
आयोजक: एसटीपीआई, नोएडा
दिनांक: 15 फरवरी, 2023

विस्तार और आउटरीच में संकाय सदस्यों की भागीदारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गतिविधियाँ:

संकाय का नाम: डॉ. नवनीता भारद्वाज
गतिविधि का विवरण: ओपन हाउस
उद्देश्य: स्कूली छात्रों को इंजीनियरिंग कार्यक्रम के बारे में जागरूक करना
तिथि: 3 नवंबर, 2023

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:

छात्र का नाम (बी.टेक, जैव प्रौद्योगिकी)	उच्च शिक्षा के लिए कार्यक्रम शिक्षा	संस्थान/विश्वविद्यालय
कुणाल दुग्गर	एमएससी	इंपीरियल कॉलेज, लंदन
संयम जैन	पीएचडी.	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर
प्रबल किशोर	एमएस।	कोलंबिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
संविधि सिंह	एमएस।	बफेलो विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क
राशि शर्मा	पीएचडी.	टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय
आयुष गर्ग	पीजीडीएम (बिग डेटा एनालिटिक्स और मार्केटिंग)	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली,
हिमांशी पाल	एम.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	आईआईटी, गुवाहाटी
सुवानी रोहतगी	एम.टेक. बायोइंजीनियरिंग	भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बंगलुरु
स्मृति मार्जारा	एम.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	आईआईटी, गुवाहाटी
अनिष्ठा	एपीएच.डी.	डीटीयू, दिल्ली
अनन्या चुघ	पीएचडी.	आईआईटी, रुड़की
नीलेश यादव	एम.टेक. बायोइन्फॉर्मेटिक्स	डीटीयू, दिल्ली
वंशिका	एम.टेक. बायोइन्फॉर्मेटिक्स	डीटीयू, दिल्ली

छात्रों की उपलब्धियाँ:

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	दिनांक/वर्ष
संयम जैन	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	एआईआर-02 (गेट)	2024
सुवानी रोहतगी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	एआईआर-07 (गेट)	2024
धन्विन रिची	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	"स्टेम सेल" पर एक समीक्षा पत्र प्रकाशित: वर्तमान अनुप्रयोग और भविष्य के पहलू"।	16 नवंबर, 2023
अनघ आदित्य	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	मैक्स हॉस्पिटल में रिसर्च इंटर्न, "सीएमएल रोगियों में इमैटिनिब प्रतिरोध का अध्ययन और उस पर काबू पाना" विषय पर।	19 मई - 16 जून, 2024
अनुष्का गोस्वामी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी शोधकर्ता, विटालथ फोर्जर्स प्राइवेट लिमिटेड, ऑल-इन-वन डायग्नोस्टिक डिवाइस पर	1 सितंबर, 2023 - 31 मार्च, 2024
अनुष्का गोस्वामी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	रिसर्च इंटर्न, रे लैब, आईआईआईटीडी, ऑर्थोलॉग्स के सीआरआईएसपीआर कैस 9 फाइलोजेनेटिक अध्ययन।	1 मई - 31 जुलाई, 2024
हिमिका	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	रिसर्च इंटरनेशनल, मेटाबॉलिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, दिल्ली।	15 जुलाई, 2024

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	दिनांक/वर्ष
केतन राजोरा	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	प्रदूषक उपचार हेतु सूक्ष्मजीवी तकनीक विषय पर डीआरडीओ, सीएफईईएस में शोध प्रशिक्षु।	27 मई-29 जुलाई, 2024
कुशाग्र श्रीवास्तव	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	रिसर्च इंटर्न, विटालथ फोर्जर्स प्राइवेट लिमिटेड, एक मेडटेक स्टार्टअप जो डीटीयू आईआईएफ द्वारा इनक्यूबेट किया गया है।	1 मार्च, 2024
पीयूष हरचंदानी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	पर्यावरण एपिजेनेटिक्स (एसआईपीईईई) में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी विभाग	12 जून - 28 जून, 2024
राहुल प्रजापति	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	प्रोजेक्ट इंटर्न, बायोकॉन लिमिटेड सेल बैंकिंग मैड स्ट्रेन डेवलपमेंट लैब में कार्यरत।	3 जून - 31 जुलाई, 2024
सोहम शीमर	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	एनएमसी जेनेटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रिसर्च इंटर्न, "फार्माकोजेनोमिक्स के मशीन लर्निंग पहलू और मानव जीनोम डेटा के पोस्ट होल एक्सोम प्रोसेसिंग" विषय पर।	1 मई - 31 जुलाई, 2024
सौम्या सिंह	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	सन फार्मास्युटिकल्स में रिसर्च इंटर्न क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और फार्माकोकाइनेटिक्स	2 जुलाई - 31 जुलाई, 2024
श्याम सुंदर	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	डीटीयू में जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में शोध प्रशिक्षु "स्वास्थ्य सेवा में एआई" विषय पर	1 जून - 31 जुलाई, 2024
तारुश आर्य	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	डीटीयू में जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में शोध प्रशिक्षु "स्वास्थ्य सेवा में एआई" विषय पर	1 जून - 31 जुलाई, 2024
सुवानी रोहतगी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	गेट बायोटेक्नोलॉजी में एयर 07 प्राप्त किया 2024, जेजीईबिल्स 2024 उत्तीर्ण, डीबीटीजेआरएफ (श्रेणी 1), गेट बीटी 2023 और गेट एक्सएल 2023 उत्तीर्ण, आईएनएसए-आईएएससीएनएएसआई समर रिसर्च फेलो 2023, आईआईटीके एसयूआरजीई इंटर्न 2023, बायोसोक-डीटीयू, डीटीयू, दिल्ली में महासचिव।	2020 - 2024
प्रिया हर्षिता सिंह	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	डीआरडीओ में शोध प्रशिक्षु पदार्थों के जीवाणुरोधी प्रतिरोध की दिशा में काम कर रहे हैं	9 दिसंबर, 2023- 9 जनवरी, 2024
समिहान	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	ब्रेन बिहेवियर रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया में रिसर्च इंटर्न; 4डी ब्रेन एनालिसिस पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया	16 मई - 15 जुलाई, 2024
समीक्षा शर्मा	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	एचआईवी में कंटेंट राइटिंग इंटर्न; पार्किंसन रोग परब्लॉग प्रकाशित	19 जून, 2024
प्राजक्ता तिवारी	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	एमआईटीएसीएस ग्लोबललिक रिसर्च इंटरनशिप के अंतर्गत क्वींस यूनिवर्सिटी, कनाडा में तीन महीने की वित्तपोषित इंटरनशिप। जीएटीईबीटी 2024 में एयर 306 प्राप्त की।	मार्च - जुलाई, 2024

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	दिनांक/वर्ष
कनिष्क सपरा	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	शलम्बरगर (एसएलबी) में इंटरनशिप के लिए परिसर में नियुक्त। डीटीयू सांस्कृतिक परिषद में संयुक्त सांस्कृतिक सचिव के रूप में कार्यरत।	मई - जुलाई, 2024
संस्कार श्रीवास्तव	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	समीक्षा पत्र "एप्लाइड बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी जर्नल" प्रकाशित, स्पिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित।	मार्च, 2024
संस्कार श्रीवास्तव	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	एमडॉक्स टैलेंट टैंक बिज़नेस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त किया और ₹50,000 का नकद पुरस्कार जीता।	दिसंबर, 2023
कात्यायनी अग्रवाल	बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी	ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैंकूवर, कनाडा में एमआईटीएसीएसजीआई स्कॉलर।	मई - अगस्त, 2024
श्रीश कुमार शुक्ल	बी.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	जेएनयू, दिल्ली स्थित आणविक चिकित्सा विशेष केंद्र में शोध प्रशिक्षु।	जून - अगस्त, 2024
श्रीश कुमार शुक्ल	एम.टेक. जैव प्रौद्योगिकी	गेट बीटी-2024 में एयर 252 और गेट एक्सएल-2024 में एयर 3698 प्राप्त किया।	मार्च, 2024
देवांशी शर्मा	बायोइनफॉर्मेटिक्स	राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) में शोधप्रशिक्षु, प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम (मलेरिया रोग) के आरएनए अनुक्रम विश्लेषण पर काम कर रहे हैं, वर्तमान में एमएचसी प्रोटीन मॉडलिंग की एक परियोजना में नामांकित हैं।	मई - जुलाई, 2024 (साइट पर)
खुशी भाटिया	एम.टेक. बायोइन्फॉर्मेटिक्स	जैव सूचना विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में प्रशिक्षु (प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण)	जुलाई - दिसंबर, 2024 (दूरस्थ)
योगिता भट्ट	एम.टेक. जैव सूचना विज्ञान	स्ट्राइकर में 11 महीने की इंटरनशिप के लिए नियुक्ति मिली।	जुलाई 2024- मई 2025 (ऑनसाइट)
अनन्या चुघ	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	डीबीटी जेआरएफ (श्रेणी -1) गेट बीटी एआईआर 524 जेजीईबीआईएलएस 2024 उत्तीर्ण शोध में समीक्षा पत्र स्वीकृत जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी	2024
सुप्रति सिंह	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	लर्न विद लाइफ में अकादमिक सामग्री लेखक	अगस्त 2023
		एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत में "रोगाणुरोधी प्रतिरोध नवीन औषधि खोज एवं टीका विकास: चुनौतियाँ एवं अवसर" विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।	2024
		"ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस: बेंच और बगल के बीच की खाई को पाटना" विषय पर एसटीयूटीआई कार्यशाला, जामिया हमदर्द, दिल्ली।	2024
		जामिया हमदर्द, दिल्ली में "न्यूरोकेमिस्ट्री और न्यूरोसाइंस में हालिया प्रगति" विषय पर एसएनसीआई सम्मेलन में भाग लिया।	2024

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	दिनांक/वर्ष
स्मृति रैना	एमएससी. जैव प्रौद्योगिकी	राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान में एम.एससी. शोध प्रबंध छात्र।	2024
		डीएसटी एसईआरबी द्वारा "स्टेम सेल अनुसंधान में बुनियादी तकनीकें" पर प्रशिक्षण स्टेम सेल प्रयोगशाला, पशु चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी विभाग आईसीएआर-आईवीआरआई।	2024
		"जीनोम संपादन: कृषि नवाचार में अगला अग्रणी क्षेत्र", ट्रांसजीन-मुक्त पौधों के उत्पादन में सीआरआईएसपीआरसीएस की तकनीक और अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण। आईसीएआर-आईएआरआई	2023
इशिता सहगल	एमएससी. जैव प्रौद्योगिकी	बायोइन्फॉर्मेटिक्स कोपायलट इंटरशिप: डॉ. प्रीतम कुमार पांडा (जर्मन कैंसर रिसर्च सेंटर, हीडलबर्ग, जर्मनी) की देखरेख में।	2024
निशांत कुमार	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी	"ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस: बेंच और बगल के बीच की खाई को पाटना" विषय पर एसटीयूटीआई कार्यशाला, जामिया हमदर्द, दिल्ली।	2024
		जामिया हमदर्द, दिल्ली में "न्यूरोकेमिस्ट्री और न्यूरोसाइंस में हालिया प्रगति" विषय पर एसएनसीआई सम्मेलन में भाग लिया।	2024
		कैंपस प्लेसमेंट - जीव विज्ञान के कक्षा शिक्षक के रूप में नियुक्ति वेदान्तु में	2024
सान्या अरोड़ा	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी	इंटरशिप: लर्निंग में विषय विशेषज्ञ कैंपस प्लेसमेंट: जूलॉजी भौतिकी वल्लाह में संकाय।	अप्रैल, 2024
अंजलि शर्मा	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	डीआरडीओ, दिल्ली में फोटोलिथोग्राफी (नैनोटेक्नोलॉजी लैब) पर शोध प्रशिक्षु।	2024
		जेएनयू, दिल्ली में कॉन्फ्रेंस पेपर स्वीकार किया गया, यूपीएससी सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण की।	2024
		आईआईटी, कानपुर में बास्केटबॉल प्रतियोगिता में तीसरा स्थान।	2023

4.5 जनपद अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. वी. के. मिनोचा, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2021-31 दिसंबर, 2023)



प्रो. के. सी. तिवारी, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)

शैक्षणिक कार्यक्रम



शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 70

सम्मेलन : 25



मुख्य विशेषताएं

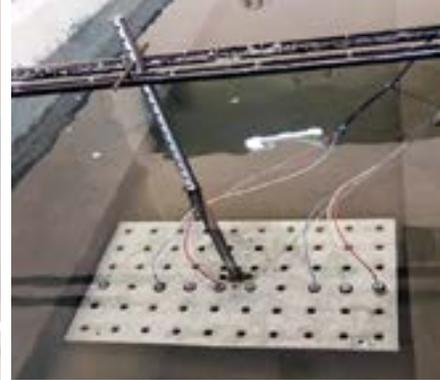
जनपद अभियांत्रिकी ने वर्षों से ग्रह के प्राकृतिक संसाधनों का एकीकरण करके सामुदायिक जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनपद अभियांत्रिकी का क्षेत्र निर्मित और प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण की योजना बनाने, निर्माण करने और उसके रखरखाव पर केंद्रित है, जिसमें सड़कें, पुल, नहरें, बांध, हवाई अड्डे, सीवेज सिस्टम, पाइप लाइन, भवन के संरचनात्मक घटक और रेलवे जैसे सार्वजनिक कार्य शामिल हैं। जनपद अभियांत्रिकी के व्यापक क्षेत्र में कई विशिष्ट उप-विषय हैं। इसकी पृष्ठभूमि संरचनाओं, पदार्थ विज्ञान, भूगोल, भूविज्ञान, मृदा, जलगति विज्ञान, सिंचाई अभियांत्रिकी, पर्यावरण विज्ञान, यांत्रिकी, भूकंप प्रौद्योगिकी, परियोजना प्रबंधन आदि की समझ से जुड़ी है।



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला का विवरण
आईटीएस एवं मृदा गतिकी प्रयोगशाला	आईटीएस और मृदा गतिकी प्रयोगशाला अनुसंधान सह यूजी और पीजी पाठ्यक्रम है। प्रयोगशाला में ब्रिनेल माइक्रोस्कोप का उपयोग करके त्वरण, वेग, विस्थापन, अवमंदन विशेषताएँ, डीसीपीआई सूचकांक, शंकु प्रतिरोध, कठोरता विशेषताएँ, कण आकार, संपीडन तरंग वेग, विवश मापांक और विद्युत-गतिकी कंपन विश्लेषक, गतिशील शंकु प्रवेश, स्थैतिक शंकु प्रवेश, ब्रिनेल माइक्रोस्कोप, पीजो सेंसर और ऑसिलोस्कोप का उपयोग करके परिरुद्ध भू-सामग्रियों में विकृति ज्ञात करने के लिए उपकरण उपलब्ध हैं। सिविल विभाग के अंतर्गत कार्यरत हाइड्रोलिक एवं जल संसाधन इंजीनियरिंग समूह, सतही और उप-सतही प्रवाह हाइड्रोलिक्स में अपनी दीर्घकालिक विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है।
हाइड्रोलिक्स लैब	एडीवी, बेड प्रोफाइलर, डिजिटल वेलोसिटी मीटर, करंट मीटर, अल्ट्रासोनिक डेपथ प्रोफाइलर, पिटोट ट्यूब, डिजिटल मैनोमीटर आदि जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित, हाइड्रोलिक्स प्रयोगशाला नवाचार में अग्रणी रहने के लिए समूह की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला का निर्माण द्रव गुणों के अध्ययन और असंपीड्य तथा संपीड्य, दोनों प्रकार के प्रवाहों पर प्रयोग करने के उद्देश्य से किया गया है। प्रयोगशाला में द्रव स्थैतिकी के मूल सिद्धांतों, साथ ही द्रव प्रवाह की गतिकी और गतिकी की जाँच के लिए उन्नत उपकरण उपलब्ध हैं, ताकि हमारे छात्रों को एक गहन और व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान किया जा सके।
द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला	द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला का निर्माण द्रव के गुणों के अध्ययन को सुगम बनाने और असंपीड्य एवं संपीड्य दोनों प्रवाहों पर प्रयोग करने के उद्देश्य से किया गया है। प्रयोगशाला में द्रवस्थैतिकी के मूल सिद्धांतों, साथ ही द्रव प्रवाह की गतिकी और गतिकी की जाँच के लिए उन्नत उपकरण उपलब्ध हैं, ताकि हमारे छात्रों को एक गहन और व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान किया जा सके।
मृदा यांत्रिकी प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला मृदा यांत्रिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान के लिए सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में संकाय सदस्यों की देखरेख में अनुसंधान, परामर्श और नियमित मृदा परीक्षण कार्य किए जाते हैं।
भूकंप प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला	कंपन व्यवहार से संबंधित बुनियादी मुद्दे, जैसे, अवमंदन, गतिशील प्रतिक्रिया आवर्धन, अनुनाद, आधार गति के अंतर्गत संरचनात्मक कंपन सामान्य विधाएँ, कंपन पृथक्करण, कंपन अवशोषण, गतिकी नरम और/या कमजोर प्रथम/मध्यवर्ती तलों के साथ, संरचनात्मक तन्यताकी भूमिका गतिशील भारों का प्रतिरोध करने में, गतिशील भारों के अंतर्गत मिट्टी काद्रवीकरण, और गतिशील आधार गति के अंतर्गत कठोर वस्तुओं का हिलना और ऊपर की ओर फेंकना
सीएडीडी लैब	प्रयोगशाला में लगभग 20 डेस्कटॉप कंप्यूटर उपलब्ध हैं।
परिवहन इंजीनियरिंग लैब	परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में राजमार्ग सामग्री की गुणवत्ता का आकलन करने, फुटपाथ मूल्यांकन और यातायात इंजीनियरिंग अध्ययन के लिए सभी मानकीकृत परीक्षण करने हेतु आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। राजमार्गों के निर्माण से पहले, निर्माण के दौरान और निर्माण के बाद के चरणों में प्रयोग किए जाते हैं। यह प्रयोगशाला सड़कों के लिए गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण करती है, यातायात इंजीनियरिंग सर्वेक्षण और स्पॉट गति अध्ययन, आयतन गणना, और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए सड़क सुधार योजनाएँ तैयार करने हेतु टकराव अध्ययन करती है।

प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला का विवरण
संरचना प्रयोगशाला	प्राथमिक गतिविधियों में विभिन्न स्थैतिक और गतिशील भार स्थितियों के अंतर्गत संरचनात्मक तत्वों और संयोजनों के मॉडल/प्रोटोटाइप पर प्रायोगिक अध्ययन शामिल हैं। प्रयोगशाला संरचनाओं के भार-विरूपण व्यवहार की व्यापक और पूर्ण पैमाने पर जांच के लिए एक अनूठी सुविधा प्रदान करती है, जिसमें उनकी चरम-पश्चात शक्ति और विफलता तक की विकृतिशीलता भी शामिल है।
सर्वेक्षण प्रयोगशाला	सर्वेक्षण प्रयोगशाला सभी आवश्यक उपकरणों और औज़ारों से सुसज्जित है जो छात्रों की समग्र समझ और व्यावहारिक ज्ञान में सहायक हैं। छात्र पारंपरिक और आधुनिक दोनों उपकरणों से क्षेत्रीय आँकड़े एकत्र करने की तकनीकें सीखते हैं।
ठोस प्रयोगशाला की यांत्रिकी	इस प्रयोगशाला में, छात्रों को विभिन्न संतुलन स्थितियों में विभिन्न सामग्रियों पर भार डालने का अवसर मिलेगा। छात्र तनाव, संपीड़न, मरोड़, बंकन और प्रभाव में सामग्रियों पर परीक्षण करेंगे।
आपदा प्रबंधन प्रयोगशाला	आपदा प्रबंधन प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार की आपदाओं के लिए तैयारी और प्रतिक्रिया रणनीतियों को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। यह जोखिम मूल्यांकन, आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना और पुनर्प्राप्ति रणनीतियों जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रशिक्षण पर केंद्रित है।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. के. सी. तिवारी
(एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: भूसूचना विज्ञान और इसके अनुप्रयोग, आपदा प्रबंधन, हाइपरस्पेक्ट्रल औरएसएआर डेटा प्रसंस्करण, छद्म लक्ष्य का पता लगाना, सुपर रिज़ॉल्यूशन मैपिंग, उपग्रह छवि कृत्रिम बुद्धि प्रसंस्करण.

प्रो. विजय के. मिनोचा
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: स्टोकेस्टिक/एआई/जल, पर्यावरण और सांख्यिकीय मॉडलिंग परिवहन प्रणालियाँ

प्रो. आशुतोष त्रिवेदी

(बी.एससी.(इंजी.), एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: सिविल अभियांत्रिकी, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, रॉक यांत्रिकी, और मृदा गतिशीलता।

प्रो. अनिल कुमार साहू

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी

प्रो. अशोक कुमार गुप्ता

(बी.टेक., एम.एस., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी

प्रो. नीरेन्द्र देव

(बी.टेक., एम.एससी. (इंजी.), पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: संरचनात्मक अभियांत्रिकी संरचनात्मक गतिशीलता, परिमित तत्व विधि, आपदा प्रबंधन, उच्च शक्ति नैनोकंपोजिट और कंक्रीट तकनीकी

प्रो. अवधेश कुमार

(एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: सीमेंट युक्त उत्पाद, ऊंची इमारतें और गैर-रेखीय विश्लेषण परिमित तत्व विधि का उपयोग करके

प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: भू-तकनीकी अभियांत्रिकी रॉक मैकेनिक्स, पाइल फाउंडेशन और भू-पर्यावरण अभियांत्रिकी

प्रो. आलोक वर्मा

(एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: भूकंप प्रौद्योगिकी, फ्रैजी लॉजिक और तंत्रिका स्थायित्व अध्ययन में नेटवर्किंग

प्रो. नरेश कुमार

(एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: गहरी नींव, नवीन पाइल्सकी भार वहन क्षमता पर प्रायोगिक परीक्षण, आईपीआर कानून

प्रो. एस. अंबु कुमार

(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: द्रव यांत्रिकी, और हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी

प्रो. राजू सरकार

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: मृदा यांत्रिकी, प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए भू-तकनीकी, मृदा-संरचना अंतः क्रिया, पर्यावरण भू-पौद्धिकी, फटपाथ भ-पौद्धिकी, भूमि सुधार तकनीक, और संख्यात्मक मॉडलिंग

प्रो. मुनेंद्र कुमार

(एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: द्रव यांत्रिकी और हाइड्रोलिक्स

प्रो. टी. विजय कुमार

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: पर्यावरण अभियांत्रिकी द्रव यांत्रिकी, और हाइड्रोलिक्स

प्रो. शिल्पा पाल

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: बांधों का भूकंपीय विश्लेषण और आकार स्थिरता अध्ययन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण अध्ययन, जैव सुदृढ़ कंक्रीट और हरित निर्माण में प्रयुक्त सामग्री

प्रो. प्रदीप कुमार गोयल

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: चक्रवात आपदा न्यूनीकरण, सूक्ष्म क्षेत्रीकरण, खतरा विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन, विश्वसनीयता विश्लेषण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक सामग्री, और ग्रामीण आवास।

सह आचार्य

श्री सुशील कुमार

(बी.टेक., एम.टेक.)

अनुसंधान क्षेत्र: यातायात और परिवहन अभियांत्रिकी।

श्री नारद मुनि प्रसाद

(एम.एससी.)

अनुसंधान क्षेत्र: फुटपाथ अभियांत्रिकी

श्री जी. पी. अवधिया

(एम.टेक.)

अनुसंधान क्षेत्र: संरचनात्मक अभियांत्रिकी

श्री ए. आर. कोंगन

(बी.ई. एम.ई.)

अनुसंधान क्षेत्र: संरचनात्मक अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी, प्रीस्ट्रेसड कंक्रीट, ऊंची इमारतें, ढहने योग्य और विस्तार योग्य मिट्टी

सहायक आचार्य

डॉ. भरत झामनानी

(बी.ई., एम.ई., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: पर्यावरण अभियांत्रिकी, हाइड्रोलिक्स, कम्प्यूटेशनल तरल सक्रिय।

डॉ. रितु राज

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी.)

अनुसंधान क्षेत्र: संरचनात्मक अभियांत्रिकी और पवन अभियांत्रिकी

श्री ऋषिकेश दुबे

(बी.ई., एम.टेक.)

अनुसंधान क्षेत्र: संरचनात्मक अभियांत्रिकी और भूकंप अभियांत्रिकी

श्री बी. आर. जी. रॉबर्ट

(बी.ई.)

अनुसंधान क्षेत्र: भूविज्ञान, सर्वेक्षण, निर्माण सामग्री और निर्माण आदि

परामर्श से उत्पन्न राजस्व:

संकाय सदस्य का नाम	शीर्षक	राशि (₹)
डॉ. रितु राज	वंदेमातरम मार्ग धौला कुआं से दयाल चौक तक और शंकर रोड पूसा चौक से शंकर चौक तक के सुदृढीकरण कार्य के लिए टीपीक्यूए, लोक निर्माण विभाग प्रभाग दक्षिण पश्चिम रोड-1, उप प्रभाग-IV, नई दिल्ली।	2,68,818/-
	एनआईटी, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में ईपीसी आधार पर मेगा बॉयज़ हॉस्टल जी+3 का निर्माण, जिसमें बाह्य सिविल, विद्युत और यांत्रिक सेवाएँ, विकास कार्य और सभी सहायक भवन शामिल हैं।	22,00,000/-
	1. घन नमूना परीक्षण 2. ए-1 प्रकार के स्कूल भवन का निर्माण, जिसमें चार दीवारी आदि शामिल हैं और आंतरिक विद्युत स्थापना, पंखे, अग्नि अलार्म और अग्निशमन प्रणाली, सौर फोटोवोल्टिक विद्युत उत्पादन 3. एकल बेसमेंट, भूतल +5 मंजिला कार्यालय सह स्टूडियो भवन का निर्माण 4. डिज़ाइन मिश्रण/कार्य मिश्रण सूत्र 5. लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल, दिल्ली का डिजिटल सर्वेक्षण भवन	6,49,000/-
प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव	दानेदार सब बेस और गीले मिश्रण (डब्ल्यूएमएम) और कंक्रीट मिश्रण डिज़ाइन के लिए डिज़ाइन मिश्रण।	7,50,000/-
प्रो. ए त्रिवेदी	ग्रेड M25 और M15 के रेडी-मिक्स कंक्रीट का डिज़ाइन मिश्रण।	1,00,000/-
प्रो. मुनेंद्र कुमार	1. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के करमपुरा परिसर में अतिरिक्त कक्षा के लिए एसपीएस (4 मंजिला) के निर्माण की प्रूफ जाँच। 2. ग्रेड एम30 और एम40 के कंक्रीट के लिए स्व-संपीड़ित कंक्रीट मिश्रण डिज़ाइन।	4,00,000/-
प्रो. टी. विजय कुमार	सीपीडब्ल्यूडी, ग्वालियर मध्य मंडल, ग्वालियर के अंतर्गत कार्यों के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में	14,59,501/-
प्रो. ए. के. गुप्ता	कार्य हेतु तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में "लोक निर्माण विभाग उत्तर विभाग के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का सुदृढीकरण उप-विभाग उत्तर-पश्चिम रोड-1, उत्तर-पश्चिम रेलवे-12 के अंतर्गत"	-
प्रो. मुनेंद्र कुमार	1. दिल्ली में चरण-II के अंतर्गत द्वारका परिसर के विस्तार हेतु संरचनात्मक डिज़ाइन और रेखाचित्रों का परीक्षण। 2. जेएनवी पापुमपारे, अरुणाचल प्रदेश में चरण-बी कार्यों के संबंध में संरचनात्मक डिज़ाइन और संरचनात्मक रेखाचित्रों की तैयारी।	20,77,083/-
प्रो. नीरेंद्र देव	तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन पूर्वी प्रभाग 3 बीएचके पॉकेट 3, नरेला प्रभाग, दिल्ली।	94,78,362/-
डॉ. ऋतु राज	दिल्ली के तिहाड़ जेल परिसर में तिहाड़ जेल आवासीय क्वार्टरों का संरचनात्मक ऑडिट।	40,00,000/-
प्रो. राजू सरकार	पीडब्ल्यूडी, दिल्ली के लिए सामग्री का परीक्षण	4,49,492/-
डॉ. ऋतु राज	सिविल डिवीजन, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन।	27,11,384/-

संकाय सदस्य का नाम	शीर्षक	राशि (₹)
डॉ. रितु राज	विभिन्न विकास कार्यों का तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन विभिन्न मदों जैसे डीआरडीबी, डूडा, एमएलए, एलएडी, एमपी एलएडी, अनधिकृत कॉलोनियों, शहरी गांवों, एससी/एसटी पंचायत और योजना कार्यों आदि के अंतर्गत आई एंड एफसी के सभी प्रभागों के अंतर्गत	2,00,00,000/-
	एनआईटी नागालैंड में नए लड़कों के छात्रावास के लिए संरचनात्मक डिज़ाइन और संरचनात्मक चित्र तैयार करना, एम्स जम्मू का सामग्री परीक्षण, पश्चिम विहार में जिला पार्क के लिए संरचनात्मक डिज़ाइन, दौलत राम कॉलेज, डीयू, दिल्ली में पश्चिमी विंग का निर्माण।	13,25,718/-
प्रो. एस. अंबु कुमार	02 और 06 सिविल कार्यों के संबंध में टीपीक्यूए।	2,18,858/-
प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव	दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में कंप्यूटर केंद्र के निर्माण कार्य के लिए टीपीक्यूए सेवाएँ, दिल्ली बागवानी कार्य ईपीसी आधार पर।	30,32,411/-
	अफ्रीका एवेन्यू डिफेंस कॉम्प्लेक्स में पूर्णतः स्वचालित बहुस्तरीय कार पार्किंग प्रणाली के निर्माण और स्थापना कार्य के लिए टीपीक्यूए सेवाएँ, ईपीसी आधार पर बागवानी कार्य	21,41,742/-
प्रो. राजू सरकार	सामग्री परीक्षण/मिश्रण डिजाइन के संबंध में।	50,000/-

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:



कार्यक्रम का विवरण: "आपदा तैयारी" पर एफडीपी और जोखिम में कमी"

सहयोग से: भू-मौसम संबंधी जोखिम भारतीय विश्वविद्यालयों और एनआईडीएम (गृह मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली) के माध्यम से प्रबंधन प्रभाग एवं सिविल अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली

तिथियाँ: 11 - 15 दिसंबर, 2023

समन्वयक/सह-समन्वयक: प्रो. शिल्पा पाल, प्रो. राजू सरकार और प्रो. मुनेंद्र कुमार

सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

प्रो. शिल्पा पाल

आयोजन: 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सर्किट और सिस्टम्स माइक्रो 2024"

आयोजक: विनोद धाम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सेमीकंडक्टर्स और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, डीटीयू, दिल्ली और एप्लाइड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, कोलकाता

तिथियाँ: 16 - 17 मई, 2024

कार्यक्रम विवरण: 22वां आईएसएमई - "सतत विकास के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी में हालिया प्रगति (आईएसएमई 2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजक: यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली

तिथियाँ: 11 - 13 जुलाई, 2024

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

शीर्षक: स्वयं ऑनलाइन पाठ्यक्रम "गुणवत्ता आश्वासन" पर प्रमाणन एनएएसी मान्यता प्रक्रिया के माध्यम से
आयोजक: एनआईटीटीटीआर, चेन्नई
अवधि: जुलाई - दिसंबर, 2023

शीर्षक: 12 सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम
आयोजक: एनपीटीईएल - एआईसीटीई
अवधि: जनवरी - अप्रैल, 2024

प्रो. शिल्पा पाल

शीर्षक: एनबीए मान्यता और इंजीनियरिंग में शिक्षण-अधिगम (एनएटीई)
आयोजक: आईआईएससी, बैंगलोर
अवधि: जनवरी - अप्रैल, 2024

शीर्षक: एनईपी और संस्थागत निर्माण पर स्वयं ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम
आयोजक: एनआईटीटीटीआर, चेन्नई
तिथियां: जनवरी - जून, 2024

राज्य, राष्ट्रीय, मान्यता प्राप्त निकायों में पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय स्तर से औरमान्यता:

संकाय सदस्य का नाम	पुरस्कार का शीर्षक	पुरस्कार देने वाला विश्वविद्यालय	वर्ष
प्रो. ए.के. साहू	सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार सराहनीय	डीटीयू, दिल्ली	2024
प्रो. शिल्पा पाल	सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार सराहनीय	डीटीयू, दिल्ली	2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

प्रो. शिल्पा पाल

आयोजन का शीर्षक: संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी का उपयोग करके कंक्रीट में क्षति कापता लगाना - संरचना की सुरक्षा के पीछे का विज्ञान
आयोजक: सीवाई सेर्जी पेरिस विश्वविद्यालय, सेर्जी, फ्रांस
दिनांक: 20 जून, 2024

शीर्षक: स्वयं ऑनलाइन एनईपी और संस्थागत निर्माण पर प्रमाणन पाठ्यक्रम
आयोजक: सीवाई सेर्जी पेरिस विश्वविद्यालय, सेर्जी, फ्रांस
दिनांक: 15 सितंबर, 2023

4.6 संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. विनोद कुमार, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक. (सीएसई)
अनुमोदित: 481
प्रवेशित: 481

एम.टेक. (सीएसई)
अनुमोदित: 30+5
प्रवेशित: 34

एम.टेक.
(कृत्रिम बुद्धिमत्ता)
अनुमोदित: 30+5
प्रवेशित: 32

पीएच.डी.
प्रवेशित: 11

मुख्य विशेषताएं

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, औद्योगिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन पर योजनाबद्ध ध्यान केंद्रित करते हुए, एक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास वातावरण का रोमांच प्रदान करने का प्रयास करता है। पाठ्यक्रम में ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, डेटा माइनिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स और नेटवर्क के लिए सिस्टम सॉफ्टवेयर के डिज़ाइन सिद्धांतों और विकास पर विशेष जोर दिया गया है। वर्तमान में, संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी के क्षेत्र में डॉक्टरेट, स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में संगणक सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) और सोसाइटी ऑफ सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी का एक सक्रिय छात्र अध्याय भी है, जो आईईईई और आईईटी छात्र अध्यायों द्वारा संचालित व्यावसायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

शोध प्रकाशन

मंजूर किया गया : 02 (राष्ट्रीय)
पेटेंट प्रकाशित : 04
(03 : राष्ट्रीय, 01 : अंतरराष्ट्रीय)

पत्रिकाएँ : 64

सम्मेलन : 40

पुस्तक: 01 (संपादित)
पुस्तक अध्याय: 27



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला का विवरण
संगणक आर्किटेक्चर प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला संगणक प्रणालियों के अध्ययन और डिज़ाइन पर केंद्रित है, जिसमें संगणक आर्किटेक्चर, प्रोसेसर डिज़ाइन, मेमोरी पदानुक्रम और प्रदर्शन अनुकूलन के सिद्धांतों का अन्वेषण किया जाता है। छात्र व्यावहारिक प्रयोगों में भाग लेते हैं ताकि यह समझा जा सके कि कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों को कुशलता पूर्वक निष्पादित करने के लिए कैसे परस्पर क्रिया करते हैं।
आईपीएम प्रयोगशाला	सूचना प्रसंस्करण एवं प्रबंधन (आईपीएम) प्रयोगशाला सूचना प्रसंस्करण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित है, जिसमें डेटा संग्रहण, पुनर्प्राप्ति और प्रबंधन शामिल है। यह प्रयोगशाला बड़ी मात्रा में डेटा को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए सूचना प्रणालियों के अनुकूलन पर भी ध्यान केंद्रित करती है।
डेटा माइनिंग प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला विभिन्न डेटा माइनिंग तकनीकों का उपयोग करके बड़े डेटासेट से मूल्यवान अंतर्दृष्टि और पैटर्न निकालने में विशेषज्ञता रखती है। छात्र और शोधकर्ता वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान के लिए मशीन लर्निंग, पैटर्न पहचान और भविष्य सूचक मॉडलिंग से जुड़ी परियोजनाओं पर काम करते हैं।
डीबीएमएस प्रयोगशाला	डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (डीबीएमएस) लैब का उद्देश्य छात्रों को डेटाबेस डिज़ाइन, कार्यान्वयन और प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इसमें एसक्यूएल प्रोग्रामिंग, रिलेशनल डेटाबेस डिज़ाइन, सामान्यीकरण और लेनदेन प्रबंधन जैसे विषय शामिल हैं।
बिग डेटा एनालिटिक्स और वेब इंटेलिजेंस प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला बड़े पैमाने के डेटासेट के विश्लेषण और बुद्धिमान वेब अनुप्रयोगों के विकास पर केंद्रित है। छात्र बड़े डेटा प्रोसेसिंग के लिए उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करना सीखते हैं, जिनमें हादूप, स्पार्क और विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम शामिल हैं।
एलएएनएस प्रयोगशाला	लोकल एरिया नेटवर्क सिमुलेशन (एलएएनएस) लैब छात्रों को लोकल एरिया नेटवर्क के डिज़ाइन, कॉन्फिगरेशन और प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। यह लैब नेटवर्क प्रोटोकॉल, सुरक्षा उपायों और एलएएन वातावरण में प्रदर्शन अनुकूलन पर जोर देती है।
कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला	कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला, कम्प्यूटेशनल विधियों का उपयोग करके जटिल वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग समस्याओं को हल करने के लिए समर्पित है। यह संख्यात्मक विश्लेषण, सिमुलेशन और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करता है।
आईओटी प्रयोगशाला	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) लैब आईओटी उपकरणों और अनुप्रयोगों के विकास और परीक्षण पर केंद्रित है। छात्र स्मार्ट घरों, स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिक स्वचालन और अन्य आईओटी-आधारित समाधानों से संबंधित परियोजनाओं पर काम करते हैं, सेंसर, संचार प्रोटोकॉल और क्लाउड कंप्यूटिंग के एकीकरण की खोज करते हैं।
प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला	प्रोग्रामिंग लैब छात्रों को विभिन्न प्रोग्रामिंग भाषाओं और प्रतिमानों को सीखने और अभ्यास करने के लिए एक वातावरण प्रदान करती है। यह लैब बुनियादी कोडिंग कौशल से लेकर उन्नत सॉफ्टवेयर विकास तकनीकों तक, प्रोग्रामिंग विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती है।
मशीन लर्निंग प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के अध्ययन और अनुप्रयोग के लिए समर्पित है। छात्र और शोधकर्ता पर्यवेक्षित, अपर्यवेक्षित और सुदृढीकरण सीखने से जुड़ी परियोजनाओं पर काम करते हैं ताकि ऐसी बुद्धिमान प्रणालियाँ विकसित की जा सकें जो डेटा से सीख सकें और अनुकूलित हो सकें।

प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला का विवरण
कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रयोगशाला बुद्धिमान एजेंटों और प्रणालियों के विकास पर केंद्रित है। अनुसंधान के क्षेत्रों में प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, कंप्यूटर विज्ञान, रोबोटिक्स और ज्ञान प्रतिनिधित्व शामिल हैं, और जटिल समस्याओं के लिए एआई-संचालित समाधान बनाने पर जोर दिया जाता है।
सूचना सुरक्षा और सीआई प्रयोगशाला	सूचना सुरक्षा और साइबर इंटेलिजेंस (सीआई) लैब साइबर सुरक्षा उपायों, खतरे का पता लगाने और सूचना आश्वासन के अध्ययन पर केंद्रित है। छात्र सुरक्षित सिस्टम डिज़ाइन करना, डेटा अखंडता की रक्षा करना और साइबर खतरों का जवाब देना सीखते हैं।
सैमसंग रिसर्च प्रयोगशाला	सैमसंग के सहयोग से, यह प्रयोगशाला मोबाइल तकनीक, स्मार्ट उपकरणों और उन्नत सॉफ्टवेयर विकास जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान पर केंद्रित है। छात्र और शोधकर्ता ऐसी नवीन परियोजनाओं पर काम करते हैं जो सैमसंग के तकनीकी दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।
ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रयोगशाला	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रयोगशाला वित्त, आपूर्ति श्रृंखला और स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की संभावनाओं का पता लगाती है। यह प्रयोगशाला सुरक्षित, विकेन्द्रीकृत अनुप्रयोगों और स्मार्ट अनुबंधों के विकास पर केंद्रित है।
क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग अनुसंधान प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला क्वांटम कंप्यूटिंग और उसके अनुप्रयोगों के अध्ययन के लिए समर्पित है। अनुसंधान के क्षेत्रों में क्वांटम एल्गोरिदम, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और क्वांटम प्रोसेसर का विकास शामिल है, जिसका लक्ष्य क्वांटम सूचना विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाना है।
नेटवर्क विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला	यह अनुसंधान प्रयोगशाला स्वायत्त रोबोटिक प्रणालियों के विकास पर केंद्रित है जो जटिल कार्यों को पूरा करने के लिए एक साथ काम कर सकें। अनुसंधान में स्वार्म इंटेलिजेंस, मल्टी-एजेंट सिस्टम और वितरित रोबोटिक्स शामिल हैं।
संवर्धित और आभासी वास्तविकता अनुसंधान प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) प्रौद्योगिकियों के विकास का अन्वेषण करती है। छात्र और शोधकर्ता गेमिंग, शिक्षा और चिकित्सा प्रशिक्षण सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए इमर्सिव अनुभव बनाने पर काम करते हैं। यह प्रयोगशाला एआर/वीआर प्रणालियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों पहलुओं पर जोर देती है।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. विनोद कुमार
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर नेटवर्क

प्रो. रजनी जिंदल
(एम.सी.ए., एम.ई., पीएच.डी.)
अनुसंधान क्षेत्र: डेटाबेस सिस्टम, डेटा माइनिंग और ऑपरेटिंग सिस्टम

प्रो. दया गुप्ता (सहायक)
(एम. एससी., पोस्ट एम. एससी. डिप्लोमा (सीएस.), पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा माइनिंग और सुरक्षा

प्रो. मनोज कुमार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सूचना सुरक्षा

प्रो. शैलेंद्र कुमार
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डेटाबेस सिस्टम, डेटा माइनिंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, सूचना सुरक्षा, कंप्यूटर नेटवर्क

प्रो. अनिल सिंह परिहार
(बी.टेक., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पैटर्न पहचान, कंप्यूटर विज्ञान, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, इमेज प्रोसेसिंग, विकासवादी कंप्यूटिंग और बायोमेट्रिक

प्रो. राहुल कटार्या
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिग डेटा एनालिटिक्स, सोशल नेटवर्क विश्लेषण, मानव व्यवहार, मल्टीमीडिया सिस्टम, इंटरनेट टेक्नोलॉजीज, वेब माइनिंग

प्रो. मनोज सक्सेना (सहायक)
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एआई और एमएल

प्रो. अरुणा भट्ट
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान, परिसर इनक्यूबेटर.

सहायक आचार्य

डॉ. राजेश कुमार यादव
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: मोबाइल कंप्यूटिंग, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटेशन का सिद्धांत, पीसीए

डॉ. प्रशांत गिरिधर शंभरकर
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डेटा माइनिंग, रियल टाइम सिस्टम, प्रोग्रामिंग फंडामेंटल्स, मोबाइल स्वास्थ्य निगरानी।

डॉ. रोहित बेनीवाल
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सोशल वेब, सिमेंटिक वेब, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, मशीन लर्निंग

डॉ. संजय कुमार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण, डेटाबेस सिस्टम, डेटा विज्ञान, सूचना सुरक्षा और एल्गोरिदम

डॉ. राजीव कुमार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट)
अनुसंधान क्षेत्र: स्टेनोग्राफी, प्रतिवर्ती डेटा छिपाना, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, डीप फेक, एआई/एमएल: गोपनीयता और सुरक्षा

डॉ. पवन सिंह मेहरा
(बी.ई., एम.टेक. (ऑनर्स), पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वायरलेस नेटवर्क, क्रिप्टोग्राफी सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा

डॉ. मिन्नी जैन
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, भावना विश्लेषण, सूचना सुरक्षा

श्री निपुण बंसल
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी (पी))
अनुसंधान क्षेत्र: सूचना सुरक्षा, बायोमेट्रिक सुरक्षा, नेटवर्क सुरक्षा

डॉ. अनुराग गोयल
(बी.टेक., एम.टेक. (स्वर्ण पदक विजेता), पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: गहन शिक्षण, छवि प्रसंस्करण, सामाजिक भलाई के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ग्राफ़ नेटवर्क, कम्प्यूटेशनल

डॉ. कविंदर सिंह
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज्ञान, पैटर्न रिकॉग्निशन, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग

सुश्री अनुकृति कौशल
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी (पी))
अनुसंधान क्षेत्र: डेटा संरचनाएं और एल्गोरिदम, नेटवर्क और सूचना सुरक्षा, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, अनुशंसा प्रणाली

सुश्री गुल कौर
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग

सुश्री गरिमा छिकारा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी (पी))
अनुसंधान क्षेत्र: एल्गोरिदम, कंप्यूटर विज्ञान, डीप लर्निंग

डॉ. इंदु सिंह (संविदा)
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डेटाबेस, डेटा वेयरहाउस और माइनिंग, सूचना सुरक्षा, मशीन लर्निंग

प्रोग्रामर

डॉ. मनोज सेठी
(एम.ई., एलएमसीएसआई, पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डीबीएमएम, डीडब्ल्यूडीएम, मशीन लर्निंग

विभाग की उपलब्धियाँ:

- आर्यन अरोड़ा (बी.टेक, सीएस, डीटीयू-2024) को स्टिबो सिस्टम्स इंडिया हैकार्थॉन 2024 का ग्रैंड प्राइज़ विजेता घोषित किया गया। इस आयोजन में 70 से ज़्यादा शहरों के 145 कॉलेजों से 1,000 से ज़्यादा पंजीकरण हुए।
- वैभव आनंद और शोएब शमा (बी.टेक, सीएस, डीटीयू-2024) ने "ईवाई ओपन साइंस डेटा चैलेंज 2024 फेज़-1" में अखिल भारतीय रैंक-1 हासिल किया। इस आयोजन में 119 देशों से 11,000 से ज़्यादा पंजीकरण हुए।
- टीम डीटीयू चैंप्स (शोएब शमा, अनुभव संगल और वैभव आनंद, बी.टेक, सीएस/एसई, डीटीयू-2024) ने आईएमसी ट्रेडिंग द्वारा आयोजित "आईएमसी प्रॉस्पेरेटी 2 ट्रेडिंग चैलेंज 2024" में अखिल भारतीय रैंक - 5 हासिल किया। कुल मिलाकर, 13,500 (वैश्विक) और 2,300 (भारतीय) टीमों ने भाग लिया, जिसमें, टीम डीटीयू चैंप्स ने 17 दिनों तक चली कई प्रोग्रामिंग चुनौतियों में विश्व स्तर पर शीर्ष 1% में स्थान हासिल किया।
- डीटीयू की दो टीमों, "रिज़-ओ-नेंस" और "एस.ओ.एस.- सेवियर्स ऑफ़ सोसाइटी" (संगणक अभियांत्रिकी के छात्र भी) को स्मार्ट इंडिया हैकार्थॉन 2023 का राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया है। परिवहन एवं रसद [छात्र नवाचार] और विविध [सोशल मीडिया उपस्थिति का भावना विश्लेषण] श्रेणियों में क्रमशः दोनों टीमों को प्रतिष्ठित पुरस्कार ट्रॉफी और प्रत्येक को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. राहुल कटार्या और डॉ. संजय कुमार स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई 2023 की विश्व रैंकिंग में शीर्ष 2% सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं।
- डॉ. राजीव कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार और प्रो. राहुल कटार्या को तीन पेटेंट प्रदान किए गए।
- श्री नवनीत गुप्ता (डीसीई के पूर्व छात्र, बी.ई. 1999, संगणक अभियांत्रिकी), वेरिटा सॉफ्टवेयर एल एल सी के सह-संस्थापक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) को बिजनेस मिंट नेशनवाइड अवार्ड्स द्वारा वर्ष 2023 के सबसे प्रमुख सीटीओ के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- श्री शाश्वत शर्मा (डीसीई के पूर्व छात्र, बी.ई. 2003, संगणक अभियांत्रिकी) को भारती एयरटेल सर्विसेज का मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे उपभोक्ता व्यवसाय के निदेशक और डीटीएच के सीईओ के रूप में कार्यरत थे।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/सह पीआई:
की-हून जंग,
राजीव कुमार

शीर्षक: टैगएक्सडीएफ- टैगिंग प्रणाली की व्याख्या
राशि (₹): 55 मिलियन के आरडब्ल्यू स्वीकृति
तिथि: नवंबर, 2021
अवधि: 3.5 वर्ष

पीआई/सह पीआई:
ऋषि रंजन सिंह
संजय कुमार

शीर्षक: केंद्रीयता को इष्टतम रूप से बदलने के लिए लिंक पूर्वानुमान हेतु गहन शिक्षण फ्रेमवर्क सामाजिक और जटिल नेटवर्क में नोड्स की संख्या
राशि (₹): 18 लाख
स्वीकृति तिथि: जनवरी, 2024
अवधि: 3 वर्ष

पीआई/सह पीआई:

डॉ. अमिता जैन
एनएसयूटी, ईस्ट कैम्पस,
डॉ. मिन्नी जैन, डीटीयू

परियोजना का शीर्षक: हिंदी-अंग्रेजी कोड-मिश्रित
कम्प्यूटेशनल लेक्सिकॉन और चैटबॉट का निर्माण अवसाद
विकार के लिए परामर्श आवेदन

राशि (₹): 23,99,100/-

स्वीकृति तिथि: अप्रैल, 2023

अवधि: 3 वर्ष

2023-24 में प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण:

आविष्कारक का नाम	पेटेंट का शीर्षक	स्थिति	पेटेंट संख्या	तारीख
डॉ. राजीव कुमार एट अल.	प्रसारण संदेशों के लिए प्राप्तकर्ताओं को उनकी भावनात्मक स्थिति और संदेश सामग्री के आधार पर फ़िल्टर करने की विधि और प्रणाली	मंजूर किया गया	444018	9 अगस्त, 2023
	बीमा प्रीमियम की गणना के लिए पुरस्कार या दंड अंक स्वचालित रूप से निर्धारित करने की विधि और प्रणाली	प्रकाशित	202411000844	2 फ़रवरी, 2024
	उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं के आधार पर वीडियो या प्लेलिस्ट थंबनेल के अनुकूलन की प्रणाली और विधि	प्रकाशित	202311072158	22 दिसंबर, 2023
प्रो. राहुल कटार्या एट अल.	पौधों की बीमारियों का पता लगाने और नियंत्रण के लिए सटीक कृषि रोवर	मंजूर किया गया	202211032321	21 मार्च, 2024
प्रो. अनिल सिंह परिहार एट अल.	सुदृढीकरण अधिगम तकनीकों का उपयोग करके उच्च-मूल्य वाले अनुक्रमिक पैटर्न का निष्कर्षण	प्रकाशित	20240005146	4 जनवरी, 2024
डॉ. पवन सिंह मेहरा एट अल.	क्वांटम क्रिप्टोग्राफी आधारित प्रमाणीकरण स्वास्थ्य सेवा डेटा के सुरक्षित संचरण के लिए प्रणाली और विधि गीगा हर्ट्ज़ माध्यम से	प्रकाशित	202311064981	1 दिसंबर, 2023

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम: विश्व क्वांटम दिवस उत्सव संस्थान की इनोवेशन काउंसिल, डीटीयू, दिल्ली के सहयोग से

दिनांक: 15 मई, 2024

समन्वयक: डॉ. पवन सिंह मेहरा और डॉ. अनुराग गोयल

कार्यक्रम: "उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इसका अनुप्रयोग" पर एफडीपी

सहयोग में: सीडैक, पुणे

तिथियां: 7 - 11 अगस्त, 2024

समन्वयक: प्रो. राहुल कटार्या, डॉ. संजय कुमार और डॉ. कविंदर सिंह

कार्यक्रम: निदेशालय के सहयोग से "कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा एनालिटिक्स और ई-गवर्नेंस" पर एफडीपी

सहयोग में : प्रशिक्षण विभाग (केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवा), दिल्ली सरकार और मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), डीटीयू, दिल्ली

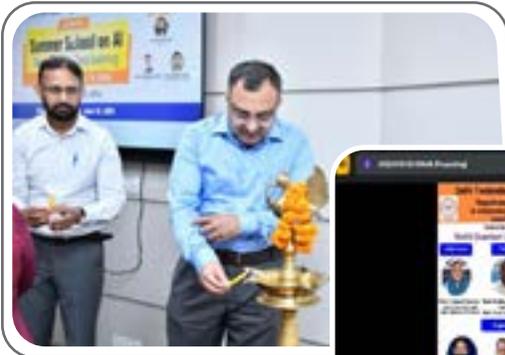
तिथियां: 11 - 29 सितंबर, 2023

समन्वयक: प्रो. राहुल कटार्या

कार्यक्रम: एआई पर ग्रीष्मकालीन स्कूल: गहन शिक्षण में गहन गोता

तिथियां: 10 जून - 19 जुलाई, 2024

समन्वयक: प्रो. अनिल सिंह परिहार और डॉ. कविंदर सिंह



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

प्रो. रजनी जिंदल

कार्यक्रम विवरण: स्टाफ प्रशिक्षण
कार्यक्रम आयोजक: आईआईटीएम, ग्वालियर
वर्ष: 2024
डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि (₹): 20,000/-

डॉ. अनुराग गोयल

कार्यक्रम विवरण: आईईईई वार्षिक सदस्यता और आईईईई सिग्नल प्रोसेसिंग सोसाइटी (एसपीएस) सदस्यता - 2024
डीटीयू द्वारा प्राप्त राशि (₹): 9686/-

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	तारीख
प्रो. रजनी जिंदल, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. पवन सिंह मेहरा, डॉ. अनुराग गोयल, डॉ. कविंदर सिंह, सुश्री गरिमा छिकारा	उन्नत शिक्षण शिक्षा शास्त्र और परिणाम-आधारित शिक्षा	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	27 - 31 मई, 2024
प्रो. रजनी जिंदल	ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए मशीन लर्निंग का व्यावहारिक अनुभव	आईआईआईटीएम, ग्वालियर	01 - 07 जुलाई, 2024
डॉ. प्रशांत गिरिधर शंभरकर	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में आईआईटीएस अनुप्रयोग	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	20 - 30 मई, 2024
	मात्रात्मक और गुणात्मक तलाश पद्धतियाँ	बीआईटी मेसरा, नोएडा परिसर	12 - 16 दिसंबर, 2023
डॉ. संजय कुमार	अगली पीढ़ी का वायरलेस नेटवर्क	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	27 - 31 मई, 2024
सुश्री गुल कौर	उन्नत शिक्षण शिक्षा शास्त्र और परिणाम-आधारित शिक्षा	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	27 - 31 मई, 2024
डॉ. रोहित बेनीवाल	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इस के अनुप्रयोग बुद्धिमत्ता	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	20 - 30 मई, 2024
	मात्रात्मक और गुणात्मक तलाश पद्धतियाँ	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची (नोएडा परिसर) और जेआईएमएस इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल परिसर, ग्रेटर नोएडा	27 - 31 मई, 2024
सुश्री अनुकृति कौशल	उन्नत शिक्षण शिक्षा शास्त्र और परिणाम-आधारित शिक्षा	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	7 - 11 अगस्त, 2023
डॉ. राजेश के. यादव	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इसके अनुप्रयोग	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	27 - 31 मई, 2024

मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता:

डॉ. अनुराग गोयल

पुरस्कार का शीर्षक: आईईईई के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार "अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकियां और प्रणालियां" आईसीएसटीएसएन 2024

पुरस्कार देने वाला संस्थान: आईएफईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु, भारत

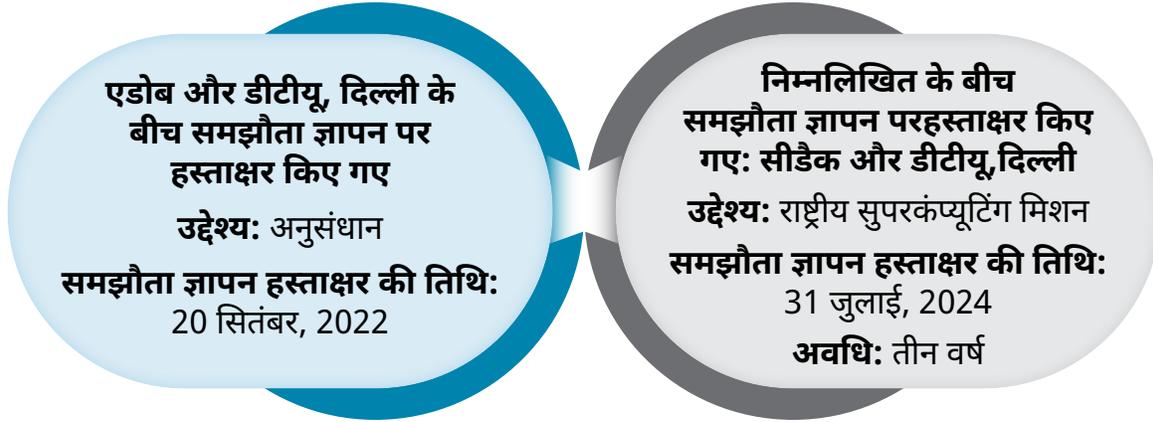
तिथि: 18 - 19 जुलाई, 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/भूमिका	आयोजक	दिनांक
डॉ. पवन सिंह मेहरा	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	क्वांटम कंप्यूटिंग का नया युग	समरकंद विश्वविद्यालय उज़्बेकिस्तान	02 नवंबर, 2013
	सेमिनार	क्वांटम का रहस्य उजागर	यूनिवर्सिटी ऑफ़ त्लेसेमेन, एलजीरिया	29 फरवरी, 2024
	सेमिनार	कंप्यूटिंग क्वांटम अनावरण: क्यूबिट्स की भाषा को डिजिटल करना	ए बी ई एस, गाजियाबाद	09 मार्च, 2024
	कार्यशाला	साइबर सीमा की सुरक्षा; शासन और जोखिम प्रबंधन	सीईआरटी-ईन, दिल्ली	21 मार्च, 2024
डॉ. संजय कुमार	कार्यशाला	गहन शिक्षण क्रांति: कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के वास्तविक जीवन पर प्रभाव का अनावरण	आईजीडीटीयूडब्ल्यू, दिल्ली	24 अगस्त, 2023
	कार्यशाला	पर्यवेक्षित शिक्षण और इसका वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग	अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद	11 जनवरी, 2024
डॉ. प्रशांत गिरिधर शंभरकर	एफडीपी	मशीन लर्निंग में हालिया रुझान	मंगलमय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, ग्रेटर नोएडा	2-9 जनवरी, 2024
	एफडीपी	कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हालिया और उभरते रुझान	मंगलमय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, ग्रेटरनोएडा	9-11 अक्टूबर, 2023
	आमंत्रित वार्ता	ऑपरेटिंग सिस्टम	एनएफएसयू, दिल्ली	28 जून, 2024
प्रो. राहुल कटार्या	सम्मेलन	स्तन कैंसर की भविष्यवाणी को बदलने के लिए एक उन्नत हाइब्रिड मॉडल प्रतिमान	बैंकॉक, थाईलैंड	8 - 10 नवंबर, 2023

संकाय का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/भूमिका	आयोजक	दिनांक
प्रो. राहुल कटार्या	कार्यशाला	कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य अनुप्रयोग एवं अनुसंधान अवसर	राजा बलवंत सिंह प्रबंधन तकनीकी कैम्पस, आगरा	22 दिसंबर, 2023
	एफडीपी	बिग डेटा एनालिटिक्स के हालिया रुझान और भविष्य	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला, भारत	11 दिसंबर, 2023
	कार्यशाला	मानव रहित ग्राउंड रोवर्स के औद्योगिक अनुप्रयोग	वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर	3 दिसंबर, 2023
	कार्यशाला	अच्छे शोध पत्र लिखने और प्रकाशित करने के तरीके और बौद्धिक संपदा अधिकारों का अनुप्रयोग	लखनऊ विश्वविद्यालय, भारत	25 नवंबर, 2023
	कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	पर्यावरण के लिए एआई का भविष्य उत्पाद विकास	सीएसआईआर- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी), दिल्ली	5 सितंबर, 2023
	कार्यशाला	कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हालिया रुझान	हिंदुस्तान इंजीनियरिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, फराह, मथुरा	26 सितंबर, 2023
	एफडीपी	उन्नत तकनीकों के साथ तकनीकी दुनिया में महारत हासिल करना	शूलिनी विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश	30 जनवरी - 4 फरवरी, 2024
	सम्मेलन	मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विमर्श और से परे की खोज	बिट्स, पिलानी	23वां - 24वां फरवरी, 2024
	संगोष्ठी	कृत्रिम बुद्धिमत्ता: 'अवसरों का लाभ उठाएँ और खतरों से बचें'	डी मॉटफोर्ट विश्वविद्यालय, लीसेस्टर, यूनाइटेड किंगडम	26 फरवरी - 4 मार्च, 2024
	कार्यशाला	कंप्यूटर अनुप्रयोगों में एकल प्रमुख विषय पैटर्न में केआरपी के लिए कार्यक्रम निर्माण	यूजीसी-एमएमटीटीसी, जेएनयू, दिल्ली	14 मार्च, 2024
	सम्मेलन	एआई और एमएल	जेएनयू, दिल्ली	8 अप्रैल, 2024
	कार्यशाला	पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के रुझानों के लिए कुशल खाद्य प्रसंस्करण	के आर मंगलम विश्वविद्यालय	15-16 मई, 2024
	सम्मेलन	अल्जाइमर से निपटने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग: नवाचार और अंतर्दृष्टि	तकनीकी विश्वविद्यालय सोफिया, बुल्गारिया	6 - 13 जून, 2024
	सम्मेलन	एआई और एमएल	शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन, भारत	2 - 4 जुलाई, 2024
एफडीपी	एआई और एमएल	के.आई.ई.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, गाजियाबाद	8 - 12 जुलाई, 2024	

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:



छात्रों की उपलब्धियाँ:

छात्र का नाम	बी.टेक. कंप्यूटर प्रोग्राम	उपलब्धि का विवरण
आर्यन अरोड़ा	बी.टेक. संगणक अभियांत्रिकी, 2020-2024	स्टिबो सिस्टम्स इंडिया इंजीनियरिंग, 2020-2024 हैकथॉन 2024 का ग्रैंड पुरस्कार विजेता। इस कार्यक्रम में 70 से अधिक शहरों के 145 कॉलेजों से 1,000 से अधिक पंजीकरण हुए।
वैभव आनंद और शोएब शमा	बी.टेक. संगणक अभियांत्रिकी, 2020-2024	ईवाई ओपन साइंस डेटा चैलेंज 2024 के पहले चरण में अखिल भारतीय रैंक 1। इस आयोजन में 119 देशों के 11000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
शोएब शमा, अनुभव संगल और वैभव आनंद	बी.टेक. संगणक अभियांत्रिकी, 2020-2024 (अनुभव संगल बी.टेक. सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, 2020-2024)	आईएमसी प्रॉस्पेरिटी 2 ट्रेडिंग इंजीनियरिंग, 2020-2024 चैलेंज 2024 (आईएमसी ट्रेडिंग द्वारा आयोजित) में अखिल भारतीय रैंक 5। इस कार्यक्रम में विश्व स्तर पर 13,500 से अधिक टीमों और 2,300 भारतीय टीमों ने भाग लिया, जिसमें टीम डीटीयू चैम्प ने 17 दिनों तक चले कई प्रोग्रामिंग चुनौतियों में विश्व स्तर पर शीर्ष 1% में स्थान हासिल किया।
टीम रिज़-ओ-नैस रिथविक सेठी, सहज गर्ग, गर्वित सिंह, शाश्वत सिंघल, उत्कर्ष दिवाकर और भूमिका भाटी	बी.टेक, डीटीयू, दिल्ली	स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2023 के राष्ट्रीय विजेता, परिवहन एवं रसद [छात्र नवाचार] श्रेणी में
टीम एसओएस - सेवियर्स ऑफ सोसाइटी भाव्या गोयल, क्षितिज अग्रवाल, मौलिक कपूर, इशान चुघ, हेमंत वर्मा और अनमोल भारद्वाज	बी.टेक, डीटीयू, दिल्ली	स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2023 के विविध [सोशल मीडिया उपस्थिति का भावना विश्लेषण] श्रेणी के राष्ट्रीय विजेता

4.7 अभिकल्प विभाग



प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी,
विभागाध्यक्ष
(27 सितंबर, 2018 - 31 दिसंबर, 2023)

प्रो. आर. सी. सिंह, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)



मुख्य विशेषताएं

राष्ट्रीय और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में नवाचार के माध्यम से अभिकल्प की रणनीतिक भूमिका सर्वत्र मान्यता प्राप्त है और भारत सरकार की राष्ट्रीय नीति का आधार है। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने की रणनीति विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अभिकल्प शिक्षा और अभिकल्प के उपयोग को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित करती है। इस राष्ट्रीय अभिकल्प दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्कृष्ट अभिकल्प शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की सुविधाएँ प्रदान करने का निर्णय लिया है।

अभिकल्प विभाग का उद्देश्य समग्र रूप से समाज की बेहतरी के लिए अभिकल्प सोच, अभिकल्प छात्रवृत्ति और अभिकल्प अभ्यास में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। अभिकल्प को नवाचार का प्रेरक और उत्पादों एवं सेवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करने वाला एक प्रमुख कारक माना जाता है। इसमें उत्पादों, सेवाओं और प्रणालियों के अभिकल्प के लिए एक एकीकृत मानवतावादी दृष्टिकोण शामिल है। इसका उद्देश्य तकनीकी, वाणिज्यिक और सामाजिक संदर्भों की गहरी समझ विकसित करना है। नवीन उत्पादों और सेवाओं के विकास और वितरण के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल अभिकल्प के अभ्यास में आवश्यक उपकरणों, तकनीकों और विधियों का विकास और वितरण करना है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी. डेस.
प्रवेश: 122
भर्ती: 122

एम.डस.
प्रवेश : 75
भर्ती : 36

पीएचडी
प्रवेशित: 03

शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 10

सम्मेलन : 05



पुस्तक: 01 (संपादित)
पुस्तक अध्याय: 03



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	विवरण
अभिकल्प कार्यशाला	अभिकल्प कार्यशाला, अभिकल्प विभाग में एक प्रोटोटाइपिंग सुविधा है, जो हाथ से चलने वाले उपकरणों, बिजली उपकरणों और मशीनों से सुसज्जित है जिनका उपयोग उत्पाद प्रोटोटाइपिंग और विकास के लिए किया जाता है।
कंप्यूटर प्रयोगशाला	विभाग की सामान्य कंप्यूटर प्रयोगशाला नवीनतम कंप्यूटरों से सुसज्जित है, जहाँ छात्र ग्राफिक डिज़ाइन, 3D मॉडलिंग और एनीमेशन आदि जैसे कार्यों पर काम करते हैं।
सीआईडीई प्रयोगशाला	सीआईडीई प्रयोगशाला में मैक कंप्यूटर हैं जिनका उपयोग उच्च-स्तरीय सिमुलेशन और रेंडरिंग के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में 3डी प्रिंटर जैसे रैपिड प्रोटोटाइपिंग उपकरण भी शामिल हैं।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष:
प्रो. आर. सी. सिंह
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: उत्पादन अभियांत्रिकी

प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: उत्पाद डिज़ाइन, संज्ञानात्मक डिज़ाइन, और दृश्य डिज़ाइन

सहायक आचार्य

डॉ. रवींद्र सिंह
(बी.टेक., एम.डिस., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सार्वभौमिक डिज़ाइन, मानव केंद्रित डिज़ाइन, औद्योगिक डिज़ाइन

श्री नीरज राठी
(बीएफए, एमएफए)
अनुसंधान क्षेत्र: दृश्य संचार, ग्राफिक डिज़ाइन, एनीमेशन डिज़ाइन

श्री पार्थप्रतिम दास
(बी.टेक., एम.टेक., एम.डिस.)
अनुसंधान क्षेत्र: इंटरैक्शन डिज़ाइन, यूएक्स-यूआई डिज़ाइन

श्री वरुण सिंह
(बी.आर्क., एम.आर्क.)
अनुसंधान क्षेत्र: वास्तुकला डिज़ाइन, दृश्य डिज़ाइन, कला, डिज़ाइन अनुसंधान, इतिहास सिद्धांत और आलोचना

सुश्री तरुणा सिंह
बी.डिस., एम.डिस.
अनुसंधान क्षेत्र: टिकाऊ पैकेजिंग

विभाग की उपलब्धियाँ:

1. स्टैनफोर्ड लॉन्गविटी डिज़ाइन चैलेंज - **दूसरा स्थान**
2. युज यूएक्सप्लोरर्स'23 - **स्वर्ण विजेता**
3. वर्ल्ड स्किल्स इंडिया **फाइनलिस्ट, मेडलियन विजेता** और **फाइनलिस्ट** एवं सीसी में
4. प्रथम स्थान भारत कौशल औद्योगिक डिज़ाइन प्रौद्योगिकी, भागीदारी विश्व कौशल 2024 प्रतियोगिता
5. छात्र सेवा डिज़ाइन चुनौती आई.के.ई.ए. 2024.
6. "उधोदय फाउंडेशन" द्वारा आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव में **सुपर 25 में चयनित**
7. यंग डिज़ाइन का विशेष उल्लेख चुनौती 4
8. जॉन्स हॉपकिन्स हेल्थकेयर डिज़ाइन चुनौती **फाइनलिस्ट** - डिजिटल ट्रैक
9. **रजत विजेता** - छात्र सेवा डिज़ाइन चुनौती 2023।
10. स्टैनफोर्ड सेंटर ऑन लॉन्गविटी डिज़ाइन चुनौती - **2024 फाइनलिस्ट**
11. **विजेता** - छात्र सेवा डिज़ाइन चुनौती 2024
12. चारपाक लैब **छात्रवृत्ति** 2024

विभाग में सुविधाएं:

- प्रोडक्ट डिज़ाइन स्टूडियो
- इंटरैक्शन डिज़ाइन स्टूडियो
- फ़ैशन डिज़ाइन स्टूडियो
- फ़ोटोग्राफ़ी और वीडियोग्राफ़ी स्टूडियो
- कंप्यूटर ग्राफ़िक्स स्टूडियो
- विज़ुअल कम्युनिकेशन स्टूडियो
- औद्योगिक डिज़ाइन और एर्गोनॉमिक्स केंद्र
- मल्टीपल एक्टिविटी हॉल
- सम्मेलन हॉल
- डिज़ाइन कार्यशाला
- ओपन एयर थिएटर
- ज्ञान संसाधन केंद्र
- बीओएस मीटिंग हॉल
- वीआईपी कक्ष
- चिकित्सा सुविधा कक्ष
- चाय और कॉफी की सुविधा के साथ रसोई घर
- स्टोर रूम
- साफ-सुथरे कमरे और पीने के पानी की सुविधाएं

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	सहयोग	दिनांक	समन्वयक/समन्वयक
छात्र डिज़ाइन चुनौती	प्रायोजक वॉकम	7 मार्च, 2024	डॉ. रवीन्द्र सिंह सुश्री तरुणा सिंह
डिज़ाइन डिग्री शो 2024	प्रायोजक वॉकम	29 अप्रैल - 3 मई, 2024	श्रीमान नीरज राठी

सम्मेलन/सेमिनार में भाग लेने के लिए संकायों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। संगोष्ठियाँ/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि:

संकाय सदस्य का नाम: सुश्री तरुणा सिंह
कार्यक्रम विवरण: 4वें एशियाई सम्मेलन पर सम्मेलन एर्गोनॉमिक्स और डिज़ाइन (एसीईडी-2023)
आयोजक: आईआईएम, मुंबई | **तिथि:** 14-16 दिसंबर, 2023
प्राप्त राशि (₹): 36,000/-

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

सुश्री तरुणा सिंह

पीडीपी का शीर्षक: "मिशन लाइफ के साथ स्थिरता का हस्तक्षेप; फैशन उद्यमिता और सद्भाव में सांस्कृतिक एकीकरण" पर सम्मेलन

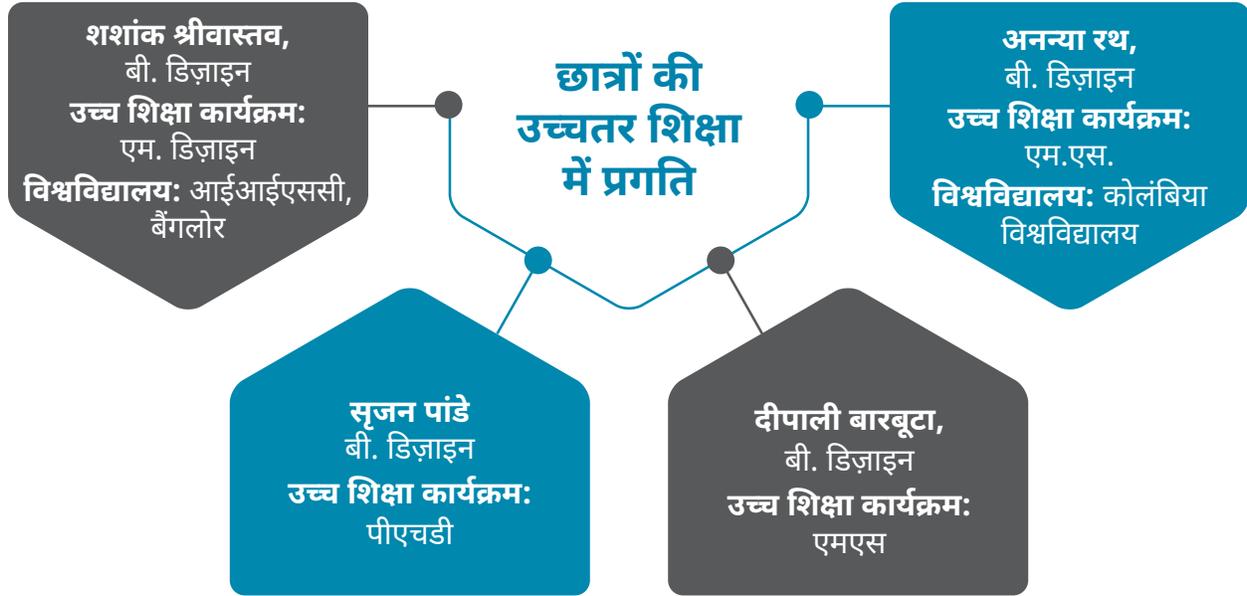
आयोजक: एनआईएफटी, गांधीनगर | **तिथि:** 15 मार्च, 2024

मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता:

संकाय का नाम:
सुश्री तरुणा सिंह,
डॉ. रवींद्र सिंह

पुरस्कार: राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जूरी सदस्य

पुरस्कार देने वाली एजेंसी/विश्वविद्यालय: मई में एनएसडीसी, दिल्ली



छात्रों की उपलब्धियाँ:

छात्र का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	अवधि
यशिका कुमार 2K19/पीएचडीडेस/04	पीएचडी	एससीआईई जर्नल में प्रकाशित पेपर	शैक्षणिक वर्ष 23-24
प्रिंस ए. एम. रामटेके 2K22/एमडीपीडी/06	एम. डिज़ाइन	"लॉन्ड्री आयरनर्स में मस्कुलोस्केलेटल स्ट्रेन की एर्गोनॉमिक जांच" विषय पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।	शैक्षणिक वर्ष 23-24
समीर गौतम 2K23/एमडीआईडी/10	एम. डिज़ाइन	छात्र सेवा डिज़ाइन चैलेंज आईकेईए शैक्षणिक वर्ष 2024	शैक्षणिक वर्ष 23-24

छात्र का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	अवधि
प्रतीक कुमार 2K22/एमडीपीडी/05	एम.डिज़ाइन	स्टार्टअप कॉन्क्लेव शैक्षणिक वर्ष में सुपर 25 में चयनित उधमोदय फाउंडेशन द्वारा	शैक्षणिक वर्ष 23-24
मोहम्मद ज़की 2K22/एमडीपीडी/03	एम.डिज़ाइन	शोध पत्र (कपड़े इस्त्री करने वाले उपकरणों में मस्कुलोस्केलेटल तनाव की एक एर्गोनॉमिक जांच, एर्गोनॉमिक) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 7 में	शैक्षणिक वर्ष 23-24
प्रतीक कुमार 2K22/एमडीपीडी/05	एम.डिज़ाइन	युवा डिज़ाइन का विशेष उल्लेख चुनौती 4	शैक्षणिक वर्ष 23-24
	एम.डिज़ाइन	"डिज़ाइन फ़ॉर ऑल इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया" में एक लेख प्रकाशित	शैक्षणिक वर्ष 23-24
ऐश्वर्या मुरली 23/एमडीआईडी/01	एम.डिज़ाइन	एसएसडीसी 2024	शैक्षणिक वर्ष 23-24
अनुराग जतिन डारोलिया 23/एमडीपीडी/02	एम.डिज़ाइन	विजेता - छात्र सेवा डिज़ाइन चैलेंज 2024	शैक्षणिक वर्ष 23-24
प्रतीक कुमार 2K22/एमडीपीडी/05	एम.डिज़ाइन	डीडीएस 2024 डीटीयू, दिल्ली के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता	शैक्षणिक वर्ष 23-24
आर्य भूषण 2K21/बीडी/028	बी. डिज़ाइन	स्टैनफोर्ड लॉन्गविटी डिज़ाइन चैलेंज - दूसरा स्थान	शैक्षणिक वर्ष 23-24
सारा सनवाल 2K21/बीडी/085	बी. डिज़ाइन	युज यूएक्सप्लोरर्स'23 - स्वर्ण विजेता	शैक्षणिक वर्ष 23-24
2K22/बीडी/118	बी. डिज़ाइन	वर्ल्ड स्किल्स इंडिया फाइनलिस्ट और मेडलियन विजेता, सीसी में फाइनलिस्ट	शैक्षणिक वर्ष 23-24
अभिन मित्तल 2K20/बीडी/2	बी. डिज़ाइन	"भारत कौशल औद्योगिक डिज़ाइन प्रौद्योगिकी, भागीदारी विश्व कौशल 2024 प्रतियोगिता" में प्रथम स्थान	शैक्षणिक वर्ष 23-24
	बी. डिज़ाइन	"इंडिया स्किल्स 2024 (राष्ट्रीय), औद्योगिक डिज़ाइन प्रौद्योगिकी" में प्रथम स्थान	शैक्षणिक वर्ष 23-24
ऋत्विक् राज 2K21/बीडी/074	बी. डिज़ाइन	जॉन्स हॉपकिन्स हेल्थकेयर डिज़ाइन चैलेंज फाइनलिस्ट - डिजिटल ट्रैक	शैक्षणिक वर्ष 23-24
	बी. डिज़ाइन	रजत विजेता - छात्र सेवा डिज़ाइन चैलेंज 2023	शैक्षणिक वर्ष 23-24
2K21/बीडी/103	बी. डिज़ाइन	स्टैनफोर्ड सेंटर ऑन लॉन्गविटी डिज़ाइन चैलेंज 2024 फाइनलिस्ट	शैक्षणिक वर्ष 23-24
2K21/बीडी/106	बी. डिज़ाइन	स्टैनफोर्ड सेंटर ऑन लॉन्गविटी डिज़ाइन चैलेंज 2024 फाइनलिस्ट	शैक्षणिक वर्ष 23-24
खुशी अग्रवाल 2K21/बीडी/050	बी. डिज़ाइन	रिसर्च पेपर जर्नल ऑफ़ स्ट्रैटेजिक प्लानिंग, एटल सस्किल टेक यूनिवर्सिटी में प्रकाशित	शैक्षणिक वर्ष 23-24
आरोही अग्रवाल	बी. डिज़ाइन	चरपक लैब स्कॉलरशिप 2024	शैक्षणिक वर्ष 23-24

4.8 दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डीएसएम)

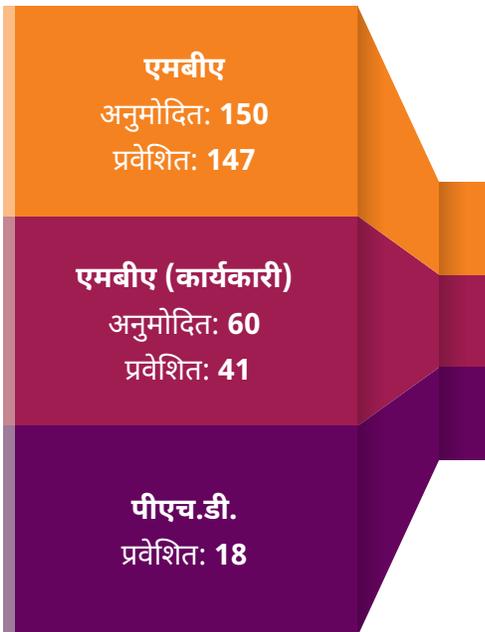


डॉ. अर्चना सिंह, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2021 - 31 (दिसंबर, 2023))



डॉ. सौरभ अग्रवाल, विभागाध्यक्ष
(1 जनवरी, 2024 - वर्तमान)

शैक्षणिक कार्यक्रम



शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ: 43

सम्मेलन : 05



मुख्य विशेषताएं

दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (डीएसएम) की स्थापना 2009 में हुई थी, जिसके बाद दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (डी.सी.ई) को विश्वविद्यालय का दर्जा मिला और दिल्ली राज्य विधानसभा द्वारा पारित एक विधेयक के माध्यम से इसका नाम बदलकर दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) कर दिया गया। डीएसएम का उद्देश्य उत्कृष्ट विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करके, डी.सी.ई (और अब डीटीयू) की परंपरा को कायम रखते हुए, विशिष्ट भावी प्रबंधकों का विकास करना है। डीएसएम की स्थापना महत्वाकांक्षी प्रबंधकों में नवाचार, अनुसंधान और प्रयोग के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से की गई थी। डीएसएम का उद्देश्य ऐसे तकनीकी प्रबंधकों को विकसित और विकसित करके डी.सी.ई की सात दशक पुरानी विरासत का विस्तार करना है जो प्रासंगिक और महत्वपूर्ण व्यावसायिक समस्याओं की पहचान करने और उन समस्याओं को हल करने में अपने तकनीकी कौशल और दक्षताओं का उपयोग करने में कुशल हों। अपने छात्रों को सूचना और ज्ञान-आधारित कार्य वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु, डीएसएम उन्हें ट्रिपल ई: शिक्षा, अनुभव और एक्सपोज़र प्रदान करता है। डीएसएम अपने छात्रों में विशिष्ट ज्ञान और कौशल के माध्यम से प्रबंधकीय क्षमता विकसित करने का प्रयास करता है, साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, परामर्श और अन्य व्यावसायिक सेवाओं के माध्यम से उनके मस्तिष्क को सशक्त बनाता है ताकि प्रबंधन अध्ययन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सक्षम एक जीवंत और आदर्श संस्थान की अपनी भूमिका को पूरा किया जा सके। डीएसएम आम जनता तक समान पहुँच प्रदान करके और उच्च शिक्षा के क्षेत्रों में उनकी भागीदारी के दायरे को व्यापक बनाकर एक ज्ञान समाज विकसित करने की कल्पना करता है।

प्रयोगशाला

प्रयोगशाला का नाम: डेटा विश्लेषण

विवरण: यह एक डेटा विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला है जिसमें 30 कंप्यूटरों का एक समूह जहां छात्र उन्नत एक्सेल, एसपीएसएस, आर और पायथन के बारे में सीखते हैं।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

प्रो. प्रदीप कुमार सूरी

(एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ई-गवर्नेंस, परियोजना प्रबंधन, मात्रात्मक विधियाँ

प्रो. राजन यादव

(एमबीए, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सेवा विपणन, बिक्री और वितरण प्रबंधन, ग्रामीण पणन, सामाजिक विपणन, खुदरा प्रबंधन

सह-आचार्य

विभागाध्यक्ष

डॉ. सौरभ अग्रवाल

(बी.ई. (यूओआर, रुड़की), एम.टेक. (आईआईटी, दिल्ली), एमबीए (ओएसयू, यूएसए), पीएचडी (डीटीयू, दिल्ली), पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रिवर्स लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स

डॉ. अर्चना सिंह

(एमबीए (वित्त), पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: कॉर्पोरेट वित्त, वित्तीय लेखांकन, सुरक्षा विश्लेषण

डॉ. शिखा एन खेरा

(एमबीए, नेट, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: संगठनात्मक व्यवहार, संगठनात्मक विकास

डॉ. विकास गुप्ता

(एमबीए, एनइटी, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ज्ञान बंधन, नवाचार प्रबंधन, व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्रचना, कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी

सहायक आचार्य

डॉ. अभिनव चौधरी

(बी.ई., एमबीए, नेट (यूजीसी), पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, ग्राहक संबंध प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन

डॉ. दीपाली मल्होत्रा

(एम.कॉम., एम.फिल, नेट-आरएफ, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: रणनीति प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, वित्त

डॉ. दीप श्री

(बी.ए.(ऑनर्स)- अर्थशास्त्र, एमबीए, नेट-जेआरएफ, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: विपणन, गैर-लाभकारी विपणन, ब्रांड प्रबंधन, गुणात्मक अनुसंधान

डॉ. चंदन शर्मा

(बी.टेक., पीजीडीएम, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: वित्त, रणनीति

डॉ. मोहित बेनीवाल

(बी.ई., सूचना प्रणाली में एम.एस., एमबीए, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सूचना प्रणाली, वित्त

श्री यशदीप सिंह (बी.ई., एमबीए)

अनुसंधान क्षेत्र: विपणन प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन

श्री धीरज कुमार पाल (बी.ई., पीजीडीएम)

अनुसंधान क्षेत्र: विपणन, संचालन और एससीएम, रणनीति

विभाग की उपलब्धियाँ:

- 2022 - 25 से एमबीए की **एनबीए मान्यता**
- डॉ. सौरभ को डीटीयू से वार्षिक प्रशस्ति पत्र पुरस्कार मिला
- डॉ. सौरभ और डॉ. विकास ने अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया
- प्रो. राजन यादव को आईसीएसएसआर, दिल्ली से एक प्रोजेक्ट मिला
- डॉ. शिखा को एक प्रशिक्षण नीति दस्तावेज़ नामित कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट मिला
- डॉ. शिखा ने स्वयं मॉड्यूल में योगदान दिया जिसका नाम "**सिद्धांत के प्रबंधन** " था
- डीएसएम ने ओरिएंटेशन, होम कम्पिंग, ई-टॉक और मैनेजमेंट फेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/सह-पीआई:
प्रो. राजन यादव

शीर्षक: डिजी लॉकर के विशेष संदर्भ में डिजिटल रिपोजिटरी के निर्माण, भंडारण और उपयोग के लिए सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और नागरिकों के बीच सहयोगात्मक संबंधों में मुद्दे और चुनौतियाँ।

एजेंसी: भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)
राशि (₹): 13 लाख | **स्वीकृत तिथि:** 14 फरवरी, 2024

अवधि: 2 वर्ष

पीआई/सह-पीआई:
डॉ. शिखा एन खेरा

शीर्षक: प्रशिक्षण नीति दस्तावेज़

वित्तपोषण एजेंसी: कलर डिज़ाइन इंडिया
राशि (₹): 1.1 लाख | **प्रारंभ वर्ष:** 2024

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	दिनांक	समन्वयक/सह-समन्वयक
"लीन स्टार्टअप और न्यूनतम व्यवहार्य व्यवसाय" पर कार्यशाला	22 अगस्त, 2023	डॉ. चंदन शर्मा/डॉ. मोहित बेनीवाल
"बिजनेस मॉडल कैनवास" पर कार्यशाला	18 - 19 अप्रैल, 2024	डॉ. चंदन शर्मा/डॉ. दीपाली मल्होत्रा
ई-वार्ता 2024 - नेतृत्व, नवाचार और विकास	9 अप्रैल, 2024	डॉ. चंदन शर्मा
औद्योगिक दौरा - याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	2 नवंबर, 2023	डॉ. चंदन शर्मा
ओरिएंटेशन 2023	1 - 4 अगस्त, 2023	डॉ. दीप श्री
"बिजनेस मॉडल कैनवास" पर कार्यशाला	18 - 19 अप्रैल, 2024	डॉ. चंदन शर्मा/डॉ. दीपाली मल्होत्रा
"उद्यमिता कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार विकास" पर कार्यशाला	23 फरवरी, 2024	डॉ. दीपाली मल्होत्रा/डॉ. दीप श्री



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

डॉ. मोहित बेनीवाल

कार्यक्रम विवरण: दो सप्ताह का ऑनलाइन एफडीपी मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर
आयोजक: बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा
तिथि(या तिथियाँ): 20 - 31 मई, 2024
डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 1500/-

डॉ. दीप श्री

कार्यक्रम विवरण: प्रायोगिक अनुसंधान डिज़ाइन
आयोजक: एम.आई.सी.ए.अहमदाबाद
तिथि: 30 नवंबर - 2 दिसंबर, 2023
डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 8000/-

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय का नाम	व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का शीर्षक	द्वारा आयोजित	दिनांक
डॉ. दीपाली मल्होत्रा	"एनईपी 2020 के संदर्भ में उन्नत शिक्षण अध्यापन शास्त्र और परिणाम आधारित शिक्षा" पर एफडीपी	एचआरडीसी, डीटीयू, दिल्ली	27 - 31 मई, 2024
डॉ. अर्चना सिंह	राष्ट्रीय स्तर पर ई संकाय विकास कार्यक्रम "वित्तीय मॉडलिंग" पर	रामिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बंगलोर	22 - 26 जुलाई, 2024
डॉ. अर्चना सिंह	एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय	2 - 12 अप्रैल 2024

संकाय का नाम	व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का शीर्षक	द्वारा आयोजित	दिनांक
डॉ. अर्चना सिंह	"शैक्षणिक अनुसंधान में एआई का अनुप्रयोग" पर ऑनलाइन एफडीपी	प्रबंधन संस्थान और सूचना विज्ञान, भुवनेश्वर	25 - 29 जून, 2024
डॉ. चंदन शर्मा	एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में	इश्वर सारण पीजी कॉलेज, प्रयागराज	10 - 18 जुलाई, 2024
डॉ. मोहित बेनीवाल	"मात्रात्मक और गुणात्मक शोध विधियों" पर दो सप्ताह का ऑनलाइन एफडीपी	बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा	20 - 31 मई, 2024

मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता:



विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय का नाम	भूमिका	कार्यक्रम का विवरण	द्वारा आयोजित	दिनांक
प्रो. पी. के. सूरी	पैनलिस्ट	"सुशासन के लिए डेटा" पर कार्यशाला में पैनलिस्ट	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दिल्ली	28 मार्च, 2024
	आलोचक	डॉक्टरेट संगोष्ठी	प्रबंधन संस्थान और अनुसंधान, भारती विद्यापीठ, दिल्ली	15 मार्च, 2024
	एमबीए प्रवेश	सदस्य, एमबीए प्रवेश समिति	प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी, दिल्ली	11 - 13 मार्च, 2024
	मुख्य अतिथि	"नया भारत: 2047 के लिए दृष्टिकोण" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र	टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली	18 मई, 2024
	विशेषज्ञ व्याख्यान	(i) ई-गवर्नेंस योजना और कार्यान्वयन (ii) परियोजना प्रबंधन पर व्याख्यान दिए गए	राष्ट्रीय कैरियर सेवा संस्थान, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, नोएडा	20 मई, 2024

संकाय का नाम	भूमिका	कार्यक्रम का विवरण	द्वारा आयोजित	दिनांक
डॉ. दीपाली मल्होत्रा	बाहरी परीक्षक	एलबीएसआईएम में "अंतिम शोध परियोजना" (एफआरपी) प्रस्तुतियाँ	लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली	10 मार्च, 2023
				8 फरवरी, 2024
डॉ. अर्चना सिंह	सत्र अध्यक्ष	"विविधता, समानता और समावेश: संस्कृतियाँ, व्यवहार प्रबंधन में नीतियाँ, उद्यमिता, और अर्थशास्त्र" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	यूएसएमई, डीटीयू, दिल्ली	15-16 सितंबर, 2023
डॉ. शिखा एन खेड़ा	विशेषज्ञ व्याख्यान	विशेषज्ञ व्याख्यान, "शिक्षण अधिगम मूल्यांकन" और एमएमटीटीपी	एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय	5 जुलाई, 2024

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी:

का नाम संकाय	गतिविधि का विवरण	गतिविधि का उद्देश्य	दिनांक
डॉ. दीपाली मल्होत्रा	ई-कचरा जागरूकता और संग्रहण अभियान	ई-कचरा जागरूकता और संग्रहण अभियान	21 - 24 फरवरी, 2024
डॉ. शिखा एन खेड़ा	नेत्रत्व, दिल्ली का मानव संसाधन क्लब स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, डीटीयू	दान अभियान	8 - 9 फरवरी, 2024

चालू वर्ष के दौरान सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता:

छात्र का नाम: कुमार मनस्वी

आयोजन: "सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकियों" पर 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजक: नॉटिंगम विश्वविद्यालय, यूके

तिथि: 15 - 17 अगस्त, 2023

डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 44,376/-

छात्रों की उपलब्धियाँ:

श्री कुमार मनस्वी

कार्यक्रम: पीएचडी

उपलब्धि का विवरण: चयनित पेपर नॉटिंगम विश्वविद्यालय सम्मेलन

तिथियाँ: 15 - 17 अगस्त, 2023

4.9 इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. ओ. पी. वर्मा, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक. (ईसीई)
अनुमोदित: 241
प्रवेशित: 241

**एम.टेक. (वीएलएसआई डिज़ाइन
और अंतर्निहित प्रणाली)**
अनुमोदित: 25+5
प्रवेश: 25+1

**एम.टेक. (सिग्नल प्रोसेसिंग
और डिजिटल डिज़ाइन)**
अनुमोदित: 25
प्रवेशित: 15

पीएच.डी.
प्रवेशित: 19

शोध प्रकाशन

पेटेंट स्वीकृत: 11 (राष्ट्रीय)

पत्रिकाएँ : 122

सम्मेलन : 29

**पुस्तक: 01 (संपादित)
पुस्तक अध्याय: 11**

मुख्य विशेषताएं

1976 में अपनी स्थापना के बाद से, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग (ईसीई) काफी विकसित हुआ है। यह विभाग भविष्य की चुनौतियों का समाधान करते हुए इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन, निर्माण और संचार प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विभाग विविध शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बी.टेक, एम.टेक. (वीएलएसआई डिज़ाइन और एम्बेडेड सिस्टम), एम.टेक. (सिग्नल प्रोसेसिंग और डिजिटल डिज़ाइन), एम.टेक. (माइक्रोवेव और ऑप्टिकल संचार), और पीएचडी जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। शैक्षणिक कार्यक्रम इस क्षेत्र में मूलभूत अवधारणाओं और नवीनतम प्रगति की गहरी समझ विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। हमारे स्नातकोत्तर कार्यक्रम मूल सिद्धांतों में महारत हासिल करने और आधुनिक विकास के साथ अद्यतित रहने पर केंद्रित हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने पर ज़ोर देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में पीएचडी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं, जिनमें वीएलएसआई, एम्बेडेड सिस्टम, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी), इमेज प्रोसेसिंग, माइक्रोस्ट्रिप एंटीना डिज़ाइन, आरएफ और माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग (एमएल), डीप लर्निंग (डीएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटर विज्ञान, रोबोटिक्स, वायरलेस संचार, ऑप्टिकल संचार, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, स्पीच प्रोसेसिंग और एनालॉग और डिजिटल सिस्टम डिज़ाइन जैसे विविध विशिष्ट क्षेत्र शामिल हैं।

विभाग के संकाय सदस्यों ने आईईईई ट्रांजेक्शन, आईईटी, विले, स्प्रिंगर और एल्सेवियर जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशकों की प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगातार योगदान दिया है।

मुख्य विशेषताएं (जारी)

विभाग आईआईई दिल्ली चैप्टर के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से संलग्न है। कई संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित तकनीकी पुस्तकें और चैप्टर लिखे हैं, और कुछ ने अपने शोध निष्कर्षों के आधार पर पेटेंट के लिए आवेदन किया है। उद्योग के रुझानों से अवगत रहने के लिए, विभाग नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

प्रयोगशालाएं

- पीसीबी प्रयोगशाला
- दूरसंचार प्रयोगशाला
- रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग प्रयोगशाला
- ऑप्टिकल संचार प्रयोगशाला
- माइक्रोवेव सीएडी प्रयोगशाला
- माइक्रोवेव प्रयोगशाला
- रैखिक एकीकृत सर्किट प्रयोगशाला
- डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- वीएलएसआई सीएडी प्रयोगशाला
- माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

- उन्नत डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- यूएस प्रयोगशाला
- फ्रीस्केल प्रयोगशाला
- कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सर्किट - I प्रयोगशाला
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सर्किट - II प्रयोगशाला
- सर्किट निर्माण प्रयोगशाला
- औद्योगिक प्रायोजित डिज़ाइन प्रयोगशाला



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. ओ.पी. वर्मा
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: मशीन लर्निंग
अनुप्रयोग, छवि प्रसंस्करण

प्रो. अशोक डे
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र:
संचार और माइक्रोवेव

प्रो. राजीव कपूर
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर विज्ञान,
डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, सिग्नल
प्रोसेसिंग

प्रो. एस. इंदु
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर
विज्ञान, सेंसर नेटवर्क, और इमेज
प्रोसेसिंग

प्रो. राजेश्वरी पांडे
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: माइक्रो
इलेक्ट्रॉनिक्स, एनालॉग सर्किट और
उपकरण, और एनालॉग आईसी
डिज़ाइन

प्रो. नीता पांडे
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एनालॉग और
डिजिटल वीएलएसआई डिज़ाइन,
वर्तमान मोड एडीसी डिज़ाइन

प्रो. दिनेश कुमार
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: इमेज प्रोसेसिंग,
सॉफ्ट कंप्यूटिंग, बायोमेट्रिक्स,
मेडिकल इमेजिंग, और छवि कैप्शनिंग

प्रो. जीवनन्द पांडा
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: छवि प्रसंस्करण,
वॉटरमार्किंग और क्रिप्टोग्राफी,
एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, डेटा
संपीड़न, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन और
ट्रैकिंग

प्रो. राजेश रोहिल्ला
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर विज्ञान,
मशीन लर्निंग, एम्बेडेड सिस्टम,
रोबोटिक्स और डिजिटल डिज़ाइन

प्रो. एम. एस. चौधरी
(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रसंस्करण,
छवि प्रसंस्करण, जैव-
चिकित्सा संकेत और छवि प्रसंस्करण

प्रो. पूर्णिमा मिश्र
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कम-शक्ति
वीएलएसआई, एसआरएएम मेमोरी
सेल और लचीला इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रो. प्रियंका जैन
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल सिग्नल
प्रोसेसिंग, माइक्रोवेव

प्रो. अलोक कुमार सिंह
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एनालॉग एकीकृत
सर्किट और सिग्नल प्रोसेसिंग

सह आचार्य

डॉ. राजेश बिरोक
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: संचार प्रणालियाँ
और बायोमेट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स

डॉ. सुदीप्त मजूमदार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग,
नॉनलाइनियर सिस्टम मॉडलिंग,
अनुमान सिद्धांत

डॉ. देवा नंद
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एनालॉग और
डिजिटल एकीकृत सर्किट और संकेत
आगे बढ़ाना

सहायक आचार्य

डॉ. अविनाश रात्रे
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर विज्ञान,
मशीन लर्निंग, सिग्नल प्रोसेसिंग,
डिजिटल संचार

डॉ. अजय कुमार गौतम
(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल सिस्टम
डिज़ाइन, एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन,
इमेज प्रोसेसिंग

डॉ. एन. जयंती
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी.)
अनुसंधान क्षेत्र: छवि प्रसंस्करण,
मशीन लर्निंग, संचार प्रणाली

डॉ. मालती बंसल (पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: आरएफ
इलेक्ट्रॉनिक्स, IoT, मशीन लर्निंग,
नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, और वीएलएसआई

सहायक आचार्य

डॉ. यशना शर्मा

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: ऑप्टिकल संचार,
नैनोफोटोनिक्स, प्लास्मोनिक्स

श्री पीयूष तिवारी

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: मशीन लर्निंग, डीप
लर्निंग, एआई, सिग्नल प्रोसेसिंग और
वायरलेस संचार

श्री अनुराग चौहान

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी (पी))
अनुसंधान क्षेत्र: कम-शक्ति
वीएलएसआई, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स,
ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिकी

डॉ. कृति सुनेजा

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल डिज़ाइन,
गैर-रैखिक गतिशील प्रणालियाँ

श्री सुमित कुमार खंडेलवाल

(एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: प्रत्यारोपण योग्य
बायोमेडिकल एंटेना, आरएफ और
माइक्रोवेव

डॉ. पंकज दहिया

(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण सिस्टम,
साइबर-भौतिक प्रणाली का नियंत्रण

डॉ रोहित कुमार

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी, पोस्टडॉक)
अनुसंधान क्षेत्र: संज्ञानात्मक रेडियो
और IoT नेटवर्क के लिए सुदृढीकरण
शिक्षण एल्गोरिदम, मल्टी आर्म्ड बैंडिट्स,
पुनर्संयोज्य बुद्धिमान सतहें, दृश्य प्रकाश
संचार

श्री सचिन धारीवाल

(एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: उन्नत अर्धचालक
इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,
वीएलएसआई डिजाइन, नैनोस्केल
उपकरण

श्री अक्षय मान

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,
वीएलएसआई डिजाइन, मिश्रित
सिग्नल डिज़ाइन

श्री लोकेश गौतम

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: कम शक्ति
वीएलएसआई, निकट सीमा वोल्टेज

श्री राहुल ठाकुर

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: इमेज प्रोसेसिंग,
डीप लर्निंग आवेदन

श्री कौस्तुभ रंजन सिंह

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: वायरलेस और
मोबाइल संचार, सूचना सिद्धांत कोडिंग

डॉ. सचिन तरन (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग
और मशीन लर्निंग

डॉ. सुमित काले

(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,
वीएलएसआई, नैनोस्केल उपकरण

डॉ. सोनल सिंह

(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: वीएलएसआई, नैनो
इलेक्ट्रॉनिक्स

डॉ. अनुकूल पांडे

(बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग

सुश्री लवी तंवर

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग,
इमेज प्रोसेसिंग, डिजिटल वॉटरमार्किंग

डॉ. छवि धीमान

(पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कंप्यूटर विज्ञान,
डीपलर्निंग, एनएलपी, मशीन लर्निंग,
प्रतिरूप अभिज्ञान

डॉ. सोनम रेवाड़ी (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: अर्धचालक डिवाइस
मॉडलिंग

डॉ. मंजीत कुमार (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग,
बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग,
फ्रैक्शनल सिस्टम

डॉ. दीपिका सिपाल (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: आरएफ और
माइक्रोवेव इंजीनियरिंग

श्री एम. गणेश

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: आरएफ और
माइक्रोवेव इंजीनियरिंग

डॉ. हरिकेश (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: आरएफ और
माइक्रोवेव इंजीनियरिंग

श्री वरुण सांगवान

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: इमेज प्रोसेसिंग, गहन
शिक्षण अनुप्रयोग

श्री विनय कुमार

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))
अनुसंधान क्षेत्र: माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,
वीएलएसआई, न्यूरोमॉर्फिक
इंजीनियरिंग



विभाग की उपलब्धियाँ:

प्लेसमेंट और इंटरनशिप:

कार्यक्रम	अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	नियुक्त छात्र	कुल ऑफर
बी.टेक. (ईसीई) .	85.3 लाख	16.07 लाख	131	142
एम.टेक	28.9 लाख	15.80 लाख	19	19

- प्रो. नीता पांडे और डॉ. मंजीत कुमार को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध वैज्ञानिकों की शीर्ष 2% (विश्व रैंकिंग) में शामिल किया गया है।
- अनुसंधान उत्कृष्टता एवं नवाचार पुरस्कार 2024: ईसीई विभाग के 13 संकाय सदस्यों को अनुसंधान उत्कृष्टता/प्रशस्ति पत्र/प्रशंसनीय पुरस्कार प्राप्त हुए अनुसंधान/प्रीमियर अनुसंधान पुरस्कार 2024 में।
- ईसीई विभाग के 31 छात्रों को 2024 में सराहनीय अनुसंधान/प्रीमियर अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त हुए।
- ईसीई विभाग द्वारा 11 आविष्कारकों को वर्ष 2023-24 में पेटेंट प्रदान किए गए हैं।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई/सह पीआई:
प्रो. एस. इंदु / डॉ. एन. जयंती

परियोजना का शीर्षक:
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण और डिजिटल दस्तावेजों तक ऑनलाइन पहुँच की सुविधा प्रदान करना

एजेंसी का नाम:
आईहब दृष्टि फाउंडेशन, आईआईटी, जोधपुर

राशि (₹): 20 लाख

स्वीकृत तिथि: 27 मार्च, 2024

अवधि: 1 वर्ष

पीआई:
डॉ. सुमित काले

परियोजना का शीर्षक:
बायोसेंसर अनुप्रयोगों के लिए पुनः विन्यास योग्य सिलिकॉन नैनोवायर शॉटकी बैरियर ट्रांजिस्टर का डिज़ाइन और विकास

एजेंसी का नाम: सर्व

राशि (₹): 29.65 लाख

स्वीकृत तिथि: 10 मार्च, 2022

अवधि: 3 वर्ष

पीआई:
डॉ रोहित कुमार

परियोजना का शीर्षक:
स्मार्ट विलेज के लिए पुनः विन्यास योग्य बुद्धिमान सतहों (आरआईएस) सहायता प्राप्त संचार नेटवर्कों का प्रदर्शन अनुकूलन सुदृढीकरण का उपयोग करते हुए शिक्षण एल्गोरिदम

एजेंसी का नाम: सर्व

राशि (₹): 31.40 लाख

स्वीकृत तिथि: 1 नवंबर, 2022

अवधि: 1 वर्ष

पीआई/सह पीआई:
प्रोफेसर राजीव कपूर / डॉ. राजेश विरोक

परियोजना का शीर्षक:
वास्तविक समय वीडियो विसंगति रणनीतिक निगरानी के लिए पता लगाना गहन उपयोग

एजेंसी का नाम: डीआरडीओ

राशि (₹): 29.77 लाख

स्वीकृत तिथि: 16 नवंबर, 2022

अवधि: 3 वर्ष

2023-24 में स्वीकृत पेटेंट का विवरण:

आविष्कारक का नाम	पेटेंट का शीर्षक	पेटेंट संख्या	तारीख
ओम प्रकाश वर्मा, निर्मल पांडे, सुनील राठौर, अमियो कुमार	बैटरी चालित उपकरणों में पावर अनुकूलन	473178	25 नवंबर, 2023
ओम प्रकाश वर्मा, निर्मल पांडे, नितेश गोयल, अमियो कुमार	कंप्यूटिंग डिवाइस में अनुप्रयोगों तक पहुँच के प्रबंधन के लिए विधि और प्रणाली	456166	2 अक्टूबर, 2023
ओम प्रकाश वर्मा	किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में विद्युत प्रबंधन की विधि	532075	8 अप्रैल, 2024
ओम प्रकाश वर्मा, अमिताभ थपलियाल	इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में उपयोगकर्ता को प्रमाणित करने की विधियाँ और प्रणाली	544944	15 जुलाई, 2024

आविष्कारक का नाम	पेटेंट का शीर्षक	पेटेंट संख्या	तारीख
मिनी श्रीजेठ, एस. इंदु, पीयूष गुप्ता, आर. के. उपाध्याय, मधुसूदन सिंह	भारत के हल्के वाहनों के लिए मोटर नियंत्रक	544481	9 जुलाई, 2024
एन. एस. राघव, अखिलेश कुमार	मल्टी और वाइड बैंड मिलीमीटर वेव पिफा एंटीना 5जी अनुप्रयोगों के लिए कई स्लॉट का उपयोग करता है	531439	2 अप्रैल, 2024
भावना रावत, पूर्णिमा मित्तल	पुनर्संयोज्य स्थिर रैंडम एक्सेस मेमोरी (एसआरएएम) और उसकी विधि	524265	13 मार्च, 2024
ईशू तोमर, एस. इंदु, नीता पांडे	आपातकालीन वाहन प्रबंधन और सड़क चौराहों पर बुद्धिमान यातायात नियंत्रण के लिए पीएलसी आधारित प्रणाली	485248	19 दिसंबर, 2023
गरिमा सिंह, गुरजीत कौर	एक मल्टीकोर फाइबर केबल और उसकी निर्माण प्रक्रिया	486395	20 दिसंबर, 2023
राजीव कपूर, हेमानी कपूर	एंडोडॉटिक्स में रूट कैनालिंग प्रक्रिया के लिए अल्ट्रासोनिक पैटर्न जनरेटर और वाइब्रेटर का डिज़ाइन	520377	5 मार्च, 2024
राजीव कपूर, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, गौरव जोशी, हेमानी कपूर	एक स्वचालित कचरा संग्रहकर्ता रोबोट	494706	4 जनवरी, 2024

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	समन्वयक/सह-समन्वयक
"बुद्धिमत्ता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को समझना" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी	20 मार्च, 2024	प्रो. एस. इंदु, डॉ. एन. जयंती
"आईईईई-आईटीएसएस दिल्ली चैप्टर ट्रांसफॉर्मेशन के सहयोग से, उद्योग 4.0 द्वारा संचालित उभरते परिवहन समाधान पर सेमिनार"	11 दिसंबर, 2023	प्रो. एस. इंदु, प्रो. जे. पांडा, डॉ. एन. जयंती
आईईईई-आईटीएसएस दिल्ली के सहयोग से "ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियाँ: वेब 3.0 का परिचय और विकेंद्रीकृत ब्लॉकचेन नेटवर्क का विकास" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला चैप्टर और आईईईई छात्र शाखा, डीटीयू, दिल्ली	12 अक्टूबर, 2023	प्रो. जे. पांडा, डॉ. एन. जयंती
अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क	12- 16 दिसंबर, 2023	डॉ. रोहित कुमार
"वीएलएसआई डिज़ाइन और नैनोस्केल उपकरणों में प्रगति और चुनौतियाँ" पर एक सप्ताह का एफडीपी	27 - 31 मई, 2024	डॉ. सुमित काले, डॉ. सोनम रेवारी, श्री सचिन धारीवाल
"डिजिटल सिस्टम डिज़ाइन ईडीए टूल्स का उपयोग" पर एक दिवसीय कार्यशाला	10 - 14 जून, 2024	डॉ. देवा नंद, डॉ. कृति सुनेजा
विकसित भारत की पहल के तहत "सेमीकंडक्टर चिप की घड़ी लगाना: समय निर्धारण परिप्रेक्ष्य" पर विशेषज्ञ व्याख्यान	21 मार्च, 2024	प्रो. नीता पांडे, डॉ. देवा नंद



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

श्री राहुल ठाकुर

कार्यक्रम विवरण: "कंप्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां (आईसीसीसीएनटी)"

आयोजक: आईआईटी-मंडी, आईईईई इलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से पैकेजिंग सोसाइटी

दिनांक: 24-28 जून, 2024

डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 8,900/-

**डॉ. कृति सुनेजा
और श्री अनुराग**

कार्यक्रम विवरण: एफडीपी: "वीएलएसआई डिज़ाइन और नैनो स्केल उपकरणों में प्रगति और चुनौतियाँ"

आयोजक: ईसीई विभाग, डीटीयू, दिल्ली

दिनांक: 27-31 मई, 2024

डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 1,000/-

डॉ. दीपिका सिपाल

कार्यक्रम विवरण: आईईईई सम्मेलन "मैपकॉन-2023"

आयोजक: आईईईईएपी/एमटीटीई अहमदाबाद चैप्टर

दिनांक: 10-14 दिसंबर, 2023

DTU, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 23,610/-

अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों का सहयोग:

संकाय का नाम	सहयोगी	सहयोग की शुरुआत	सहयोग की अपेक्षित अवधि
प्रो. एस. इंदु डॉ. एन. जयंती	प्रो. आनंद मिश्रा, आईआईटी जोधपुर; प्रो. अनिल कुमार तिवारी, आईआईटी जोधपुर; प्रो. रमेश गौड़, आईजीएनसीए	मार्च, 2024	3 वर्ष
प्रो. दिनेश कुमार	डॉ. विजय कुमार, एनआईटी जलंधर	अगस्त, 2019	4 वर्ष
डॉ. दीपिका सिपाल	डॉ. रवि कुमार आर्य, विज्ञान विश्वविद्यालय और प्रौद्योगिकी, चीन / डॉ. सुदीप बौद्ध, बिट्स-पिलानी	अगस्त, 2021	4 वर्ष
प्रो. राजेश्वरी पांडे प्रो. नीता पांडे	प्रो. कीर्ति गुप्ता, भारती विद्यापीठ इंजीनियरिंग कॉलेज, दिल्ली	अगस्त, 2019	4 वर्ष
प्रो. नीता पांडे	प्रो. आर. एस. गुप्ता, एमएआईटी, दिल्ली ; प्रो. मनीषा गुप्ता, एनएसयूटी, दिल्ली	अगस्त, 2019	4 वर्ष
प्रो. जीबानंद पांडा	डॉ. रश्मि गुप्ता, एनएसयूटी, दिल्ली	अगस्त, 2019	4 वर्ष
प्रो. राजेश रोहिल्ला, प्रो. एम. एस. चौधरी, प्रो. एस. इंदु	डॉ. रश्मि गुप्ता, एनएसयूटी, दिल्ली	अगस्त, 2019	5 साल
प्रो. पूर्णिमा मित्तल	डॉ. सुधांशु चौधरी, विश्वविद्यालय नॉर्थ डकोटा, यूएसए; डॉ. प्रवीण कुमार, केआईआईटी, गाजियाबाद	अगस्त, 2019	5 साल
डॉ. रोहित कुमार	डॉ. सुमित जे. दराक, आईआईआईटी दिल्ली; प्रो. शंकर प्रकृति, आईआईटी दिल्ली	अगस्त, 2020	4 वर्ष
डॉ. सुदीप्त मजूमदार	डॉ. आशीष अग्रवाल, वैज्ञानिक, एनपीएल, दिल्ली	अगस्त, 2020	4 वर्ष
डॉ. यशना शर्मा	डॉ. टी. सबपति, उत्कृष्टता केंद्र, विश्वविद्यालय मलेशिया	अगस्त, 2020	4 वर्ष
प्रो. एम. एस. चौधरी	डॉ. वरुण सक्सेना, जेएनयू, दिल्ली; डॉ. लक्ष्मण सिंह, केआईआईटी, गाजियाबाद	अगस्त, 2021	4 वर्ष
प्रो. एस. इंदु	प्रो. निधि गोयल, आईजीडीटीयूडब्ल्यू दिल्ली	अगस्त, 2021	4 वर्ष
डॉ. पंकज दहिया	डॉ. योगेन्द्र आर्य, वाईएमसीए, फ़रीदाबाद	अगस्त, 2021	4 वर्ष
डॉ. यशना शर्मा	डॉ. जय प्रकाश, उप महानिदेशक, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान	अगस्त, 2022	4 वर्ष
डॉ. सचिन तरण	डॉ. लोकेन्द्र चौहान, आईआईआईटी, आंध्र प्रदेश	अगस्त, 2022	4 वर्ष
प्रो. नीता पांडे	डॉ. शिरीष राय, टीआईआईटी, पटियाला	अगस्त, 2023	4 वर्ष

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय का नाम	पीडीपी का विवरण	आयोजक	दिनांक
प्रो. नीता पांडे	एनएएसी के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन प्रत्यायन प्रक्रिया - स्वयं	एनआईटीटीआर, चेन्नई	जुलाई - दिसंबर, 2023
	एनबीए मान्यता और इंजीनियरिंग में शिक्षण और अधिगम (एनएटीई) - एनपीटीईएल	आईआईएससी, बेंगलोर	जनवरी - अप्रैल, 2024
	समय विश्लेषण के साथ वीएलएसआई भौतिक डिज़ाइन एनपीटीईएल	आईआईटी, रुड़की	जनवरी - अप्रैल, 2024
डॉ. एन. जयंती श्री एम. गणेश	उन्नत शिक्षण शिक्षा शास्त्र और परिणाम-आधारित शिक्षा एनईपी-2020 के संदर्भ में	एचआरडीसी-डीटीयू, दिल्ली एनआईटीटीआर, भोपाल के सहयोग से	27 - 31 मई, 2024
श्री राहुल ठाकुर	अगली पीढ़ी के रोजगारपरकता कार्यक्रम के अंतर्गत "क्लाउड के साथ उन्नत डेटा विश्लेषणात्मक अनुप्रयोगों का निर्माण" पर एफडीपी	एआईसीटीई और एडुनेट फाउंडेशन	18- 22 दिसंबर, 2023
	"कंप्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग तकनीकें (आईसीसीसीएनटी) " पर पंद्रहवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	आईआईटी-मंडी, आईईईईई इलेक्ट्रॉनिक्स पैकेजिंग सोसाइटी के सहयोग से	24 - 28 जून, 2024
डॉ. अविनाश रात्रे	"इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलन तकनीकों में हालिया प्रगति" पर एसटीसी	एनआईटी, कुरुक्षेत्र	2 - 6 मार्च, 2024
	"उन्नत शोध पद्धति" पर दो सप्ताह का अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	रामानुजन कॉलेज, डीयू, दिल्ली	27 मई - 9 जून, 2024
डॉ. यशना शर्मा श्री राहुल ठाकुर डॉ देवा नंद	"उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) का परिचय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में इसके अनुप्रयोग" पर लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी)	ईसीई, डीटीयू, दिल्ली	7 - 11 अगस्त, 2023
डॉ. देवा नंद	"एनईपी 2020 अभिविन्यास एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम"	यूजीसी-एमएमटीसी श्रीमाता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू	8 - 17 जनवरी, 2024
प्रो पूर्णिमा भित्तल डॉ. कृति सुनेजा डॉ देवा नंद श्री पीयूष तिवारी	"वीएलएसआई डिज़ाइन और नैनोस्केल उपकरणों में प्रगति और चुनौतियाँ" पर एक सप्ताह का एफडीपी	ईसीई, डीटीयू, दिल्ली	27 - 31 मई, 2024
डॉ अनुकूल पांडे श्री अनुराग चौहान डॉ. कृति सुनेजा डॉ देवा नंद एम. गणेश श्री पीयूष तिवारी डॉ अविनाश रात्रे	"अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क" पर एक सप्ताह का एफडीपी	ईसीई, डीटीयू, दिल्ली	12- 16 दिसंबर, 2023

मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता

संकाय का नाम	पुरस्कार का शीर्षक	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/ विश्वविद्यालय/संस्थान
प्रो. नीता पांडे डॉ. मंजीत कुमार	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध वैज्ञानिकों की शीर्ष 2% (विश्व रैंकिंग) में शामिल। वार्षिक प्रशस्ति पत्र पुरस्कार: प्रारंभिक अनुसंधान प्रभाव और प्रभाव पुरस्कार	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए डीटीयू, दिल्ली
प्रो. ओ. पी. वर्मा प्रो. राजेश्वरी पांडे	वार्षिक प्रशस्ति पुरस्कार: प्रारंभिक शोध प्रभाव और प्रभाव पुरस्कार	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
प्रो. पूर्णिमा भित्तल	प्रीमियर शोध अवार्ड और सराहनीय शोध अवार्ड	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार, डीटीयू, दिल्ली

प्रो. राजीव कपूर	डॉ. छवि धीमान	डॉ. सचिन तरण	डॉ. मंजीत कुमार
डॉ. अनुकूल पांडे	प्रो. नीता पांडे	डॉ. सोनल सिंह	
प्रो. एस इंदु	डॉ. अनुराग चौहान	डॉ. यशना शर्मा	

विभाग के छात्रों को अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार:

सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार, डीटीयू, दिल्ली

आकांक्षा श्रीवास्तव, अस्बाह मसीह, आशीष रतूड़ी, आयुष, आयुष दहिया, अमरेंद्र कुमार मिश्रा, भावना रावत, कामाक्षी रौतेला, कविता भट्ट, लोकेश सोनी, मोहित त्यागी, नेहा गर्ग, नवनीत कुमार, नीतिका यादव, नीतू शर्मा, दमयंती सिंह, ध्रुवशर्मा, ईशू तोमर, निखिल सिंह, ज्योति, पलक हांडा, परितोष चमोला, स्नेहलता यादव, शिवानी यादव, शिखा, सुगंधा यादव, सौरभ राणा, शिखा सिंघल, सुमेधा गुप्ता, तन्विका गर्ग, वंश सिंहा

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/भूमिका	आयोजक	दिनांक
प्रो. नीता पांडे	"सेमीकंडक्टर फ्यूजन नेक्सस: शैक्षणिक अंतर्दृष्टि और उद्योग नवाचारों का एकीकरण" पर अटल एफडीपी	आमंत्रित व्याख्यान: "एसआरएएम सेल डिज़ाइन चुनौतियाँ गहरे सबमाइक्रोन प्रौद्योगिकी नोड्स में"	वीआईपीएस, दिल्ली	2023-24
	"आधुनिक वीएलएसआई डिज़ाइन और ईडीए टूल्स का व्यावहारिक उपयोग" पर लघु-अवधि पाठ्यक्रम	आमंत्रित व्याख्यान: "नैनोमीटर एसआरएएम डिज़ाइन"	एनआईटी, दिल्ली	6 नवंबर, 2023
	आमंत्रित वार्ता	आमंत्रित वार्ता: "परिणाम आधारित शिक्षा"	एसएमवीडीयू, जम्मू	18 अगस्त, 2023
	डीआरसी, ईसीई विभाग, डीईएसयू, दिल्ली	डीआरसी बैठक	ऑनलाइन बैठक	6 जनवरी, 2024
	ईसीई विभाग, एनएसयूटी, दिल्ली का आरएसी	आरएसी बैठक	एनएसयूटी, दिल्ली	24 अप्रैल, 2024
	ईसीई एनईपी में बाहरी विशेषज्ञ पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम संशोधन	आईजीडीटीयूडब्ल्यू, दिल्ली	फ़रवरी, 2024
	'उभरते परिवहन उद्योग 4.0 परिवर्तन द्वारा संचालित समाधान; 7वां परिवहन सम्मेलन भारतीय अनुसंधान समूह	आयोजक के लिए सम्मेलन	एनआईटी, सूरत	2023-24
	11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सर्किट और सिस्टम" पर, पश्चिम बंगाल	संयोजक माइक्रो 2024	वीडीसीओई4एसएम, डीटीयू द्वारा एप्लाइड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, कोलकाता के सहयोग से आयोजित	16 - 17 मई, 2024
प्रो. पूर्णिमा मित्तल	"इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग (आईसीईसीएसपी 2024)" पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सत्र अध्यक्ष	एनआईटी, दिल्ली	8-10, अगस्त 2024
	"पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, बुद्धिमान नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियाँ (आईसीपीईआईसीईएस 2024)" पर आईईईई- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सत्र अध्यक्ष	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	28 अप्रैल, 2024
	अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों का मूल्यांकन	विशेषज्ञ	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार	अप्रैल 2024
	साक्षात्कार	बोर्ड सदस्य	राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, दिल्ली	22 - 24 अप्रैल, 2024.
	अध्ययन मंडलशीर्षक	बाहरी सदस्य	एमएमएमयूटी, गोरखपुर	अप्रैल, 2024

संकाय का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/ भूमिका	आयोजक	दिनांक
प्रो. एस. इंदु	"विज्ञान प्रौद्योगिकी और मानविकी में नवीनतम नवाचार" पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	मुख्य वक्ता	आर. डी. इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद, उ.प्र.	23 जून, 2024
	ईसीई विभाग, एनएसयूटी, दिल्ली का आरएसी	आरएसी बैठक	एनएसयूटी, दिल्ली	27 जुलाई, 2024
	सी.ए.एस. के लिए विशेषज्ञ सदस्य	सीएएस साक्षात्कार	माता वैष्णवी देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू	28 सितंबर, 2023
डॉ. देवा नंद	"इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और सिग्नल" पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रसंस्करण (आईसीईसीएसपी 2024)"	सत्र अध्यक्ष	एनआईटी, दिल्ली	8 - 10 अगस्त 2024

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:

समझौता ज्ञापन का विवरण: डीटीयू, दिल्ली और दूरसंचार कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन

उद्देश्य: छात्रों और स्टार्टअप समुदायों के लिए 5G तकनीकों में दक्षता और सहभागिता का निर्माण करना

दिनांक: 28 फरवरी, 2024

अवधि: 5 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण: भारतीय नौसेना और डीटीयू, दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन

उद्देश्य: रक्षा विनिर्माण और भविष्य की लड़ाकू तकनीकों में नवाचार को प्रोत्साहित करना।

दिनांक: 26 जुलाई, 2021

अवधि: 3 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण: आईहब दृष्टि फाउंडेशन (आईआईटी जोधपुर द्वारा प्रवर्तित) और डीटीयू, दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन

उद्देश्य: सीवी और एआरवीआर के लिए सीपीएस के अवसरों का पता लगाना, हब और स्पोक के बीच संबंधित नवाचार और साझेदारी।

दिनांक: 22 फरवरी, 2023

अवधि: 3 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण: डीटीयू, दिल्ली और अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक लिमिटेड और फ्लेयर अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन।

उद्देश्य: मानव रहित प्रणालियों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के संभावित क्षेत्रों की पहचान करना, जिसमें हवाई, नौसैनिक और जमीनी प्रणालियाँ शामिल हैं, और पहचानी गई परियोजनाओं पर अनुसंधान करना।

दिनांक: 13 सितंबर, 2019

अवधि: 10 वर्ष

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी:

संकाय का नाम: श्री अनुराग चौहान और श्री पीयूष तिवारी
गतिविधि का विवरण: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
दिनांक: 21 जून, 2024

संकाय का नाम: डॉ. कृति सुनेजा
गतिविधि का विवरण: डीटीयू-आउटरीच एक्सटेंशन एक्टिविटी (ओईए) के लिए यूएसआईपी इंटरन की चयन समिति की सदस्य
उद्देश्य: दिल्ली सरकार के स्कूलों में छात्रों को "लैब ऑन व्हील्स" के माध्यम से "कंप्यूटर की मूल बातें" सिखाना।
दिनांक: 9 अक्टूबर, 2023

संकाय को अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान की गई उन्नत अध्ययन/अनुसंधान:

संकाय का नाम: डॉ. हरिकेश
फेलोशिप का नाम: सर्व-सायर
अवधि: 6 अक्टूबर, 2023 - 14 मार्च, 2024

चालू वर्ष के दौरान सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता:

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम विवरण	आयोजक	दिनांक	प्राप्त राशि दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (₹)
आकाश	"इंजीनियरिंग और विज्ञान में उभरती प्रौद्योगिकियाँ (आईसीईटीईएस-2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	एमआईसी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कर्नाटक	11 - 12 अगस्त, 2023	11,500/-
पलक हांडा	"केएसजीई डेज़ 2023 सम्मेलन"	कोरियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी, सियोल ड्रेगन सिटी, कोरिया	8 - 9 सितंबर, 2023	30,970/-
अनिल कुमार	8वीं आईईईई इलेक्ट्रॉन उपकरण प्रौद्योगिकी और विनिर्माण (ईडीटीएम)	आईईईई ईडीएस	3 - 6 मार्च, 2024	19,660/-
याशिका चौहान	आईईईई सम्मेलन "माइक्रोवेव, एंटीना और प्रसार (मैपकॉन-2023)"	आईईईई एपी/एमटीटीई, अहमदाबाद चैप्टर	11 - 15 दिसंबर 2023	11,872/-
तनविका गर्ग	9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "प्रौद्योगिकी में अभिसरण (I2सीटी)"	सिद्धांत कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे	5 - 7 अप्रैल, 2024	9,500/-

छात्रों की उपलब्धियाँ

रिथविक सेठी (बी.टेक.)

विजेता (टीम लीडर रिज़-ओ-नेंस), स्मार्ट इंडिया हैकार्थॉन 2023, रूंगटा कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई, छत्तीसगढ़
तिथियाँ: 19 - 20 दिसंबर, 2023

सचिन मिश्रा (बी.टेक.)

सेमी फाइनलिस्ट निर्णायक, अंतरागिनी, आईआईटी कानपुर
दिनांक: 19 - 22 अक्टूबर, 2023

4.10 विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. रचना गर्ग, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक.
(विद्युत अभियांत्रिकी)
अनुमोदित: 301
प्रवेशित: 301

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)
(निरंतर शिक्षा)
अनुमोदित: 60
प्रवेशित: 50

एम.टेक.
(नियंत्रण एवं उपकरण)
अनुमोदित: 25
प्रवेशित: 07

एम.टेक.
(पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम)
अनुमोदित: 30
प्रवेशित: 13

पीएच.डी.
प्रवेशित: 17

शोध प्रकाशन

पेटेंट मंजूर किया गया : 02 (राष्ट्रीय) 
प्रकाशित : 02 (राष्ट्रीय) 

 पत्रिकाएँ : 64

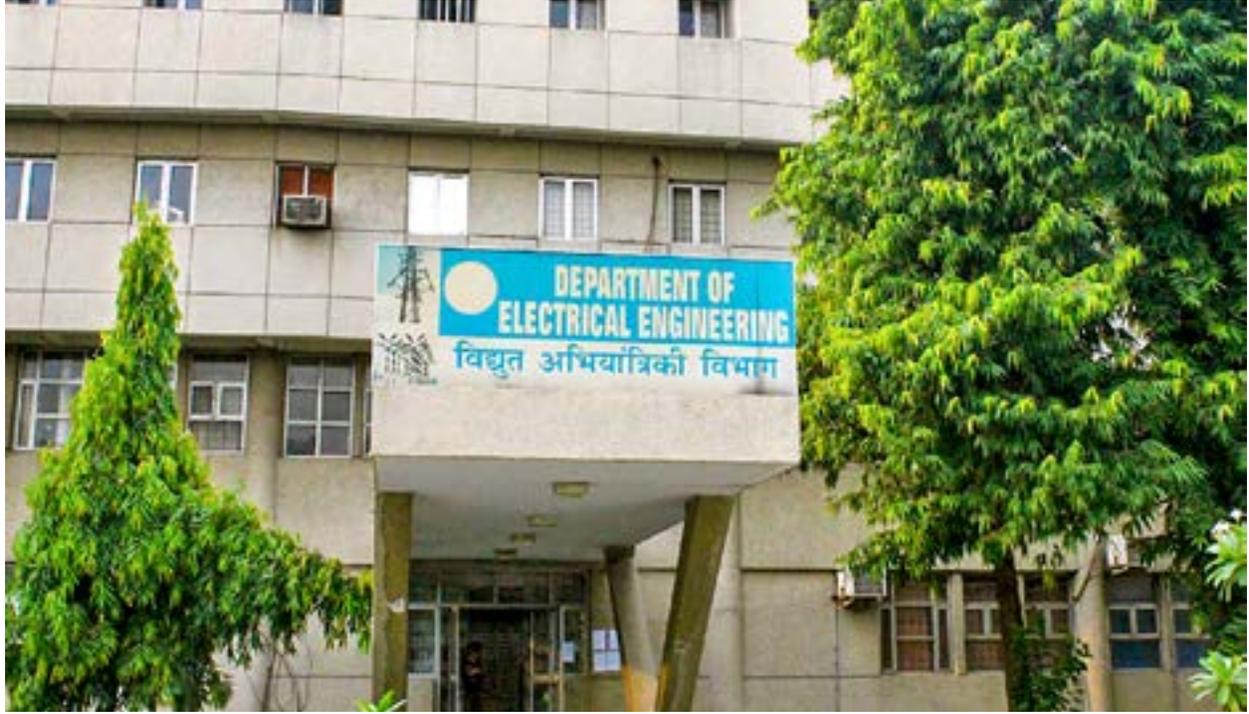
सम्मेलन : 102 

मुख्य विशेषताएं

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, 1941 में स्थापित पहले प्रमुख विभागों में से एक है। वर्ष 2024 विश्वविद्यालय और विभाग, दोनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता का 83वाँ वर्ष होगा। विभाग का समग्र लक्ष्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और विद्युत अभियांत्रिकी के कई नए क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान करना है। विभाग एनबीए से मान्यता प्राप्त है।

विभाग के संकाय सदस्य आईईईई ट्रांज़ैक्शन, आईईईई प्रोसीडिंग्स, आईईटी, एल्सेवियर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जर्नल्स आदि जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाहियों में भी शामिल रहे हैं।

विभाग को आठ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित जीआईएएन पाठ्यक्रम आयोजित करने का गौरव प्राप्त है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्य और विशेषज्ञ शामिल हैं: वर्जीनिया टेक, अमेरिका; विक्टोरिया विश्वविद्यालय, कनाडा; टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, टेक्सास, अमेरिका; तकनीकी क्रेते विश्वविद्यालय, ग्रीस; बीसी हाइड्रो कनाडा; कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका। छात्रों को कक्षा शिक्षण के अलावा तकनीकी और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है और आईईईई छात्र अध्याय और आईईटी छात्र अध्याय के अंतर्गत आयोजित इनवीकटस जैसे तकनीकी उत्सवों के माध्यम से प्रयोगशाला अभ्यास किया जाता है।



प्रयोगशालाएँ:

क्र. सं.	प्रयोगशाला नाम	जगह	प्रभारी अधिकारी	सह अधिकारी प्रभारी	तकनीकी सहायक
1	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-जीएफ4	कार्य प्रभारित: प्रो धीरज जोशी डॉ आर एल मीना	श्री सौरभ मिश्रा	सुश्री वंदना और सुश्री रेणुरानी
2	सीनियर मशीन प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-जीएफ1	प्रो. सुमन भौमिक	डॉ. शताक्षी	श्री विक्की और कुमार प्रसाद
3	यूईई प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-जीएफ1	प्रो. एम. रिज़वान	डॉ. अंकिता अरोड़ा	श्री विक्की और कुमार प्रसाद
4	पावर सिस्टम और स्विचगियर प्रोटेक्शन प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू2-जीएफ1	प्रो. एस.टी. नागराजन/ प्रो. जे.एन. राय	श्री कुलदीप सिंह श्री सिकंदर अली खान	डॉ. अजेंद्र सिंह और सुश्री शालिनी गुप्ता
5	इलेक्ट्रिकल वर्कशॉप	एलडब्ल्यू2-जीएफ5	डॉ. प्रेम प्रकाश	श्री गौरव कौशिक	श्री उपंदर कुमार
6	प्रोसेस कंट्रोल प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-एफएफ6	प्रो. मिनी श्रीजेथ	श्री रोहन पिल्लई	श्री अनिल बुटोला
7	नियंत्रण प्रणाली	एलडब्ल्यू1-एफएफ5	प्रो. भारत भूषण	डॉ. भवनेश जैन्त	श्री करण सिंह और श्री अनिल बुटोला
8	इंस्ट्रुमेंटेशन/रैखिक एकीकृत परिपथ प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-एफएफ2	प्रो. राम भगत	डॉ. गरिमा	श्री जगवीर सिंह

क्र. सं.	प्रयोगशाला नाम	जगह	प्रभारी अधिकारी	सह अधिकारी प्रभारी	तकनीकी सहायक
9	विद्युत अभियांत्रिकी के सिद्धांत प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-एफएफ1	डॉ. डीसी मीणा	श्री कृष्ण दत्त	श्री विजय कुमार/ श्री मुकेश गुप्ता
10	वरिष्ठ मापन प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-एसएफ2	श्री ए.बी.के. भट्टाचार्य/ डॉ. अनूप क्र. मंदपुरा	श्री श्रेयांश उपाध्याय	सुश्री पूजा दहिया/ श्री गौरव कुमार
11	इलेक्ट्रिक मशीन और ड्राइव्स	एलडब्ल्यू2-जीएफ2	प्रो. मुख्तियार सिंह	श्री हिमांशु सिंह	डॉ. अर्जुन सिंह, सुश्री रेणु रानी और सुश्री शालिनी गुप्ता
12	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर और कंट्रोल प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-टीएफ4	प्रो. एस.के. वल्लुरु	डॉ. वी. आर. वंजारी	सुश्री रेणु रानी और श्री गौरव कुमार
13	एडवांस्ड पावर सिस्टम प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-टीएफ5	प्रो. अलका सिंह	डॉ. प्रकाश चित्तौड़ा	सुश्री कोमल
14	एडवांस्ड इंस्ट्रुमेंटेशन और कंट्रोल प्रयोगशाला	एफडब्ल्यू2-एसएफ2	प्रो. राम भगत प्रो. भारत भूषण	श्री अभिषेक चौधरी	श्री जगवीर सिंह
15	माइक्रोप्रोसेसर, माइक्रोकंट्रोलर, डिजिटल सर्किट और सिस्टम प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-टीएफ4 (ए)	डॉ. अनूप मंदपुरा	सुश्री अनुपमा	श्री करण सिंह
16	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-टीएफ7	प्रो. विनोद कुमार यादव	डॉ. चौधरी इंद्र कुमार	सुश्री कोमल
17	बेसिक इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	एलडब्ल्यू1-टीएफ1	प्रो. उमा नांगिया	डॉ. मयंक कुमार	श्री विजय और श्री मुकेश गुप्ता



विभाग में उत्कृष्टता केंद्र:

ईवीआरटी के लिए सीओई संस्थान के भीतर और बाहर के शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है; शैक्षणिक और औद्योगिक दोनों ही विशेषज्ञ यहाँ मौजूद परिष्कृत सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। ऐसी सुविधा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अनुसंधान की दक्षता को संरक्षित और बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है। डीटीयू (उत्तर-पश्चिम) परिसर में ईवीआरटी के लिए उत्कृष्टता केंद्र में कई उपकरण मौजूद हैं। केंद्र में अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं जो पहले से ही कार्यात्मक हैं और कई उपकरण पाइपलाइन में हैं।

केंद्र का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों और संबंधित प्रौद्योगिकियों के प्रमुख क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना है। केंद्र पारंपरिक परिवहन

प्रणाली को पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली में बदलने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद करता है। इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधा इलेक्ट्रिक वाहनों और संबंधित क्षेत्रों में अंतः विषय अनुसंधान करने के लिए बनाई गई है। केंद्र इलेक्ट्रिक वाहन मोटर और ड्राइव के डिजाइन, विकास और विश्लेषण के माध्यम से शोधकर्ताओं के लिए प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए निरंतर विकास और प्रयास कर रहा है।

- चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, चार्ज कंट्रोलर।
- रेट्रोफिटिंग, पावर ग्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच संचार।
- बैटरी प्रबंधन प्रणालियाँ और चार्जिंग स्टेशन, आदि।

उत्कृष्टता का केंद्र:

उपलब्ध सुविधाएं:



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. रचना गर्ग
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणाली संचालन और नियंत्रण, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकें, स्मार्ट ग्रिड

प्रो. नरेंद्र कुमार (प्रथम)
(बी.एससी., एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली सिस्टम और ड्राइव

प्रो. मधुसूदन सिंह
(बी.एससी., एम.ई.(ऑनर्स), पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण और उपकरण

प्रो. उमा नांगिया
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

प्रो. नरेंद्र कुमार (II)
(ग्रहणाधिकार)
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: इंस्ट्रुमेंटेशन नियंत्रण और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग

प्रो. प्रगति कुमार
(ग्रहणाधिकार) (एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण और उपकरण

प्रो. विशाल वर्मा
(एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रो. भारत भूषण
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण और उपकरण

प्रो. प्रिया महाजन
(एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: रेलवे विद्युतकर्षण प्रणाली, विद्युत प्रणाली, विद्युत मशीनें

प्रो. अलका सिंह
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

प्रो. धीरज जोशी
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक ड्राइव, नवीकरणीय ऊर्जा

प्रो. मुख्तियार सिंह
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव

प्रो. सुमन भौमिक
(बी.ई.ई. (ऑनर्स), एम.ई.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली सिस्टम, एफएसीटीएस, वीएससी-एचवीडीसी

प्रो. एस. टी. नागराजन
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: उच्च वोल्टेज इंजीनियरिंग और विद्युत प्रणाली

प्रो. एम. एम. त्रिपाठी
(ग्रहणाधिकार)
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली प्रणालियों का पुनर्गठन, लोड और मूल्य पूर्वानुमान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अनुप्रयोग, बिजली बाजारों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का एकीकरण, साइबर सुरक्षा स्मार्ट ग्रिड, एम्बेडेड सिस्टम

प्रो. जे. एन. राय
(एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

प्रो. आर. एस. साहा
(विजिटिंग फैकल्टी)
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एचवीडीसी और विद्युत प्रणाली

प्रो. सुदर्शन के. वल्लुरु
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रेरित एल्गोरिदम, गतिशील प्रणालियों का नियंत्रण, द्विभाजन विश्लेषण, विद्युत मशीनें

प्रो. मिनी श्रीजेथ
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत ड्राइव, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग

प्रो. रामभगत
(बी.टेक., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण और इंस्ट्रुमेंटेशन, एनालॉग संकेत आगेबढ़ाना

प्रो. एम. रिज़वान
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणाली

प्रो. विनोद कुमार यादव
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

प्रो. एन.के. जैन
(अवकाश प्राप्त प्रोफेसर)
(बी.एससी., एम.एससी., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

प्रो. डी. आर. भास्कर (एमेरिटस प्रोफेसर)
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: द्विध्रुवी और एमओएस एनालॉग एकीकृत सर्किट

सह आचार्य

श्री एन. के. भगत
(बी.एससी., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण प्रणालियाँ

डॉ. डी. सी. मीणा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

डॉ. आर. एल. मीणा
(बी.ई., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत गुणवत्ता

डॉ. गरिमा
(बी.टेक., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: एनालॉग सिग्नल प्रोसेसिंग और जनरेशन सर्किट, वीएलएसआई

सुश्री अनुपमा (बी.ई., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: वीएलएसआई, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स

श्री कृष्ण दत्त
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर कन्वर्टर्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर्स का नियंत्रण, कस्टम पावर उपकरण, एफएसटीएस, मशीन

श्री रोहन पिल्लई
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स

डॉ. वंजारी वेंकट रमण
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स

सहायक आचार्य

श्री ए. बी. भट्टाचार्य
(एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

डॉ. प्रेम प्रकाश
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: इंजीनियरिंग प्रणालियाँ

डॉ. भवनेश जैन्त
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण प्रणाली, वायरलेस सेंसर नेटवर्क

डॉ. ए. आर. कुलकर्णी
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण प्रणाली बुद्धिमान परिवहन प्रणालियाँ, माइक्रोकंट्रोलर और एम्बेडेड सिस्टम, रोबोटिक्स

श्री सिकंदर अली खान
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत मशीनें, विद्युत ड्राइव, विद्युत प्रणाली

श्री कुलदीप सिंह
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणालियाँ

डॉ. अंकिता अरोड़ा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत मशीनें, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकें, नियंत्रण प्रणालियाँ

डॉ. अनूप कुमार मंदपुरा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: सहकारी संचार प्रणालियाँ

श्री गौरव कौशिक
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण प्रणालियाँ

श्री हिमांशु सिंह
(बी.ई., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत मशीनें, विद्युत ड्राइव, नियंत्रण प्रणाली

श्री सौरभ मिश्रा
(बी.ई., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत ड्राइव

डॉ. शताक्षी
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियाँ, विद्युत प्रणालियाँ

डॉ. प्रकाश चित्तौड़ा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत प्रणाली, विद्युत गुणवत्ता, विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स

श्री श्रेयांश उपाध्याय
(बी.टेक., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण प्रणालियाँ

श्री अभिषेक चौधरी
(बी.ई., एम.टेक.)
अनुसंधान क्षेत्र: नियंत्रण सिस्टम इंजीनियरिंग

डॉ. मयंक कुमार
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: पावर कन्वर्टर्स का PWM, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर्स का मॉडलिंग और नियंत्रण, सौर शक्ति रूपांतरण

डॉ. चौधरी इंद्र कुमार
(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)
अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल वीएलएसआई सर्किट डिज़ाइन, विकिरण कठोर आईसी डिज़ाइन, ऊर्जा कुशल सर्किट डिज़ाइन और विकिरण कठोर लेआउट डिज़ाइन तकनीकें

विभाग की उपलब्धियाँ:

विश्व भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों और संस्थानों में उच्च पदस्थ पूर्व छात्र

श्री विनोद धाम, "पेंटियम चिप के जनक" उनमें से एक हैं विभाग के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र

राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) विभाग को मान्यता प्रदान करता है।

विभाग की पहचान गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम अनुसंधान केंद्र के रूप में की गई है।

विभाग एआईसीटीई, डीएसटी, एसईआरबी, एनपीआईयू और एमईआईटीवाई जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में संलग्न है। वर्तमान में, विभाग में डीएसटी और एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित ₹14.65 करोड़ से अधिक की परियोजनाएँ चल रही हैं। विभाग निम्नलिखित कार्यों में भी संलग्न है: इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में परामर्श।

इलेक्ट्रिक वाहनों और संबंधित प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की (ईवीआरटी के लिए सीओई) को जीएनसीटीडी और डीटीयू, दिल्ली से ₹ 19.57 करोड़ की स्वीकृत निधि के साथ स्थापित किया गया

तेरह मौजूदा अनुसंधान क्षेत्र प्रयोगशालाएँ और सत्रह यूजी/पीजी प्रयोगशालाएँ

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए

पीआई/सह पीआई का नाम	परियोजना का शीर्षक	एजेंसी का नाम	राशि (₹)	स्वीकृत वर्ष	पूरा होने की तारीख
प्रो. एम. रिज़वान	सौर पीवी मॉड्यूल पर धूल संचय के प्रभाव को कम करने के लिए नई और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकी का डिज़ाइन और विकास	एसईआरबी, दिल्ली	60.36 लाख	2023	चल रहे
प्रो. मधुसूदन सिंह	फिस्ट कार्यक्रम 2022	डीएसटी, दिल्ली	82 लाख	2022	चल रहे
डॉ. मयंक कुमार	सौर पीवी से संचालित हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (पीवीएचईवी) के लिए दोष सहिष्णु पावर कन्वर्टर का विकास	एसईआरबी, दिल्ली	31.48 लाख	2021	चल रहे
प्रो. मधुसूदन सिंह	इलेक्ट्रिक वाहन और संबंधित प्रौद्योगिकियों का उत्कृष्टता केंद्र (ईवीआरटी के लिए उत्कृष्टता केंद्र)	दिल्ली ज्ञान विकास फाउंडेशन (डीकेडीएफ), दिल्ली	9.57 करोड़	2021	चल रहे

पीआई/सह पीआई का नाम	परियोजना का शीर्षक	एजेंसी का नाम	राशि (₹)	स्वीकृत वर्ष	पूरा होने की तारीख
डॉ. अमृतेश कुमार, एनआईटी, सिलचर और प्रो. विशाल वर्मा	व्यवहार्य समन्वित नियंत्रित ग्रिड-संबद्ध फोटोवोल्टिक स्रोत डीसी आधारित फास्ट चार्जिंग इलेक्ट्रिक वाहन के लिए बुनियादी ढाँचा: डिज़ाइन, विकास और प्रायोगिक सत्यापन	एसईआरबी, दिल्ली	एनआईटी सिलचर के लिए 1.89 करोड़,	2019	चल रहे
प्रो प्रिया महाजन प्रो रचना गर्ग	दिल्ली में "एसपीवी पैनल के लिए गंदगी नुकसान और इष्टतम सफाई शेड्यूल पर पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव" पर शोध अध्ययन	विद्युत विभाग, जीएनसीटीडी, दिल्ली	5.6 लाख	2019	चल रहे
डॉ. हितेश दत्त माथुर (बिट्स पिलानी) और प्रो. धीरज जोशी	आईओटी आधारित ऊर्जा प्रबंधन माइक्रो-ग्रिड की प्रणाली वाहन से ग्रिड (V2G) सुविधा के साथ	डीएसटी, दिल्ली	16.83 लाख	2019	चल रहे
प्रो. मिनी श्रीजेथ	"निम्न से मध्यम शक्ति वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोटर नियंत्रक का विकास और परिनियोजन"	भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	39.84 लाख	2019	चल रहे

प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण:

आविष्कारक: प्रो. मिनी श्रीजेथ
शीर्षक: प्रकाश के लिए मोटर नियंत्रक भारत में गतिशीलता वाहन
स्थिति: स्वीकृत
पेटेंट संख्या: 544481
वर्ष: 2024

आविष्कारक: डॉ. मयंक कुमार, प्रो. मधुसूदन सिंह, श्री अभिषेक कुमार गुप्ता
शीर्षक: एक उच्च लाभ दोष सहिष्णु बहु-पोर्ट डीसी-डीसी कनवर्टर
स्थिति: प्रकाशित
पेटेंट संख्या: 202411024561
वर्ष: 2024

पेटेंट का विवरण

आविष्कारक: प्रो. सुदर्शन कुमार बाबू वल्लुरु, डॉ. वंजरी वेंकट रमण
शीर्षक: पुनर्संयोज्य फोटोवोल्टिक पावर कंडीशनिंग यूनिट के साथ मॉड्यूल
स्थिति: प्रकाशित
पेटेंट संख्या: 202311066969
वर्ष: 2023

आविष्कारक: श्री सौरभ मिश्रा
शीर्षक: सिंक्रोनस रिलक्टेंस मोटर पर आधारित हल्के इलेक्ट्रिक वाहन की ड्राइविंग रेंज बढ़ाने की प्रणाली B स्वीकृत
पेटेंट संख्या: 20211130491
वर्ष: 2024

परामर्श से उत्पन्न राजस्व:

संकाय का नाम	शीर्षक	वित्त पोषण एजेंसी	राशि (₹)	प्रारंभ दिनांक
प्रो. मधुसूदन सिंह और श्री ए.बी. भट्टाचार्य	विभिन्न मौजूदा स्कूलों में 7000 अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण। शिक्षा क्षेत्र (एम), नई दिल्ली के अंतर्गत	पीडब्ल्यूडी सरकार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली	195 लाख	2019 - आगे
प्रो. मधुसूदन सिंह और श्री ए.बी. भट्टाचार्य	दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के लिए तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट कार्य	पीडब्ल्यूडी सरकार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली	15.4 लाख	2019 - आगे
प्रो. उमा नांगिया और श्री ए.बी. भट्टाचार्य	एम्स, झंझर और एम्स, नई दिल्ली परिसर के विभिन्न विभागों में निर्माण (विद्युत) कार्यों की गुणवत्ता लेखा परीक्षा	एम्स, न्यू दिल्ली	12 लाख	2017 - आगे
प्रो. नरेंद्र कुमार I	आईए मसूरी गुलावटी रोड और ईपीआईपी, कासना में विकास कार्यों की गुणवत्ता जाँच	यूपीएसआईडीए	2.65 लाख	2018 - आगे
प्रो. एस. अंबुकुमार, डॉ. आशीष कुलकर्णी और डॉ भवनेश जैन्त	सी/ओ 420 दो बी एच के, 225 तीन बी एच के मकान और 250 ई डब्ल्यू एस (डिजाइन और निर्माण मॉडल) पॉकेट-6, सेक्टर ए1 से ए4, नरेला, दिल्ली में निर्धारित।	दिल्ली विकास प्राधिकरण	146.32 लाख	8 अगस्त, 2018
प्रो. एस. अंबुकुमार, डॉ. आशीष कुलकर्णी और डॉ भवनेश जैन्त	सी/ओ 1675 ईडब्ल्यूएस बहुमंजिला आवास इकाइयाँ, जेलरवाला बाग, अशोक विहार, दिल्ली	दिल्ली विकास प्राधिकरण	82.95 लाख	8 अगस्त, 2018
प्रो. एस. अंबुकुमार, डॉ. आशीष कुलकर्णी और डॉ भवनेश जैन्त	सी/ओ 750 दो बीएचके, 325 तीन बी एच के मकान और 412 ई डब्ल्यू एस (डिजाइन और निर्माण मॉडल) पॉकेट-13, सेक्टर A1 से A4, नरेला, नई दिल्ली में निर्धारित	दिल्ली विकास प्राधिकरण	238.75 लाख	26 मई, 2019
प्रो. नरेंद्र कुमार I	गाजियाबाद में 6 एमएलडी सीईटीपी के लिए 625 केवीए डीजी सेट की गुणवत्ता जाँच और निरीक्षण	यूपीएसआईडीए	0.8 लाख	2021
प्रो. एम. एम. त्रिपाठी	यूपीपीटीसीएल की ट्रांसमिशन लाइनों का अधिग्रहण	यूपीपीटीसीएल	5 लाख	2021

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	तारीख	समन्वयक
तीसरा आईईईई-आईसीपीईआईसीईएक्स 2024 सम्मेलन	26-28 अप्रैल, 2024	प्रो. विनोद यादव (आईईईई के सहयोग से)
मेंटरिंग इवेंट	18 -19 अप्रैल, 2024	डॉ. गरिमा (आईआईसी, डीटीयू के सहयोग से)
राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस	9 नवंबर, 2023	डॉ. गरिमा (आईआईसी, डीटीयू के सहयोग से)
"पावर कनवर्टर टेक्नोलॉजीज" पर कार्यशाला	26 दिसंबर, 2023	डॉ. मयंक (डीएसटी, दिल्ली के सहयोग से)
डॉ. प्रतीक सिक्का, वरिष्ठ समूह प्रबंधक, एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा द्वारा "ऑटोमोटिव वीएलएसआई प्रणालियों में वास्तुकला अन्वेषण और उच्च-स्तरीय संश्लेषण" पर विशेषज्ञ व्याख्यान	27 फरवरी, 2024	प्रमुख, ईईडी
जलवायु स्मार्ट खेती में विद्युतीकरण और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणालियों का महत्व, डॉ. बृज एन. सिंह, जॉन डीरे टेक्निकल फेलो, अमेरिका	8 जनवरी, 2024	प्रमुख, ईईडी
प्रो. डी.पी. कोठारी, पूर्व निदेशक, आईआईटी, दिल्ली द्वारा तकनीकी व्याख्यान	18 अप्रैल, 2024	प्रमुख, ईईडी
प्रो. सुदीप के. मजूमदार द्वारा तकनीकी व्याख्यान इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो, अमेरिका	22 दिसंबर, 2023	प्रमुख, ईईडी

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की तस्वीरें:



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकायों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

डॉ. गरिमा, श्री. सिकंदर अली खान,
श्री. कुलदीप सिंह, डा. अनूप कुमार मंदपुरा,
श्री. हिमांशु सिंह, श्री. सौरभ मिश्रा,
श्री श्रेयांश उपाध्याय, डॉ. मयंक कुमार,
डॉ. मयंक कुमार, श्री कृष्ण दत्त
और डॉ. वंजरी वेंकट रमण

कार्यक्रम: "विद्युत" पर औद्योगिक प्रशिक्षण
वाहन और चार्जिंग स्टेशन"

आयोजक: एनएसआईसी लिमिटेड
तकनीकी सेवाएँ, केंद्र, ओखला, दिल्ली

दिनांक: 16 -30 दिसंबर, 2023

राशि (₹): 14,160/- (प्रत्येक संकाय)

अनुसंधान, संकाय आदान-प्रदान और छात्र आदान-प्रदान के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ:

सहयोगात्मक
गतिविधियाँ

संकाय का नाम: प्रो. एम. रिज़वान
सहयोग: मिंग ची विश्वविद्यालय, ताइवान
सहयोग का प्रकार: अनुसंधान
सहयोग प्रारंभ तिथि: जुलाई, 2024 (एक वर्ष के लिए)

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	तारीख
डॉ. गरिमा	"वीएलएसआई डिज़ाइन और नैनोस्केल उपकरणों में प्रगति और चुनौतियाँ" पर एफडीपी	ईसीई, डीटीयू, दिल्ली	27 - 31 मई, 2024
डॉ. भवनेश जैन्त	"वीएलएसआई डिज़ाइन और नैनोस्केल उपकरणों में प्रगति और चुनौतियाँ" पर एफडीपी	ईसीई, डीटीयू, दिल्ली	27 - 31 मई, 2024
डॉ. वंजरी वेंकट रमण	"नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के लिए नियंत्रण तकनीकें" पर एफडीपी	एनएसयूटी, दिल्ली	8 - 12 जुलाई, 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

डॉ भवनेश जैन्त
एवं
डॉ गरिमा

कार्यक्रम का शीर्षक: इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में उभरते क्षितिज: प्रगति और चुनौतियाँ

व्याख्यान का विषय: डब्ल्यूएसएन सुरक्षा: हमले और उनके पता लगाने की तकनीकें.

आयोजक: इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी

तिथियाँ: 7 - 11 अगस्त, 2023

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:

समझौता ज्ञापन	उद्देश्य	तारीख	अवधि
डीटीयू और डीएमआरसी	परियोजनाएँ/संयुक्त अनुसंधान एवं विकास छात्रों के लिए इंटरनशिप	19 मार्च, 2013	जारी
ईईडी, डीटीयू और एचबीएसएस	आईटीएस और ईवी कम लागत वाले इलेक्ट्रिक वाहन डिजाइन और विकास	19 नवंबर, 2022	3 वर्ष
डीटीयू और लिथियम पावर	छात्रों का आदान-प्रदान संयुक्त विकास प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग	14 फरवरी, 2022	5 वर्ष
एम/एस ओनिक्स इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड।	आईटीएस और अनुसंधान उद्देश्य	21 अप्रैल, 2018	जारी
डीटीयू और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और विकास आदि	4 मार्च, 2015	जारी
ईईडी, डीटीयू और टीयूसी	आईटीएस और नियंत्रण प्रणाली	10 जनवरी, 2019	जारी
पेटीएम जनवरी 2024	हरित परिवहन और ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में, पेटीएम ने इस प्रयोगशाला के विकास के लिए ₹1 करोड़ का दान दिया है	28 अक्टूबर, 2023	जारी

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी:

प्रो. राम भगत
प्रो. विनोद कुमार यादव
डॉ. प्रेम प्रकाश

गतिविधि: छह दिवसीय कार्यक्रम "अभियांत्रिकी की खोज"
उद्देश्य: कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए प्रशिक्षण
कार्यक्रम तिथियां: 01 - 06 जुलाई, 2024

डॉ. अंकिता अरोड़ा

गतिविधि: "पैनटेक ई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड में इलेक्ट्रिकल और नवीकरणीय डिजाइन" पर तीन महीने की इंटरनशिप
उद्देश्य: इंटरनशिप | **तिथियां:** 16 जनवरी - 15 अप्रैल, 2024

गतिविधि: "उन्नत शिक्षण शिक्षाशास्त्र" पर एक सप्ताह का एफडीपी एनईपी-2020 के संदर्भ में परिणाम-आधारित शिक्षा पर चर्चा"
उद्देश्य: एफडीपी | **तिथियां:** 27 - 31 मई, 2024

गतिविधि: संकाय समन्वयक
उद्देश्य: देश का मेंटर | **तिथि:** 1 जून, 2024

प्रो. राम भगत
डॉ. डी. सी. मीणा

गतिविधि: डेलटेक एमयूएन
सम्मेलन उद्देश्य: छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में जागरूक करना
तिथियां: 21-22 अप्रैल, 2024

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:



चालू वर्ष के दौरान सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता:

विद्यार्थी का नाम	उपस्थित कार्यक्रम का विवरण	आयोजक	तारीख	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि(₹)
सृष्टि सिंह	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत ऊर्जा और भविष्य के विद्युत परिवहन" पर	भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत	9 -12 अगस्त, 2023	12,000/-
जैनब अलनासर	आईईईई का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, बुद्धिमान नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियाँ" पर	डीटीयू, दिल्ली, भारत	28 अप्रैल, 2024	4,130/-
ऋषभ बंसल	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत ऊर्जा और भविष्य के विद्युत परिवहन" पर	भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत	9 -12 अगस्त, 2023	12,000/-
अभिक कुमार	"नियंत्रण, स्वचालन और विद्युत अभियांत्रिकी में हालिया विकास" पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत	12-13 अक्टूबर, 2023	5,310/-
मोहम्मद अदीब	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत ऊर्जा और भविष्य के विद्युत परिवहन" पर	भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत	9 -12 अगस्त, 2023	14,160/-
प्रवीण बंसल	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत ऊर्जा और भविष्य के विद्युत परिवहन" पर	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईटीईआर, शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (माना गया) विश्वविद्यालय होना), भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत	9 -12 अगस्त, 2023	14,160/-

छात्रों की उपलब्धियाँ:

कार्यक्रम: आह्वान' 24
दिनांक: 5 - 7 अप्रैल, 2024

जॉय भटनागर, क्रिकेट सेमीफाइनल
बिमल कुमार, क्रिकेट सेमीफाइनल
मयंक, फुटबॉल में भाग लिया
बिल इलियट, फुटबॉल सेमीफाइनल
धैर्य गोयत, बैडमिंटन में भाग लिया
सत्तावन, बास्केटबॉल में भाग लिया
गौरव कुमार, 800 मीटर में दूसरा स्थान। एथलेटिक्स और
400 मीटर एथलेटिक्स में तीसरा स्थान
हिमनीश, एथलेटिक्स में भाग लिया
आदित्य कुमार, शतरंज मिश्रित में विजेता

4.11 पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. ए. के. हरिताश, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक.
(पर्यावरण अभियांत्रिकी)
अनुमोदित: 76
प्रवेशित: 76

पीएचडी
प्रवेशित: 06

शोध प्रकाशन



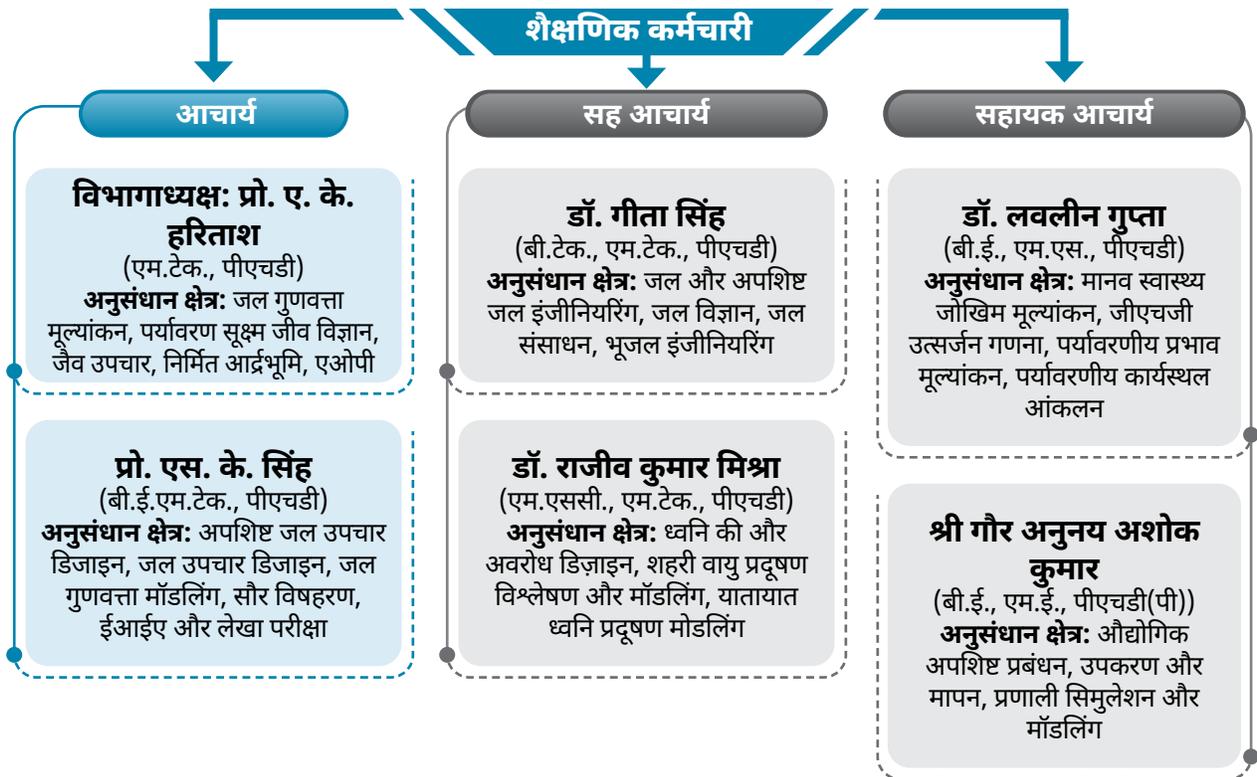
पत्रिकाएँ : 38

सम्मेलन : 49



मुख्य विशेषताएं

पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग, पर्यावरण अभियांत्रिकी में बी.टेक., एम.टेक. और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। बी.टेक. कार्यक्रम में पर्यावरण अभियांत्रिकी में एक प्रमुख एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी, स्थिरता और पर्यावरण उपचार में तीन गौण पाठ्यक्रम शामिल हैं। विभाग कार्यरत इंजीनियरों को अंशकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करके शैक्षणिक उन्नयन का अवसर भी प्रदान करता है। विभाग का लक्ष्य वैश्विक रूप से स्वीकार्य पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम वातावरण के साथ अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवीन अनुप्रयोगों के माध्यम से तकनीकी रूप से प्रासंगिक पर्यावरण अभियांत्रिकी स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधकर्ता तैयार करना है; और अभियांत्रिकी में ऐसे नेताओं का निर्माण करना है जो मानव समाज की बेहतरी के लिए उभरती चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने और उनका स्थायी रूप से समाधान करने हेतु बहु-विषयक समूहों में काम कर सकें। विभाग एशियाई, अफ्रीकी और यूरोपीय देशों से डीएसए, आईसीसीआर और एक्सचेंज के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी आमंत्रित करता है। पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग अनुसंधान, परामर्श, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। पर्यावरण अभियांत्रिकी, जल प्रदूषण, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं उपचार, तथा जीआईएस एवं सुदूर संवेदन में इसकी सुस्थापित प्रयोगशालाएँ हैं। यह एनजीटी, सीपीसीबी, एनएमसीजी, डीपीसीसी, सीपीडब्ल्यूडी आदि जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों को तकनीकी सहायता भी प्रदान करता है।



विभाग की उपलब्धियाँ

- विभाग उद्योगों की निगरानी के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली, डीपीआर के मूल्यांकन के लिए एनएमसीजी, सीपीडब्ल्यूडी, डीजेबी और कई अन्य संस्थानों को तकनीकी सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।
- विभाग ने दिल्ली जल बोर्ड, इफको, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एनएमसीजी और अन्य निजी क्षेत्र की इकाइयों के लिए भी परामर्श परियोजनाएं संचालित की हैं।
- यह विभाग विभिन्न संस्थानों को तकनीकी सहायता भी प्रदान करता है, जैसे कि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत), अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र फाउंडेशन (आईडीसी फाउंडेशन), और ग्रीन इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (जीआईआरडी)।
- 30-31 अक्टूबर, 2023 को सेंटर फॉर साइंस ऑफ हैप्पीनेस, डीटीयू, दिल्ली के सहयोग से "स्थायित्व: हरित भविष्य की राह पर अग्रसर" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 23 फरवरी, 2024 को "पर्यावरण, जलवायु, स्वास्थ्य और व्यावसायिक सुरक्षा" (ईसीएचओएस) पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था विकसित भारत@2047 की दिशा में चुनौतियाँ और विचार - स्थानीय पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना।
- 5 दिसंबर, 2023 को "राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- पृथ्वी दिवस 2024 की थीम पर 3 से 23 मार्च, 2024 तक 21 दिवसीय इको-चैलेंज अभियान का आयोजन किया गया।
- 21 मार्च, 2024 को यमुना जैव विविधता पार्क आर्ट्स भूमि जागरूकता के लिए क्षेत्रीय भ्रमण का आयोजन किया गया।
- 20 मार्च, 2024 को एसटीईपी, सेंटर फॉर साइंस ऑफ हैप्पीनेस, डीटीयू, दिल्ली के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- 23 जनवरी, 2024 को फोटोग्राफी प्रतियोगिता और राउंड टेबल समूह चर्चा का आयोजन विषय चुनौतियाँ और विचार विकसित भारत@2047 - स्थानीय पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए।

संकाय सदस्यों द्वारा व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में भागीदारी

डॉ. राजीव कुमार मिश्रा

शीर्षक: "आपदा तैयारी और जोखिम" पर एक सप्ताह का एफडीपी

आयोजक: भू-मौसम विज्ञान जोखिम प्रबंधन प्रभाग भारत के विश्वविद्यालयों और आपदा संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के जोखिम न्यूनीकरण, जनपद अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली के सहयोग से

तिथियां: 11 - 15 दिसंबर, 2023

श्री गौर अनुनय

शीर्षक: विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम
द्वारा आयोजित: डीटीयू आईआईएफ, डीटीयू, दिल्ली
तारीख: 20 - 30 नवंबर, 2023

शीर्षक: वेबिनार विषय "नवाचार को बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण"
द्वारा आयोजित: क्लेरिवेट
तारीख: 10 जुलाई, 2024

शीर्षक: यूएचवी -संयुक्त मासिक बैठक
द्वारा आयोजित: एनसीसीआईपी, एआईसीटीई
तारीख: 01 जनवरी, 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान और अन्य शैक्षणिक कार्य देने के लिए संकाय सदस्यों का अन्य संस्थानों में दौरा:

- डॉ. राजीव कुमार मिश्रा ने 24-25 मई, 2024 को संकलचंद पटेल विश्वविद्यालय, विसनगर, अहमदाबाद द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में बहु-विषयक दृष्टिकोण: 2047 तक विकसित भारत के लिए एक रोडमैप (आईसीएमएईटीएम -24) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वाहन जनित निकास उत्सर्जन: एक नीतिगत परिप्रेक्ष्य" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. राजीव कुमार मिश्रा ने 9 फरवरी, 2024 को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय, लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अपशिष्ट पुनर्चक्रण एवं पर्यावरण प्रौद्योगिकी डब्लूआरईटी -2024 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "यात्री कारों से टेल पाइप उत्सर्जन: एक नीतिगत दृष्टिकोण" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, अन्य विश्वविद्यालयों आदि के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन।

पर्यावरण रक्षा कोष (ईडीएफ)
न्यूयॉर्क, अमेरिका (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता ज्ञापन

पर्यावरण रक्षा कोष (ईडीएफ)
न्यूयॉर्क, अमेरिका (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता ज्ञापन

केंद्रीय लुगदी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश (राष्ट्रीय) के साथ समझौता ज्ञापन

केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन

उच्च शिक्षा में छात्र प्रगति का विवरण:

आनंद प्रिय
पीएचडी,
आईआईटी, रुड़की

मिल्ड्रेड चिलीज़
हाईसेट फेलोशिप

सोहोम चटर्जी
जेआरएफ,
आईआईटी, भुवनेश्वर

दीपक पाल
एमबीए

छात्र प्लेसमेंट का विवरण:

- **उत्कर्ष गर्ग** - लैंडमार्क ग्रुप, सीटीसी: 26 एलपीए
- **अनुष्का गुप्ता** - ब्लैकरॉक, सीटीसी: 18 एलपीए
- **प्रीहा मदन** - अमेरिकन एक्सप्रेस पीपीओ, सीटीसी: 17.73 एलपीए
- **सुमेधा शर्मा** - अमेरिकन एक्सप्रेस पीपीओ, सीटीसी: 17.73 एलपीए
- **आस्था वर्मा** - मास्टर कार्ड पीपीओ, सीटीसी: 17.73 एलपीए
- **लक्ष्य अग्रवाल** - एक्सेला, सीटीसी: 14.1 एलपीए
- **ईशा** - स्प्रिंकलर, सीटीसी: 13.64 एलपीए
- **लिपि सिंह** - स्प्रिंकलर, सीटीसी: 13.64 एलपीए
- **मानवी निलया** - स्प्रिंकलर, सीटीसी: 13.64 एलपीए
- **संकल्प पुरवार** - स्प्रिंकलर, सीटीसी: 13.64 एलपीए
- **चेतन शर्मा** - इंटर्न्सएलीट, सीटीसी: 13 एलपीए
- **विकास कुमार** - इंटर्न्सएलीट, सीटीसी: एलपीए

वर्तमान वर्ष के दौरान कंसल्टेंसी से प्राप्त राजस्व: ₹ 84.89 लाख

- इफको-आओनला और इफको-फूलपुर संयंत्र, उत्तर प्रदेश (2023) के लिए पर्याप्तता रिपोर्ट, लागत ₹ 1,41,600/-
- दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों को एसपी-आधारित तकनीक से आईएफएस तकनीक में अपग्रेड करने की प्रक्रिया की समीक्षा ₹ 8,49,600/- की लागत से

इंटरनशिप, कार्यस्थल पर प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, अनुसंधान सुविधाओं को साझा करने आदि के लिए संस्थानों/उद्योगों के साथ संबंधों की संख्या।

- विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई), वाशिंगटन, अमेरिका के साथ संबंध
- पर्यावरण रक्षा कोष (ईडीएफ), न्यूयॉर्क, अमेरिका के साथ जुड़ाव
- 2019 से अब तक बी.टेक. और एम.टेक. छात्रों के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के साथ छात्र इंटरनशिप के लिए लिंकेज स्थापित किया गया है।
- बी.टेक. और एम.टेक. छात्रों के लिए 2019 में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के साथ छात्र इंटरनशिप के लिए लिंकेज स्थापित किया गया था।
- पर्यावरण जागरूकता और प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए), नई दिल्ली के साथ संयुक्त गतिविधियों के लिए संपर्क।
- भारी धातु से दूषित मिट्टी के इलेक्ट्रोकाइनेटिक उपचार पर कैनक्कल ओन्सेकिज़ मार्ट विश्वविद्यालय, कैनक्कल, तुर्की में डॉक्टरेट अनुसंधान का संयुक्त पर्यवेक्षण।

4.12 मानविकी विभाग



प्रो. नंद कुमार, विभागाध्यक्ष
(01 जनवरी, 2021 - 31 दिसंबर, 2023)



डॉ. सरोज बाला, विभागाध्यक्ष
(01 जनवरी, 2024 - वर्तमान)

शैक्षणिक कार्यक्रम

पीएचडी
मानविकी में
प्रवेशित: 04

शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 27

सम्मेलन : 01



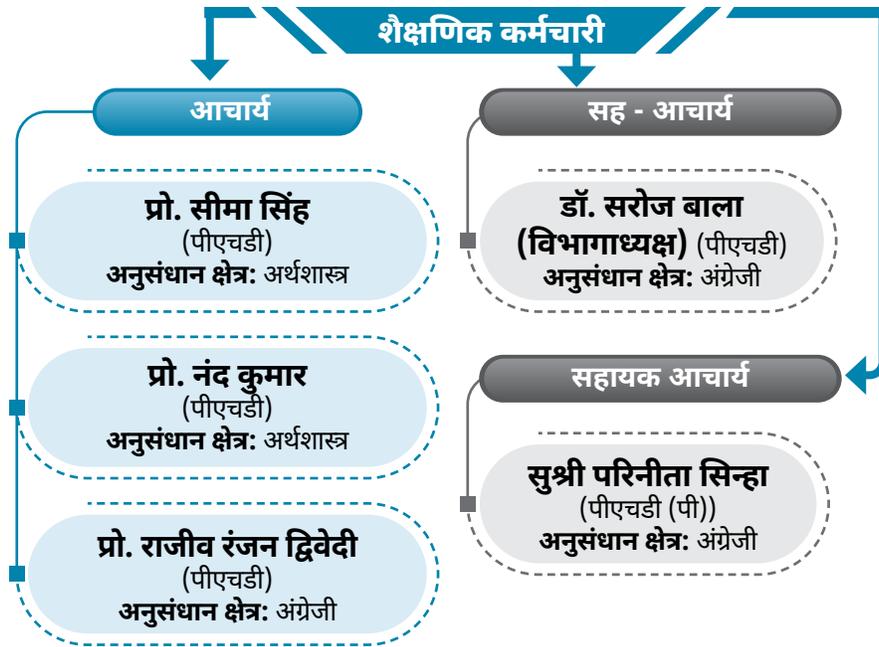
पुस्तक: 01 (पाठ्य)
पुस्तक अध्याय: 02

मुख्य विशेषताएं

मानविकी विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। यह इंजीनियरिंग के छात्रों को वैश्विक बाज़ार के लिए रोज़गार कौशल का प्रशिक्षण देने के लिए संचार कौशल, अंग्रेजी साहित्य, अर्थशास्त्र और नैतिकता में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पिछले दो वर्षों में, विभाग के लघु पाठ्यक्रमों को छात्रों से असाधारण प्रोत्साहन मिला है, क्योंकि छात्र अर्थशास्त्र और अंग्रेजी में माइनर पाठ्यक्रम पूरा करने में रुचि रखते हैं। अर्थशास्त्र में लगभग 100 छात्र ऐसे हैं जिन्होंने पिछले वर्ष माइनर डिग्री पूरी की है। पिछले 5 वर्षों में, वेब ऑफ साइंस पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विभाग की भाषा प्रयोगशाला एक गतिशील शिक्षण स्थान है जो छात्रों को उनके सामाजिक और व्यावसायिक जीवन के लिए आवश्यक अंग्रेजी भाषा में और ध्वन्यात्मक दक्षता प्रदान करने में सक्षम बनाता है। भविष्य में अंग्रेजी में एक नया स्नातकोत्तर कार्यक्रम और अर्थशास्त्र में एक एकीकृत स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम खुलने से विभाग के समग्र विकास के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। विभाग का उद्देश्य छात्रों को सामान्यतः 21वीं सदी की बहुसांस्कृतिक दुनिया और विशेष रूप से विकसित भारत-2047 के लिए तैयार करके ज्ञान सृजन और उसके प्रसार के माध्यम से शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

प्रयोगशालाएं

भाषा प्रयोगशाला: भाषा प्रयोगशाला छात्रों को कार्यस्थल पर संचार और आधुनिक समय की विभिन्न गतिशील अंतः क्रियात्मक आवश्यकताओं के लिए तैयार करती है। छात्र अपने संचार कौशल को निखारने के लिए सुनने, बोलने और पढ़ने का अभ्यास कर सकते हैं।



विभाग की उपलब्धियाँ

अंग्रेजी और अर्थशास्त्र में तीन पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं

प्रोफेसर नंद कुमार को दो शोध पत्रों के लिए 2023-24 में अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

विभाग समन्वयक/ सह-समन्वयक:

डॉ. सरोज बाला
प्रो. नंद कुमार
प्रो. राजीव रंजन द्विवेदी
सुश्री परिणीता सिन्हा

कार्यक्रम विवरण: विकसित भारत अभियान 2047 के तत्वावधान में "भारत के ग्रंथों में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर चिंतन" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला

तिथि: 23 - 25 अप्रैल, 2024

संसाधन व्यक्ति:

- श्री सनातन कुमार, उप निदेशक, राज्य सभा, और भारत की संसद।
- डॉ. नरेश कुमार वत्स, वरिष्ठ संकाय, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मानविकी और सामाजिक विज्ञान, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- प्रोफेसर शिखा सक्सेना, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ प्रौद्योगिकी, डीयू, दिल्ली

कार्यक्रम विवरण: संगीत: उपचार और संचार का एक साधन

तिथि: 27 फरवरी, 2024

संसाधन व्यक्ति:

डॉ. उमेश पाठक विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार, महाराजा अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली



व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकायों की भागीदारी:

संकाय का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	दिनांक
डॉ. सरोज बाला	"उन्नत शिक्षण पद्धति और परिणाम आधारित शिक्षा, एनईपी 2020 के संदर्भ में" पर एक सप्ताह का एफडीपी	एचआरडीसी, डीटीयू, दिल्ली एनआईटीटीटीआर, भोपाल के सहयोग से	27 - 31 मई, 2024
	एक सप्ताह का ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर का एफडीपी, विषय: "सांस्कृतिक अध्ययन: साहित्यिक एवं सामाजिक संदर्भों में भारतीय परिप्रेक्ष्य"	गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय, सिद्धपुर, गुजरात	19 - 25 फरवरी, 2024
	साहित्य में पर्यावरणवाद और पर्यावरण- आलोचना की सूक्ष्म पहलुओं की खोज।	गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय, सिद्धपुर, गुजरात	18 - 25 मार्च, 2024
	"बानी (भंगुर, चिंताजनक, गैर-रेखीय और समझ से परे) युग में कार्य-जीवन संतुलन" पर छह दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एफडीपी (हाइब्रिड मोड)।	प्रबंधन विभाग, आईईएम, कोलकाता	25 - 28 नवंबर और 2 दिसंबर, 2023
सुश्री परिणीता सिन्हा	"उन्नत शिक्षण पद्धति और परिणाम आधारित शिक्षा, एनईपी 2020 के संदर्भ में" पर एक सप्ताह का एफडीपी	एचआरडीसी, डीटीयू, दिल्ली एनआईटीटीटीआर, भोपाल के सहयोग से	27 - 31 मई, 2024

मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता:

प्रो. सीमा सिंह

पुरस्कार का शीर्षक: आईईओएम विशिष्ट नेतृत्व पुरस्कार
प्रदान करने वाली एजेंसी: आईईओएम सोसाइटी, नवंबर, 2023

डॉ. सरोज बाला

पुरस्कार का शीर्षक: भारत विभूषण पुरस्कार-2024
प्रदान करने वाली एजेंसी: एओएजी समिति, दिल्ली 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों का दौरा:

डॉ. सरोज बाला

कार्यक्रम विवरण: पीएचडी थीसिस मूल्यांकन और अंतिम बचाव
भूमिका: थीसिस बाहरी परीक्षक
विश्वविद्यालय: मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद
दिनांक: 25 जून, 2024

कार्यक्रम विवरण: सीएस स्क्रीनिंग
भूमिका: सीएस स्क्रीनिंग समिति के लिए विषय विशेषज्ञ आयोजक:
राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा
तिथियां: 06 - 07 दिसंबर, 2023

प्रो. सीमा सिंह

कार्यक्रम विवरण: पीएचडी थीसिस मूल्यांकन और वाईवा वीस
भूमिका: थीसिस बाहरी परीक्षक
विश्वविद्यालय: महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा,
और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

कार्यक्रम विवरण: एम.फिल थीसिस मूल्यांकन और वाईवा वीस
भूमिका: थीसिस बाहरी परीक्षक
विश्वविद्यालय: मॉरीशस विश्वविद्यालय

4.13 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो. दिनेश के. विश्वकर्मा, विभागाध्यक्ष



शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक.

अनुमोदित: 181
प्रवेशित: 181

एम.टेक.

अनुमोदित: 25+05
प्रवेशित: 26

पीएचडी

प्रवेशित: 08

मुख्य विशेषताएं

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग औद्योगिक रूप से प्रासंगिक विषयों, परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन पर योजनाबद्ध फोकस के साथ कॉर्पोरेट आरएंडडी (R&D) वातावरण का रोमांच प्रदान करने का प्रयास करता है। परिभाषित पाठ्यक्रम, ऑपरेटिंग सिस्टम, मालवेयर विश्लेषण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा माइनिंग, कंप्यूटर विज्ञान और नेटवर्क के लिए सिस्टम सॉफ्टवेयर के डिजाइन सिद्धांतों और विकास पर अधिक बल देता है। विभागने सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ विकसित की हैं, जैसे कंप्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला, वेब इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला, सूचना और सुरक्षा प्रयोगशाला, मैलवेयर विश्लेषण प्रयोगशाला और बायोमेट्रिक अनुसंधान प्रयोगशाला। वर्तमान में, विभाग विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों में डॉक्टरेट, सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर और आईटी में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआइ) का एक सक्रिय छात्र अध्याय भी है और आईईईई और आईईटी छात्र अध्यायों द्वारा किए गए व्यावसायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

शोध प्रकाशन

पेटेंट

स्वीकृत : 01 (अंतरराष्ट्रीय)



पत्रिकाएँ : 80

सम्मेलन : 70



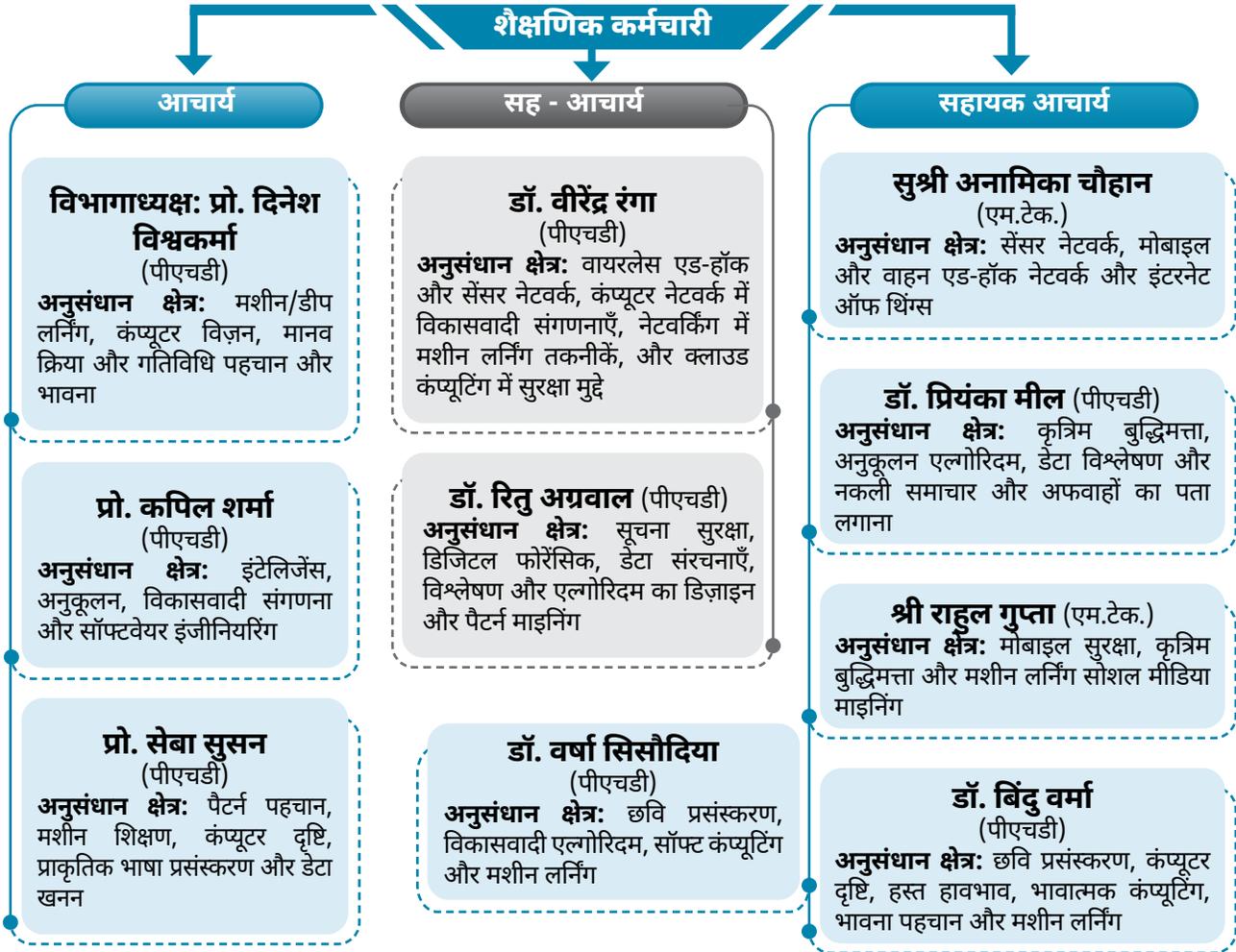
पुस्तक के अध्याय: 20



प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	कमरा	प्रयोगशाला का विवरण
डेटा संरचना और एल्गोरिदम प्रयोगशाला	बी05	यूजी छात्रों के लिए डेटा संरचना और एल्गोरिदम कार्यक्रम।
प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला	बी07	यूजी छात्रों के लिए प्रोग्रामिंग मूल बातें।
नेटवर्क और आईओटी प्रयोगशाला	बी15	यूजी/पीजी छात्रों के लिए नेटवर्क और आईओटी प्रोग्रामिंग।
ऑपरेटिंग सिस्टम प्रयोगशाला	बी17	यूजी/पीजी छात्रों के लिए ओएस प्रोग्रामिंग।
डेटा विज्ञान और विश्लेषण प्रयोगशाला	006	यूजी/पीजी छात्रों के लिए डेटा साइंस प्रोग्रामिंग।
मशीन लर्निंग प्रयोगशाला	015	यूजी/पीजी छात्रों के लिए एमएल प्रोग्रामिंग।
सूचना सुरक्षा प्रयोगशाला	017	यूजी/पीजी छात्रों के लिए सूचना सुरक्षा प्रोग्रामिंग।
साइबर फोरेंसिक और मैलवेयर विश्लेषण प्रयोगशाला	212	यूजी/पीजी छात्रों के लिए साइबर फोरेंसिक और मैलवेयर विश्लेषण।
मल्टी-मॉडल डेटा विश्लेषण अनुसंधान प्रयोगशाला	012	यूजी/पीजी छात्रों के लिए मल्टीमॉडल डेटा एनालिटिक्स।
ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग (ओओपी) प्रयोगशाला	806	यूजी/पीजी छात्रों के लिए ओओपीएस प्रोग्रामिंग।





विभाग की उपलब्धियाँ:

कंप्यूटर और दूरसंचार के मिश्रण ने स्थानीय और वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बदल दिया है। इसके अनुप्रयोग जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं। आईटी के क्षेत्र में हाल के वर्षों में जो लोकप्रिय क्षेत्र विकसित हुए हैं, उनमें चिकित्सा, ई-गवर्नेंस, मनोरंजन और मल्टीमीडिया, वैज्ञानिक अनुसंधान, व्यावसायिक बुद्धिमत्ता समाधान और डेटाबेस में ज्ञान की खोज शामिल है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक बी.टेक. यूजी पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसमें प्रति वर्ष 180 छात्र प्रवेश लेते हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को संबंधित क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत अवधारणाएँ और उपकरण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बी.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम सभी बुनियादी विषयों जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम, कंप्यूटर आर्किटेक्चर और डिज़ाइन, मैलवेयर विश्लेषण, सॉफ्टवेयर विकास, कंप्यूटर नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, बिग डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग आदि पर ज़ोर देता है।

इसके अलावा, विभाग सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री भी प्रदान करता है जिसमें प्रति वर्ष 25 छात्र प्रवेश लेते हैं। विशेष सूचना प्रणाली, सूचना सुरक्षा, मोबाइल संचार, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डीप लर्निंग, कंप्यूटर विज्ञान और विशेषज्ञ प्रणालियों के विश्लेषण

और डिज़ाइन पर ज्ञान प्रदान किया जाता है। वेब इंजीनियरिंग के साथ-साथ आगामी आईटी क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न वैकल्पिक विषय भी प्रदान किए जाते हैं। बड़ी संख्या में बी.टेक (आईटी) छात्रों ने एमएस/एम.टेक और एमबीए कार्यक्रमों के लिए विदेशी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया है। इसके अलावा, स्नातक छात्रों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/पत्रिकाओं में कई शोध पत्र भी प्रकाशित किए गए हैं।

विभाग में विकसित शोध संस्कृति के परिणाम स्वरूप ही स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र तैयार होते हैं।

विभाग में "सोसाइटी फॉर आईटी इंजीनियर्स" (एस.आई.टी.ई) नामक एक छात्र संघ है। छात्र नियमित रूप से हैकाथॉन और अन्य तकनीकी व गैर-तकनीकी प्रतियोगिताओं जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। विभाग का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक औद्योगिक परियोजनाओं और तकनीकी कार्यों में सक्रिय कार्यदलों का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे बौद्धिक रूप से विकसित हो सकें और चुनौतीपूर्ण आईटी उद्योग में अपना योगदान दे सकें।

2023-24 में प्रदान/प्रकाशित पेटेंट का विवरण

आविष्कारक: प्रो. कपिल शर्मा

पेटेंट का शीर्षक: सिग्नल संचारित करने का उपकरण और विधि एक वायरलेस पावर

स्थिति: स्वीकृत | **पेटेंट संख्या:** US11831180 B2

दिनांक: 28 नवंबर, 2023

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

विभाग समन्वयक

डॉ. रितु अग्रवाल

कार्यक्रम का नाम: उद्यमिता और नवाचार एक कैरियर अवसर के रूप में

सहयोग : नवाचार परिषद, डीटीयू

दिनांक: 13 नवंबर, 2023

कार्यक्रम का नाम: उभरते इंजीनियरों के लिए हाइब्रिड करियर के अवसर और अंतर्दृष्टि

सहयोग में: इनोवेशन काउंसिल, डीटीयू

दिनांक: 25 अगस्त, 2023

कार्यक्रम का नाम: तीसरे राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के उपलक्ष्य में स्टार्टअप विचार प्रतियोगिता

सहयोग : नवाचार परिषद, डीटीयू

दिनांक: 16 जनवरी, 2024

विभाग समन्वयक/

सह-समन्वयक:

डॉ. रितु अग्रवाल और श्री राहुल गुप्ता

आयोजन का नाम: विकसित भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षा साइबर-भौतिक प्रणालियों से संबंधित हालिया प्रगति और नवाचार

तिथि: 24 मई, 2024



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

संकाय का नाम	घटना विवरण	आयोजक	दिनांक	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹)
डॉ. वीरेंद्र रंगा	एफडीपी "क्वांटम कंप्यूटिंग: एल्गोरिदम और अनुप्रयोग"	एनआईटी द्वारा प्रशिक्षण और शिक्षण केंद्र, वारंगल, तेलंगाना	15 - 19 जुलाई, 2024	1,000/-
डॉ. प्रियंका मील	दो सप्ताह ऑनलाइन	बिट्स, नोएडा के सहयोग से जेआईएमएस इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी कैंपस, ग्रेटर नोएडा	20 - 31 मई, 2024	15,000/-
	दो सप्ताह का एफडीपी कार्यक्रम "3डी प्रिंटिंग के साथ उत्पाद डिज़ाइन और विकास" पर	डिज़ाइन विभाग, डीटीयू, दिल्ली	10 - 21 जून, 2024	10,000/-

संकाय का नाम	घटना विवरण	आयोजक	दिनांक	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹)
डॉ. प्रियंका मील	दो सप्ताह का ऑनलाइन औद्योगिक प्रशिक्षण	एडक्सलैब्स, मैकेनिकल आईआईटी, मद्रास के सहयोग से	18 - 29 दिसंबर, 2023	2,999/-
सुश्री अनामिका चौहान	दो सप्ताह का ऑनलाइन औद्योगिक प्रशिक्षण	उन्नत स्तर दूरसंचार केंद्र, बीएसएनएल, गाजियाबाद-	6 - 22 जुलाई, 2023	11,800/-
प्रो. सेबा सुसान	आईईईईई वार्षिक सदस्यता	-	-	9,029/-
प्रो. कपिल शर्मा		-	-	9,029/-
डॉ. बिंदु वर्मा		-	-	9,104/-
डॉ. वर्षा सिसौदिया		-	-	8,741/-

अनुसंधान, संकाय के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ विनिमय, और छात्र विनिमय:



राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता प्राप्त निकायों से:



विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्यों का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

प्रो. दिनेश कुमार विश्वकर्मा

कार्यक्रम का शीर्षक	विशेषज्ञ व्याख्यान का विषय	आयोजक	दिनांक
"औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एआईओटी आधारित समाधान का विकास और परिनियोजन" पर एसईआरबी द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय एफडीपी/कार्यशाला	"स्मार्ट खेती के लिए कंप्यूटर विज्ञान का इंटरनेट ऑफ थिंग्स के साथ एकीकरण"	सीएसई विभाग, एनएसयूटी, दिल्ली	17- 21 जून, 2024
"कम्प्यूटेशनल इंटेलेजेंस में उभरते रुझान" पर एफडीपी	"एआई नैतिकता और प्रतिकूल चुनौतियों को समझना"	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार	15 - 20 जून, 2024
"कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्मार्ट प्रणालियों में इसका अनुप्रयोग पर एसटीसी	"एआई में नैतिक मार्ग दर्शन: "प्रतिकूल चुनौतियों के बीच ज़िम्मेदारी का संतुलन"	सीएसई विभाग, एनएसयूटी, दिल्ली	20 - 24 दिसंबर, 2023
मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सुरक्षा और डेटा विज्ञान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	"ज़िम्मेदार एआई प्रथाएँ: नैतिक विचारों और प्रतिकूल चुनौतियों से निपटना"	एनआईटी, हमीरपुर	21 दिसंबर, 2023
दानिक्स परिवीक्षार्थियों के 59वें बैच के 02 वर्षीय आधारभूत प्रशिक्षण के लिए तीन सप्ताह का प्र शिक्षण कार्यक्रम	"एआइ-संचालित कृषि: स्मार्ट खेती में क्रांति"	डीटीयू, दिल्ली	11 - 29 सितंबर, 2023
"पाइथन का उपयोग करके भाषण और दृष्टि अनुप्रयोगों के निर्माण के लिए AI" पर एक सप्ताह का एफडीपी	"भावनाओं को समझना: दृश्य भावना विश्लेषण चित्रों और वीडियो में	सीएसई, गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा	21 - 25 अगस्त, 2023

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी

विस्तार और आउटरीच गतिविधियों में संकायों की भागीदारी

डॉ. वीरेंद्र रंगा,
डॉ. अनामिका चौहान,
डॉ. बिंदु वर्मा,
डॉ. प्रियंका मील

गतिविधि का विवरण: अभियांत्रिकी की खोज 2024
उद्देश्य: डीटीयू, दिल्ली में अभियांत्रिकी की खोज के लिए युवा साथियों (11वीं और 12वीं कक्षा) को प्रेरित करना और स्कूली छात्रों को इंजीनियरिंग के माहौल से परिचित कराना और भविष्य के लिए संभावित मार्गदर्शन प्रदान करना।
दिनांक: 1 - 6 जुलाई, 2024

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:

छात्र का नाम	कार्यक्रम (डीटीयू)	उच्च शिक्षा के लिए कार्यक्रम	विश्वविद्यालय का पूरा नाम, शहर, देश
हर्ष	बी.टेक. (आईटी)	एमबीए प्रोग्राम	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और सिंगुआ विश्वविद्यालय
अनुकृति कुमार		पीएच.डी.	वाशिंगटन विश्वविद्यालय
पेया मोवार		एमएस, रोबोटिक्स	कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग
मिनी जैन		एमएस, सीएसई	जॉर्जिया टेक., अटलांटा, संयुक्त राज्य अमेरिका

वर्तमान वर्ष के दौरान सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता:

विद्यार्थी का नाम	उपस्थित कार्यक्रम का विवरण	आयोजक	दिनांक	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹)
लक्षिता अग्रवाल	20वां भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन (इंडिकन -2023)	एनआईटी, हनमकोंडा, तेलंगाना	14 - 17 दिसंबर, 2024	23,391/-
रीना त्रिपाठी	20वां भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन (इंडिकन -2023)	एनआईटी, हनमकोंडा, तेलंगाना	14 - 17 दिसंबर, 2024	23,391/-
मीनाक्षी श्रीवास्तव	सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलेजेंस पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीएमआई 2023)	वर्चुअल मोड, मेक्सिको सिटी	25 - 26 दिसंबर, 2024	23,294/-
देबाश्री देबालक्ष्मी	सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मशीन इंटेलेजेंस पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीएमआई 2023)	वेमना संस्थान प्रौद्योगिकी, कर्नाटक	16 -17, फरवरी, 2024	1,23,38.43/-
अभिषेक वर्मा	20वां भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" पर सम्मेलन (इंडिकन - 2023)	एनआईटी, हनमकोंडा, तेलंगाना	14- 17 दिसंबर, 2024	22,500/-
निधि	"अनुभव जन्य अंतर्दृष्टि: चेहरे की भावनाओं की पहचान पर विभिन्न ध्यान तंत्रों के प्रभाव का पता लगाना"	ऑनलाइन मोड (लंदन, मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, यूके)	14 - 15 जून, 2024	15,250/-
मोनीश कुमार साहू	चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स (आईसीएमएलबीडीए)" पर	एनआईटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा	9 - 11 मई, 2024	8,000/-
अभिषेक	चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स (आईसीएमएलबीडीए)" पर	एनआईटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा	9 - 11 मई, 2024	8,000/-
तन्मय दास	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	के.एल.ई. इंस्टीट्यूटऑफ टेक्नोलॉजी, कर्नाटक	21 - 23 जून, 2024	8,700/-

छात्रों की उपलब्धियाँ:

नीलुतपोल बोरा,
सलोनी अग्रवाल,
अंशुल अग्रवाल,

कार्यक्रम: 10वां दीक्षांत समारोह, डीटीयू दिल्ली
उपलब्धि: कुलपति स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता
तिथि: 16 नवंबर, 2023

4.14 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. एस. के. गर्ग, विभागाध्यक्ष
(अप्रैल 2021 से अप्रैल 2024 तक)



प्रो. बी. बी. अरोड़ा, विभागाध्यक्ष
(मई 2024 से - वर्तमान तक)

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक. (एम.ई.)
अनुमोदित: 301
प्रवेशित: 301

**बी.टेक. (उत्पादन एवं
औद्योगिक इंजीनियरिंग)**
अनुमोदित: 76
प्रवेशित: 76

बी.टेक. (ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग)
अनुमोदित: 76
प्रवेशित: 76

एम.टेक. (आईईएम)
अनुमोदित: 30
प्रवेशित: 13

एम.टेक. (सीएएडी)
अनुमोदित: 30
प्रवेशित: 10

पीएचडी
प्रवेशित: 15

शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 37

सम्मेलन : 10



मुख्य विशेषताएं

1941 में अपनी स्थापना के बाद से, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग थर्मल अभियांत्रिकी, प्रोडक्शन अभियांत्रिकी, कंप्यूटर एडेड एनालिसिस एंड डिज़ाइन (सीएएडी), एनर्जी सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट (ईएसएम) और इंडस्ट्रियल अभियांत्रिकी एंड मैनेजमेंट (आईईएम) में विशेषज्ञता के साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। यांत्रिक अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग कार्यरत डिप्लोमा इंजीनियरों के लिए चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग ने ग्लोबल वार्मिंग और ओज़ोन क्षरण को नियंत्रित करने के लिए आरएसी प्रयोगशाला में वैकल्पिक रेफ्रिजरेट का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल तकनीक विकसित की है।



डॉ. क्रोव्दि श्रीनिवास - पत्रिकाएँ: 06, सम्मेलन: 03

डॉ. एम. जुनैद - पत्रिकाएँ: 06, सम्मेलन: 01

डॉ. नौशाद अहमद अंसारी - पत्रिकाएँ: 03, सम्मेलन: 01

डॉ. सुशीला रानी - पत्रिकाएँ: 05, सम्मेलन: 02

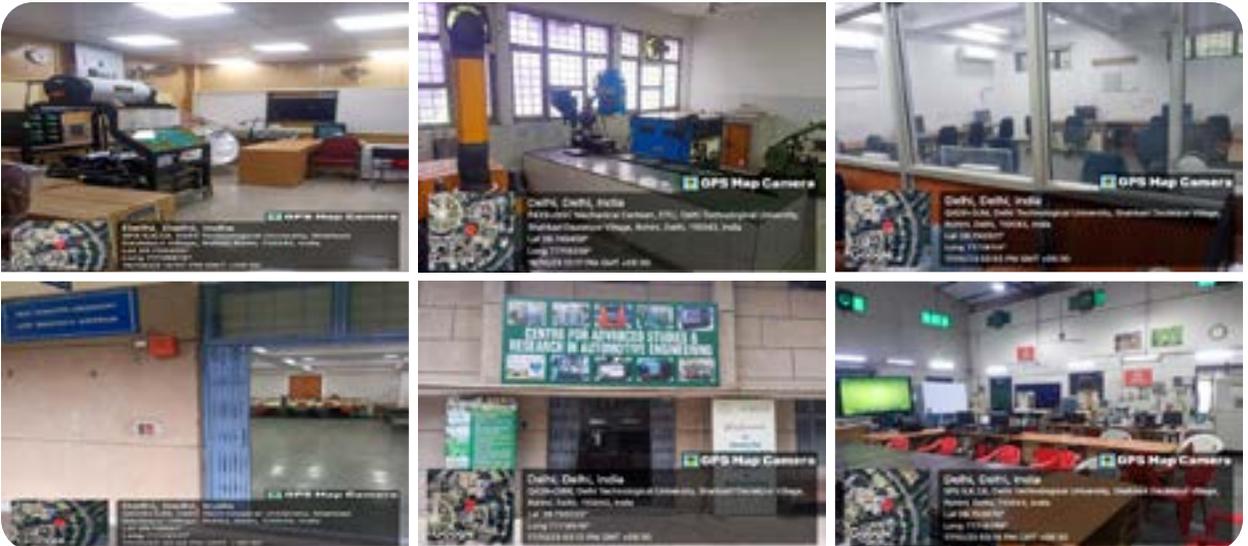
डॉ. पारस कुमार - पत्रिकाएँ: 11, सम्मेलन: 01

डॉ. प्रवीण कुमार - पत्रिकाएँ: 06, सम्मेलन: 02

प्रयोगशालाएँ:

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में प्रयोग, अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके सामान्य क्षेत्रों में द्रवगतिकी, ऊष्मागतिकी, पदार्थ विज्ञान, रोबोटिक्स और नियंत्रण प्रणालियाँ शामिल हैं। उन्नत मशीनरी और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ये प्रयोगशालाएँ सटीक परीक्षण और मापन की सुविधा

प्रदान करती हैं, जो अभियांत्रिकी डिज़ाइन में नवाचार के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएँ व्यावहारिक शिक्षण और कौशल विकास में सहायता करती हैं, छात्रों को उनके करियर में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. बी. बी. अरोड़ा
(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: द्रव यांत्रिकी

प्रो. विपिन (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: उत्पादन अभियांत्रिकी

प्रो. एस. माजी (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: थर्मल अभियांत्रिकी

प्रो. एस. के. गर्ग

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: विनिर्माण प्रक्रिया और स्वचालन, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, निर्णय विज्ञान, संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, संचालन अनुसंधान, रणनीतिक प्रबंधन, उत्पादन योजना और नियंत्रण

प्रो. आर. एस. मिश्रा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: वैकल्पिक ऊर्जास्रोत, हरित प्रौद्योगिकी (एफएसडब्लू और एफएसपी), आरएसी, ऊष्मा और द्रव्यमान स्थानांतरण, थर्मल अभियांत्रिकी, विद्युत संयंत्र अभियांत्रिकी

प्रो. नवीन कुमार

(बी.एससी. अभियांत्रिकी एम.टेक., पीएच.डी.)

अनुसंधान क्षेत्र: वैकल्पिक ईंधन, विशेष रूप से जैव ईंधन, विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियाँ, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट पुनर्चक्रण और सतत विकास

प्रो. डी. एस. नागेश (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: रोबोटिक्स, सीएडी/सीएएम, उत्पादन स्वचालन, अभियांत्रिकी ड्राइंग, अभियांत्रिकी यांत्रिकी, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का वेल्डिंग अनुप्रयोग, आनुवंशिक एल्गोरिथम और प्रयोगों का डिजाइन

प्रो. रीता वट्टल (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: उत्पादन अभियांत्रिकी, वेल्डिंग, धातु काटना, धातुनिर्माण

प्रो. समशेर (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: बिजली संयंत्र अभियांत्रिकी

प्रो. ए. के. मदान (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: औद्योगिक अभियांत्रिकी

प्रो. राज कुमार सिंह

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: द्रव यांत्रिकी

प्रो. अमित पाल (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: जैव ईंधन, आईसी इंजन, नवीकरणीय ऊर्जा

प्रो. आर. सी. सिंह (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: इंजन ट्राइबोलॉजी, उत्पादन अभियांत्रिकी

प्रो. राजेश कुमार (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: प्रशीतन और वातानुकूलन, द्रव यांत्रिकी, ऊष्मा गतिकी, ऊष्मा स्थानांतरण, सौर ऊर्जा, हाइड्रोजन ऊर्जा, सूक्ष्म और नैनो पैमाने पर ऊष्मा स्थानांतरण, कम्प्यूटेशनल तरल सक्रिय

प्रो. कासिम मुर्तजा (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: विनिर्माण, थर्मल स्प्रे कोटिंग्स, सामग्री, औद्योगिक अभियांत्रिकी

प्रो. राजीव चौधरी (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: उत्पादन अभियांत्रिकी

प्रो. ए. के. अग्रवाल

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ठोस यांत्रिकी, फ्रैक्चर यांत्रिकी, कंपन, कम्प्यूटेशनल विधियाँ

प्रो. विजय गौतम

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: प्लास्टिसिटी और धातुनिर्माण, निर्माण सिमुलेशन, उत्पादन अभियांत्रिकी, मशीन डिजाइन, क्रैश विश्लेषण

प्रो. अखिलेश अरोड़ा

(एएमआईई, एम.टेक, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: प्रशीतन और वातानुकूलन प्रणालियाँ और वैकल्पिक प्रशीतक, नवीन चक्र, एक्सर्जी विश्लेषण

प्रो. गिरीश कुमार

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: विश्वसनीयता अभियांत्रिकी, रखरखाव प्रबंधन, स्टोकेस्टिक मॉडलिंग, अनुकूलन, उत्कृष्ट अभियांत्रिकी

प्रो. अनिल कुमार (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जासंक्रमण

प्रो. प्रवीण कुमार

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: संचालन प्रबंधन, औद्योगिक अभियांत्रिकी और प्रबंधन, गुणवत्ता प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, मात्रात्मक तकनीकें

प्रो. एम. एस. निरंजन

(बी.टेक, एम.टेक, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: उन्नत मशीनिंग प्रक्रियाएं, स्मार्टसामग्री, कंप्यूटर सहायता प्राप्त विनिर्माण (सीएएम), लचीली विनिर्माण प्रणाली (एफएमएस), वेल्डिंग

शैक्षणिक कर्मचारी

सह आचार्य

श्री वी. कमल

(एम.टेक.)

अनुसंधान क्षेत्र: अभिकल्प

श्री पी. वी. राम कुमार

(एम.टेक.)

अनुसंधान क्षेत्र: थर्मल अभियांत्रिकी / विद्युत संयंत्र / ऊष्मा स्थानांतरण / आरएसी

डॉ. पुष्पेंद्र सिंह

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन, प्रशीतन और वायु कंडीशनिंग

डॉ. रूप लाल (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: ऑटोमोबाइल, आंतरिक दहन इंजन, विमानन और ट्राइबोलॉजी

डॉ. पारस कुमार

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: मशीन डिज़ाइन, ट्रिबोलॉजी, कंपन, ध्वनिक, स्थिति निगरानी

डॉ. राघवेंद्र गौतम

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: विद्युत संयंत्र अभियांत्रिकी, वैकल्पिक ईंधन

डॉ. सुशीला रानी

(बी.टेक., एम.टेक., पीएच.डी.)

अनुसंधान क्षेत्र: विफल यांत्रिक घटकों में विफलता की जांच, समग्र सामग्री, मानव रहित हवाई वाहनों का डिज़ाइन, मॉडलिंग और विश्लेषण वाहन यूएवी, (ड्रोन) (एम.टेक., एमबीए, पीएचडी)

डॉ. के. श्रीनिवास

(एम.टेक., एमबीए, पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: मिश्रित सामग्री निर्माण और लक्षण वर्णन, चुंबकीय अपघर्षक परिष्करण

डॉ. एम. जुनेद

(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: कम्प्यूटेशनल द्रव गतिकी (सीएफडी), कम्प्यूटेशनल ऊष्मा स्थानांतरण और द्रव प्रवाह, माइक्रोफ्लुइडिक्स, सूक्ष्म चैनलों में द्रव प्रवाह, तापीय ऊर्जा के लिए चरण परिवर्तन सामग्री भंडारण, द्रव यांत्रिकी, द्रव गतिकी, प्रशीतन और वातानुकूलन, विद्युत संयंत्र अभियांत्रिकी, तापीय अभियांत्रिकी

डॉ. एन. ए. अंसारी

(बी.टेक., एम.टेक., पीएच.डी.)

अनुसंधान क्षेत्र: प्रशीतन एवं वातानुकूलन प्रणालियाँ और वैकल्पिक प्रशीतक, जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट से ऊर्जा और टिकाऊ ऊर्जा पर जोर देने के साथ वैकल्पिक ईंधन ऊर्जा प्रणालियाँ

डॉ. मंजूनाथ. के.

(पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: थर्मल अभियांत्रिकी

डॉ. संजय कुमार (पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: मशीन डिज़ाइन, परिमित तत्व विधि, फ्रैक्चर यांत्रिकी, गतिशील फ्रैक्चर

सहायक आचार्य

श्री अजय सोलंकी (एम.टेक.)

सहायक आचार्य (निरंतर)

अनुसंधान क्षेत्र: डिज़ाइन

डॉ. राकेश कुमार (पीएचडी)

सहायक आचार्य (निरंतर)

अनुसंधान क्षेत्र: औद्योगिक अभियांत्रिकी

डॉ. एम. शुरेब (पीएचडी)

सहायक आचार्य (निरंतर)

अनुसंधान क्षेत्र: औद्योगिक अभियांत्रिकी

श्री मुकेश डी. शामराव

(एम.टेक.)

सहायक आचार्य (जारी)
अनुसंधान क्षेत्र: थर्मल अभियांत्रिकी

फोरमैन प्रशिक्षक

डॉ. एन. युवराज (पीएचडी)

फोरमैन प्रशिक्षक

अनुसंधान क्षेत्र: सतह कंपोजिट, वेल्डिंग (एफएसडब्ल्यू, सीएमटी), कास्टिंग और धातुकाटने

श्री पी. के. जैन (एम.टेक.)

फोरमैन प्रशिक्षक

अनुसंधान क्षेत्र: थर्मल इंजी.

परामर्श से उत्पन्न राजस्व:

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. पारस कुमार
फंडिंग एजेंसी: डीजेबी, दिल्ली
राशि (₹): 3,30,400/-
महीना, प्रारंभ वर्ष: जनवरी, 2024

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम विवरण: "हालिया प्रगति" पर 22वां आईएसएमई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत विकास के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमएससी (आईएसएमई-2024)
सहयोग से: इंडियन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स
तिथि (तिथियाँ): 11 - 13 जुलाई, 2024
समन्वयक/सह-समन्वयक: प्रो. अमित पाल और प्रो. विजय गौतम



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जानेवाली वित्तीय सहायता:

डॉ. एम. जुनैद

कार्यक्रम का विवरण: "यांत्रिक एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ (आईसीएमईटी -2023)" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आयोजक: गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश

डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹): 8000/-

दिनांक: 7 - 8 दिसंबर, 2023

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकायों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	दिनांक
डॉ. नौशाद अहमद अंसारी	"एनईपी-2020 अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम", एमएमटीटीसी के अंतर्गत आपदा तैयारी एवं जोखिम न्यूनीकरण	जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली एनआईडीएम और डीटीयू, दिल्ली	6 - 15 मई, 2024 11 - 15 दिसंबर, 2023
डॉ. सुशीला रानी	एक सप्ताह का एफडीपी- "3डी क्यूरियोसिटी ऑटोडेस्क", "एनईपी-2020 के संदर्भ में उन्नत शिक्षण अध्यापन शास्त्र और परिणाम आधारित शिक्षा" पर एक सप्ताह का एफडीपी	ऑटोडेस्क, दिल्ली डीटीयू, दिल्ली	17 - 21 जुलाई, 2023 27 - 31 मई, 2024

राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थाओं से पुरस्कार और मान्यताएँ:

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. प्रवीण कुमार
कार्यक्रम का शीर्षक: एफडीपी में विशेषज्ञ व्याख्यान
व्याख्यान का विषय: डीईए और इसके अनुप्रयोग
आयोजक: एनआईटी, सूरत
दिनांक: 17 जून, 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा:

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. प्रवीण कुमार
पुरस्कार का शीर्षक: सर्वाधिक उद्भूत पेपर पुरस्कार प्रदान करनेवाली एर्जेसी: अप्रैल, 2024 में एल्सेवियर

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं जनसंपर्क गतिविधियों में संकायों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	गतिविधि का विवरण	गतिविधि का उद्देश्य	दिनांक
डॉ. नौशाद अहमद अंसारी	आयोजन समिति राष्ट्रीय सम्मेलन के सदस्य	एनईपी 2020 के संदर्भ में शैक्षणिक संस्थानों की सामाजिक जिम्मेदारियाँ	12 जनवरी, 2024
	संकाय समन्वयक	सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम (एमएस-199)	शैक्षणिक सत्र 2023-2024
डॉ. सुशीला रानी	संकाय समन्वयक	सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम (एमएस-199)	शैक्षणिक सत्र 2023-2024
डॉ. पारस कुमार	संकाय समन्वयक	सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम (एमएस-199)	शैक्षणिक सत्र 2023-2024
प्रो. प्रवीण कुमार	संकाय समन्वयक	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023, 2024 का आयोजन	वर्ष 2023 और 2024
प्रो. एम. एस. निरंजन	संकाय समन्वयक	सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम (एमएस-199)	शैक्षणिक सत्र 2023-2024
डॉ. एम. जुनैद	सदस्य	सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम (एमएस-199)	शैक्षणिक सत्र 2023-2024

4.15 सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग विभाग



प्रो. रुचिका मल्होत्रा, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

बी.टेक.
(सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी)
अनुमोदित: 181
प्रवेशित : 181

एम.टेक.
(सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी)
अनुमोदित: 25
प्रवेशित : 23

एम.टेक. (डेटा विज्ञान)
अनुमोदित: 30
प्रवेशित : 28

मुख्य विशेषताएं

सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी विभाग उच्च गुणवत्ता वाले स्नातक और कुशल सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी/पेशेवर तैयार करने के लिए समर्पित है जो उच्च गुणवत्ता और लागत प्रभावी सॉफ्टवेयर सिस्टम विकसित कर सकें। इस विभाग की शुरुआत मार्च, 2021 में हुई थी। सभी सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी कार्यक्रम उद्योग की माँगों को ध्यान में रखते हुए अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए हैं। ये कार्यक्रम सॉफ्टवेयर के डिज़ाइन और विकास में छात्रों की विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं और सॉफ्टवेयर उद्योग की बढ़ती माँगों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सुपरिभाषित और व्यवस्थित दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हैं। सॉफ्टवेयर उद्योग और शिक्षा जगत में नवीनतम रुझानों, शोध और सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।



शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ: 32

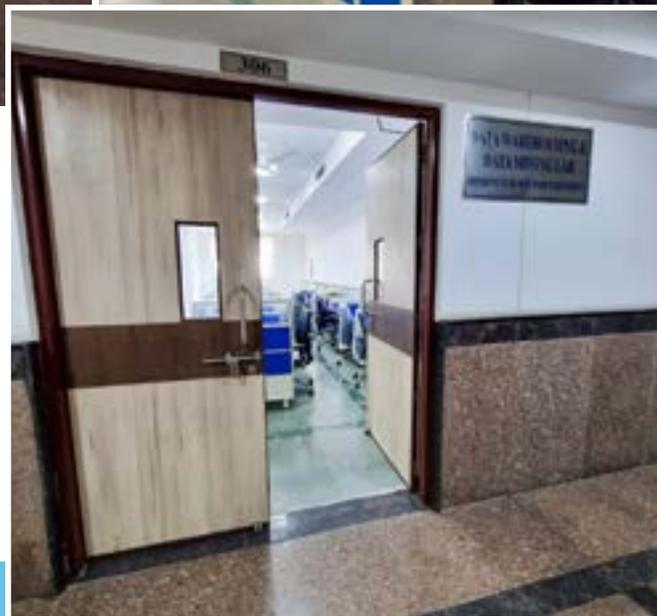
सम्मेलन : 22



पुस्तक अध्याय: 04

प्रयोगशालाएँ:

प्रयोगशाला का नाम	विवरण
उन्नत सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला व्यावसायिक सॉफ्टवेयर विकास के लिए प्रयुक्त सिद्धांतों, विधियों और तकनीकों को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, छात्र सॉफ्टवेयर विकास जीवन चक्र में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को भी समझते हैं।
डेटाबेस प्रबंधन और सिस्टम प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला छात्रों को डेटाबेस विकसित करके डीबीएमएस विषय में सीखी गई अवधारणाओं का अभ्यास करने में सक्षम बनाती है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे "मायएसक्यूएल/ओरेकल" डेटाबेस के माध्यम से डेटाबेस को डिज़ाइन, विकसित और क्वेरी करने का अभ्यास करें।
डेटा वेयरहाउसिंग और डेटा माइनिंग प्रयोगशाला	यह एक शोध प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य डेटा वेयरहाउसिंग और डेटा माइनिंग में शास्त्रीय मॉडल और एल्गोरिदम को कैसे लागू किया जाए, इस बारे में ज्ञान प्रदान करना और एसोसिएशन रूल माइनिंग, वर्गीकरण और क्लस्टरिंग द्वारा खोजे जा सकने वाले पैटर्न के प्रकारों को चिह्नित करना है।
सॉफ्टवेयर परीक्षण और अनुसंधान प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला छात्रों को कुशल सॉफ्टवेयर परीक्षण कौशल के प्रशिक्षण के लिए एक व्यावहारिक आधार प्रदान करती है, साथ ही सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी से संबंधित शोध परियोजनाओं के लिए एक शोध स्थल भी प्रदान करती है। इसका समग्र उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को सक्षम सॉफ्टवेयर सिस्टम विश्लेषण के लिए संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि सॉफ्टवेयर जीवन चक्र में अधिकतम त्रुटियों का यथाशीघ्र पता लगाया जा सके।
संगणक नेटवर्क प्रयोगशाला	इस लैब कोर्स का उद्देश्य विभिन्न संचार प्रोटोकॉल के कार्य सिद्धांतों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना है। वायरशार्क और नेटवर्क सिमुलेटर जैसे नेटवर्क टूल्स का उपयोग करके टीसीपी/आईपी लेयर प्रोटोकॉल की संरचना और स्वरूपों का विश्लेषण करना। विभिन्न नेटवर्क एल्गोरिदम जैसे त्रुटि नियंत्रण, त्रुटि पहचान, रूटिंग और सुरक्षा संबंधी एल्गोरिदम को लागू करना।
सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	यह लैब सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, वेब इंजीनियरिंग और इंटेलेजेंट सिस्टम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित है। इसमें विभिन्न सॉफ्टवेयर और उपकरण स्थापित हैं जो तकनीकी कौशल के विकास के साथ-साथ अनुसंधान उद्देश्यों के लिए भी लाभकारी हैं।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग प्रयोगशाला	एआई और एमएल प्रयोगशाला की स्थापना एआई से संबंधित क्षेत्रों में सिद्धांतों और प्रौद्योगिकियों का पता लगाने के लिए की गई थी, जिसका ध्यान मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, संगणक विज्ञान, रोबोटिक्स, बुद्धिमान विनिर्माण आदि जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और अनुप्रयोगों पर केंद्रित था।
संगणक सिस्टम प्रयोगशाला	कंप्यूटर सिस्टम लैब में सिद्धांत, प्रयोग और अभियांत्रिकी का अध्ययन शामिल है जो कंप्यूटर के डिज़ाइन और उपयोग का आधार बनते हैं। संगणक सिस्टम लैब संगणना उपकरणों और नेटवर्क सेवाओं के अधिग्रहण, रखरखाव और संचालन का समन्वय करता है।
मोबाइल संगणक और वितरित सिस्टम प्रयोगशाला	यह प्रयोगशाला मोबाइल और वितरित संगणक का उच्च स्तरीय कवरेज प्रदान करती है। यह मोबाइल संगणना की अंतर्निहित अवधारणाओं और मानकों तथा मोबाइल और वितरित प्रणालियों के लिए वर्तमान तकनीकों पर केंद्रित है।
इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रयोगशाला	इस लैब का मुख्य उद्देश्य सेंसर और "स्मार्ट" वस्तुओं के अनेक अनुप्रयोगों का अन्वेषण करना है। आईओटी लैब में विविध अनुप्रयोगों का अन्वेषण करने के लिए अनेक सेंसर होते हैं। यह वाई-फाई, शील्ड और अन्य कनेक्टिविटी मॉड्यूल के अलावा आर्दुइनो, रास्पबेरी पाई से भी सुसज्जित है।



शैक्षणिक कर्मचारी

आचार्य

विभागाध्यक्ष: प्रो. रुचिका मल्होत्रा
(पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट)

अनुसंधान क्षेत्र: मशीन लर्निंग और पूर्वानुमानात्मक मॉडलिंग, सॉफ्टवेयर परीक्षण और गुणवत्ता, अनुभवजन्य सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, खोज आधारित सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी

सह आचार्य

डॉ. दिव्यशिखा सेठिया
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: वितरित प्रणालियाँ, संगणक नेटवर्क, एल्गोरिदम, मोबाइल संगणना, स्वास्थ्य, क्रिप्टोग्राफी

डॉ. अभिलाषा शर्मा
(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, सॉफ्टवेयर परीक्षण, डीबीएमएस, वेब प्रौद्योगिकी, वेब सुरक्षा

सहायक आचार्य

डॉ. संजय पाटीदार
(बी.ई., एम.ई., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: सुरक्षा, स्ट्रीम डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग, आईओटी स्मार्ट अनुप्रयोग, डेटा विज्ञान, और संगणन सिद्धांत

डॉ. राहुल

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: गहन शिक्षण, मशीन लर्निंग, भावना विश्लेषण, डेटा विज्ञान।

सुश्री प्रिया सिंह

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी (पी))

अनुसंधान क्षेत्र: गहन शिक्षण, मशीन लर्निंग, पूर्वानुमान मॉडलिंग, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, एल्गोरिदम और प्रोग्रामिंग, क्लाउड नेटिव, 5जी कोर नेटवर्क।

सुश्री श्वेता मीना

(बी.टेक., एम.टेक., पीएचडी(पी))

अनुसंधान क्षेत्र: सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, सॉफ्टवेयर परीक्षण, सॉफ्टवेयर गुणवत्ता, और मेट्रिक्स, अनुभवजन्य सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी

डॉ. गीतांजलि गर्ग

(बी.टेक., एम.ई., पीएचडी)

(संविदात्मक)

अनुसंधान क्षेत्र: सोशल मीडिया माइनिंग, संदर्भजागरूक संगणना, भावात्मक संगणना, वेब प्रौद्योगिकी, गहन शिक्षण।

श्री राम मूर्ति रावत

(एम.टेक., पीएचडी कर रहे हैं)

(संविदात्मक)

अनुसंधान क्षेत्र: एनालॉग और डिजिटल वीएलएसआई डिज़ाइन, डिजिटल सिस्टम, दोष सहिष्णुता डिज़ाइन, संगणक आर्किटेक्चर, मॉडलिंग और सिमुलेशन, संगणक नेटवर्क, वेब तकनीक और संगणक के मूल सिद्धांत

डॉ. सोनिका दहिया

(बी.ई., एम.टेक., पीएचडी)

अनुसंधान क्षेत्र: एल्गोरिदम और डेटा माइनिंग, डेटाबेस, डेटा संरचनाएँ, कम्प्यूटेशन का सिद्धांत, डेटा विज्ञान, डीप लर्निंग

विभाग की उपलब्धियाँ:

एफकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 2020 में चार साल के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत डीटीयू, दिल्ली में अनुसंधान और नवाचार के लिए एक "इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम सुविधा" स्थापित की जाएगी।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई- श्री संजय पाटीदार
सह-पीआई- डॉ. नीतेश कुमार

परियोजना का शीर्षक: स्मार्ट स्वायत्त खरपतवार का पता लगाना और हटाना
संस्थान: टीआईएच-आईआईटी, खड़गपुर
राशि (₹): 50,00,000/- (लगभग)
तिथि: 29 दिसंबर, 2023
अवधि: 2 वर्ष

पीआई- आचार्य आशुतोष. त्रिवेदी
सह-पीआई- प्रो. रुचिका मल्होत्रा

परियोजना का शीर्षक: बुद्धिमान परिवहन डीटीयू, दिल्ली में सिस्टम सुविधा
एजेंसी: एफकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
राशि (₹): 22,00,000/- (लगभग)
दिनांक: 2020
अवधि: 4 वर्ष

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

आयोजन का नाम	दिनांक	विभाग समन्वयक
सिल्वर-गोल्डन-डायमंड होमकमिंग मीट	2 फरवरी, 2024	प्रो. रुचिका मल्होत्रा
"समस्या समाधान और विचार निर्माण" पर कार्यशाला:	26 अक्टूबर, 2023	डॉ. संजय पाटीदार
बी.टेक. विदाई	26 अप्रैल, 2024	सुश्री प्रिया सिंह
बी.टेक. अभिविन्यास	31 जुलाई 2024	डॉ. सोनिका दहिया
"संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग विश्लेषण का उपयोग करके डेटा प्रसंस्करण" पर कार्यशाला	29 अगस्त, 2023	सुश्री श्वेता मीना
एक दिवसीय "कौशल संवर्धन संगणक कार्यशाला"	9 अक्टूबर, 2023	सुश्री प्रिया सिंह



सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता:

संकाय सदस्य का नाम	घटना विवरण	आयोजक	दिनांक	डीटीयू, दिल्ली द्वारा प्राप्त राशि (₹)
प्रो. रुचिका मल्होत्रा	"डेटा विश्लेषण और प्रबंधन पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएम- 2024)"	लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड	9 - 17 जून, 2024	75,000/-
सुश्री श्वेता मीना	औद्योगिक प्रशिक्षण	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), नई दिल्ली	1 - 12 जुलाई, 2024	7,080/-
सुश्री प्रिया सिंह	"डेटा विज्ञान और अनुप्रयोग" पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर	17 - 19 जुलाई, 2024	10,600/-

अनुसंधान, संकाय सदस्य के लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ विनिमय, और छात्र विनिमय:

संकाय सदस्य का नाम: आचार्य रुचिका मल्होत्रा
सहयोग: डॉ. मारौनेकेसेंटीनी, ग्रैंड वैली स्टेट यूनिवर्सिटी, ग्रैंड रैपिड्स, मिशिगन, संयुक्त राज्य अमेरिका
सहयोग का प्रकार: अनुसंधान और संकाय विनिमय
सहयोग प्रारंभ तिथि: 2 अगस्त, 2021 (2025 तक)

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	दिनांक
प्रो. रुचिका मल्होत्रा	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कंप्यूटिंग नेटवर्क पर (आईसीसीसीनेट-2023)"	मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय, यूके	15 - 25 नवंबर, 2023
सुश्री श्वेता मीना	"एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम" पर एफडीपी	उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), दिल्ली	20 - 30 मई, 2024
डॉ. राहुल	औद्योगिक प्रशिक्षण	व्हाइट सेपल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद	5 - 20 जुलाई, 2024
डॉ. संजय पाटीदार	औद्योगिक प्रशिक्षण	व्हाइट सेपल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद	10 - 27 जुलाई, 2024
डॉ. राहुल	मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ	बीआईटी, मेसरा, रांची	20 - 31 मई, 2024
डॉ. सोनिका दहिया	मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ	बीआईटी, मेसरा, रांची	20 - 31 मई, 2024

संकाय सदस्य का नाम	पीडीपी का शीर्षक	आयोजक	दिनांक
डॉ. संजय पाटीदार	दो सप्ताह का क्षमता विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर	आईआईएफ, डीटीयू, दिल्ली	20 - 31 मई, 2024
सुश्री श्वेता मीना	"एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम" पर एफडीपी	उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), दिल्ली विश्वविद्यालय 20 - 30 मई, 2024	20 th - 30 th May, 2024

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान का दौरा

प्रो. रुचिका मल्होत्रा

कार्यक्रम का शीर्षक:
"कंप्यूटिंग और संचार" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नेटवर्क"

भूमिका:

शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता

आयोजक:

मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम

दिनांक:

17 - 18 नवंबर, 2023

कार्यक्रम का शीर्षक: अंतर्राष्ट्रीय "डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन (आईसीडीएएम-2024)" पर सम्मेलन

भूमिका: शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता

आयोजक: लंदन मेट्रोपॉलिटन

विश्वविद्यालय, लंदन, यूके (स्थल साझेदार) डब्लूएसजी के सहयोग से विश्वविद्यालय, ब्यडगोस्ज़कज़, पोलैंड, यूरोप और पोर्टिएर पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, पुर्तगाल, यूरोप और एसजीजीडब्ल्यू प्रबंधन संस्थान और बीपीआईटी, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली

तिथि: 14 - 15 जून, 2024

कार्यक्रम का शीर्षक:
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरटीई टीबीएम 2024)

भूमिका:

सत्र अध्यक्ष

आयोजक:

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा

दिनांक:

21-23 फरवरी, 2024

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापन:

समझौता ज्ञापन का विवरण:

वित्त पोषण के लिए समझौता अनुवाद अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य: अनुवाद अनुसंधान परियोजना वित्तपोषण

दिनांक: 31 अक्टूबर, 2023

अवधि: 2 वर्ष

समझौता ज्ञापन का विवरण:

एफकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

उद्देश्य: डीटीयू में बुद्धिमान परिवहन प्रणाली सुविधा, दिल्ली

वर्ष: 2020

अवधि: 4 वर्ष

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं जनसंपर्क गतिविधियों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

डॉ. राहुल
डॉ. सोनिका दहिया
डॉ. संजय पाटीदार
सुश्री प्रिया सिंह

गतिविधि का विवरण: देश के मेंटर
उद्देश्य: सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम
तिथि: 12 जून, 2024

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:

बट्ट सुजीत
बी.टेक. (एसई)

उच्च शिक्षा कार्यक्रम: एम.एस.
विश्वविद्यालय: यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलोराडो बोल्डर, बोल्डर, यूएसए

नबीयूसैमुअल
बी.टेक. (एसई)

उच्च शिक्षा कार्यक्रम: एम.टेक.
विश्वविद्यालय: डेब्रेसेन विश्वविद्यालय, डेब्रेसेन, हंगरी

छात्रों की (बी.टेक., सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग) उपलब्धियां:

छात्र का नाम	उपलब्धि का विवरण	दिनांक
बट्ट सुजीत	कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर से एमएस कर रहे हैं	14 फ़रवरी, 2024
नबियूसैमुअल	डेब्रेसेन विश्वविद्यालय से एम.टेक. कर रहे हैं	30 मार्च, 2024
साहिल दूहन	लेफ्टिनेंट - भारतीय सेना	23 फ़रवरी, 2024
आर्या पांडे	सेल्सफोर्स में 43.8 लाख प्रति वर्ष का ऑफर प्राप्त हुआ	4 अक्टूबर, 2023
वैभवी सखुजा	उबर में 43.8 लाख प्रति वर्ष का ऑफर प्राप्त हुआ	26 मार्च, 2024
हर्षित राज	सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलोर में 43.8 लाख प्रति वर्ष का ऑफर प्राप्त हुआ।	18 सितंबर, 2023
चिरायु अग्रवाल	वीज़ा में 32 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	14 दिसंबर, 2023
हरलीन कौर	गूगल में 52 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	4 जुलाई, 2024
लक्ष्य	मॉर्गन स्टेनली में 30 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	13 दिसंबर, 2023
संचित जैन	इंट्यूट में 45 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	3 अगस्त, 2023
अनन्या गर्ग	माइक्रोसॉफ्ट में 51 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	3 अप्रैल, 2024
अक्षत जैन	इंट्यूट में 44.9 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	3 अगस्त, 2023
शुभम अग्रवाल	ज़ोमैटो में 52 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	16 जून, 2024
शाश्वत जैन	ज़ोमैटो में 52 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	3 अगस्त, 2023
रुद्रांश त्यागी	स्प्रिंकलर में 30 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	7 अगस्त, 2024
विपुल चौहान	अर्बन कंपनी में 30 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	3 अगस्त, 2023
हर्ष शर्मा	माइक्रोसॉफ्ट इंक में 51 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ।	18 सितंबर, 2023
एकांश	माइक्रोसॉफ्ट में 52 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	8 फरवरी, 2024
आत्मिका मिश्रा	सेल्सफोर्स में 43.8 लाख प्रति वर्ष का ऑफर प्राप्त हुआ	4 अक्टूबर, 2023
हार्दिक अरोड़ा	मिंत्रा में 30 लाख प्रति वर्ष का प्रस्ताव प्राप्त हुआ	14 जून, 2024

4.16 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (यूएसएमई)



प्रो.अमित मुखर्जी, विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक कार्यक्रम

एमबीए अनुमोदित: 120 प्रवेशित: 115
एमबीए-बिजनेस एनालिस्ट अनुमोदित: 40 प्रवेशित: 32
एमबीए आईईवी अनुमोदित: 30 प्रवेशित: 11
एमए-अर्थशास्त्र अनुमोदित: 60 प्रवेशित: 59
बीए - अर्थशास्त्र अनुमोदित: 182 प्रवेशित: 181
बीबीए अनुमोदित: 182 प्रवेशित: 182
पीएचडी प्रबंधन एवं उद्यमिता: 03 अर्थशास्त्र: 04 आईईवीडी: 02

शोध प्रकाशन



पत्रिकाएँ : 22

मुख्य विशेषताएं

डीटीयू (विवेक विहार फेज II, दिल्ली) के पूर्वी दिल्ली परिसर का उद्घाटन अगस्त 2017 में, दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिंसोदिया द्वारा, डीटीयू के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह, परमवीर चक्र, प्रो. अनु सिंह लाठर और प्रो. एस. के. गर्ग, तथा दिल्ली सरकार के सम्मानित सदस्यों, शिक्षाविदों और अन्य लोगों की उपस्थिति में किया गया था। डीटीयू के विजन और मिशन के अनुरूप, यह परिसर उद्योग और समाज के लिए प्रासंगिक प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार प्रदान करने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य एक प्रबंधन विद्यालय में उद्यमिता के प्रति एक बहु-विषयक दृष्टिकोण का निर्माण करना है, जो डीटीयू की समृद्ध और प्रतिष्ठित विरासत का लाभ उठाने में सक्षम होगा। इसका उद्देश्य उद्यमिता और संगठनात्मक विकास केंद्रों के माध्यम से तकनीकी उद्यमिता और ज्ञान उद्यम विकास का दोहन और लाभ उठाना है।

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 से, इसने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक (बीबीए), अर्थशास्त्र में कला स्नातक (ऑनर्स) (बीएई) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर (एमबीए) कार्यक्रम पेश किए हैं। दूसरा पीजी कार्यक्रम, एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स, 2018-19 में शुरू किया गया था। एमबीए नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास (आईईवी), शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में शुरू किया गया था। यह यूएसएमई के मिशन के अनुरूप था, जो उद्योग के उभरते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों और प्रतिभागों की सामाजिक आवश्यकताओं में अत्याधुनिक कार्यक्रम प्रदान करना है। विभाग प्रबंधन, अर्थशास्त्र और IEV में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा, एमए अर्थशास्त्र कार्यक्रम 2022-23 शैक्षणिक वर्ष से शुरू हो रहा है।

मुख्य विशेषताएं (जारी)

छात्र और संकाय विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों और छात्र कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। विभाग में व्यावसायिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और खेल-संबंधी रुचियों पर आधारित 18 छात्र क्लब हैं। अतिथि व्याख्यानों, कार्यक्रमों, उद्योगों के भ्रमण और व्यापार मेलों के माध्यम से यूएसएमई के छात्रों को तेज़ी से बदलते आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य से व्यापक रूप से परिचित होने का अवसर मिला है। डेटा साइंस और एनालिटिक्स में एक्ज़ीक्यूटिव एमबीए, उद्योग में न्यूनतम तीन वर्षों के अनुभव वाले कार्यरत पेशेवरों के लिए शुरू किया गया था।



प्रयोगशालाएँ:

विभाग में दो कंप्यूटर लैब हैं, जो विभिन्न उपकरणों के नवीनतम संस्करणों से सुसज्जित हैं। सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म और सिस्टम। छात्र और संकाय विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों और छात्र कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।



विभाग में उत्कृष्टता केंद्र:

यूएसएमई ने खुद को एक नवाचार और युवा सशक्तिकरण में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया है। विकसित भारत@2047 आइडियाथॉन प्रतियोगिता सहित कई प्रभावशाली पहलों के माध्यम से, विभाग ने छात्रों में नवाचार, उद्यमशीलता और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का निरंतर प्रदर्शन किया है।

डीटीयूके यूएसएमई में नवाचार और युवा सशक्तिकरण उत्कृष्टता केंद्र, भारत के भावी नेताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह केंद्र छात्रों को नवाचार करने, प्रतिस्पर्धा करने और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों से सीखने के अवसर प्रदान करके रचनात्मकता और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। ये पहल छात्रों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में योगदान करती हैं। और

2047 तक विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित करना।



शैक्षणिक कमचारी



विभाग की उपलब्धियाँ:

- विभाग ने निम्नलिखित विषयों पर दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलता पूर्वक आयोजन किया है:
 - "विविधता, समानता और समावेश: संस्कृतियाँ, प्रथाएँ और नीतियाँ" 15-16 सितंबर, 2023 के दौरान।
 - "अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और स्टार्टअप एक्सपो - 24 (आईसीएसई24)" 21-22 फरवरी, 2024 के दौरान।
- 16 जनवरी, 2024 को उद्यमिता दिवस छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के साथ मनाया गया, जिससे पूरे परिसर में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा मिला। ई-सेल की प्रमुख प्रतियोगिता द्वारा आयोजित आइडियाथॉन में 350 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 100 ने डीएसई, दौलत राम, एसआरसीसी, एफएमएस, किरोड़ीमल और सिम्बायोसिस, नोएडा जैसे कॉलेजों के नए व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किए।
- सभी विभागों में **अंतर-विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ छात्र खेल** उपलब्धि हासिल की, जिससे हमारे छात्रों की खेलों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन हुआ।
- विकसित भारत "मेरा भारत - विकसित भारत@2047: युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए"** का आयोजन किया, एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भारत के भविष्य की खोज की, जो प्रेरणा, संवाद और उत्सव से चिह्नित था, और जिसने 2047 तक एक विकसित भारत के विजन में योगदान दिया।
- 4 सितंबर, 2022 को **"एंजेल निवेश/ स्टार्टअप्स के लिए वीसी फंडिंग के अवसर"** पर **पैनल चर्चा** श्री रौनक मुस्तफा द्वारा आईआईसी, डीटीयू, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित की गई।

वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान:

पीआई: डॉ. नवल गर्ग

शीर्षक: बोर्डों में लैंगिक विविधता
स्वीकृतकर्ता: दिल्ली विश्वविद्यालय
राशि (₹): 4 लाख स्वीकृत
तिथि: 31 अगस्त, 2023 | **अवधि:** 1 वर्ष

शीर्षक: नवाचार अपनाने के मॉडलिंग के आधार पर विभिन्न विपणन घटनाओं का विश्लेषण

स्वीकृतकर्ता: दिल्ली विश्वविद्यालय | **राशि (₹):** 4 लाख स्वीकृत
तिथि: 31 अगस्त, 2023 | **अवधि:** 1 वर्ष

पीआई: डॉ. दीप्ति अग्रवाल

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	समन्वयक/ सह समन्वयक
"भारत की प्रमुख उपलब्धियाँ जी20 अध्यक्षता के दौरान" पर एक दिवसीय कार्यशाला	8 अप्रैल, 2024	डॉ आकांक्षा कौशिक और डॉ. वीरेंद्र कुमा
"सतर्कता जागरूकता सप्ताह": पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के साथ आयोजित किया गया	30 अक्टूबर - 5 नवंबर, 2023	डॉ. वीरेंद्र कुमार

कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	समन्वयक/ सह समन्वयक
विकसित भारत @2047 युवा दिवस समारोह: 50 से ज़्यादा पंजीकरणों और 100 से ज़्यादा दर्शकों के साथ। प्रतिभागियों ने "मेरा भारत - विकसित भारत @2047" विषय पर अपने भाषणों के अंश साझा किए: युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए	1 जनवरी, 2024	डॉ. वीरेंद्र कुमार (नेहरू युवा केंद्र, उत्तर पूर्वी दिल्ली के सहयोग से)
युवा संसद कार्यक्रम: विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों को वाद-विवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया	28 फरवरी, 2024	
आर्थिक ख्याल 2023: देश भर के प्रतिभागियों ने "भारत की शरणार्थी नीति" पर एक अंतर-महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था।	5 नवंबर 2023	डॉ. वीरेंद्र कुमार
इकोलिब्रियम 2024: इकोटेक द्वारा आयोजित वार्षिक अर्थशास्त्र उत्सव जिसमें युवा अर्थशास्त्री कॉन्क्लेव, वाद विवाद और कौन बनेगा अर्थशास्त्री जैसे 5 कार्यक्रम शामिल हैं।	6 अप्रैल 2024	
स्टार्ट अप एक्सपो और उद्यमिता सम्मेलन	21 - 22 फरवरी, 2024	श्री रौनक मुस्तफा, डॉ. कुसुम लता, डॉ. रत्नम मिश्रा, डॉ. अनुराग चतुर्वेदी
आइडियार्थॉन 2024 चरण 1 - आईआईसी कार्यक्रम के एक भाग के रूप में चरण 2 - राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस समारोह, और आइडियार्थॉन का भव्य समापन	नवंबर, 2024 16 जनवरी, 2024	श्री रौनक मुस्तफा, डॉ. कुसुम लता, डॉ. रत्नम मिश्रा, डॉ. अनुराग चतुर्वेदी



मान्यता प्राप्त निकायों से राज्य, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता :

संकाय सदस्य का नाम: डॉ. वीरेंद्र कुमार
पुरस्कार का शीर्षक: एमईआरसी 2024 सम्मेलन में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार
संस्था: आईआईएम, काशीपुर | **दिनांक:** 2 जून, 2024

सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी/प्रशिक्षण आदि में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता :

संकाय सदस्यों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता

डॉ. नवल गर्ग आयोजन: "भारतीय ज्ञान प्रणाली" पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजितकर्ता: आईआईटी, बॉम्बे अवधि: 4 - 6 जुलाई, 2024 डीटीयूद्वारा प्राप्त राशि (₹): 17,000/-	डॉ. वीरेंद्र कुमार आयोजन: प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान संगोष्ठी (एमईआरसी) 2024 आयोजक: आईआईएम, काशीपुर अवधि: 31 मई - 2 जून, 2024 डीटीयूद्वारा प्राप्त राशि (₹): 17,500/-	डॉ. रत्नम मिश्रा आयोजन: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: "श्रम प्रवास पर अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था (आईपीई-एलएम) 2024" आयोजक: डुइसबर्ग, जर्मनी अवधि: 18 - 20 जुलाई, 2024 DTU द्वारा प्राप्त राशि (₹): 1,60,000/-
--	--	--

विशेषज्ञ व्याख्यान/शैक्षणिक कार्य के लिए संकाय सदस्य का अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों का दौरा:

संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	व्याख्यान का विषय/भूमिका	आयोजक	दिनांक
डॉ. नवल गर्ग	"भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ" के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान	कृतगायता: भारतीय ज्ञान प्रणाली का सार	मुंबई विश्वविद्यालय, हिंदू अध्ययन केंद्र, मुंबई	29 जुलाई, 2024
	तकनीकी सत्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणाली"	तकनीकी सत्र अध्यक्ष	आईआईटी, मुंबई	4 - 6 जुलाई, 2024
	विशेषज्ञ व्याख्यान	एक अच्छी गुणवत्ता वाला पेपर कैसे लिखें?	ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, हलद्वानी	25 अप्रैल, 2024
	विशेषज्ञ व्याख्यान	जीवन में कृतज्ञ रहना	ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय, भीमताल	26 अप्रैल, 2024
	दो दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन IMSB 2024 तकनीकी सत्र	तकनीकी सत्र अध्यक्ष	पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़	15 मार्च, 2024
डॉ. पुनीत के. अरोड़ा	तकनीकी सत्र	मात्रात्मक तकनीकों पर तकनीकी सत्र	आईआईएससी, बेंगलुरु	2023-24

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियों में संकाय सदस्यों की भागीदारी:

संकाय सदस्य का नाम	गतिविधि का विवरण	गतिविधि का उद्देश्य	दिनांक
एनएसएस समन्वयक: डॉ. वीरेंद्र कुमार	प्रोजेक्ट पाठशाला: स्वयंसेवक वंचितों को पढ़ाने के लिए गैर सरकारी संगठनों का दौरा करते हैं	वंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान करना	हर सप्ताहांत पर
	देखभाल और साझा अभियान:	हमारे कॉलेज परिसर के पास भूखे जानवरों को खाना खिलाने के लिए	साप्ताहिक कार्यक्रम
	रक्तदान अभियान: रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से यूनिटी मॉल, जनकपुरी में आयोजित	जरूरतमंदों को दान करने के लिए रक्त इकाइयाँ एकत्रित करना	7 अप्रैल, 2024
	प्रोजेक्ट शक्ति: सैनिटरी पैड वितरण अभियान, जिसमें 600 से अधिक लड़कियों को सैनिटरी पैड वितरित किए गए और नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया	लड़कियों को मासिक धर्म चक्र के बारे में जागरूक करना	19 अप्रैल, 2024
	कार्यक्रम पर्व: मुस्कान एनजीओ का दौरा	बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना	9 अगस्त, 2023
	प्रोजेक्ट हैप्पीनेस: गुरुदीक्षाम एनजीओ का दौरा	बातचीत और मनोरंजक खेलों के माध्यम से सहायता प्रदान करें	13 अगस्त, 2023
	प्रोजेक्ट अस्तित्व: लड़कियों के लिए आत्मरक्षा शिविर	युवा लड़कियों को सशक्त बनाना और उन्हें उनकी सुरक्षा के संबंध में स्वतंत्र बनाना	20 अगस्त, 2023
	एसिड अटैक पीड़ितों का साक्षात्कार	बचे लोगों के अनुभव पर प्रकाश डालना और ऐसे मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना	जनवरी, 2024
	प्रोजेक्ट पृथ्वी: स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान	प्रकृति संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए	21 अप्रैल, 2024
आईटी सोसाइटी (टेक्नोबज़) समन्वयक: डॉ. कुसुम लता	"ई-कचरा प्रबंधन: एक सतत भविष्य का निर्माण" पर वेबिनार	ई-कचरे के महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालना तथा यह बताना कि जिम्मेदार प्रबंधन किस प्रकार टिकाऊ भविष्य में योगदान दे सकता है।	16 सितंबर, 2023
	"पावर बीआई: डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के जादू को उजागर करना" पर कार्यशाला	माइक्रोसॉफ्ट पावर बीआई का उपयोग करके छात्रों को डेटा एनालिटिक्स और विज़ुअलाइज़ेशन की दुनिया से परिचित कराना	15 दिसंबर, 2023
	"डेटा विश्लेषक बनने का रोडमैप" पर वेबिनार	वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को उपयुक्त ज्ञान से लैस करना है जो डेटा विश्लेषण में करियर बनाने के इच्छुक लोगों के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है।	4 मार्च, 2024
	टेक्नोक्विज़ 2.0	इस ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की समस्या - समाधान कौशल का परीक्षण किया गया।	21 जनवरी, 2024

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति:



छात्रों की उपलब्धियाँ:

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	स्थितियां	दिनांक
प्रत्यूष सिंह	बीएई	मूड इंडिगो एमआई' एनइएम	रैप बैटल के लिए प्रथम पुरस्कार	20 दिसंबर, 2023
	बीएई	इंजीफेस्ट24 स्पिटफायर	रैप बैटल के लिए तीसरा पुरस्कार	16 फरवरी, 2024
तन्वी मिश्र	बीएई	एरिना 2023-24	एथलेटिक्स के लिए रजत पदक	22 अक्टूबर, 2023

विद्यार्थी का नाम	कार्यक्रम	उपलब्धि का विवरण	स्थितियां	दिनांक
शुभ शर्मा	बीएई	जेनिथ खेल आयोजन	कबड्डी में स्वर्ण पदक, रस्साकशी में रजत पदक	8 फरवरी, 2024
आरुषि दाधीच	बीएई	एरिना 2023-24	बास्केटबॉल के लिए रजत पदक	21 अक्टूबर, 2023
अरमान हक	बीए ईसीओ	एरिना 2023-24 पावर लिफ्टिंग के लिए रजत पदक	22 अक्टूबर, 2023	22 nd October, 2023
	बीए ईसीओ	अनर्स्टैंड यंग	उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी और जापान सरकार की राजनयिक परियोजना पर कार्य किया	16 जुलाई, 2023
कशिश गुप्ता	बीबीए	फिनस्पायर फेलोशिप, डी.ई. "प्रतिष्ठित वित्त शॉ"	10,000+ छात्रों में से "प्रतिष्ठित वित्तीय फ़ेलोशिप" के लिए चयनित	अगस्त, 2023
कृष गोयल	बीबीए	एनवायर्नमेंटल केस कॉम्पटीशन एट एसएससीबीएस, डीयू	केस प्रेज़ेंटेशन में प्रथम स्थान	अप्रैल, 2024
अर्जुन शर्मा	बीएई	क्वीन्स कॉमनवेल्थ निबंध प्रतियोगिता 2023	कांस्य पदक प्राप्त किया	अक्टूबर, 2023
मान्या कपूर	बीबीए	एनवायर्नमेंटल केस कॉम्पटीशन एट एसएससीबीएस, डीयू	प्रथम स्थान	अप्रैल, 2024
	बीबीए	एसआरसीसी सी2पी सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप समिट	शीर्ष 8 में	16 फरवरी, 2024
	बीबीए	विकसित भारत@2047 आइडियाथॉन, यूएसएमई, डीटीयू	दूसरा स्थान	जनवरी, 2024
अपूर्वा	बीबीए	एनवायर्नमेंटल केस कॉम्पटीशन एट एसएससीबीएस, डीयू	प्रथम स्थान	अप्रैल, 2024
	बीबीए	एसआरसीसी सी2पी सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप समिट	शीर्ष 8 में	16 फरवरी, 2024
	बीबीए	विकसित भारत@2047 आइडियाथॉन, यूएसएमई, डीटीयू	दूसरा स्थान	जनवरी, 2024
रूपेश शर्मा	बीबीए	ई-स्पोर्ट्स ऑफ़ बीजीएमआई एट आईआईटीज़ और आईआईएमएस	प्रथम स्थान	31 जनवरी, 2024
रविश	बीबीए	जेनिथ खेल आयोजन	बैडमिंटन में कांस्य	8 फरवरी, 2024
गितिक अग्रलवाल	बीबीए	विकसित भारत@2047 आइडियाथॉन, यूएसएमई, डीटीयू	प्रथम स्थान	जनवरी, 2024
शुभ शर्मा	बीबीए	फिनोमेना केस कॉम्पटीशन, आर्यभट्ट कॉलेज	प्रथम स्थान	28 फरवरी, 2024
	बीबीए	एसआरसीसी बिड-ओ-मानिया स्ट्रैटेजी बेस्ड कॉम्पटीशन	प्रथम स्थान	21 फरवरी, 2024

5. केंद्र और अन्य इकाइयाँ

5.1 डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन (डीटीयू-आईआईएफ)

डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित एक कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय डीटीयू, दिल्ली के प्रशासनिक खंड 4, 8वीं मंजिल पर स्थित है। इसकी स्थापना दिल्ली सरकार के नीतिगत दिशानिर्देशों के अनुसार, दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थानों में इनक्यूबेटर स्थापित करने की सिफारिशों पर, दिल्ली सरकार द्वारा गठित एक कार्य समूह द्वारा, आदेश संख्या एफ.75(73)/2015-16/ इनक्यूबेशन/ एडीपीएल/321-330 दिनांक 5 जून, 2015 के तहत निम्नलिखित कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी:

उद्देश्य

उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप और बौद्धिक संपदा सृजन की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना जो मूल्य, नौकरियाँ और रोजगार पैदा कर सके और सामाजिक और आर्थिक भलाई कर सके।

ऐसे इनक्यूबेशन केन्द्रों के निर्माण को सुगम बनाना जो इनक्यूबेशन अवसंरचना स्थान, कंप्यूटिंग संसाधन, कनेक्टिविटी, सामान्य उपकरण; तथा सह-कार्य, सहयोग और नवाचार के लिए वातावरण प्रदान करते हैं

उद्देश्य

नवाचार को बढ़ावा देना, विकास को प्रोत्साहित करना, और उद्यमिता को इनक्यूबेशन कार्यक्रमों के माध्यम से समर्थन देना।

लक्ष्य

महत्वाकांक्षी उद्यमियों को उनके अग्रणी विचारों को फलते-फूलते व्यवसायों में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना। रचनात्मकता और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर, हम नए युग के भारत के भविष्य को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाने का प्रयास करते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और वैश्विक प्रभाव को गति प्रदान करते हैं।

Our Programmes

 <p>DTU-IF Incubation Programme</p> <p>Empowering innovators and entrepreneurs at DTU-IF to turn visionary ideas into impactful ventures.</p>	 <p>Nidhi ITBI-DST</p> <p>Nidhi ITBI-DST fuels women-led startups with financial support for early-stage growth and investment readiness.</p>	 <p>Startup India Seed Fund Scheme (SISFs)</p> <p>SISFs provides financial aid to startups for development, trials, and market entry through incubators.</p>	 <p>NASSCOM Foundation</p> <p>NASSCOM Foundation's programs drive tech-led social change through education, skilling, and digital inclusion initiatives.</p>
--	--	--	---

संगठन संरचना:

शासन और सलाहकार सदस्य	
प्रो. प्रतीक शर्मा माननीय कुलपति, डीटीयू, दिल्ली	अध्यक्ष एवं निदेशक
प्रो. एस. इंदु डीन, छात्र कल्याण, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
प्रो. जे. पी. सैनी माननीय कुलपति, एमएमएमयूटी, गोरखपुर	निदेशक
प्रो. अनुसिंह लाठर माननीय कुलपति, डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली	निदेशक
प्रो. एम. एन. डोजा निदेशक, आईआईआईटी, सोनीपत, हरियाणा	निदेशक
प्रो. आशुतोष त्रिवेदी जनपद अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
प्रो. समशेर माननीय कुलपति, एचबीटीयू, कानपुर	निदेशक
प्रो. एस. के. गर्ग निदेशक, यूएसएमई, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
प्रो. मधुसूदन सिंह कुलसचिव, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
प्रो. अमित मुखर्जी विभागाध्यक्ष, यूएसएमई, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
डॉ. आर. के. शुक्ला प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष, डीटीयू, दिल्ली	निदेशक
प्रो. गिरीश कुमार यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू, दिल्ली	सीईओ/निदेशक

संचालन दल	
श्री अमित सिंह राठौड़	सीओओ, ईटीबीइ डीटीयू-आईआईएफ
डॉ. रितु अग्रवाल	समन्वयक, डीटीयू-आईआईएफ
डॉ. सचिन तरन	समन्वयक, डीटीयू-आईआईएफ
श्री संजय पाटीदार	समन्वयक, डीटीयू-आईआईएफ
श्री विवेक त्यागी	इनक्यूबेशन ऑपरेशन प्रबंधक
श्री रविंदर सिंह	इनक्यूबेशन प्रबंधक
सुश्री आभा शुक्ला	इनक्यूबेशन प्रबंधक
सुश्री स्वाति मथवाल	इनक्यूबेशन एसोसिएट
सुश्री अनीता	कार्यालय सहायक

मार्गदर्शक	
सुश्री बिंदु डे	पूर्व सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, डीएसटी, दिल्ली
डॉ. पुष्पेंद्र सिंह	स्वास्थ्य तकनीक विशेषज्ञ

श्री मनोज सक्सेना	नवप्रवर्तक, मार्गदर्शक, और एआइ/एमएल के प्रतिपादक, आईओटी, और एनालिटिक्स
श्री मणि रमन सुब्रा	पीचट्री प्रबंधन सलाहकार
श्री आशीष बनर्जी	मुक्त स्रोत दूरसंचार, वित्तीय आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण, मोबाइल भुगतान गेटवे
श्री आशीष बनर्जी	वरिष्ठ प्रबंधक, आईहब अनुभूति, आईआईआईटी, दिल्ली
श्री नवीन कुमार गौड़	संस्थापक, फन2डूलेब्स (एडटेक स्टार्टअप), पूर्व उपाध्यक्ष@पेटीएम, स्टार्टअप गुरु
श्री आशीष जैन	स्टार्टअप बोर्डकेसंस्थापक और सीईओ
डॉ. वी. के. अरोड़ा	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईजीडीटीयूडब्ल्यू, अन्वेषण फाउंडेशन, दिल्ली

वर्तमान में इनक्यूबेट कर रही स्टार्ट-अप कंपनियों का विवरण डीटीयू-आईआईएफ

मनीष मेगा मार्ट प्राइवेट लिमिटेड - U52609DL2021PTC391368

एमएममार्ट एक नया स्थिर मांग-संचालित बी2बी2सी डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो उपभोक्ताओं और किसानों के बीच की खाई को पाटता है ताकि उन्हें ताज़ा कृषि उपज (फल और सब्जियाँ) न्यूनतम संभव मूल्य पर उपलब्ध हो सकें। एमएममार्ट अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार फलों, सब्जियों, किराना, बेकरी और डेयरी उत्पादों तक करने के साथ-साथ दिल्ली और एनसीआर के बाज़ारों में भी लगातार विस्तार करने पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य तकनीक से संचालित मशीनरी विकसित करना और अनुमानित माँग के अनुसार कटाई करना है ताकि बर्बादी कम हो, लाभप्रदता बढ़े और अधिक रोज़गार पैदा हों।

आइथोर प्राइवेट लिमिटेड - U72200HR2021PTC099893

आइथोर एक उत्पाद-के-रूप-में-सेवा (पास) कंपनी है जो सौर सफाई रोबोट के साथ घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए उन्नत और अनुकूलित रोबोट का आविष्कार कर रही है। आइथोर के साथ सहयोग करते हुए, हम विभिन्न क्षेत्रों में भारत में निर्मित रोबोट विकसित करना चाहते हैं और इस प्रकार ऊर्जा हानि को कम करना चाहते हैं और औद्योगिक एवं घरेलू उपयोग के लिए लागत में कटौती की व्यवस्था करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करना और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ग्राहक-संचालित उत्पादों को तैनात करना है।

मोंकहुड लिविंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड - U74999DL2019PTC354036

कंपनी का विज़न छात्रों और युवा पेशेवरों के लिए एक संपूर्ण जीवन समाधान बनाना है।

हैश ब्राउन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड - U15134DL2022PTC399251

रेफोवेओ एक खाद्य और पेय उद्यम है जो स्वास्थ्य के प्रति उत्साही लोगों और युवा आबादी को लक्षित करके उन्हें आहार विशेषज्ञों और पोषण विशेषज्ञों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए स्वस्थ भोजन और पेय पदार्थ प्रदान करता है।

इनोवेशन स्क्रिप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड - U72900DL2020PTC367743

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करता है और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर आधारित क्रिप्टो ग्राफिक दस्तावेज़ सत्यापन पोर्टल का निर्माण करता है।

फ्रीलांस मंत्रा प्राइवेट लिमिटेड - U72900DL2022PTC407665

सॉफ्टवेयर विकास, आईटी परामर्श और अन्य कंप्यूटर से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है।

इचिओफ़ी प्राइवेट लिमिटेड - U72900DL2022PTC395579

इचियोफाई मूलतः एक उन्नत और एआई-प्रधान इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग कंपनी है जो इन्फ्लुएंसर और कंपनियों, दोनों के लिए काम करती है। यह इन्फ्लुएंसरों के लिए मुद्रीकरण/सामग्री संबंधी समस्याओं और कंपनियों के लिए समय/संसाधन लेने वाली इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग समस्याओं का समाधान करके प्रतिभा और कंपनियों के बीच की खाई को पाटती है। यह एक परिष्कृत और स्वचालित इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग प्लेटफ़ॉर्म है जो इन्फ्लुएंसर और व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए एक-स्टॉप, सर्व-समावेशी समाधान के रूप में कार्य करता है।

सेलेक्ट्रिकगोव सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड - U72200DL2022PTC395976

सेलेक्ट्रिकगो सभी ईवी मालिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान है, जहां ईवी चार्जिंग स्टेशन से संबंधित सभी सेवाएं एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर प्रदान की जाती हैं।

कैटलगुरु प्राइवेट लिमिटेड - U01100HR2022PTC103327

कैटल गुरु भारत के 9 करोड़ से ज़्यादा डेयरी किसानों के लिए एक तकनीक-सक्षम प्लेटफ़ॉर्म है, जो डेयरी किसानों के घर पर ही सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला पशु आहार उपलब्ध कराता है। यह डेयरी किसानों को डेयरी व्यवसाय से ज़्यादा कमाई करने में मदद करता है, जिससे उनका डेयरी व्यवसाय ज़्यादा कुशल, लाभदायक और सुविधा जनक बनता है।

ऑफसेट ग्लोबल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - U74999DL2021PTC386794

ऑफसेट-गो का उद्देश्य देश की अन्य विकास आकांक्षाओं से समझौता किए बिना भारत को नेट-ज़ीरो देश बनाने के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

पोलोविंग्स हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड - U72900JH2021PTC017101

वॉलनट एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बना रहा है जो सोशल मीडिया की तकनीक का इस्तेमाल करता है, लेकिन इसके अच्छे पहलुओं को नया रूप देता है और उपयोगकर्ताओं को अपने दैनिक स्वास्थ्य अपडेट से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है। यह स्वास्थ्य पेशेवरों और प्रभावशाली लोगों द्वारा संचालित समुदायों का निर्माण करता है जो बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण की ओर ले जाते हैं। ऐप में वर्तमान में एक व्यक्तिगत फ़ीड है जहाँ उपयोगकर्ता अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों से जुड़ते हैं और लोगों को जोड़े रखने और अपडेट रखने के लिए दैनिक स्वास्थ्य अपडेट साझा करते हैं।

मायेकिगाई प्रोफाउंड प्राइवेट लिमिटेड - U60300DL2022PTC405793

यह एक एकीकृत एमसीबी (मोबिलिटी, चार्जिंग और बैटरी-एज़-ए-सर्विस) है और एक छत के नीचे समग्र EV ढाँचा विकसित कर रहा है। एसेट मैनेजमेंट सिस्टम (एएमएस) एक व्यापक प्रणाली है जिसमें तीन घटक शामिल हैं: वाहन प्रबंधन प्रणाली (वीएमएस), चार्जिंग प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) और बैटरी प्रबंधन प्रणाली (बीएसएमएस)। प्रत्येक घटक एक IoT उपकरण है जो स्वचालित मार्गदर्शन और क्लाउड पर रीयल-टाइम डेटा ट्रांसमिशन को सक्षम बनाता है।

मेचफी एडब्ल्यूई रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड - U72200DL2022OPC404981

यह नागरिक और रक्षा क्षेत्र में व्यापक अनुप्रयोगों के साथ नवीन समाधान प्रदान करता है।

वर्तमान परियोजनाएँ - इन्फैंट्री कॉम्बैट सिम्युलेटर सिस्टम - सैन्य प्रशिक्षण के लिए एक ऑन-फोर्सयुद्ध प्रशिक्षण सिमुलेशन। मानवरहित उभयचर वाहन - दूर से संचालित मानवरहित जमीनी वाहन जो ज़मीन और जल निकायों पर संचालित करने में सक्षम है।

क्विकरील प्राइवेट लिमिटेड - U92490UP2022PTC174547U72200DL2022OPC404981

यह एक उपयोग में आसान, एआई संचालित प्लेटफ़ॉर्म है जो लंबे फ़ॉर्म कंटेंट को टिकटॉक, रील्स और यूट्यूब शॉर्ट्स के लिए उपयुक्त फ़ॉर्मेट में पुनः प्रस्तुत करता है, वह भी एआई के साथ स्वचालित रूप से संपादित करने की सुविधा के साथ।

एज़िनोर प्राइवेट लिमिटेड - U31100DL2022PTC403922

एज़िनोर एक स्वच्छ तकनीक स्टार्टअप है जो आवासीय और व्यावसायिक दोनों उपयोगकर्ताओं के लिए ऊर्जा प्रबंधन में क्रांति लाने के लिए समर्पित है। इसका प्रमुख उत्पाद, "स्पाको", एक ऐआई-संचालित ऊर्जा नियंत्रण प्रणाली है जो वास्तविक समय डेटा विश्लेषण, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और कुशल भंडारण के माध्यम से ऊर्जा वितरण और निगरानी को अनुकूलित करता है। स्थायित्व, लागत बचत और उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इसका उद्देश्य एक हरित और अधिक ऊर्जा-कुशल भविष्य के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करना है।

विटाल्थ फोर्जसप्राइवेट लिमिटेड - U31900DL2022PTC397833

इसका डायग्नोस्टिक डिवाइस विशेष रूप से परिवार-आधारित निदान के लिए है, अर्थात् डिवाइस की ग्रीपिंग प्रणाली विशेष रूप से एंथ्रोपोमेट्री डेटा अध्ययन के साथ डिज़ाइन की गई है। यह डिवाइस को लक्षित उपयोगकर्ता आधार के लिए एर्गोनॉमिक रूप से उपयुक्त बनाता है और तत्वों की व्यवस्था डिवाइस को उपयोगकर्ता के लिए सहज बनाती है। यह डिवाइस एसपीओ, शरीर का तापमान, पल्स रेट, ईसीजी, रक्तचाप और श्वसन दर मापने के लिए है। यह इकोसिस्टम निश्चित रूप से भारत के डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में योगदान देगा। इसका ऐप यूएचआई (यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस) और भारतीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा समर्थित है।

क्रयडॉटशॉप प्राइवेट लिमिटेड - U62099BR2023PTC06421

क्रय एक सोशल वीडियो शॉपिंग प्लेटफॉर्म है जो आपको वीडियो के ज़रिए खरीदारी करने और कुछ ही सेकंड में खरीदारी करने की सुविधा देता है। यह ऐप सोशल विक्रेताओं के लिए अपनी ऑनलाइन खरीदारी करना और प्रबंधित करना आसान बनाता है।

ड्रोनआर्चिसिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - U30303DL2023PTC412860

हाउस टेक्नोलॉजीज एक अग्रणी स्टार्टअप है जो अत्याधुनिक नवाचारों के माध्यम से ड्रोन उद्योग को नया रूप देने के लिए समर्पित है। इसका मुख्य ध्यान लघु नैनो ड्रोन के विकास पर है, जो हवाई प्रौद्योगिकी में एक अभूतपूर्व छलांग का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये कॉम्पैक्ट ड्रोन उन्नत सेंसर और संचार उपकरणों से लैस हैं, जो कृषि से लेकर शहरी निगरानी और आपदा प्रतिक्रिया तक, विभिन्न क्षेत्रों में सटीक और बहुमुखी अनुप्रयोगों को सक्षम बनाते हैं।

माज़ौट इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड - U34300DL2022PTC401754

यह भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ड्राइव ट्रेन इलेक्ट्रॉनिक्स का स्वदेशीकरण कर रहा है, जिसमें सभी दोपहिया वाहनों के फॉर्मफैक्टर पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आइकम्यूटएक्स1 ड्राइवट्रेन इलेक्ट्रॉनिक्स को एक सामान्य सॉफ्टवेयर स्टैक और एक सुरक्षित ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ एकीकृत करता है, जिससे इसके शीर्ष पर अनुप्रयोगों का विकास संभव हो पाता है।

डेज़ीवेबऐप सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड - U72900DL2022PTC407759

यह अनुसंधान और विकास के माध्यम से अन्य कंपनियों को नई और उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके वेबसाइट/ऐप में परामर्श और सेवाएँ प्रदान करता है।

मैथ्सलॉयल प्राइवेट लिमिटेड - U80904DL2023PTC409802

यह एक ऑनलाइन शंका-समाधान और त्वरित ट्यूशन प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों को वीडियो कॉल सत्रों के माध्यम से उनके संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं और विषयों के ट्यूटर्स से जोड़ता है।

ज़ॉइड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - U72900DL2022PTC394635

यह एक उच्च तकनीक वाला अनुसंधान एवं विकास स्टार्टअप है जो रक्षा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों के विकास के लिए समर्पित है। इसमें एआई, सिग्नल प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में पूर्ण तकनीकी विभाग हैं, जिनका नेतृत्व आईआईटी दिल्ली और डीटीयू, दिल्ली के प्रोफेसर करते हैं।

ट्रांज़िशन मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड - U45102UP2023PTC184055

इसका उद्देश्य एक फोटोबायोरिएक्टर और एक वायुशोधक का संयोजन बनाना है जो न केवल वायु प्रदूषकों (जैसे PM2.5, PM10, सल्फर डाइऑक्साइड, आदि) को कम करता है, बल्कि वायुमंडलीय CO2 को ऑक्सीजन में बदलने के लिए प्रकाश संश्लेषण करने वाले शैवाल का उपयोग करके कमरे में ऑक्सीजन के स्तर में भी सुधार करता है।

हॉर्समाउथ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - U62011RJ2023PTC090290

यह अंतर्राष्ट्रीय आवेदकों के लिए एक ऑनलाइन पी2पी बाज़ार है जहाँ वे विदेशी विश्वविद्यालयों के छात्रों और पूर्वछात्रों के साथ 1-ऑन-1 कॉल बुक कर सकते हैं।

ब्रैमर प्राइवेट लिमिटेड - U26515DL2023PTC424079

ब्रैमर प्राइवेट लिमिटेड हवाई तकनीक को और अधिक सुलभ बनाने के लिए ड्रोन और सॉफ्टवेयर बनाता है। इसका उद्देश्य वर्तमान में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के लिए एक ऐसी प्रणाली विकसित करना है जो ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भू-भाग का विश्लेषण करने और भूस्खलन की भविष्यवाणी करने के लिए ड्रोन और सॉफ्टवेयर का उपयोग करे। यह एक नई ड्रोन नियंत्रण प्रणाली विकसित करने की दिशा में है जो ड्रोन संचालन को काफी सरल बना सकती है और उपयोगकर्ताओं और अनुप्रयोगों की एक पूरी नई श्रृंखला के लिए हवाई समाधान खोल सकती है।

गर्गडिफेंस एयरो स्पेस प्राइवेट लिमिटेड - U26515DL2023PTC417258

यह एक गतिशील स्टार्टअप है, जिसे स्वदेशी निर्माताओं के रूप में गर्व से मान्यता प्राप्त है और जो रक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है। यह कामीकाज़े ड्रोन, लोडिंग म्यूनिशन, एंटी-टैंक ड्रोन, निगरानी ड्रोन, कृषि ड्रोन, लॉजिस्टिक्स ड्रोन और रक्षा बलों के लिए विशिष्ट रूप से तैयार किए गए अन्य विशिष्ट मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) के डिज़ाइन और उत्पादन में विशेषज्ञों के रूप में तेज़ी से उभर रहा है।

स्किलज़िया एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड - U83301DL2024PTC431339

डिस्टेंस कनेक्ट में, यह छात्रों को गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न आदि जैसी शीर्षक पनियों के उद्योग विशेषज्ञों से व्यक्तिगत मार्गदर्शन तक सीधी पहुँच प्रदान करके करियर विकास के परिदृश्य को बदल रहा है। यह छात्रों के लिए एआई-आधारित साक्षात्कार तैयारी, रिज्यू में निर्माण, करियर परामर्श और कई अन्य सुविधाएँ प्रदान करता है।

सैकिलियन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड - U62099UP2024PTC204698

यह उद्यमियों के लिए समर्पित एक नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म बनाता है और अनुदान/निवेश जैसे धन अवसर प्रदान करता है। यह अपने एआई भर्ती सॉफ्टवेयर के माध्यम से सही कौशल वाले लोगों की नियुक्ति भी करता है।

अरेडुवाग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड - U62013BR2023PTC062515

यह एक स्टार्टअप कंपनी है जो भारत में शिक्षा क्षेत्र को नवीन समाधान प्रदान करती है। यह प्लेटफ़ॉर्म स्कूलों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और बेहतर संचार की सुविधा प्रदान करने के लिए कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है।

ग्रोटेस्क फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड - U72900KA2023PTC170558

यह एक फिनटेक कंपनी है जो लोगों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए सबसे व्यावहारिक तरीके से डिजिटल उत्पाद बनाती है। इसका एमवीपी; "फेकबैंक ऐप", एक बजटिंग ऐप है जो जेनरेशन जेड कॉलेज के छात्रों को अपना बजट बनाने और उस पर टिके रहने के लिए पुरस्कृत करता है।

मैथ्सलॉयल प्राइवेट लिमिटेड - U80904DL2023PTC409802

यह एक ऑनलाइन शंका-समाधान और ट्यूशन प्लेटफॉर्म है, जो आईआईटीजेईई, सीबीएसई, एनडीए, सीयूईटी, एनआईएमसीईटी आदि की तैयारी कर रहे छात्रों की शंकाओं का समाधान करता है।

फिनक्वोशंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड - U63999DL2024PTC425618

यह एक फिनटेक सास कंपनी है जो वित्तीय बुद्धिमत्ता और निवेश अनुसंधान के लिए अगली पीढ़ी के उत्पाद बनाती है। इसका मिशन वित्तीय और आर्थिक जानकारी तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाना है, जिससे सभी लोग सूचित निर्णय लेने में सक्षम हो सकें।

कॉन्ट्रिवर ऑटोनॉमस सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड - U26301DL2023PTC421487

यह अभियंता, शोधकर्ताओं और डिज़ाइनरों का एक समूह है जो नैतिक रूप से स्वायत्त प्रणालियाँ विकसित करने की मानसिकता के साथ काम कर रहा है। यह ऐसी संपूर्ण प्रणाली विकसित करता है जो न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ काम करती है, जैसे कि साइबर भौतिक प्रणाली, लंबी दूरी की स्वायत्त संचार प्रणाली, मानवरहित स्वायत्त वाहन (ड्रोन) आदि।

पार्कलिफ़ी प्राइवेट लिमिटेड - U35914DL2022PTC402893

कंटेंट निर्माण के निरंतर विकसित होते क्षेत्र में, फिल्म निर्माता और रचनाकार शक्तिशाली और किफ़ायती ड्रोन तकनीक की माँग करते हैं। ड्रोन ज़ोन प्राइवेट लिमिटेड ने इस चुनौती का समाधान एक क्रांतिकारी समाधान पेश करके निकाला है: "उच्च-प्रदर्शन ड्रोन", जिन्हें प्रतिस्पर्धी कीमतों पर इन-हाउस डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। यह रचनाकारों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करता है और विदेशी घटकों पर निर्भरता को कम करता है।

डीटीयू-आईआईएफ स्टार्टअप उपलब्धियाँ:

सक्षम

स्टार्टअप: मेचफी एडब्ल्यूई रोबोटिक्स।

उपलब्धि: युक्ति इनोवेशन चैलेंज में 'इन्फैट्री प्रशिक्षण के लिए कॉम्बैट सिम्युलेटर' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार



अजय बिड़ला

स्टार्टअप: मायेकिगाई प्रोफाउंड प्राइवेट लिमिटेड

उपलब्धि: प्रतिष्ठित एचपी उद्गम स्टार्टअप टेक चैलेंज में तीसरा स्थान।



शिवम गुप्ता

स्टार्टअप : हाउस टेक्नोलॉजीज़
पलब्धि : विमर्श 2023 5जी हैकाथॉन में सफलता, अपनी क्रांतिकारी ड्रोन तकनीक के लिए ₹1.5 लाख का पुरस्कार प्राप्त किया।



रौनक एश गुलाटी

स्टार्टअप : हॉर्स'स माउथ
उपलब्धि : थापर विश्वविद्यालय, पटियाला के वेंचर लैब से प्रतिष्ठित टीआईडीई 2.0 ग्रांट प्राप्त किया।



श्री राहुल गुप्ता

स्टार्टअप : ब्रेमर प्रा. लि.
उपलब्धि : डीआईएससी एक्स-बॉर्ड रोड ऑर्गनाइज़ेशन (बीआरओ) के अंतर्गत पीएस 60 में प्रथम स्थान प्राप्त किया



आयुष शर्मा

स्टार्टअप : क्विकरील
उपलब्धि : नई दिल्ली में ईओ जीएसईए फाइनल्स 2023 में सेकंड रनर-अप पोज़ीशन प्राप्त की



डीटीयू आईआईएफ द्वारा आयोजित कार्यक्रम

कार्यशाला

स्थान : डीटीयू, दिल्ली अमेरिका स्थित डीसीई/डीटीयूके पूर्व छात्र; श्री सुनील वाधवा ने नवीदित उद्यमियों के लिए वित्तीय प्रबंधन पर एक सत्र संचालित किया



इन्व्यूबेशन सुविधा भ्रमण

स्थान : आईआईटी, दिल्ली डीटीयू के विद्यार्थियों ने आईआईटी दिल्ली स्थित एफआईटीटी अनुसंधान पार्क का शैक्षिक भ्रमण किया।



हैकाथॉन

स्थान : राजधनी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय निधि आईटीबी आई - डीएसटी परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस हैकाथॉन में प्रतिभाशाली महिला उद्यमियों ने अभिनव समाधान विकसित करने हेतु भाग लिया



इन्व्यूबेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

स्थान : डीटीयू, दिल्ली डीएसटी और डीएसटी-निधि द्वारा समर्थित, डीटीयू-आईआईएफ में "वीमेन इन टेक" प्री-इन्व्यूबेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया



कार्यशाला

स्थान : डीटीयू-आईआईएफ डीसीई के पूर्व छात्र श्री संजय प्रकाश द्वारा उद्यमिता एवं एवं उत्पाद विकास पर एक प्रेरणादायी सत्र आयोजित किया गया।



हमारे पूर्व छात्र समुदाय के सम्मानित सदस्य श्री संजय प्रकाश एवं उनके सहपाठियों ने अमेरिका में डीसीई82 एलएलसी की स्थापना की है, जो स्टार्टअप्स को परामर्श एवं सहयोग प्रदान करने हेतु समर्पित है।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर

स्थान : डीटीयू, दिल्ली 23 फ़रवरी, 2024 को राजधनी कॉलेज के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी परस्पर विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने में सहायक होगी।



कार्यशाला

स्थान : अंबेडकर विश्वविद्यालय करमपुरा परिसर, दिल्ली हाल ही में अवसर मानचित्रण, विचार-सृजन एवं विचार प्रमाणीकरण पर आयोजित कार्यशाला अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध हुई।



निवेशक बैठक - सिडबी क्लस्टर हस्तक्षेप कार्यक्रम अंतर्गत

स्थान : डीटीयू, दिल्ली डीटीयू परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में 15+ निवेशकों, 30+ सीईओ एवं इनक्यूबेटर प्रबंधकों तथा दिल्ली-एनसीआर इनक्यूबेटर क्लस्टर से 40+ स्टार्टअप्स ने भाग लिया। यह आयोजन सिडबी क्लस्टर हस्तक्षेप कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पन्न हुआ।



कार्यशाला

स्थान : एनआईडीटी, ग्रेटर नोएडा महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से स्टार्टअप्स एवं फंडिंग पर एक रोचक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला डीटीयू-आईआईएफ द्वारा निधि आईटीबीआई -डीएसटी परियोजना के अंतर्गत एनआईडीटी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित की गई।



डीटीयू-आईआईएफ पिच-ए-थॉन

स्थान : विकसित भारत आइडिएशन क्लब, डीटीयू डीटीयू-आईआईएफ ने 3 फ़रवरी, 2024 को एक पिच-ए-थॉन का आयोजन किया। इसमें उत्कृष्ट व्यावसायिक योजनाएँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने नवाचार एवं सफलता के लिए मंच तैयार किया।



डीटीयू-आईआईएफ पिच-ए-थॉन

स्थान : विकसित भारत आइडिएशन क्लब, डीटीयू डीटीयू-आईआईएफ ने 3 फ़रवरी, 2024 को एक पिच-ए-थॉन का आयोजन किया। इसमें उत्कृष्ट व्यावसायिक योजनाएँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने नवाचार एवं सफलता के लिए मंच तैयार किया।



उत्पाद विकास पर कार्यशाला

स्थान : डीटीयू, दिल्ली 7 दिसम्बर, 2023 को स्टार्टअप्स, उद्यमियों एवं ऐप डेवलपर्स के लिए "मानव-केंद्रित डिज़ाइन : द आर्ट ऑफ़ यूज़ेबिलिटी ह्यूरिस्टिक्स" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला अमेरिका-आधारित बहु-संवेदी डिज़ाइनर सुश्री वर्णिका कंडूके नेतृत्व में सम्पन्न हुई।



क्षमता निर्माण कार्यशाला

स्थान : डीटीयू, दिल्ली नीदरलैंड्स से पधारे प्रतिष्ठित पी - यू - एम विशेषज्ञ श्री हंस वैन हालटेरन के मार्गदर्शन में दो सप्ताह की गहन क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।



निवेशक बैठक

स्थान : डीटीयू-आईआईएफ 16 नवम्बर को आयोजित निवेशक बैठक में अमेरिका से पधारे श्री राजेश रामचंदानी जैसे दूरदर्शी निवेशकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इसे सफल बनाया।



हैकाथॉन

स्थान : डीटीयू, दिल्ली "कैरेक्टर ऑन रोड" हैकाथॉन का आयोजन प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे डीटीयू, यूएस एमई, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट, आईआईएलएम ग्रेटर नोएडा, एसआरएम, आईजीडीटीडीयूडब्ल्यू, मन्न स्कूल - रोहिणी तथा बाल भारती पब्लिक स्कूल के सहयोग से किया गया।



कार्यशाला

स्थान : राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय डीटीयू-आईआईएफ एवं निधि आई-टीबीआई टीमों द्वारा राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक परिवर्तनकारी एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।



5.2 मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी)

शिक्षा (एनपीई), 1986, और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 7(13) के तहत, डीटीयू ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शन में 1 जनवरी, 2018 से मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) की स्थापना की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 के अनुसार, और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 7(13) के तहत, डीटीयू ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शन में 1 जनवरी, 2018 से मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) की स्थापना की।

एचआरडीसी-डीटीयू निरंतर ज्ञान संवर्धन, क्षमता निर्माण और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए समर्पित है। यह शिक्षकों को नए शोध, तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति और उभरते रुझान। नवाचार के माहौल को बढ़ावा देकर और पारंपरिक अनुशासनात्मक बाधाओं को तोड़कर, एचआरडीसी-डीटीयू का लक्ष्य ऐसे शिक्षकों को विकसित करना है जो परिवर्तनकारी शिक्षा प्रदान करने और उच्च शिक्षा के भविष्य को आकार देने में सक्षम हों।

संगठन संरचना:

- **निर्देशक**, एचआरडीसी, प्रो. प्रदीप के. गोयल
- **समन्वयक**, अनुनय गौर
- **समन्वयक**, डॉ. अनुराग गोयल
- **समन्वयक**, डॉ. अनूप मंडपुरा
- **सह-समन्वयक**, डॉ. दीपाली मल्होत्रा
- **सह समन्वयक**, सुश्री त्राशा गुप्ता

कार्यक्रमों के प्रकार:

कार्यक्रम

अभिविन्यास कार्यक्रम:

उच्च शिक्षा में प्रत्येक नए संकाय सदस्य को चार सप्ताह का अभिविन्यास/प्रथम स्तर का कार्यक्रम पूरा करना आवश्यक है, जो कुछ संबद्ध विषयों में ज्ञान के व्यापक क्षेत्र पर केंद्रित होता है, जिसमें न्यूनतम 24 कार्य दिवस (रविवार को छोड़कर) और 144 संपर्क घंटे (प्रतिदिन छह घंटे) होते हैं।

कार्यशालाएँ:

ये एक सप्ताह की छोटी अवधि (6 कार्य दिवस, 36 संपर्क घंटे) के लिए आयोजित की जाती हैं और मुख्य रूप से शिक्षाविदों, प्रशासकों और अन्य हित धारकों के क्षमता निर्माण के लिए होती हैं।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम:

ये मुख्य रूप से उन संकाय सदस्यों के लिए हैं, जिन्होंने पहले से ही एक चिन्हित व्यापक क्षेत्र में न्यूनतम 18 कार्य दिवसों (रविवार को छोड़कर) और 108 संपर्क घंटों (प्रतिदिन छह घंटे) के साथ अभिविन्यास/प्रथम स्तर कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

लघु अवधि पाठ्यक्रम:

3-6 दिन की अवधि, विशेष रूप से अनुसंधान पद्धति और रुचि के विशिष्ट विषयों पर।

आयोजित प्रशिक्षण/कार्यक्रम:

क्र. सं.	तारीख	घटना विवरण	प्रतिभागियों की संख्या
1.	21 अगस्त, 2023	एचआरडीसी द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी)-डीटीयू के सहयोग से "विश्व उद्यमी दिवस समारोह" का आयोजन किया गया	106
2.	11 - 29 सितंबर, 2023	दो साल के आवासीय फाउंडेशन प्रशिक्षण के एक घटक के रूप में, तीन सप्ताह के "डीटीयू के साथ दानिक्स परिवीक्षार्थियों (59वें बैच) के लिए तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुलग्नक" के लिए प्रशासनिक अनुमोदन	30
3.	26 फरवरी, 2024	"एनईपी-2020 के संदर्भ में भारतीय भाषा में तकनीकी शिक्षा: अनुवादिनी का अनुप्रयोग" पर कार्यशाला	117
4.	20 मार्च, 2024	डीटीयू के प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए "एमएस वर्ड में दस्तावेज़ लेखन के लिए उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण"	92
5.	4 अप्रैल, 2024	"प्राचीन भारतीय ज्ञान के साथ तनाव प्रबंधन" पर संगोष्ठी	85
6.	5 अप्रैल, 2024	"एनईपी 2020 के संदर्भ में आधुनिक समय में प्राचीन प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता" पर कार्यशाला	93
7.	27 - 31 मई, 2024	डीटीयू में "एनईपी 2020 के संदर्भ में शिक्षण पद्धति और परिणाम-आधारित शिक्षा" पर एफडीपी	52
8.	29 जुलाई, 2024	"राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020" की चौथी वर्षगांठ मनाने के लिए प्रश्नोत्तरी	106
9.	13 अगस्त, 2024	डीटीयू में "आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से कौशल विकास" पर कार्यशाला	169
10.	20 अगस्त - 6 सितंबर, 2024	दानिक्स परिवीक्षार्थियों के लिए तीन सप्ताह का तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (59वां, 60वां, 61वां बैच)	22

एचआरडीसी-डीटीयू द्वारा आयोजित गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट:

1. "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा: अनुवादिनी का अनुप्रयोग" विषय पर कार्यशाला

संसाधन व्यक्ति - डॉ बुद्धा चंद्रशेखर, मुख्य समन्वय अधिकारी, ए.आई.सी.टी.ई., दिल्ली

एचआरडीसी, डीटीयू ने "एनईपी के संदर्भ में भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा 2020: अनुवादिनी का आवेदन" विषय पर 26 फरवरी 2024 को एक कार्यशाला का सफलता पूर्वक आयोजन किया।

प्रो. प्रतीक शर्मा, माननीय कुलपति, डीटीयू ने डॉ. बुद्धा चंद्रशेखर, मुख्य समन्वय अधिकारी, एआईसीटीई, दिल्ली का स्वागत किया।

माननीय कुलपति, प्रो. शर्मा, रजिस्ट्रार, प्रो. मधुसूदन सिंह और एचआरडीसी निदेशक डॉ. पी. के. गोयल ने तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. चंद्रशेखर द्वारा भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के एक उपकरण, "अनुवादिनी" पर प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही, जिसके बाद एक जीवंत चर्चा और प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।



2. डीटीयू, दिल्ली के प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए "एमएस वर्ड में दस्तावेज़ लेखन के लिए उपकरण" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

संसाधन व्यक्ति : श्री योगेश कुमार, शिक्षा मीडिया जनरलिस्ट (सेवानिवृत्त), के.एल. विग चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी केंद्र, एम्स, दिल्ली

21 मार्च 2024 को डीटीयू प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए "दस्तावेज़ लेखन के लिए एमएस वर्ड टूल्स" पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। एचआरडीसी निदेशक डॉ. प्रदीप गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया, सत्र के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसके बाद डीटीयू रजिस्ट्रार प्रो. मधुसूदन सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए। एम्स, दिल्ली के सेवानिवृत्त मीडिया विशेषज्ञ श्री योगेश कुमार ने विभिन्न एमएस वर्ड टूल्स, शॉर्टकट्स और कौशल विकास के लिए अभ्यासों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षक, प्रतिभागियों और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



3. "प्राचीन भारतीय ज्ञान के माध्यम से तनाव प्रबंधन"

संसाधन व्यक्ति : प्रो. देबी प्रसाद मिश्रा, आचार्य, अंतरिक्ष अभियांत्रिकी, आईआईटी, कानपुर और एनआईटीटीटीआर, कोलकाता

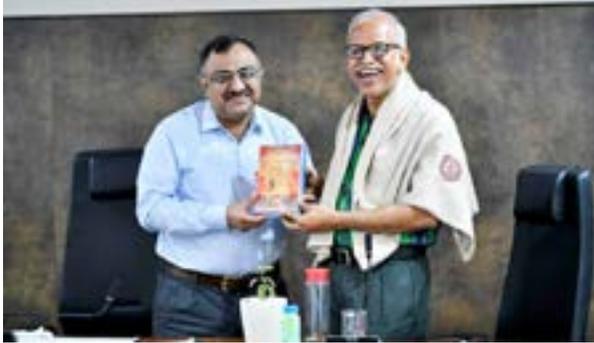
डीटीयू में एचआरडीसी ने 4 अप्रैल 2024 को "प्राचीन भारतीय ज्ञान के माध्यम से तनाव प्रबंधन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें आधुनिक तनाव प्रबंधन के लिए पारंपरिक भारतीय प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रो. मधुसूदन सिंह, कुलसचिव ने मुख्य वक्ता, आईआईटी कानपुर और एनआईटीटीटीआर, कोलकाता से आए प्रो. देबी प्रसाद मिश्रा का स्वागत किया। प्रो. मिश्रा ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों, विशेष रूप से भगवद्गीता में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए तनाव प्रबंधन और आंतरिक शांति के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। उनका सूचनाप्रद संबोधन 85 उपस्थित लोगों, जिनमें शिक्षक, कर्मचारी, शोधकर्ता और छात्र शामिल थे, के बीच गूँज उठा, और इस विषय में गहरी रुचि को दर्शाया।



4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में आधुनिक समय में प्राचीन प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता

संसाधन व्यक्ति : प्रो देबी प्रसाद मिश्रा, आचार्य अंतरिक्ष अभियांत्रिकी, आईआईटी, कानपुर और एनआईटीटीटीआर, कोलकाता

डीटीयू में एचआरडीसी ने 5 अप्रैल 2024 को "आधुनिक समय में प्राचीन प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें एनईपी 2020 के तहत पारंपरिक भारतीय ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। एचआरडीसी निदेशक डॉ. प्रदीप गोयल और डीटीयू रजिस्ट्रार प्रो. मधुसूदन सिंह ने नवाचार और शिक्षा में प्राचीन तकनीक और भारतीय ज्ञान की भूमि का पर जोर दिया। माननीय कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए अंतः विषयक दृष्टि कोणों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. मिश्रा ने प्राचीन भारतीय दर्शन के अनुरूप आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक, शारीरिक और भावनात्मक विकास पर एनईपी-2020 के समग्र फोकस पर चर्चा की।



5. "एनईपी-2020 के संदर्भ में उन्नत शिक्षण पद्धति और परिणाम-आधारित शिक्षा" पर एक सप्ताह का एफडीपी

संसाधन व्यक्ति : प्रो. बी. एल. गुप्ता, प्रबंधन शिक्षा विभाग, प्रो. आर. के. दीक्षित, डीन, प्रशासन, और प्रो. एस. एस. केदार, प्रमुख, मीडिया अनुसंधान और विकास शिक्षा विभाग, एनआईटीटीटीआर, भोपाल

एचआरडीसी ने डीटीयू में 27 से 31 मई, 2024 तक "एनईपी-2020 के संदर्भ में उन्नत शिक्षण पद्धति और परिणाम-आधारित शिक्षा" पर एक सप्ताह का संकाय सदस्य विकास कार्यक्रम आयोजित किया। एचआरडीसी निदेशक डॉ. प्रदीप के. गोयल ने निरंतर व्यावसायिक विकास पर जोर दिया, जबकि एनआईटीटीटीआर, भोपाल के प्रो. बी. एल. गुप्ता ने एनईपी-2020 के अनुरूप परिणाम-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर चर्चा की। डीटीयू के माननीय कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने छात्र जुड़ाव और आलोचनात्मक सोच को बढ़ाने के लिए आधुनिक शैक्षणिक उपकरणों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एनईपी-2020 को लागू करने, परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम विकसित करने और सीखने का आकलन करने जैसे विषयों के साथ-साथ पाठ्यक्रम के परिणाम और रूब्रिक बनाने जैसे व्यावहारिक कार्य शामिल थे।



6. "एनईपी 2020 के संदर्भ में कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत" पर कार्यशाला

संसाधन व्यक्ति :- कर्नल संतोष कुमार, निर्देशक, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), कौशल विकास मंत्रालय, दिल्ली; श्री. ओम प्रकाश शर्मा, चेयरमैन, शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, झाबुआ, म.प्र.; श्री. रमेश परमार और श्रीमती शांति परमार, पद्म श्री पुरस्कार विजेता, झाबुआ, मध्य प्रदेश और श्री तिलक राज सेठ, पूर्व सीईओ मोबिलिटी और कार्यकारी उपाध्यक्ष-सीमेंस इंडिया (डीसीई पूर्व छात्र)

"एनईपी-2020 के संदर्भ में कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत" विषय पर कार्यशाला, डीटीयू में एचआरडीसी द्वारा 13 अगस्त 2024 को आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में व्यावसायिक प्रशिक्षण, सांस्कृतिक प्रशंसा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक कौशल को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। एनसीवीईटी के निर्देशक कर्नल संतोष कुमार ने युवाओं को सशक्त बना ने और रोजगार क्षमता बढ़ाने में व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका पर मुख्य भाषण दिया। श्री ओम प्रकाश शर्मा ने आधुनिक शिक्षा को पारंपरिक मूल्यों के साथ जोड़ने पर जोर दिया, जबकि पद्मश्री पुरस्कार विजेता श्री रमेश परमार और श्रीमती शांति परमार ने आदिवासी गुड़ियाओं के निर्माण का प्रदर्शन किया, जिससे सांस्कृतिक संरक्षण को प्रेरणा मिली। श्री तिलक राज सेठ ने राष्ट्र निर्माण के लिए नेतृत्व, नवाचार और स माज को योगदान देने पर प्रकाश डाला।



7. तीन सप्ताह का तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम: 20 अगस्त से 6 सितंबर, 2024 तक दानिक्स परिवीक्षार्थियों (59वें, 60वें और 61वें बैच) का संयोजन

डीटीयू ने 59वें, 60वें और 61वें बैच के दानिक्स परिवीक्षार्थियों के लिए तीन सप्ताह का तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य उनके तकनीकी और प्रशासनिक कौशल को बढ़ाना था। 20 अगस्त, 2024 को शुरू हुए इस कार्यक्रम में आईआईआईटी, दिल्ली, एचसीएलटेक, जेएनयू और एमएनएनआईटी, इलाहाबाद जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों के नेतृत्व में 34 सत्र शामिल थे, जिनमें एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, आईओटी, साइबर सुरक्षा और शासन में उनके अनुप्रयोगों जैसे विषयों को शामिल किया गया था। मुख्य अतिथि दिल्ली के उपराज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आशीष कुंद्रा ने आधुनिक शासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में पारस्परिक चर्चाएँ, एनआईईएलआईटी और डीआरडीओ के क्षेत्र भ्रमण और व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल थे, जो अत्याधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते थे। प्रशिक्षण 6 सितंबर, 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें परिवीक्षार्थियों ने मुख्य बातें साझा कीं और अपनी भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त किए।



5.3 सौर ऊर्जाकेंद्र

कार्यालय प्रभारी: श्री प्रदीप यादव, (जेई, विद्युत अभियांत्रिकी)

डीटीयू वर्तमान में आरईएससीओ मॉडल के तहत 432 किलोवाट सौर फोटो वोल्टिक (एसपीवी) रूफटॉप प्लांट, कैपेक्स मॉडल के तहत 40 किलोवाट एसपीवी प्लांट और अकादमिक ब्लॉक 3 और 4 में 480 किलोवाट सौर ऊर्जा प्रणाली 200 किलोवाट के इलेक्ट्रॉनिक मीटर के साथ-साथ लगाए गए हैं। 432 किलोवाट का एसपीवी रूफटॉप प्लांट मेसर्स हीरो प्यूचर एनर्जीज़ द्वारा विभिन्न विभागों की छतों पर लगाया गया है, जबकि 40 किलोवाट का एसपीवी प्लांट मेसर्स फोटॉन एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा प्रशासनिक भवन की छत पर लगाया गया है। डीटीयू में कुल मिला कर 472 किलोवाट की कार्यात्मक एसपीवी क्षमता है। दोनों ही प्लांट संतोषजनक प्रदर्शन कर रहे हैं।

कुल 472 किलोवाट क्षमता वाले सौर पैनल निम्नलिखित स्थानों पर स्थापित किए गए हैं: विज्ञान ब्लॉक (1 इलेक्ट्रॉनिक मीटर के साथ 108 किलोवाटपी), मैकेनिकल ब्लॉक (150 किलोवाटपी के साथ 2 इलेक्ट्रॉनिक मीटर), और इलेक्ट्रॉनिक्स ब्लॉक (3 इलेक्ट्रॉनिक मीटर के साथ 174 किलोवाटपी)। अप्रैल 2023 में, नौ इलेक्ट्रॉनिक मीटरों में लगे सभी 432 किलोवाट सौर पैनलों से अधिकतम सौर बिजली उत्पादन 355,157 किलोवाट घंटा दर्ज किया गया , जो प्रति किलोवाट पैनल औसतन 3.81 किलोवाट घंटा प्रतिदिन है।

इसके अतिरिक्त, जून 2015 में चालू किया गया एक 40 किलोवाट का सिस्टम ठीक से काम कर रहा है। इस सिस्टम में मुख्य से टअप से जुड़े दो 20 किलोवाट के इन्वर्टर हैं। भवन के पिछले हिस्से में भूतल पर एक नियंत्रण कक्ष बना या गया है। एसपी वी प्लांट द्वारा उत्पन्न डीसी बिजली को एसएसई मॉडल इन्वर्टर द्वारा एसी बिजली में परिवर्तित किया जाता है और तीन-चरण डीटीयू ग्रिड में भेजा जाता है।

तीनों सौर प्रणालियाँ टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) से ग्रिड से जुड़ी हैं। मेसर्स हीरो प्यूचर एनर्जीज़ ने पिछले वर्ष अगस्त 2023 से जुलाई 2023 तक के सौर मीटर रीडिंग उपलब्ध कराए हैं। 2024 तक, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में विस्तृत रूप से बता या गया है।

महीना	रीडिंग किलोवाट घंटा (इकाइयाँ)	इकाइयों में शुल्क	बिल राशि ₹ में
अगस्त-23	52212	5.8	3,02,829.6
सितंबर-23	43092	5.8	2,49,933.6
अक्टूबर-23	48123	5.8	2,79,113.4
नवंबर-23	32534	5.8	1,88,697.2
दिसंबर-23	33148	5.8	1,92,258.4
जनवरी-24	32548	5.8	1,88,778.4
फरवरी-24	22057	5.8	1,27,930.6
मार्च-24	75426	5.8	4,37,470.8
अप्रैल-24	114361.5	5.8	6,63,296.7
मई-24	114361.5	5.8	6,63,296.7
जून-24	104325	5.8	6,05,085
जुलाई-24	38985	5.8	2,26,113
कुल			41,24,803



5.4 रसोई अपशिष्ट संयंत्र

कार्यालय प्रभारी: प्रो. जे. पी. केसरी, (यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के सहयोग से डीटीयू परिसर में मुख्य कैंटीन के पीछे 500 किलोग्राम प्रतिदिन क्षमता वाला रसोई अपशिष्ट बायोगैस संयंत्र स्थापित किया है। बीएआरसी, मुंबई के डॉ. शरद काले द्वारा विकसित यह नवीन तकनीक, निसर्गना तकनीक पर आधारित है और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे दो मूल्यवान गैसों निकलती हैं: मीथेन और जैविक खाद। कैंटीन से निकलने वाले खाद्य अपशिष्ट को पहले इनलेट प्लेटफॉर्म पर लगे मिक्सर ग्राइंडर में पीसकर, बराबर मात्रा में पानी मिलाकर, बायोगैस संयंत्र में डाला जाता है। यह संयंत्र अप्रैल 2014 में स्थापित और चालू किया गया था। हालाँकि यह प्रणाली गर्मियों के दौरान मध्यम तापमान पर प्रभावी ढंग से काम करती रही है, लेकिन सर्दियों के महीनों में इसके प्रदर्शन में गिरावट देखी गई है। इस संयंत्र से उत्पन्न मीथेन का उपयोग मुख्य कैंटीन में खाना पकाने के लिए किया जाता है।

इस तकनीक में आज़ादपुर और ओखला सब्जी मंडियों जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य नगर निगमों में भी सब्जी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अनुकरण की महत्वपूर्ण क्षमता है, जहाँ अधिकांश जैव-निम्नीकरणीय अपशिष्ट जैव मीथेनीकरण के लिए कच्चे माल के रूप में काम कर सकता है। उत्पादित जैविक खाद बागवानी और कृषि के लिए एक मूल्यवान संसाधन है, और यह पूरी प्रणाली कई क्षेत्रों का निर्माण करती है। हाल ही में, डीटीयू परिसर में पुस्तकालय के पास एक अतिरिक्त बायोगैस संयंत्र स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य बिजली पैदा करना है। स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बायोगैस उत्पादन प्रक्रिया को एरोबिक और एनारोबिक पाचन तकनीकों के संयोजन के माध्यम से तेज़ किया जाता है, जिसमें बिजली उत्पादन एक महत्वपूर्ण संभावित लाभ है।

यह तकनीकी प्रगति ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके और वित्तीय लाभ के साथ-साथ स्वास्थ्य और सामाजिक लाभ प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देती है। भाप के साथ उच्च-तापमान अभिक्रियाओं के माध्यम से मीथेन को हाइड्रोजन में परिवर्तित करने पर अनुसंधान जारी है, और कई स्नातक छात्र अपने अध्ययन के दौरान अपने छोटे और बड़े असाइनमेंट के हिस्से के रूप में इस परियोजना में लगे हुए हैं। सातवें और आठवें सेमेस्टर के साथ-साथ पहले के सेमेस्टर में भी अभिनव परियोजनाएँ हैं। भविष्य में, सब्सिडी और कार्बन क्रेडिट जैसे अतिरिक्त लाभों के अवसर मौजूद हैं, जिनसे निवेश पर अच्छा प्रतिफल मिल सकता है। उद्यमी इस तकनीक से संबंधित सेवाएँ और उत्पाद प्रदान करके सफल हो सकते हैं। डीटीयू इस क्षेत्र में परामर्श प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है, और छात्रों ने पहले ही शोध प्रकाशनों में योगदान दिया है। कई छात्र वर्तमान में इस पहल से संबंधित बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, और कुछ छात्र इन परियोजनाओं पर केंद्रित ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप में भी भाग ले रहे हैं।





5.5 उन्नत अध्ययन और अनुसंधान ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में केंद्र

प्रभारी अधिकारी: प्रो. नवीन कुमार (यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग)

ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (कैसरे) की स्थापना 2003 में हुई थी। पिछले दो दशकों में, कैसरे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अग्रणी अनुसंधान केंद्र के रूप में उभरा है। यह केंद्र नवीकरणीय परिवहन ईंधन के विकास और इंजन प्रौद्योगिकियों के उन्नयन के लिए समर्पित है, जिसका उद्देश्य आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना और हानिकारक उत्सर्जन को न्यूनतम करना है, जिससे पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में योगदान मिलता है। इसके संकाय सदस्यों और छात्रों ने प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किए हैं और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ यांत्रिकी अभियंता (एएसएमई) और सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव अभियंता (एसएई) जैसे पेशेवर निकायों द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सम्मेलनों और संगोष्ठियों में अपने शोध प्रस्तुत किए हैं। उनके कार्य नियमित रूप से एल्सेवियर, विले, स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रांसिस, एसएई, IMechE और एएसएमई के प्रकाशनों में प्रकाशित होते हैं।



अनुसंधान के फोकस क्षेत्र केंद्र में शामिल हैं

- परिवहन और ऑफ-रोड अनुप्रयोगों के लिए नवीकरणीय ईंधन का विकास
- संपीड़न प्रज्वलन (सीआई) और स्पार्क प्रज्वलन (एसआई) इंजन डिज़ाइनों में सुधार
- माइक्रो-टर्बोजेट इंजन का विकास
- विमान और एयरफ़ॉइल डिज़ाइनों की वयुगतिकीय विशेषताओं पर ट्राइबोलॉजिकल अध्ययन और अनुसंधान
- हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी का विकास
- स्प्रे इंजेक्शन प्रणालियों पर गहन अध्ययन
- जलवायु परिवर्तन शमन के उद्देश्य से नवाचार
- नवीकरणीय डीज़ल, जेट ईंधन, एलएनजी और हाइड्रोजन सहित अगली पीढ़ी के ईंधनों की खोज

इसके अतिरिक्त, दिल्ली के मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में, छात्रों का शोध समूह कृषि अवशेषों (पराली) को मूल्यवर्धित उत्पादों और ईंधन में परिवर्तित करने पर काम कर रहा है। कैसरे ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है और नवाचार और स्थिरता में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बनाए रख रहा है।

2023-24 के दौरान अनुसंधान योगदान:

सहकर्मी -समीक्षित पत्रिकाओं में शोध पत्र

- कुमार, एन., यादव, के. और चौधरी, आर (पर्यावरण विज्ञान प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 20, 12581-12596, 2023)।
- सोंथालिया, ए., कुमार, एन., तोमर, एम. और अन्य (स्वच्छ तकनीकी पर्यावरण नीति 25, 551-575, 2023)।

10वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - (4 - 10 जनवरी, 2024)

- कैसरे के 16 छात्रों ने जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित "विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का संलयन" (आईएसएफटी 2024) पर अपने शोध पत्र (ऑफलाइन/ऑनलाइन मोड) प्रस्तुत किए।

अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार, डीटीयू, 2023 (प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार)

- खुशबू यादव (एक एससीआई)
- अंकित सोंथालिया (एक एससीआई)

पीएच.डी. पुरस्कार

- खुशबू यादव
- दुष्यन्त मिश्रा

एक दिवसीय कार्यशाला के विजेता "भारत के ऊर्जा परिदृश्य का मार्गदर्शन: 2050 में चुनौतियाँ, संभावनाएँ और समाधान"- (25 अप्रैल, 2024)

- मनीष कुमार, एनएसयूटी
- प्रणव चौधरी, कीट
- मोहम्मद इसरार खान, जीआईटीएम

अगस्त 2023 - जुलाई 2024 के दौरान आयोजित गतिविधियाँ:

फ्रगल अभियांत्रिकी और नवाचार: अभियांत्रिकी छात्रों के लिए एक रोडमैप" पर एक दिवसीय कार्यशाला - (22 अगस्त, 2023)

फ्रगल अभियांत्रिकी और नवाचार भारत में औद्योगिक और सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रमुख चालक हैं। भारत सरकार इन क्षेत्रों पर ज़ोर देती है, जिनमें देश भर के छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। फ्रगल अभियांत्रिकी व्यावहारिक और किफायती संसाधन बनाने पर केंद्रित है।

सीमित संसाधनों के साथ समाधान, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे क्षेत्रों में।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2022 के अनुरूप, जो व्यावहारिक, लागत-प्रभावी नवाचार को प्रोत्साहित करती है, डीटीयू आईएमईसीई अध्याय ने 22 अगस्त, 2023 को "फ्रगल अभियांत्रिकी और नवाचार: अभियांत्रिकी छात्रों के लिए एक रोडमैप" शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रज्ञान हॉल में अन्य संस्थानों के सहयोग से आयोजित किया गया।

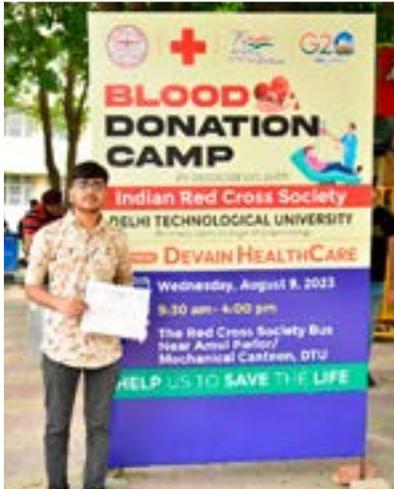
संस्थानों और उद्योगों के साथ मिलकर काम करने का लक्ष्य इन क्षेत्रों में अकादमिक-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देना था। उल्लेखनीय वक्ताओं में जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के प्रो. अमित प्रकाश सिंह; बायो ट्रेंड एनर्जी के निदेशक डॉ. सुनील ढींगरा; टेरी के पूर्व फेलो; गूवनेक्सस के संस्थापक और डीसीई/डीटीयूके एक प्रतिभाशाली पूर्व छात्र श्री हिमांशु मिश्रा, के आईईटी गाजियाबाद के श्री पीयूष खन्ना और स्पंदा के संस्थापक श्री हर्षित ठकराल और श्री आदित्य माहेश्वरी शामिल थे। कार्यशाला में एक परस्पर संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जहाँ विशेषज्ञों ने शिक्षकों और छात्रों के दैनिक जीवन में किफायती अभियांत्रिकी के अनुप्रयोग से संबंधित प्रासंगिक प्रश्नों के उत्तर दिए। इस कार्यशाला ने छात्रों को किफायती नवाचार अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करके अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। प्रतिभागियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से यह पता चलता है कि कार्यशाला का प्रभाव, सरल, टिकाऊ समाधानों के साथ जटिल चुनौतियों का समाधान करनेके लिए इंजीनियरों की एक नई पीढ़ी को तैयार करने में है।



रक्तदान शिविर - (9 अगस्त, 2023):

9 अगस्त, 2023 को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से , कैसरे और IMechE डीटीयू चैप्टर में कार्यरत डीटीयू के छात्रों द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे नियमित रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ी। इसने करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा दिया, रक्त की कमी को दूर किया और भविष्य में इसी तरह की पहल के लिए निरंतर समर्थन को प्रेरित किया। शिविर में रक्तदान के जीवन रक्षक लाभों पर प्रकाश डाला गया और इस नेक कार्य में डीटीयू समुदाय को एकजुट किया।





विश्व जैव ईंधन दिवस - (10 अगस्त, 2023):

विश्व जैव ईंधन दिवस - (10 अगस्त, 2023): कैसरे-डीटीयू और IMechE, डीटीयू चैप्टर ने 10 अगस्त, 2023 को "विश्व जैव ईंधन दिवस" के उपलक्ष्य में एक सामान्य जागरूकता और संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में "जैव ईंधन: एक सतत भविष्य के लिए ईंधन" विषय के अंतर्गत शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने हेतु नवीकरणीय, गैर-जीवाश्म-आधारित ईंधन के रूप में जैव ईंधन के महत्व और क्षमता पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम सर रुडोल्फ डीजल द्वारा 1893 में मूंगफली के तेल से पहला डीजल इंजन चलाने की उपलब्धि का जश्न मनाता है, जिसने जैव ईंधन अनुसंधान को निरंतर प्रेरित किया।



गतिविधियों में जैव ईंधन प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति, जैव ईंधन के आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों, और कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर छात्रों की चर्चाएँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम ने जागरूकता बढ़ाई और सतत ऊर्जा के प्रति डीटीयू की प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया।

सोफ़े - (अभियांत्रिकी के लिए बोलो) - (15 सितंबर, 2023):

IMechE डीटीयू चैप्टर ने सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज एंड रिसर्च इन ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी (कैसरे) के सहयोग से 15 सितंबर, 2023 को सोफ़े-2023 लोकल हीट्स की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्पीक आउट फॉर इंजीनियरिंग प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों के प्रस्तुति कौशल को बढ़ाना था, जो यांत्रिक अभियांत्रिकी में तकनीकी विषयों के मौखिक और दृश्य संचार पर केंद्रित है।



डीटीयू चैप्टर के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय उत्साह प्रदर्शित किया और अभियांत्रिकी विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की, उनके सार्वजनिक भाषण

कौशल में सुधार हुआ और जटिल अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना सीखने में मदद मिली। इस अनुभव ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और उनके पेशेवर विकास में योगदान दिया।



इस प्रतियोगिता ने एक सहयोगात्मक माहौल को बढ़ावा दिया, जिससे प्रतिभागियों को एक-दूसरे से सीखने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। इसने अभियांत्रिकी समुदाय में रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित किया, जिससे ज्ञान साझा करने और निरंतर सीखने को बढ़ावा मिला।

"शुद्ध शून्य उत्सर्जन" पर प्रश्नोत्तरी- (5 सितंबर, 2023):

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 5 सितंबर, 2023 को सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज एंड रिसर्च इन ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी, आईएमईसीएचई डीटीयू चैप्टर और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा "शुद्ध शून्य उत्सर्जन: भारत के लिए चुनौतियाँ और संभावनाएँ" विषय पर एक ऑनलाइन क्विज़ का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया गया।

इस प्रतियोगिता में, जिसके दो भाग थे: एक बहु विकल्पीय प्रश्न-आधारित क्विज़ और एक लघु उत्तर आधारित जलवायु परिवर्तन का अभिनव समाधान, को दुनिया भर से शानदार प्रतिक्रिया मिली। उपरोक्त पुरस्कार विजेताओं को क्रमशः 2,000/-, 1,500/- और 1,000/- के नकद पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, भारत भर के छात्रों को जलवायु परिवर्तन की वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव समाधान प्रस्तावित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

बत्रा कस्टम्स इंडिया का औद्योगिक दौरा - (24 जुलाई, 2024):

24 जुलाई, 2024 को, डीटीयू, दिल्ली के छात्रों के एक समूह ने दिल्ली स्थित बत्रा कस्टम्स के औद्योगिक दौरे में भाग लिया। यह कंपनी विशिष्ट ग्राहक आवश्यकताओं के अनुरूप वाहन संशोधनों में विशेषज्ञता रखती है। इस दौरे का आयोजन ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा आईएमईसीई डीटीयू छात्र अध्याय के सहयोग से किया गया था।



इस दौरे का मुख्य उद्देश्य डीटीयू के छात्रों को ऑटोमोटिव संचालन, तकनीकों और वाहन पुनर्संरचना में नवाचारों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस तरह के औद्योगिक दौरे सैद्धांतिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया में अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने में सहायक होते हैं। ये दौरे छात्रों को उद्योग के तौर-तरीकों, अत्याधुनिक तकनीकों और चुनौतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं।

ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ सामने आईं। बत्रा कस्टम्स के इस दौरे का उद्देश्य ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करके और उद्योग में संभावित करियर के अवसरों पर प्रकाश डालकर छात्रों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना था।

रक्तदान शिविर - (30 जनवरी, 2024):

डीटीयू, दिल्ली के छात्रों द्वारा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से 30 जनवरी, 2024 को डीटीयू परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक नेक कार्य हेतु रक्तदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।

शिविर का मुख्य उद्देश्य नियमित रक्तदान की महत्वपूर्ण आवश्यकता और जीवन बचाने में इसकी क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस क्षेत्र में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उत्साही देखने को मिली, जिसने विश्वविद्यालय में करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की संस्कृति को विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।



रक्त की मौजूदा कमी को दूर करके, इस शिविर ने तत्काल प्रभाव डाला और डीटीयू समुदाय को भविष्य में भी इसी तरह की पहल का समर्थन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। यह अत्यंत प्रसन्नता और गर्व की बात है कि डीटीयू दिल्ली के सबसे बड़े रक्तदाता संस्थानों में से एक है।



"भारत के ऊर्जा परिदृश्य को दिशा देना: 2050 में चुनौतियाँ, संभावनाएँ और समाधान" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला - (25 अप्रैल, 2024):

भारत की तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और विस्तृत होती अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। हालाँकि, यह वृद्धि ऊर्जा की बढ़ती माँग, पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ भी लेकर आती है। इन समस्याओं से निपटने के लिए एक स्थायी ऊर्जा भविष्य के लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए, डीटीयू आईएमईसीई चैप्टर ने 25 अप्रैल 2024 को डीटीयू के प्रज्ञान हॉल में "भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नेविगेट करना:

2050 में चुनौतियाँ, संभावनाएँ और समाधान" शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न IMechE अध्यायों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग भागीदारों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डीटीयू के कुलपति डॉ. प्रतीक शर्मा ने किया। कार्यशाला में अक्षय ऊर्जा को अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया और भारत में ऊर्जा स्वतंत्रता और कार्बन तटस्थता प्राप्त करनेके लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

उल्लेखनीय वक्ताओं में डॉ. प्रदीप चंद्र पंत, पूर्व सलाहकार/वैज्ञानिक जी, एमएनआरई, श्री सुनील ढींगरा, पूर्व वरिष्ठ फेलो और सह निदेशक, टेरी, डॉ. नकी अनवर, आचार्य और प्रमुख, सतत इंजीनियरिंग विभाग, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, और डॉ. हरवीर सिंह पाली, एनआईटी श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर शामिल थे। यह कार्यशाला भारत जैसे देश के लिए आवश्यक थी, जिसने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का संकल्प लिया है। चर्चा के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:

ऊर्जा सुरक्षा

चूंकि भारत की ऊर्जा मांग में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए ऊर्जा संसाधनों में विविधता लाना सुरक्षा सुनिश्चित करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों की खोज करके, भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकता है और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अपने जोखिम को कम कर सकता है।

पर्यावरण/स्थायित्व

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तेजी से स्पष्ट होते जा रहे हैं, जिससे भारत के पारिस्थितिकी तंत्र, कृषि और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। इन प्रभावों को कम करने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन आवश्यक है।

आर्थिक अवसर

नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने से भारत के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संभावनाएं उत्पन्न होंगी, जिनमें रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि शामिल है। टिकाऊ ऊर्जा समाधानों में निवेश करके, भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए आर्थिक विकास को प्रोत्साहित कर सकता है।

नीतिगत निहितार्थ

भारत के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और पेरिस समझौते में उल्लिखित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप और नियामक ढांचे की आवश्यकता है। यह कार्यशाला नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन को गति देने के लिए नीतिगत उपायों और नियामक तंत्रों पर चर्चा को सुगम बनाएगी।

कार्यशाला में मुख्य प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चाएँ और संवादात्मक सत्र शामिल थे। इसमें विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और शिक्षाविदों ने निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श किया:

1. भारत में वर्तमान ऊर्जा परिदृश्य: रुझान, चुनौतियाँ और अवसर
2. नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ: नवाचार और प्रगति

3. नवीकरणीय ऊर्जाको बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढाँचे और नियामक तंत्र
4. सतत ऊर्जा परिनिर्माण में केस स्टडी और सर्वोत्तम अभ्यास
5. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण और निवेश रणनीतियाँ
6. ऊर्जा परिवर्तन में सामुदायिक सहभागिता और हितधारक भागीदारी

भारत के लिए एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में कार्रवाई को गति देनेके लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य किया। विविध हितधारकों की सामूहिक विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि का लाभ उठाकर, इस कार्यशाला ने 2050 और उसके बाद एक स्वच्छ, हरित और अधिक स्थायी भारत का मार्ग प्रशस्त किया।



“विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में रसद और आपूर्ति श्रृंखला - चुनौतियाँ और अवसर” पर वेबिनार - (2 जुलाई, 2024):

“विकासशील अर्थ व्यवस्थाओं में रसद और आपूर्ति श्रृंखला - चुनौतियाँ और अवसर” विषय पर एक वेबिनार डॉ. विपुल गर्ग द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय से डेटा विज्ञान में एमएस और आपूर्ति श्रृंखला एवं रसद में पीएचडी की है। टेट्रा पैक में पूर्व डेटा वैज्ञानिक, वे 2024 की शरद ऋतु में टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, सैन एंटोनियो में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल होंगे।

इस सूचनात्मक वेबिनार में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, और विकास की अनूठी चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. गर्ग ने रणनीतिक निवेश, तकनीकी अपनाने और क्षमता निर्माण के महत्व पर ज़ोर दिया ताकि रसद और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता बढ़ाई जा सके, जिससे अंततः इन देशों में प्रति स्पर्धात्मकता में सुधार होगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावशीलता में योगदान मिलेगा।

अभिनव परियोजनाएँ

1. आंतरिक दहन इंजन में हाइड्रोजन का उपयोग

भारत सरकार हाइड्रोजन की ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने और कम कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था में बदलाव के लिए आवश्यक मानती है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के माध्यम, भारत सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन उत्पादन का एक वैश्विक केंद्र बनना चाहता है। इसका लक्ष्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए उद्योगों, परिवहन और बिजली उत्पादन में हाइड्रोजन को एक स्वच्छ ईंधन के रूप में व्यापक रूप से अपनाना है। नवाचार, बुनियादी ढाँचे के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर, भारत हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनना और वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रयासों में योगदान देना चाहता है।

इस बीच, बी.टेक. यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्र सचिन (2K22/ME/226), साहिल मयंक (2K22/ME/228), और संजीव (2K22/ME/231) कैसरे में "परिवर्तनशील हाइड्रोजन इंजेक्शन समय और इंजन के प्रदर्शन पर इसका प्रभाव" नामक एक अभिनव परियोजना पर काम कर रहे हैं।



2. हाइड्रोजन: भारत के सतत विकास के लिए एक सेतु

भारत सरकार विकास को आगे बढ़ाने और हरित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण को सुगम बनाने में हाइड्रोजन को एक महत्वपूर्ण घटक मानती है। देश का लक्ष्य सौर और पवन जैसे नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग करके परिवहन, उद्योग और बिजली उत्पादन में व्यापक अनुप्रयोगों के लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इस पहल का उद्देश्य न केवल घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना है, बल्कि भारत को हाइड्रोजन क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना भी है, जिससे जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान मिल सके।

इस संदर्भ में, छात्र गौतम प्रकाश (द्वितीय 2K21/ME/113) और आकाश मिश्रा (2K21/ME/31) "हाइड्रोजन: भारत में विकास का एक सेतु" नामक एक अभिनव परियोजना पर काम कर रहे हैं। उनका शोध पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने में हाइड्रोजन की भूमिका और देश के भविष्य के ऊर्जा परिदृश्य पर इसके संभावित प्रभाव का पता लगाता है।

3. डीजल ईंधन और इंजन की विशेषताओं में सुधार के लिए योजकों का विकास

भारत में डीसल्फराइजेशन हानिकारक सल्फर, उत्सर्जन को कम करने, वायुगुणवत्ता में सुधार लाने

और कड़े पर्यावरणीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए आवश्यक है। हालाँकि, इसके परिणाम स्वरूप डीज़ल ईंधनों में चिकनाई कम होती है और ऊर्जा घनत्व कम होता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, चिकनाई और ऊर्जा घनत्व बढ़ाने और डीसल्फराइज़ड ईंधनों की कमियों की भरपाई करने के लिए एडिटिव्स महत्वपूर्ण हैं। यह शोध हाइब्रिड एडिटिव फ़ॉर्मूलेशन के विकास और परीक्षण पर केंद्रित है ताकि इंजन की दक्षता बनाए रखने और घिसाव कम करने, कड़े नियमों का पालन करते हुए डीज़ल ईंधन के प्रदर्शन को अनुकूलित करने में उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके।

विपुल सक्सेना (2K18/PHD/ME/35) बहुत ही आविष्कारशील कार्य कर रहे हैं, "ईंधन योजकों का उपयोग करके डीजल इंजन विशेषताओं और ईंधन गुणों के संवर्धन पर कुछ अध्ययन"।

4. हाइड्रोट्रीटेड वनस्पति तेल (एचवीओ) नवीकरणीय डीजल ईंधन के रूप में

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के वैश्विक प्रयास ने आंतरिक दहन इंजनों के लिए वैकल्पिक ईंधनों के विकास को गति दी है। हाइड्रोट्रीटेड वनस्पति तेल (एचवीओ), वनस्पति तेलों से प्राप्त नवीकरणीय डीजल हैं, और वसा आशाजनक जैव ईंधन हैं। संपीड़न प्रज्वलन इंजनों में एचवीओ को इथेनॉल या ब्यूटेनॉल जैसे उच्च अल्कोहल के साथ मिलाने से एक नवीकरणीय, स्वच्छ ऊर्जा स्रोत मिलता है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और इंजन के प्रदर्शन को बनाए रखता है या बेहतर बनाता है।

आशीष कुमार सिंह (2k18/PhDME/529) "सीआई इंजनों में उच्च अल्कोहल और हाइड्रोट्रीटेड तेलों का उपयोग" पर अग्रणी अनुसंधान कर रहे हैं, जो टिकाऊ और कुशल ईंधन विकल्पों के विकास में योगदान दे रहा है।

5. समरूप चार्ज संपीडन प्रज्वलन (एचसीसीआई) इंजनों में सीएनजी का उपयोग

भारत सरकार वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देकर, जिसमें संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) एक प्रमुख घटक है, अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह शोध इस बात की जाँच करता है कि सीएनजी कैसे उत्सर्जन को कम कर सकती है और साथ ही इंजन के सर्वोत्तम प्रदर्शन को बनाए रखते हुए, सरकार के स्थायी ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण में सहायक हो सकती है। इसके निष्कर्षों को प्रमुख सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें भारत की निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण योगदान के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह कार्य सरकार के दृष्टि कोण को पुष्ट करता है और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में भविष्य के नवाचारों का मार्ग प्रशस्त करता है।

6. बायोडीजल उत्पादन के लिए सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी का विकास

इन प्राथमिकताओं के अनुरूप, सीएएसआरएई में शोध विद्वान पवन किशोर झा (2k17/PhD/ME/045) द्वारा व्यापक शोध किया गया है, जिसमें समरूप चार्ज संपीडन प्रज्वलन (एचसीसीआई) इंजन प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए सीएनजी की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

बायोडीजल उत्पादन में सुपर क्रिटिकल ट्रांसएस्टरीफिकेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उत्प्रेरक की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, जिससे विविध फीडस्टॉक्स का उपयोग संभव हो जाता है, जिनमें उच्च मुक्त वसा अम्ल या जल अंश वाले फीडस्टॉक्स भी शामिल हैं। यह प्रक्रिया अभिक्रिया दर को तीव्र करती है और अत्यधिक तापमान और दबाव में बायोडीजल की उपज में सुधार करती है, जिससे उत्प्रेरक निष्कासन की जटिलताओं के बिना उच्च शुद्धता वाला बायोडीजल प्राप्त होता है। हालाँकि, इसकी उच्च ऊर्जा आवश्यकताएँ बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैं।

चंद्रशेखर सिंह (2K18/PHD/ME/36) "बायोडीजल संश्लेषण हेतु एक सुपरक्रिटिकल रिएक्टर के विकास और उसके प्रदर्शन, उत्सर्जन और दहन विशेषताओं के मूल्यांकन" पर अग्रणी शोध में लगे हुए हैं। उनका कार्य बायोडीजल उत्पादन प्रक्रिया के अनुकूलन पर केंद्रित है, जिसमें अंतिम उत्पाद की प्रमुख विशेषताओं को बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।

7. 7 संपीडन प्रज्वलन (सीआई) इंजन में हरित हाइड्रोजन का उपयोग

हाइड्रोजन एक स्वच्छ ईंधन है जिसके दो मुख्य मार्ग हैं: ईंधन सेल और आंतरिक दहन इंजन (आइसीई) में दहन। आंतरिक दहन इंजन (आइसीई) भारत के लिए फ़ायदेमंद है, जहाँ पारंपरिक इंजनों को बदलना महंगा है। हालाँकि, आइसीई में हाइड्रोजन के इस्तेमाल से चुनौतियाँ भी आती हैं, जिनमें कम दक्षता, उच्च एनओएक्स उत्सर्जन और असामान्य दहन शामिल हैं। इन समस्याओं का समाधान इंजन डिज़ाइन में बदलाव करके किया जा सकता है।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में पीएचडी स्कॉलर शिव प्रकाश सिंह (23/पीएचडीएमई/03), ऑटोमोटिव अभियांत्रिकी में उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएएसआरएई) में "एक सीआई इंजन में हरित हाइड्रोजन के उपयोग" पर शोध कर रहे हैं। उनका शोध ईंधन के रूप में हरित हाइड्रोजन के उपयोग की व्यवहार्यता का आकलन करने, दहन विशेषताओं, जैसे प्रज्वलन विलंब और ज्वाला वेगका विश्लेषण करने, और हाइड्रोजन दहन से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए संभावित इंजन संशोधनों की खोज पर केंद्रित है।

इस शोध में प्रायोगिक परीक्षण और सिमुलेशन शामिल हैं, जिनमें दबाव, तापमान और ज्वाला की गति जैसे प्रमुख कारकों का अध्ययन किया जाता है ताकि हरित हाइड्रोजन को आइसीई में एकीकृत किया जा सके।

5.6 विनोद धाम सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उत्कृष्टता केंद्र (वीडीसीओई4एसएम)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने मई 2023 में विनोद धाम सेमीकंडक्टर और माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स उत्कृष्टता केंद्र (वीडीसीओई4एसएम) की स्थापना की है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी और आईसी निर्माण के प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना है; और उत्पादकता बढ़ाने, उभरते कौशल अंतराल को दूर करने और प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस प्रकार, सरकार के भारत

सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने और सेमीकंडक्टर चिप्स तथा विनिर्माण उद्योग के लिए कुशल मानवशक्ति तैयार करने के उद्देश्य से इस केंद्र की स्थापना एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने और बनाने के दृष्टिकोण से की गई है, जो देश की वैज्ञानिक मांगों को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में नवाचार, आईपी और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देगा; और राष्ट्रीय और सामरिक महत्व के केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

संगठन संरचना

केंद्र प्रमुख

प्रो. रिशु चौजर
आचार्य, अनुप्रयुक्त भौतिकी

सदस्य

प्रो. नीता पांडे
आचार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी

डॉ. मोहन सिंह मेहता
सह आचार्य, अनुप्रयुक्त भौतिकी

डॉ. देवा नंद
सह आचार्य,
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी

डॉ. मुख्तियार सिंह
सहायक आचार्य, अनुप्रयुक्त भौतिकी

डॉ. भारती सिंह
सहायक आचार्य, अनुप्रयुक्त भौतिकी

डॉ. सुमित काले
सहायक आचार्य,
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी

श्री अक्षय मान
सहायक आचार्य,
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी

दृष्टि

एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना और बनाना जो देश की वैज्ञानिक मांगों को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में नवाचार, आईपी और स्टार्ट-अप को बढ़ावा दे; और राष्ट्रीय और सामरिक महत्व के केंद्र के रूप में कार्य करे।

उद्देश्य

1. नवीन सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों और समाधानों के माध्यम से स्थायी प्रभाव के साथ वैश्विक सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी और क्षमता प्रदाता बनना।
2. शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटते हुए अनुसंधान, सहयोग, नवाचार और कौशल विकास का वातावरण बनाना।
3. सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देकर नैतिकता और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना।
4. छात्रों को वर्तमान समय की जटिल तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए कौशल विकसित करने में सक्षम बनाना और सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पर्याप्त रूप से सक्षम विश्व स्तरीय पेशेवर तैयार करना।

उद्देश्य:

1. अगली पीढ़ी के उपकरण डिज़ाइन/सामग्री अनुसंधान/निर्माण हेतु एक केंद्रीकृत अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा स्थापित करना और सेमीकंडक्टर एवं माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास हेतु शैक्षिक संसाधनों को बनाए रखना।
2. सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, आईसी निर्माण और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों और इंजीनियरों जैसे विभिन्न स्तरों पर कुशल जनशक्ति के संदर्भ में क्षमता निर्माण।
3. भारतीय सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए अनुसंधान, डिज़ाइन, निर्माण, उपकरण निर्माण, पैकेजिंग और अन्य संबंधित क्षेत्रों में वांछित कौशल सेट के साथ पाठ्यक्रम तैयार करना।
4. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अंतर्गत राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तर के संस्थानों के छात्रों को इंटरशिप के अवसर प्रदान करना।
5. सेमीकंडक्टर, आईसी निर्माण और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एम.टेक. और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करना।
6. उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण और अनुसंधान को संरेखित करने के लिए दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और सेमीकंडक्टर/माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के बीच सहयोग।

शैक्षणिक कार्यक्रम (2023-24):

बी.टेक. छात्रों के लिए सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में लघु विशेषज्ञता सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी कार्यक्रम

शोध प्रकाशन:

पेटेंट (पुरस्कृत/प्रकाशित): 05
पत्रिकाएँ: 24
सम्मेलन: 14
पुस्तकें: 01 (संपादक के रूप में)
पुस्तक अध्याय: 02

केंद्र की उपलब्धियां :

- केंद्र के कई संकायों को डीटीयू अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- प्रो. रिशु चौजर को डीएसटीएसईआरबी पावर फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- प्रो. रिशु चौजर को 38.1 लाख रुपये के एसईआरबी-पावर अनुसंधान अनुदान से सम्मानित किया गया।
- प्रो. रिशुचौजर और उनके पीएच.डी. स्कॉलर को 22 से 23 फरवरी, 2024 को वीआईटी वेल्लोर में "सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में उभरते रुझान" (आईसीईटीआईटीई-2024) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।
- डीटीयूको चिप टू स्टार्टअप प्रोग्राम, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के तहत अगले 4-5 वर्षों के लिए कैडेंस, सिनोप्सिस, मेंटर, एंसिस से ईडीए टूल्स का समर्थन बढ़ाने के लिए चुना गया है: मुख्य अन्वेषक: प्रो. रिशु चौजर और सह-मुख्य अन्वेषक: डॉ. सुमित काले
- डीटीयू ने 8 नवंबर, 2023 को सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी (एससीएल), चंडीगढ़ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- नेशनल ची नान यूनिवर्सिटी, ताइवान से एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन भी अंतिम रूप देने के लिए प्राप्त हुआ है।
- ईएसएससीआई, आईईएसए, एसएसपीएल, एप्लाइड मैटेरियल्स और वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के साथ सहयोग पहले से ही प्रक्रिया में है।

- केंद्र आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मंडी, आईआईटी रोपड़ आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का एक संघ बनाने की प्रक्रिया में भी है ताकि भविष्य के अनुसंधान और कौशल उन्नयन के लिए विश्वविद्यालयों के बीच विशेषज्ञता का आदान-प्रदान हो सके। इससे इन स्थानों पर उपलब्ध उच्च-स्तरीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सकेगा।
- केंद्र के अंतर्गत सेमीकॉन सोसाइटी की स्थापना की गई है और इसका मुख्य उद्देश्य सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स पर केंद्रित कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमिनार, सम्मेलन आदि आयोजित करना, सेमीकंडक्टर करियर पथों के बारे में जागरूकता पैदा करना, चिप उद्योग से संबंधित सत्र आयोजित करना और सेमीकंडक्टर के मूलमंत्र को शामिल करना है।
- केंद्र के कई संकाय (प्रो. रिशु चौजर, प्रो. नीता पांडे, डॉ. मोहन सिंह मेहता) स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल हैं।
- डॉ. भारती सिंह को 31.6 लाख रुपये की सर्व-शयोर (एसईआरबी-एसयूआरई) शोध परियोजना प्रदान की गई है। डॉ. सुमित कालेको 29.65 लाख रुपयेका सर्व (एसईआरबी) प्रायोजित शोध अनुदान प्रदान किया गया है।
- डॉ. सुमित काले और उनके पीएचडी शोधार्थी को 3 से 6 मार्च, 2024 तक आयोजित 8वें आईईईई एडटम (ईडीटीएम) सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला।

अनुसंधान परियोजना के लिए प्राप्त अनुदान:

प्रो. रिशु चौजर (पीआई) | डॉ. सुमित काले (सह-पीआई):

शीर्षक: चिप 2 स्टार्टअप कार्यक्रम के अंतर्गत ईडीए टूल्स तक पहुँच

एजेंसी: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTY), भारत सरकार

अनुदान: 5 वर्षों के लिए ईडीए टूल्स की रिमोट एक्सेस के रूप में स्वीकृत

दिनांक: 19 जनवरी, 2024 | **अवधि:** 5 वर्ष

2023-24 के दौरान (वीडीसीओई4एसएम) द्वारा आयोजित कार्यक्रम

कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	समन्वयक/सह-समन्वयक
अनुप्रयुक्त कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, कोलकाता के सहयोग से "माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सर्किट और सिस्टम (माइक्रो2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	16 - 17 मई, 2024	सामान्य अध्यक्ष: प्रो. रिशु चौजर संयोजक: डॉ. देवा नंद, डॉ. मोहन सिंह मेहता
"नैनोमटेरियल/नैनो उपकरणों के लिए सिनोप्सिस क्वांटम एटीके का उपयोग करके परमाणु मॉडलिंग" पर एक दिवसीय कार्यशाला	11 जनवरी, 2024	अध्यक्ष: प्रो. रिशु चौजर संयोजक: डॉ. देवा नंद, डॉ. मोहन सिंह मेहता
डॉ. सत्य गुप्ता (अध्यक्ष, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया) के साथ 'सेमीकंडक्टर्स' पर एक दिवसीय अकादमिक बातचीत	18 जनवरी, 2024	अध्यक्ष: प्रो. रिशु चौजर संयोजक: श्री अक्षय मान
श्री एम. जी. ह्वांग (वीपी एवं जीएम, सिल्वाको, एशिया) और श्री झाओ किंगडा (एमडी, सिल्वाको, सिंगापुर) के साथ औद्योगिक बातचीत	23 जनवरी, 2024	अध्यक्ष: प्रो. रिशु चौजर

Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors and Microelectronics (VDCoE4SM) DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
Organizes
One Day Workshop
on
Atomic Modelling using Synopsys Quantum ATK for Nanomaterials / Nano Devices

TOPICS TO BE COVERED

- Introduction to Quantum ATK Software
- Types of Simulations in Quantum ATK
- General Work Flow in Quantum ATK
- Density Functional Theory (DFT)
- Non-Equilibrium Green Function (NEGF)
- Advanced Calculators and Analysis
- Material Building Library
- Outlook of Quantum ATK
- Scaling in Quantum ATK
- Use Demonstration of Quantum ATK
- Nano-structured Materials and Devices
- Advanced Modeling
- Multiscale Computation
- Design and Simulate Region for Devices

17th JANUARY, 2024
11:00 AM - 4:00 PM
PROGRAM: 09:00 AM

CHIEF PATRON
Prof. Prateek Sharma
Hon'ble Vice Chancellor

PATRON
Prof. Madhusudan Singh
Registrar

CHAIRPERSON
Prof. Rishu Chaujar
Centre Coordinator VDCoE4SM

CONFERENCE POINTS
Dr. Anand K. Mishra
Dr. Anand K. Mishra

Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors and Microelectronics DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
Organizes
An Academic Interaction
with
Dr. Satya Gupta
President, VLSI Society of India

THEME : Semiconductors

- Interaction with Faculty
- Interaction with Students
- Possible collaboration with VLSI Society of India & Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors & Microelectronics for creation of industry, academic & government connect across the area of:
 - Design and Research
 - Talent, Skillset & Workshops

CHIEF PATRON
Prof. Prateek Sharma
Hon'ble Vice Chancellor

PATRON
Prof. Madhusudan Singh
Registrar

CHAIRPERSON
Prof. Rishu Chaujar
Centre Coordinator VDCoE4SM

CONFERENCE POINTS
Dr. Anand K. Mishra
Dr. Anand K. Mishra

18th JANUARY, 2024 11:00 AM onwards
Conference Hall, First Floor, Science Block, DTU

Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors and Microelectronics (VDCoE4SM) DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
Organizes
An Industrial Interaction
with
Mr. M G Hwang
(VP & GM, Silvaco, Asia) & **Mr. Zhao Qingda**
(MD, Silvaco, Singapore)

Key Highlights :

- Interaction with Faculties.
- MoU between Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors & Microelectronics & Silvaco.
- Collaboration in Teaching, Research & Development.
- Cooperation in Projects, Research & Consultancy Activities.
- Exchange of Students for Summer/Winter Internships.
- Publication of Intellectual Properties (IPs).
- Cooperation in Curriculum Development.

CHIEF PATRON
Prof. Prateek Sharma
Hon'ble Vice Chancellor

PATRON
Prof. Madhusudan Singh
Registrar

CHAIRPERSON
Prof. Rishu Chaujar
Centre Coordinator VDCoE4SM

23rd January 2024 11:00 AM
Conference Hall, First Floor, Science Block, DTU



11th International Conference on MICROELECTRONICS, CIRCUITS AND SYSTEMS (MICRO 2024)
18-19 MAY, 2024

Vinod Dham Centre of Excellence for Semiconductors and Microelectronics (VDCoE4SM) Delhi Technological University, Greater Noida, Ghaziabad, Uttar Pradesh, India

TOPICS TO BE COVERED

- Microelectronics and Nanotechnology
- VLSI Systems and Design
- Microelectronics and Industry
- Microelectronics and Education
- Microelectronics and Research
- Microelectronics and Innovation
- Microelectronics and Entrepreneurship
- Microelectronics and Social Impact
- Microelectronics and Policy
- Microelectronics and Ethics
- Microelectronics and Sustainability
- Microelectronics and Security
- Microelectronics and Health
- Microelectronics and Environment
- Microelectronics and Energy
- Microelectronics and Transportation
- Microelectronics and Agriculture
- Microelectronics and Space
- Microelectronics and Defense
- Microelectronics and Law
- Microelectronics and Art
- Microelectronics and Culture
- Microelectronics and History
- Microelectronics and Future

CALL FOR PAPER

Proposed Publications

Step of Paper Submission

5.7 औद्योगिक अभिकल्प एवं कार्यानुकूलन केंद्र (सीआईडीई)

डीटीयू में 22 मार्च, 2021 को स्थापित औद्योगिक अभिकल्प एवं कार्यानुकूलन केंद्र (सीआईडीई) विशेषज्ञ व्याख्यानों, कार्यशालाओं के आयोजन और उद्योग एवं शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। यह ग्रीष्म और शीतकालीन अवकाश के दौरान बी.डि.एस., एम.डि.एस., एम.टेक. और एमबीए के छात्रों के लिए इंटरशिप के अवसर प्रदान करता है। सीआईडीई अनुभवी संकाय और महत्वाकांक्षी डिज़ाइनरों की एक टीम के साथ लगातार विस्तार कर रहा है, जो अक्सर उद्योग-अकादमिक संवाद आयोजित करता है। इसके कई छात्रों ने औद्योगिक और शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संगठन संरचना:

अध्यक्ष

प्रो. रंगनाथ एम. सांगरी

सलाहकार सदस्य

प्रो. ललित कुमार दास
प्रो. जी वी श्रीकुमार
प्रो. आर सी सिंह
प्रो. रोली पुरवार

संकाय समन्वयक

डॉ. रवीन्द्र सिंह	सुश्री तरुणा सिंह
श्री नीरज राठी	श्री वरुण सिंह
श्री पार्थ प्रतिम दास	

समन्वयक (अनुसंधान)

श्री मोहम्मद तैय्यब	सुश्री अवनि
सुश्री अनुराधा रायज़ादा	श्री उत्कर्ष चौधरी
श्री शाहिद अहमद	श्री मेराज आलम इदरीसी
सुश्री मोनिका सिंह	सुश्री सिमरन वत्स
सुश्री श्रद्धा	

छात्र समन्वयक

सुश्री रानी मेधाश्री (2021-22)
सुश्री हतुजा मेश्राम (2022-23)
सुश्री अनन्या रथ (2023-24)
श्री ध्रुव गोयल (2023-24)

दृष्टि

केंद्र का लक्ष्य डिज़ाइन के क्षेत्र में अग्रणी बनकर मानवता, उद्योग और समाज की सेवा के प्रति अपने समर्पण के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त करना है। इसके उद्देश्य में मानव कल्याण को बढ़ावा देना, समाज और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का पोषण करना, भविष्य के डिज़ाइन पेशेवरों को आकार देना, नवाचार को बढ़ावा देना और सामाजिक कल्याण पर केंद्रित एक संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना शामिल है।

उद्देश्य

- शैक्षिक नेतृत्व:** डिज़ाइन उत्कृष्टता के लिए प्रयास करके विविध वातावरण में मानव अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन पेशेवरों की अगली पीढ़ी को तैयार करना।
- नवोन्मेषी मंच:** एक जीवंत केंद्र स्थापित करें जहाँ किफायती और टिकाऊ डिज़ाइन के विचार और विशेषज्ञता एकत्रित हों, और रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा मिले।
- अनुसंधान उन्नति:** अत्याधुनिक डिज़ाइन प्रथाओं के निरंतर विकास का समर्थन करने के लिए, नवीन उत्पादन तकनीकों में अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- सहानुभूतिपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र:** एक ऐसा करुणामय वातावरण बनाएँ और बनाए रखें जो विविध आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को संबोधित करे, जिससे समग्र सामाजिक कल्याण में सुधार हो।
- सांस्कृतिक परिवर्तन:** एक ऐसी संस्कृति का पोषण करें जो उत्कृष्टता को बढ़ावा दे, खुले विचारों को महत्व दे, और नवीन एवं प्रभावशाली समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए विघटनकारी सोच को बढ़ावा दे।

आयोजित कार्यक्रम:

केंद्र ने "अभिकल्प एवं सामग्री (आईसीडीएम)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका पहला आयोजन जनवरी 2022 में मैटेरियल्स टुडे प्रोसीडिंग्स और एल्सेवियर प्रकाशनों के सहयोग से किया गया था। इसके बाद दूसरा सम्मेलन, आईसीडीएम-2023, जुलाई 2023 में एनआईटी दिल्ली में आयोजित किया गया। तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन फरवरी 2025 में आयोजित किया जाना है।

इंटरशिप कार्यक्रम:

शीर्षक	सत्र
4 सप्ताह का इंटरशिप कार्यक्रम, "विजुअल स्टोरी टेलिंग, एनीमेशन और फिल्म मेकिंग" पर अध्यक्ष, प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी समन्वयक, सुश्री मोनिका सिंह।	2023-24
4-सप्ताह का इंटरशिप कार्यक्रम, "उत्पाद अभिकल्प और 3डी प्रिंटिंग" पर अध्यक्ष, प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी, समन्वयक श्री मोहम्मद तैय्यब।	2023-24
4-सप्ताह का "दृश्य कहानी सुनाना" पर इंटरशिप कार्यक्रम अध्यक्ष: प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी, सह-अध्यक्ष: प्रो. के. एन. चटर्जी, एनएसयूटी, समन्वयक: सुश्री मोनिका सिंह।	2023-24

औद्योगिक दौरे:

सीआईडीई डीटीयू छात्रों और संकायों के बीच अभिकल्प संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उद्योग भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

फतेहपुर, हिमाचल प्रदेश

2 - 5 नवंबर, 2023

अध्यक्ष:

प्रो. रंगनाथ एम. सिंगारी

समन्वयक: सुश्री मोनिका सिंह और श्री उत्कर्ष चौधरी

छात्रों को दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए कई स्थानीय दौरे आयोजित किए गए।



5.8 बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ

बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ की स्थापना 22 जून, 2017 को हुई थी और बाद में 15 फरवरी, 2018 को औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास (आईआरडी) प्रकोष्ठ के अंतर्गत इसका पुनर्गठन किया गया। वर्तमान में, इसमें तीन समन्वयक और तीन सह-समन्वयक हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

संगठन संरचना:

प्रो. अनिल कुमार साहू
(डीन, आईआरडी)

प्रो. रोली पुरवार
(एसोसिएट डीन, आईआरडी एवं समन्वयक,
आईपीआर प्रकोष्ठ)

डॉ. राजीव कुमार
(सह-समन्वयक, आईपीआर प्रकोष्ठ)

सुश्री निशा पांचाल (जे.ओ.)
श्री सौरभ (एमटीएस)

में बदलने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, उन्हें अपने शोध कार्यों में बाजार की तत्परता पर विचार करनेके लिए प्रेरित किया गया

**कार्यशाला : बौद्धिक संपदा अधिकार
(आईपीआर) और आईपी प्रबंधन स्टार्ट-
अप्स के लिए 22 मई, 2024**

आईपी वकील श्री अरुणव मैती के नेतृत्व में, इस कार्यशाला में आईपीआर का परिचय दिया गया और स्टार्ट-अप्स और शोधकर्ताओं के लिए उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रमुख विषयों में पेटेंटिंग, कॉपीराइट, पीसीटी अनुप्रयोग और आईपी प्रबंधन शामिल थे। श्री मैती ने नवाचारों की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित करने में आईपीआर की भूमिका पर ज़ोर दिया और मज़बूत आईपी पोर्टफोलियो बनाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। इस सत्र में प्रतिभागियों को शामिल किया गया, स्टार्टअप चुनौतियों का समाधान किया गया और उन्हें अपनी बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और व्यावसायीकरण के लिए सशक्त बनाया गया।

वर्ष 2023-24 में आयोजित कार्यक्रमों का सारांश:

**नवाचार प्रज्वलित: पेटेंट, नवाचार,
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और
व्यावसायीकरण की खोज
(20 फरवरी , 2024)**

पेटेंट एजेंट और पीएचडी धारक डॉ. श्वेता शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रयोगशाला अनुसंधान को विपणन योग्य समाधानों में बदलने की गहन पड़ताल की गई। डॉ. शर्मा ने प्रौद्योगिकी तत्परता स्तरों (टीआरएल) का परिचय दिया और प्रतिभागियों को नवाचार विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण के बारे में मार्गदर्शन दिया। इस इंटरस्पर संवादात्मक सत्र में संकाय और छात्रों को शामिल किया गया, विचारों को प्रभावशाली परिणामों



2023-24 वर्ष में प्रकाशित पेटेंटों का विवरण

आविष्कारक:
प्रो. धीरज जोशी

शीर्षक: जेड-सोर्सडीसी-डीसी सिंगल इनपुट डुअल आउटपुट (एसईडीओ) के टोपोलॉजी चयन के लिए एक कनवर्टर और उसकी विधि।

पेटेंट संख्या: 202311053700

दिनांक: 10 अगस्त, 2023

आविष्कारक:
प्रो. धीरज जोशी

शीर्षक: रिड्यूस्ड कन्वर्टर के साथ सरलीकृत नियंत्रण के लिए फेज-शॉर्ट और फेज-ओपन डीएफआईएम-डीसी टोपोलॉजी पर आधारित प्रणाली।

पेटेंट संख्या: 202311063017

दिनांक: 20 सितंबर, 2023

आविष्कारक:
डॉ. पवन सिंह मेहरा

शीर्षक: गीगाहर्ट्ज राज्यों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल डेटा के सुरक्षित संचरण के लिए क्वांटम क्रिप्टोग्राफी-आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली और विधि।

पेटेंट संख्या: 202311064981

दिनांक: 27 सितंबर, 2023

आविष्कारक:
डॉ. मयंक कुमार

शीर्षक: एक उच्च लाभ दोष-सहिष्णु मल्टीपोर्टडीसी-डीसी कनवर्टर।

पेटेंट संख्या: 202411024561

दिनांक: 27 मार्च, 2024

2023-24 वर्ष में स्वीकृत पेटेंट की सूची

क्र. सं.	आविष्कारक/ आविष्कारकों का नाम	पेटेंट संख्या/पेटेंट का शीर्षक	आवेदक के नाम	स्वीकृत (दिन/ माह/वर्ष)
1	प्रो. कपिल शर्मा, श्री सचिन कुमार अग्रवाल	458808 / 5जी वायरलेस कम्युनिकेशन नेटवर्क में निकटता-आधारित एक्सेस कंट्रोल	1. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड 2. डीटीयू, दिल्ली	20 अक्टूबर, 2023
2	डॉ. मोहन सिंह मेहता	463021 / त्रिसंयोजी धातु आयनों का पता लगाने के लिए प्रणाली और विधि	डीटीयू, दिल्ली	03 नवंबर, 2023
3	डॉ. मोहन सिंह मेहता	481999 / जलीय वातावरण में फेरिक आयरन का पता लगाने के लिए जांच और उसकी विधि	डीटीयू, दिल्ली	15 दिसंबर, 2023

क्र. सं.	आविष्कारक/ आविष्कारकों का नाम	पेटेंट संख्या/पेटेंट का शीर्षक	आवेदक के नाम	स्वीकृत (दिन/ माह/वर्ष)
4	प्रो. कपिल शर्मा, श्री सचिन कुमार अग्रवाल	484701 / वायरलेस पावर ट्रांसफर में पावर का अनुकूलन	1. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड 2. डीटीयू, दिल्ली	22 दिसंबर, 2023
5	प्रो. गुरजीत कौर, सुश्री गरिमा सिंह	486395 / एक मल्टीकोर फाइबर के बल और उसकी निर्माण प्रक्रिया	डीटीयू, दिल्ली	22 दिसंबर, 2023
6	प्रो. रोली पुरवार, श्री चंद्र मोहन श्रीवास्तव	504734 / हाइड्रोजेल पार्टिकल्स और उसकी प्रक्रिया द्वारा तैयार सिल्क फाइब्रोइन फ्लेक्सिबल फिल्मस	डीटीयू, दिल्ली	2 फरवरी, 2024
7	डॉ. मनोज कुमार, श्री राहुल अग्रवाल	505524 / कंटेंट सेंसिटिव हिस्से को टैग करने और रेंडर करने के लिए सिस्टम और तरीके	1. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड 2. डीटीयू, दिल्ली	2 फरवरी, 2024
8	डॉ. रमिंदर कौर, डॉ. रविंदरजीत सिंह वालिया, सुश्री अनुजा अग्रवाल	516877 / बायो-बेस्ड रिजिड पॉलीयूरेथेन फोम कंपोजिशन और उसकी विधि	डीटीयू, दिल्ली	1 मार्च, 2024
9	प्रो. पूर्णिमा मित्तल, सुश्री भावना रावत	524265 / रीकॉन्फिगरेबल स्टैटिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (एसआरएएम) और उसकी विधि	डीटीयू, दिल्ली	15 मार्च, 2024
10	डॉ. राहुल कटार्या	529534 / पौधों की बीमारी का पता लगाने और नियंत्रण के लिए प्रेसिजन एग्रीकल्चर रोवर	डीटीयू, दिल्ली	29 मार्च, 2024
11	डॉ. मोहन सिंह मेहता	529469 / एक नमूने के इलेक्ट्रिक फील्ड मॉड्युलेटेड अवशोषण और फोटोल्यूमिनेसेंस का पता लगाने के लिए उपकरण और विधि	डीटीयू, दिल्ली	29 मार्च, 2024
12	प्रो. आर.एस. वालिया, प्रो. कासिम मुर्तजा, प्रो. रंगनाथ एम., श्री परवेश अली	531306 / थर्मल एडिटिव सेंट्रीफ्यूगल एब्रेसिव फ्लो मशीनिंग और उसकी विधि	डीटीयू, दिल्ली	5 अप्रैल, 2024
13	प्रो. नल्लानथिघल श्रीनिवास राघव, श्री अखिलेश वर्मा	531439 / 5जी अनुप्रयोगों के लिए मल्टीपल वेव पीईएफए एंटीना का उपयोग करके मल्टी और वाइड बैंड मिलीमीटर वेव पीईएफए एंटीना	डीटीयू, दिल्ली	5 अप्रैल, 2024

क्र. सं.	आविष्कारक/ आविष्कारकों का नाम	पेटेंट संख्या/पेटेंट का शीर्षक	आवेदक के नाम	स्वीकृत (दिन/ माह/वर्ष)
14	डॉ. मोहन सिंह मेहता, श्री विनीत शर्मा, श्री अभिनव टंडन	531913 / लाइट एमिटिंग मेटल और डुअल मेटल- डोष जिक सेलेनाइड क्वांटम डॉट्स और उसकी विधि	डीटीयू, दिल्ली	12 अप्रैल, 2024
15	प्रो. ओम प्रकाश वर्मा, श्री निर्मल पांडे, श्री अमिय कुमार, श्री सचिन पपनेजा, श्री ब्रज राज सिंह, श्री रवींद्र जैन, श्री दलबीर सिंह दिल्ली, श्री मनीष जिंदल, श्री नीरव पटेल	532075 / एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में पावर प्रबंधन के लिए विधि और उसका इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	1. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड 2. डीटीयू, दिल्ली	12 अप्रैल, 2024
16	प्रो. नल्लानथिघल श्रीनिवास राघव	535801 / एक कॉम्पैक्ट हाइपर बैंड पास पावर प्रोवाइडर	डीटीयू, दिल्ली	3 मई, 2024
17	प्रो. मिनी श्रीजेथ	544481 / भारत में लाइट मोबिलिटी वाहनों के लिए मोटर नियंत्रक	डीटीयू, दिल्ली	9 जुलाई, 2024
18	प्रो. कपिल शर्मा, श्री सचिन कुमार अग्रवाल	494431 / इंटेलिजेंट 3डी एरियल वायरलेस ट्रांसमिशन के लिए विधि और प्रणाली	1. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड 2. डीटीयू, दिल्ली	1 दिसंबर, 2024

5.9 बहुविषयक भू-सूचना विज्ञान केंद्र (एमसीजी)

समन्वयक: **प्रो.के.सी.तिवारी** (जनपद अभियांत्रिकी विभाग)

भू-सूचना विज्ञान को स्थानिक सूचना की संरचना, विशेषताओं और प्रबंधन से संबंधित वैज्ञानिक और तकनीकी अनुशासन के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें ऐसी सूचना का अधिग्रहण, वर्गीकरण, भंडारण, प्रसंस्करण, दृश्यीकरण और प्रसार, साथ ही इसके इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा शामिल है। एमसीजी, डीटीयू भू-स्थानिक और भू-सूचना विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्र में एक विश्वस्तरीय बहु-विषयक केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दृष्टिकोण की प्राप्ति हेतु, केंद्र ने इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

"कृषि अनुप्रयोगों में कंप्यूटर विज्ञान की भूमिका का लाभ उठाना" पर कार्यशाला

एमसीजी ने अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), सीजीआईएआर के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य विद्वानों और अभियांत्रिकी छात्रों को डिजिटल कृषि की गहन जानकारी प्रदान करना था। इस क्षेत्र में अनुसंधान और अनुप्रयोगों से जुड़े कुल 36 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

मुख्य वक्ताओं में आईएआरआई और आईआरआरआई जैसे प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल थे। प्रख्यात वक्ताओं में डॉ. जावू कू, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. सुव्रत कौशिक, डॉ. बुलबुल अहमद, डॉ. जसप्रीत सिंह और डॉ. रबी एन साहू शामिल थे। सत्रों में कृषि में एआई/एमएल के उद्भव और प्रगति, सटीक कृषि, कृषि नवाचार और कृषि में कंप्यूटर विज्ञान की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्सव

एमसीजी ने 11 मई, 1998 को पोखरण में किए गए सफल परमाणु परीक्षणों की स्मृति में 13 मई, 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस समारोह में मुख्य अतिथि मेजर जनरल आर. सी. पाधी, इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज के वैज्ञानिक डॉ. हिमांशु ओझा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज में विज्ञान संचार के सहायक आचार्य मनोज कुमार पटैरिया उपस्थित थे।



रक्षा, सुरक्षा और खुफिया के लिए भू-स्थानिक समाधान विकसित करने पर 21-दिवसीय डीएसटी प्रायोजित स्तर-2 ग्रीष्मकालीन विद्यालय

एमसीजी ने भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन विद्यालय का आयोजन किया, जिसका विषय था "रक्षा, सुरक्षा और खुफिया जानकारी के लिए भू-स्थानिक समाधान विकसित करना"। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, खुफिया जानकारी, शिक्षा जगत और उद्योग सहित विविध क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन सप्ताह के दौरान, ग्रीष्मकालीन विद्यालय ने सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक सत्र भी प्रदान किए, जिनमें रिमोट सेंसिंग, इमेज प्रोसेसिंग और इमेज विश्लेषण शामिल थे, जिनका मुख्य विषय रक्षा और सुरक्षा अनुप्रयोगों पर केंद्रित था। विभिन्न शैक्षणिक और शोध संस्थानों के अनुभवी पेशेवरों द्वारा व्याख्यान दिए गए। समापन सत्र का सम्मान प्रख्यात उद्यमी और वक्ता श्री श्रीकांत शास्त्री ने किया।





समझौता के साथ एफओएसएसईई, आईआईटी मुंबई

एफओएसएसईई (शिक्षा के लिए स्वतंत्र/मुक्त और मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर), आईआईटी, मुंबई ने एमसीजी को अपना उत्तर भारत समन्वयक नियुक्त किया है और डीटीयू के छात्रों के लिए विशेष रूप से दो इंटरशिप पद भी आवंटित किए हैं। दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पर दिसंबर 2023 में हस्ताक्षर किए गए।



एमसीजी में नए पीएचडी छात्र का प्रवेश

जुलाई 2023 तक, एमसीजी जनपद अभियांत्रिकी विभाग का हिस्सा था, और केंद्र से जुड़े एम.टेक. और पीएचडी छात्रों को जनपद अभियांत्रिकी में डिग्री प्रदान की जाती थी। अगस्त 2023 तक, डीटीयू ने इस केंद्र को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित करने की मंजूरी दे दी है, जिससे केंद्र विशेष रूप से जियोइन्फॉर्मेटिक्स में एम.टेक. और पीएचडी की डिग्री प्रदान कर सकेगा। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए एमसीजी में चार नए पीएचडी छात्रों ने दाखिला लिया है।

5.10 उद्यमिता विकास केंद्र (ईडीसी)

उद्यमिता विकास केंद्र (ईडीसी) का उद्देश्य एक मज़बूत संस्थागत ढाँचा तैयार करना है जो डीटीयू समुदाय के भीतर और उसके बाहर उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा दे। उद्यमशीलता की मानसिकता को पोषित करके, केंद्र महत्वाकांक्षी स्टार्ट-अप संस्थापकों को मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करता है, और उन्हें उद्यमिता को एक लाभदायक और टिकाऊ करियर विकल्प के रूप में तलाशने के लिए प्रोत्साहित करता है। अपने प्रयासों के माध्यम से, ईडीसी नवाचार को बढ़ावा देने और भावी व्यावसायिक नेताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संगठन संरचना:

प्रमुख

प्रो. अमित मुखर्जी

सदस्य

श्री रौनक मुस्तफा

डॉ. प्रिया मल्होत्रा

डॉ. वर्षा सहगल

डॉ. पुनीत कुमार अरोड़ा

यह केंद्र यूएसएमई के महत्वाकांक्षी स्टार्ट-अप संस्थापकों, विशेष रूप से एमबीए-आईआईटी छात्रों, और अन्य कार्यक्रमों के छात्रों को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। अपने शुरुआती दौर में, केंद्र ने सरकार के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) के तहत उद्यमिता पर एक अनुभवात्मक कार्यशाला का आयोजन किया और वार्षिक उत्सव 'ट्रैक्शन' के दौरान एक स्टार्ट-अप व्यवसाय योजना प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें आईआईएम लखनऊ, आईआईएम शिलांग, आईआईएम रोहतक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और देश भर के कई अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें सौ से अधिक प्रबंधन छात्रों ने भाग लिया। केंद्र ने 'एनेक्टस' कार्यक्रमों के साथ भी सहयोग किया है, जो जरूरतमंद लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सामाजिक उपक्रमों में संलग्न हैं।

अतीत में, उद्यमी-मार्गदर्शकों का एक प्रतिष्ठित समूह, जिसमें डॉ. पुष्पेंद्र सिंह (सीरियल उद्यमी एवं सलाहकार ईडीसी), श्री अवल सेठी (बेचटेल के पूर्वसीओओ और ईएफएस इंटरनेशनल के निदेशक), श्री सुधीर कांत (एयूडी आईआईएफ के सीईओ), श्री मनु प्रणव (स्टेलर डायनेमिक्स के निदेशक), सुश्री दिव्या राजपूत (केशिहा सर्विसेज की संस्थापक एवं सीईओ), और सुश्री यास्मीन रिज़वान (संस्थापक एवं वित्त विशेषज्ञ) शामिल हैं, छात्र स्टार्ट-अप्स को मार्गदर्शन प्रदान करने में प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहे हैं। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान, केंद्र ने परिसर में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान एमबीए-आईआईटी छात्रों द्वारा शुरू किए गए कई उद्यम फलते-फूलते रहे।

स्टार्टअप्स:

"इनोवेटिव स्क्रिप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड"

इनोवेटिव स्क्रिप्ट एक गतिशील एसएफएस स्टार्टअप है जो तकनीकी प्रगति पर केंद्रित है। ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एई), 5जी और पोस्ट क्वांटम एन्क्रिप्शन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाली यह कंपनी नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी है। 2022 में, इसे भारत के शीर्ष 75 उभरते स्टार्टअप्स में से एक के रूप में मान्यता दी गई, जो स्टार्टअप इको सिस्टम में इसकी महत्वपूर्ण क्षमता और प्रभाव को दर्शाता है। कंपनी को शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से भी फंडिंग मिली है, जिससे इसके विकास को और बढ़ावा मिला है। इसके अतिरिक्त, इसे स्टार्ट-अप इंडिया द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

"रेफोवेओ"

यह स्वच्छ, ताजा और स्वस्थ भोजन और पेय पदार्थ परोसने के बारे में है; यह उद्यम सबसे पहले डीटीयू मुख्य परिसर में स्थापित किया गया था, और डीटीयू के छात्रों को ताज़ा जूस और सब्जियों का सलाद परोसना। दूसरा आउटलेट 2022-23 के दौरान पूर्वी परिसर में

खोला गया, और व्यावसायिक रूप से सफल रहा, जिससे कंपनी को नए बुनियादी ढाँचे में और निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। वे दिल्ली के अन्य संस्थानों में अपने अतिरिक्त आउटलेट खोलने और अपने कर्मचारियों का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं।

“ईशान-एम”

यह एक ऐसा स्टार्ट-अप है जो एक ही स्थान पर सभी डिजिटल मार्केटिंग आवश्यकताओं का संपूर्ण समाधान प्रदान करता है, और इसके छह से अधिक प्रमुख व्यावसायिक घराने पहले से ही ग्राहक हैं। इसने 2022- 23 और 2023-24 की अवधि के दौरान तेज़ी से प्रगति जारी रखी और अपने राजस्व में वृद्धि की, अंततः इस अवधि के दौरान परिसर से बाहर परिचालन स्थानांतरित कर दिया, जिससे व्यावसायिक सफलता में वृद्धि हुई।

“निकीज क्लोथिंग”

यह एक भारतीय परिधान ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफ़ॉर्म है। यह नवीनतम ट्रेंड और कलेक्शन के साथ विशेष भारतीय परिधान प्रदान करता है। यह हर महीने अपने ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल पर उत्पाद लॉन्च करता है और लहंगे, शरारा सूट, गरारा सूट और ड्रेसेस उपलब्ध कराता है।

“प्रोफेशनल रेंज ए+ आपकी प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाए”

इस स्टार्ट-अप का उद्देश्य आवश्यक तेलों और नैनो-प्रौद्योगिकी को आधार बनाकर 'सौंदर्य और सैलून उद्योग के लिए एक गंतव्य' प्रदान करना है। इसका दीर्घकालिक उद्देश्य एक निर्यात केंद्र स्थापित करना है जहाँ त्वचा देखभाल उत्पादों का व्यापार-दर-व्यापार वितरण किया जाएगा। संस्थापक (सुश्री वंशिका) ने प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से दिल्ली और गुजरात में वितरण का विस्तार किया। एमएसएमई-केंद्रित शो के एक भाग के रूप में, डीडी उर्दू पर उनका साक्षात्कार भी लिया गया।

“टिफिनशाला”

आराधना ने नोएडा से होम कुकड टिफिन सर्विस पर आधारित एक एग्रीगेटर मॉडल बिजनेस शुरू किया और भविष्य में गाजियाबाद और वेस्ट दिल्ली में विस्तार करने की योजना बनाई। यह फर्म 2022-23 में स्थापित हुई और इसकी वेबसाइट और बैकएंड को डीटीयूके बी.टेक, बीबीए और अन्य प्रोग्राम के इंटरन की एक टीम की मदद से डेवलप किया गया। पायलट प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया और इसे भी डीटीयू-आईआईएफ में अन्य स्टार्टअप की तरह इनक्यूबेट किया गया।



महत्वपूर्ण विकास पथ वाले इन स्टार्ट-अप्स के अलावा, निम्नलिखित स्टार्ट-अप्स 2023-24 की अवधि के दौरान पूर्वी दिल्ली परिसर में ईडीसी से संचालित हो रहे थे:

डीटीयू-आईआईएफ में स्टार्टअप (इन्क्यूबेशन)

छात्र का नाम	कंपनी	निधि (₹.)
अक्षिता मल्होत्रा (IMBA/2k19/02) उत्कर्ष सिंह (IMBA/2k19/16)	रेफोवेओ	₹ 50,000 (आईआईएफ)
शुभम प्रजापति (2k19/IMBA/15)	इनोवेटिव स्क्रिप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	₹ 50,000 (आईआईएफ और ₹10,00,000 (एआईसीटीईएमआई))
शिखर मिश्रा (2k19/IMBA/14)	अंगेटा एग्री प्राइवेट लिमिटेड	₹ 50,000 (आईआईएफ)
सारांश जैन (2k20/UMBA/34)	फ्रीलांस मंत्र	₹ 2,50,000 (आईआईएफ)
निखिला जोशी (2k20/IMBA/01)	निकीज	₹ 50,000 (आईआईएफ)

डीटीयू-आईआईएफ में स्टार्टअप (प्री-इन्क्यूबेशन)

छात्र का नाम	कंपनी का नाम	निधि (₹.)
वंशिका कक्कड़ (2k20/IMBA/08)	ए+ इंटरनेशनल	₹ 50,000/- (आईआईएफ)
ईरा (2k20/BAE/63)	आयरा	₹ 50,000/- (आईआईएफ)
आराध्या सक्सेना (2k20/IMBA/02)	50,000/ (आईआईएफ)	₹50,000/- (आईआईएफ)
रवि सिंह (2k20/IMBA/13)	फ्लोरामार्ट	-
ईशा आनंद (2k20/IMBA/15)	पॉसिबल	-
राहुल (2k20/IMBA/12) अभिज्ञान (2k20/IMBA/01)	वर्मीअप	-

स्टार्ट-अप गतिविधियों के अलावा, स्टार्ट-अप विचारों को बढ़ावा देने, शुरुआती चरणों को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विचार-मंथन के माध्यम से, और छात्रों व शिक्षकों को उद्यमशीलता की यात्रा के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। इनमें से कुछ कार्यक्रम आईआईसी-डीटीयू और पूर्वी परिसर में छात्र-नेतृत्व वाले ई-सेल के सहयोग से आयोजित किए गए, जिनका समन्वय ईडीसी द्वारा किया गया।

आइडियाथॉन प्रतियोगिता : 16 जनवरी, 2024

यूएसएमई के उद्यमिता प्रकोष्ठ और डीटीयू के आईआईएफ ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के उपलक्ष्य में 16 जनवरी, 2024 को "आइडियाथॉन' 24" का समापन समारोह आयोजित किया। इस अंतर-महाविद्यालय व्यावसायिक विचार प्रतियोगिता ने नवोदित उद्यमियों को अपने नवोन्मेषी विचारों को प्रदर्शित करने, राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, विशेषज्ञों से सीखने और सहयोगी प्रायोजकों से रोमांचक वाउचर के साथ-साथ कुल 40,000/- रुपये के पुरस्कार जीतने का अवसर प्रदान किया।

आइडियाथॉन प्रतियोगिता के विजेता :

डीटीयूके श्री कुश गर्गके नेतृत्व वाली टीम एयरबोर्ड को आइडियाथॉन 24 का विजेता घोषित किया गया। एयरबोर्ड ने कैमरे के माध्यम से उंगलियों की गतिविधियों को कैप्चर करके स्क्रीन पर स्पर्श रहित लेखन के लिए कंप्यूटर विज्ञान तकनीक का उपयोग करते हुए एक अभिनव समाधान तैयार किया है। टीम को ₹20,000/- के पुरस्कार प्रदान किए गए।

आईआईटी हैदराबाद के श्री सृजन के नेतृत्व वाली टीम पीईसीए पूल को प्रथम रनरअप का स्थान प्राप्त हुआ। पीईसीए पूल एक वेब ऐप है जो समान क्षेत्र के व्यक्तियों को उनके उत्पादों या सेवाओं की खरीदारी के लिए पूल करने हेतु जोड़ता है, जिससे उन्हें छूट, ऑफ़र और योजनाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है। स्टार्टअप ने पहले ही अपनी सेवाएँ शुरू कर दी हैं और शुरुआती गति और राजस्व प्राप्त कर रहा है। श्री सृजन को ₹15,000/- के पुरस्कार प्राप्त हुए।

डीटीयू के श्री निर्मल की अगुवाई वाली टीम ईज़िनोर को दूसरा रनर-अप घोषित किया गया। ईज़िनोर ने एक स्मार्ट एनर्जी सिस्टम बनाया है।

यह स्टोरेज डिवाइस लिथियम फॉस्फेट टेक्नोलॉजी और IoT को एक साथ इस्तेमाल करता है, जो पारंपरिक लिक्विड बैटरी का एक बेहतर विकल्प है। इस स्टार्टअप ने अपना कॉन्सेप्ट सफलतापूर्वक साबित कर दिया है और पेड पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू कर दिया है। श्री निर्मल को 12,500/- रुपये का पुरस्कार मिला।



अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और स्टार्टअप एक्सपो - 24

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और स्टार्टअप एक्सपो-24 21-22 फरवरी, 2024 के दौरान आयोजित किया गया, जिसका विषय था "नवाचार और उद्यमिता"।

"इस दो दिवसीय कार्यक्रम ने आज के गतिशील बाजार में पारिवारिक व्यवसायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सीखने, खोज और अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। सम्मेलन में स्टार्टअप, एसएमई, पारिवारिक व्यवसाय के मालिक, पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाने वाले, निवेशक, कॉर्पोरेट अधिकारी, शिक्षाविद और शोधकर्ताओं सहित प्रतिभागियों का एक विविध समूह एकत्रित हुआ। प्रतिष्ठित वक्ताओं ने डिजिटल युग में अवसरों पर चर्चा की और उद्यमिता के लिए एक दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित किया। प्रतिभागियों ने उद्यमशीलता की चुनौतियों पर चर्चा की और पारिस्थितिकी तंत्र और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए परिवर्तनकारी अवसरों की खोज की।

कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह से हुई। इसके बाद राउंडटेबल कांग्रेस, स्टार्टअप पिच सेशन, ट्रैक प्रेजेंटेशन और एक प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम हुए। इनमें 2,000 से ज़्यादा लोग शामिल हुए, जिनमें 80 से ज़्यादा शोधकर्ता, 15 से ज़्यादा स्टार्टअप, 10 वेंचर कैपिटलिस्ट और 30 वक्ता शामिल थे। विशिष्ट अतिथियों में प्रवीण सिन्हा, कुशल बनर्जी, प्रो. (डॉ.) रिहान खान सूरी और रोहित गुप्ता शामिल थे। समारोह की अध्यक्षता प्रो. प्रतीक शर्मा ने की। प्रो. अमित मुखर्जी ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. रत्नम मिश्रा ने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. रौनाक मुस्तफा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।





मेरा भारत-विकसित भारत@2047 घोषणा प्रतिवेदन

यूएसएमई ने नेहरू युवा केंद्र, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सहयोग से 9 जनवरी, 2024 को मंथन हॉल में एक जिला-स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। "मेरा भारत - विकसित भारत@2047: युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए" विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका पर ज़ोर दिया गया। यह प्रतियोगिता बेहद सफल रही और इसमें 50 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया और 2047 तक एक विकसित भारत के लिए अपने विचार साझा किए। इस आयोजन ने छात्रों में उद्देश्य की भावना को बढ़ावा दिया क्योंकि उन्होंने देश के भविष्य पर चर्चा और विचार-विमर्श किया।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित विशिष्ट मुख्य अतिथि उपस्थित थे:

1. श्री एस. के. बब्बर - उप निदेशक, नेहरू युवा केंद्र
2. श्री राजेश कुमार जादौन - उपाध्यक्ष निदेशक, एनवाईकेएस
3. श्री ईश मलिक - पत्रकार
4. प्रो. अमित मुखर्जी - आचार्य एवं प्रमुख, यूएसएमई, डीटीयू
5. डॉ. निधि माहेश्वरी - सहायक आचार्य एवं सह-प्रमुख, यूएसएमई, डीटीयू

इस कार्यक्रम के निर्णायकगण थे:

6. डॉ. हरलीन कौर - सहायक प्राध्यापक यूएसएमई, डीटीयू
7. डॉ. गगनमीत कौर अवल - सहायक आचार्य, यूएसएमई, डीटीयू
8. श्री अनुराग चतुर्वेदी - सहायक आचार्य, यूएसएमई, डीटीयू



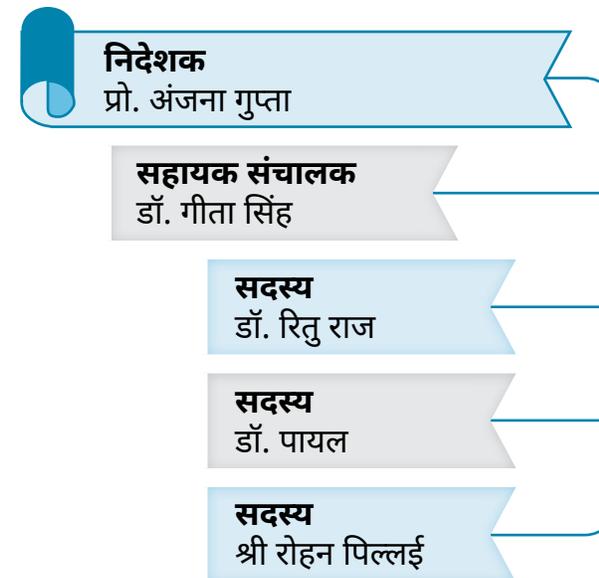
5.11 समान अवसर प्रकोष्ठ

डीटीयू का समान अवसर प्रकोष्ठ वर्ष 2018 में इस उद्देश्य से स्थापित किया गया था कि विश्वविद्यालय में विभिन्न अध्ययन कार्यक्रम कर रहे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, दिव्यांगजन आदि सहित वंचित वर्ग के छात्रों को सहायता और परामर्श प्रदान किया जा सके।

दिसंबर तक संगठनात्मक संरचना 2023:



संगठन संरचना 1 से जनवरी 2024 से अब तक:



उद्देश्य:

1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाएँ तथा दिव्यांगजन (स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी अथवा अन्य स्तरों पर) से संबंधित विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार हेतु उपयुक्त कार्यक्रमों/योजनाओं का निर्माण करना, जिनमें सहायक पाठ्यक्रम भी सम्मिलित हों, तथा ऐसे कार्यक्रमों/योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करना।
2. सरकार तथा अन्य वित्तपोषण संस्थाओं (सार्वजनिक उपक्रमों/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों सहित) के साथ समन्वय करना, ताकि वंचित वर्गों के विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तिकरण हेतु आवश्यक वित्तीय एवं अन्य संसाधनों का संकलन किया जा सके।
3. सूचना का प्रसार करना तथा वंचित वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन केंद्र के रूप में कार्य करना, विशेषकर शैक्षणिक, वित्तीय एवं सामाजिक विषयों के संदर्भ में।
4. शिक्षण एवं अन्य कर्मचारियों को संवेदनशील बनाकर विद्यार्थियों के बीच तथा शिक्षकों और वंचित वर्गों के विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक संवाद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों हेतु सौहार्दपूर्ण पारस्परिक संबंध स्थापित करने और विकसित करने में सहयोग करना।
5. यौन उत्पीड़न एवं महिलाओं के प्रति लिंग-आधारित भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला मानसिक तथा भावनात्मक रूप से स्वस्थ वातावरण तैयार करना।
6. वंचित वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सशक्तिकरण हेतु समय-समय पर समकालीन महत्व के विषयों पर संगोष्ठी, परिसंवाद, कार्यशाला, सम्मेलन, प्रदर्शनी, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि का आयोजन या संचालन करना।

आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

आयोजन: 'एंटी रैगिंग' पर जागरूकता
कार्यक्रम तिथि: 18 अगस्त, 2023
प्रतिभागियों की संख्या: 105

“एंटी रैगिंग” पर जागरूकता कार्यक्रम 18 अगस्त, 2023 को आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य रैगिंग के सभी प्रकारों के विरुद्ध विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना था, चाहे वह मौखिक या लिखित शब्दों के माध्यम से हो, किसी नए छात्र या अन्य छात्र को चिढ़ाने, अशिष्ट व्यवहार करने या उसके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए किया गया हो, या उपद्रवी एवं अनुशासनहीन गतिविधियों में शामिल होने के कारण हो, जिससे झुंझलाहट, कठिनाई, मानसिक क्षति या भय उत्पन्न हो। इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को रैगिंग की घटनाओं को रोकने के उपायों और डीटीयू नियमों के तहत निषिद्ध किसी भी कृत्य की रिपोर्ट करनेके तरीकों पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम: 'छात्रों के लिए आचार संहिता'
पर जागरूकता कार्यक्रम
तिथि: 3 नवंबर, 2023
प्रतिभागियों की संख्या: 101

“विद्यार्थियों के आचरण संहिता” पर एक जागरूकता कार्यक्रम समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), विद्युत अभियांत्रिकी विभाग एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 3 नवम्बर, 2023 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा प्रो. विजेन्द्र सिंह (अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, एनएसयूटी) की शुभ उपस्थिति से बढ़ी। कार्यक्रम में प्रो० रचना गर्ग संयोजक एवं डॉ. गीता सिंह सह-संयोजक रहीं। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को

आचरण संहिता के पालन इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों और वर्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी प्रतिभागियों ने हमारे परिसर में आचार संहिता को बनाए रखने और बढ़ावा देने में गहरी रुचि दिखाई।

कार्यक्रम: 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाना
तिथि: 14 मार्च, 2024
प्रतिभागियों की संख्या: 58

“अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस” पर एक कार्यक्रम समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा संस्थागत नवाचार परिषद (आईआईसी-डीटीयू), आंतरिक शिकायत समिति (आईआईसी-डीटीयू), अनुप्रयुक्त गणित विभाग, पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 14 मार्च, 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा प्रो. प्रेरणा गौर (निदेशक, एनएसयूटी वेस्ट कैम्पस), डॉ. प्रेरणा लखवानी (स्त्रीरोग विशेषज्ञ एवं ऑन्कोलॉजिस्ट, फोर्टिस अस्पताल, दिल्ली), प्रो. उमा नांगिया (अध्यक्ष, आईसीसी-डीटीयू), प्रो. रचना गर्ग (प्रमुख, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, डीटीयू), प्रो. अंजना गुप्ता (निदेशक, ईओसी, डीटीयू), प्रो. मिनी, डॉ. शिल्पा पाल, डॉ. भवनेश जैत, डॉ. गीता सिंह (सहायक निदेशक, ईओसी, डीटीयू एवं सहायक प्राध्यापक, पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग) एवं डॉ. पायल की उपस्थिति से बढ़ी। डॉ. प्रेरणा लखवानी, एक प्रतिष्ठित स्त्रीरोग विशेषज्ञ और ऑन्कोलॉजिस्ट, ने स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता के अत्यंत महत्व पर प्रभावशाली संदेश दिया, जिसमें महिलाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर से निपटने में प्रारंभिक पहचान, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के महत्व को रेखांकित किया गया। डॉ. गीता सिंह ने कार्यक्रम का समापन करते हुए अपने समापन शब्दों में विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों के योगदान और भागीदारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उद्देश्य

'विकसित भारत @2047' के भविष्य को आकार देने में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा के लिए उन्हें एक मंच प्रदान करने का उद्देश्य उन्हें सशक्त बनाना और राष्ट्रीय विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना था।

महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाएं और समाज में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचानें। साथ ही, उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता के महत्व के बारे में जानकारी दें।

भाग लेने वालों के बीच खुले विचार-विमर्श को बढ़ावा देना, जेंडर समानता, महिलाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को प्रोत्साहित करना।

एक ऐसे परिसर संस्कृति को बढ़ावा देना जो सम्मान, समावेशिता और कल्याण को महत्व देता हो, जिसका उद्देश्य सामंजस्यपूर्ण और उत्पादक शैक्षणिक समुदाय को बढ़ावा देना है।

फ़ायदे

महिलाओं में प्रेरक नेतृत्व और नवाचार को प्रोत्साहित करना, ताकि वे अपनी क्षमताओं और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए कर सकें।

महिलाओं में जागरूकता फैलाना और उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं, जिनमें कैंसर भी शामिल है, की प्रारंभिक पहचान, रोकथाम और प्रबंधन के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरण प्रदान करना।

प्रतिभागियों को लिंग समानता के समर्थक बनने के लिए प्रेरित करना और सभी व्यक्तियों के लिए, चाहे उनका लिंग कोई भी हो, अधिक समान और समावेशी समाज बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना।

विभिन्न विभागों और आयु समूहों के प्रतिभागियों को एकत्रित करके, इस कार्यक्रम ने समावेशिता और एकता की भावना को बढ़ावा दिया, बाधाओं को तोड़ा और विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया।



5.12 विद्युत वाहन और संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (ईवीआरटी के लिए सीओई)

विश्वविद्यालय ने संबंधित तकनीकें और विद्युत वाहनों के प्रमुख क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विद्युत वाहन एवं संबंधित तकनीकें हेतु उत्कृष्टता केंद्र (ईवीआरटी हेतु उत्कृष्टता केंद्र) की स्थापना की है। यह केंद्र पारंपरिक आंतरिक दहन से पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली में परिवर्तन हेतु एक बुनियादी ढाँचा विकसित करता है।

इस केंद्र को दिल्ली ज्ञान विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। ईवीआरटी हेतु उत्कृष्टता केंद्र ने विद्युत वाहन मोटरों और ड्राइवों के डिज़ाइन, विकास और विश्लेषण, चार्जिंग अवसंरचना, चार्ज नियंत्रक, पावर ग्रिड और ईवी के बीच संचार की रेट्रोफिटिंग, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, चार्जिंग स्टेशन आदि सहित अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है। डीटीयू के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के कई संकाय सदस्य पहले से ही विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं के माध्यम से विद्युत वाहन प्रौद्योगिकियों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। ईवीआरटी हेतु उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण और निरंतर विकास को अनुसंधान के इन विविध क्षेत्रों में कार्यरत संकाय सदस्यों के अनुभव का लाभ मिल रहा है। बहुत ही कम समय में, ईवीआरटी के उत्कृष्टता केंद्र ने केंद्र के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत उद्योग-अकादमिक सहयोग स्थापित किया है।



संगठन की संरचना

संयोजक

प्रो. मधुसूदन सिंह

कुलसचिव एवं प्राध्यापक (विद्युत अभियांत्रिकी)

सह समन्वयक

प्रो. उमा नांगिया

आचार्य (विद्युत अभियांत्रिकी)

केंद्र का मुख्य फोकस निम्नलिखित है:

ईवी (विद्युत वाहन) मोटरों और ड्राइव्स का डिज़ाइन, विकास और विश्लेषण।

लागत प्रभावी और टिकाऊ ईवी (विद्युत वाहन) प्रोटोटाइप का डिज़ाइन, विकास और विश्लेषण।

विभिन्न प्रकार के ईवी (विद्युत वाहन) के लिए बैटरी पैक और बैटरी प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस का डिज़ाइन और विकास।

मौजूदा आंतरिक दहन इंजन (आइसीई) वाहनों को विद्युत वाहन (ईवी) में रूपांतरित करने का डिज़ाइन और रेट्रो-फिटमेंट।

ईवी (विद्युत वाहन) चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्रिड प्रबंधन का डिज़ाइन और विकास।

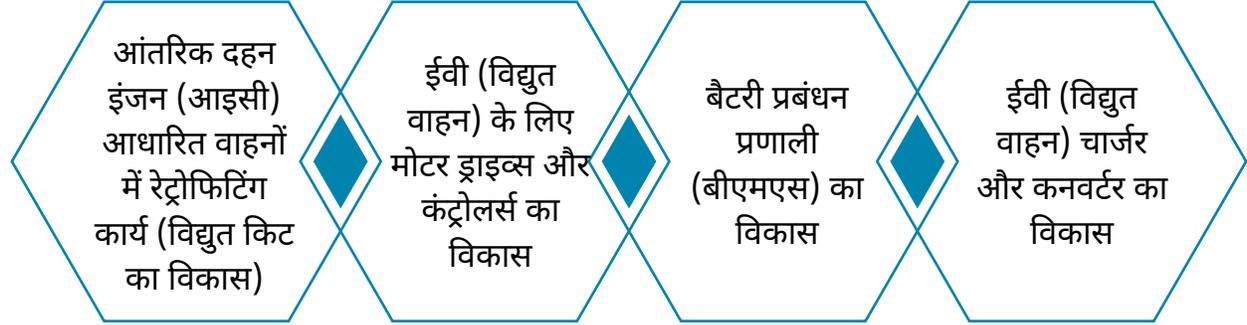
ईवी (विद्युत वाहन) प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करना।

दिल्ली राज्य सरकार के अधीन डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तर के संस्थानों के छात्रों को इंटरनशिप के अवसर प्रदान करना।

ईवी (विद्युत वाहन) प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों जैसे तकनीशियन, पर्यवेक्षक और अभियंताओं के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में क्षमता निर्माण।

मुख्य सफलतायें:

केंद्र में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं;



पेटेंट:

शीर्षक: ई-रिक्शा बीएलडीसी मोटर नियंत्रक का विकास

स्थिति: स्वीकृत

शीर्षक: उच्च प्रवर्धन दोष-सहिष्णु बहु-पोर्ट डीसी-डीसी कनवर्टर

स्थिति: स्वीकृत

शीर्षक: द्विदिशात्मक बहु-पोर्ट डीसी-डीसी कनवर्टर

स्थिति: प्रकाशित

शीर्षक: बुद्धिमान बीएमएस का विकास

स्थिति: दायर करने की प्रक्रिया में

शीर्षक: किफ़ायती बीएमएस का विकास

स्थिति: दायर करने की प्रक्रिया में

जर्नल प्रकाशन: 10

उद्योग सहयोग: पेटीएम प्राइवेट लिमिटेड।

प्राप्त अनुदान: ₹1.01 करोड़.

क्षमता निर्माण गतिविधियाँ:

यह केंद्र न केवल अंतःविषयी अनुसंधान एवं विकास पारितंत्र उपलब्ध कराता है, बल्कि इंटरनशिप, कौशल विकास पाठ्यक्रम, उद्यमिता कार्यक्रम तथा स्नातक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान करता है।

ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप:

- विभाग ने "विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी" पर छह सप्ताह की ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप 1 जुलाई से 10 अगस्त, 2024 तक आयोजित की। यह इंटरनशिप दिल्ली सरकार के एनसीटी के डिप्लोमा एवं अभियंत्रण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए थी। वर्ष 2022 में ग्यारह विद्यार्थियों ने तथा वर्ष 2023 में बारह विद्यार्थियों ने केंद्र में आठ सप्ताह की अपनी इंटरनशिप पूर्ण की।

कार्यशाला

- केंद्र ने 26 दिसंबर, 2023 को "विद्युत वाहन अनुप्रयोगों में पावर कन्वर्टर तकनीक" पर एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया है।

विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर के लिए लघुडिग्री

- केंद्र ने जनवरी 2024 से स्नातक (यूजी) छात्रों के लिए विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी में लघु डिग्री के रूप में विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी शुरू की है। शैक्षणिक परिषद ने अपनी 36वीं बैठक में ईवीआरटी के लिए सीओई के अंतर्गत बी.टेक. छात्रों के लिए विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी में लघुडिग्री को मंजूरी दे दी है।

इसके अतिरिक्त, केंद्र में विभिन्न शोध क्षेत्रों पर निम्नलिखित पीएचडी. विद्वान और एम.टेक/बी.टेक. छात्र काम कर रहे हैं।

एम. डी. मोदस्सिर मासूम (पीएचडी)
श्री प्रियंका (पीएचडी)
श्री ब्रिजेंद्र (पीएचडी)
श्री चेतन (पीएचडी)
श्री दीपक कुमार (पीएचडी)
श्री अरुण कुमार वर्मा (पीएचडी)
सुश्री शिल्पा रंजन (पीएचडी)

श्री सुयश पांडे (एम.टेक.)
श्री चयंक गोयल (बी.टेक.)
श्री ऋषभ (बी.टेक.)
श्री ऋषिव (बी.टेक.)
श्री वैभव (बी.टेक.)
श्री राहुल पचौरी (बी.टेक.)
श्री राजदीप सिंह (बी.टेक.)
श्री यश (बी.टेक.)

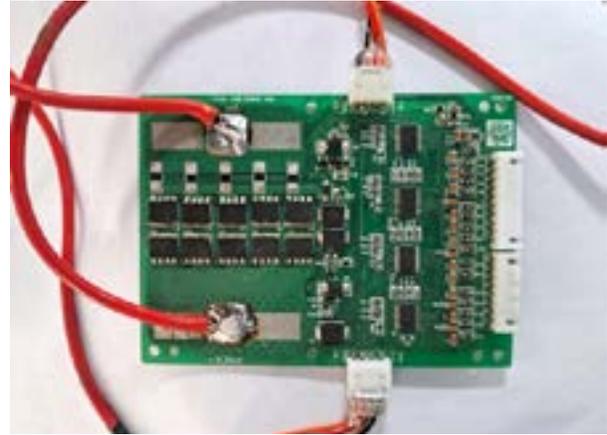
इंटेलिजेंट बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) का विकास



चार सीटों वाले प्रोटोटाइप कार मॉडल का डिज़ाइन और विकास



उद्योग प्रायोजित विकास प्रयोगशाला



लागत प्रभावी बैटरी का विकास प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस)



उद्योगों/स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग:

कई स्टार्ट-अप्स शुरू से ही ईवीआरटी के लिए सीओई से जुड़े हुए हैं, जो ईवी से संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए आधुनिक समाधान प्रदान करते हैं।

माज़ौट विद्युत प्राइवेट लिमिटेड

संयुक्त, स्वायत्त, साझी एवं विद्युत (सीएएसई) गतिशीलता की अवधारणा से जुड़ी अनेक प्रौद्योगिकियों को सम्मिलित करने के लिए माज़ौट ने सॉफ्टवेयर-परिभाषित वाहन (एसडीवी) विकास दृष्टिकोण अपनाने का निर्णय लिया है।

इस एसडीवी दृष्टिकोण के माध्यम से मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) वाहन क पर जीवनचक्र में सुविधाओं और कार्यात्मकताओं का विस्तार कर सकते हैं तथा उन्हें समय-समय पर अद्यतन कर सकते हैं। इससे उन्हें आवर्ती एवं सतत् राजस्व के अवसर प्राप्त हो ते हैं।

माईएकिगाई प्राइवेट लिमिटेड

माईएकिगाई विद्युत वाहन क्रांति में अग्रणी है, जो पीएएस (प्लेटफॉर्म-एज़-ए-सर्विस) विकसित करने के लिए समर्पित है।

जो एक एएमएस (एसेट मैनेजमेंट सिस्टम) की मदद से एमसीबी (मोबिलिटी, चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग) को इंटीग्रेट करेगा, ताकि एक ऐसा टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम बनाया जा सके जो ईवी रेंटल सेवाओं को आसान बनाए और संपूर्ण ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर की रियल-टाइम जानकारी प्रदान करे। (<https://www.myekigai.com>)

सेलेक्ट्रिकगो ईवी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड

सेलेक्ट्रिकगो सभी विद्युत वाहन मालिकों के लिए एक ऐसा समाधान है, जो उन्हें हर तरह की सुविधा देता है। यह उन्हें निकटतम ईवी चार्ज स्टेशन खोजन, वहा रियल-टाइमट्रैफिक की जानकारी और स्लॉट बुकिंग का विकल्प भी उपलब्ध कराएगा।

समझौता ज्ञापन

उद्योग का नाम: एचबीएसएस प्राइवेट लिमिटेड

उद्देश्य:

- परिसर के भीतर परिवहन प्रणाली का विकास करना
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ विद्युत वाहन (ईवी) का प्रोटोटाइप विकसित करना
- हरित गतिशीलता को प्रोत्साहित करने हेतु एचबीएसएस प्रा. लि. द्वारा निर्मित ईवी को साझा करना
- डीटीयू में सौर ऊर्जा आधारित चार्जिंग स्टेशन विकसित करना
- योग्य एवं युवा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम-अनुरूप इंटर्नशिप प्रदान करना
- बैटरियों एवं बैटरी प्रबंधन प्रणाली पर शोध के अवसर उपलब्ध कराना
- नवीनतम ईवी प्रौद्योगिकियों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना

5.13 खुशी के विज्ञान के लिए उत्कृष्टता केंद्र

इस केंद्र की स्थापना इस दृष्टिकोण से की गई थी कि "शिक्षा, अनुसंधान गतिविधियों और सहयोग के माध्यम से खुशी के विज्ञान और कला को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा दिया जाए।"

उद्योग और हितधारकों के साथ सहयोग करने के लिए केंद्र ने सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए "रेखी फाउंडेशन और हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट" के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

संगठन संरचना

(समन्वयक / विभागाध्यक्ष)

प्रो. टी. विजय कुमार

(डीआरसी अध्यक्ष)

प्रो. एस. इंदु

(सह-समन्वयक)

डॉ. पी. के. गोयल

(सह-समन्वयक (पूर्व परिसर))

डॉ. नवल गर्ग, यू.एस.एम.ई.

(सहायक संकाय)

डॉ. एस. एस. रेखी

(विजिटिंग फैकल्टी)

डॉ. पूजा साहनी

(अतिथि संकाय)

प्रो. मानस के. मंडल

2023-2024 के दौरान आयोजित गतिविधियाँ

पीएचडी प्रवेश 2023

केंद्र ने सत्र 2023-24 से पीएचडी प्रवेश शुरू कर दिया है, और तीन शोध विद्वानों ने डॉक्टरेट कार्यक्रम में नामांकन कराया है।

"न्यूरो रिसर्च" पर कार्यशाला

(5 अक्टूबर, 2023)

5 अक्टूबर, 2023 को एरोबिक के सहयोग से आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य फोकस न्यूरोफिज़ियोलॉजी, ईईजी, आई-ट्रैकिंग और एफएनआईआरएस पर था। डॉ. रोहित त्यागी (हेड साइंटिफिक सपोर्ट, एरोब, एमबीबीएस, आईआईटी खड़गपुर) और डॉ. एल्विन गोह (रीजनल मैनेजर, एरोब) द्वारा वर्चुअल प्रस्तुतियाँ दी गईं।

"ध्यान" - विशेषज्ञ व्याख्यान

(12 मार्च, 2024)

मिस्टर जिम रोज़ (जॉनसन एंड जॉनसन के रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव) ने 12 मार्च, 2024 को डीटीयू के फैकल्टी और स्टाफ के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि ध्यान कैसे हमारी ज़िंदगी के सभी पहलुओं को बेहतर बनाने के लिए उपचार की शक्ति प्रदान कर सकता है। यह व्याख्यान वक्ता के अपने अनुभवों के आधार पर व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकों पर आधारित था।

छात्रों ने नई दिल्ली में एम्स का दौरा किया

(12 जनवरी, 2024)

डीटीयू के विद्यार्थियों ने 12 जनवरी, 2024 को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित "राष्ट्रीय युवा दिवस" समारोह में भाग लेने के लिए एआईआईएमएस, दिल्ली का भ्रमण किया।

सत्कोल में हिमालयन आश्रम में रिट्रीट

कैंप (19 - 21 अप्रैल, 2024)

अप्रैल 2024 में, 100 विद्यार्थियों ने उत्तराखंड के सतकोल स्थित हिमालयन रिट्रीट आश्रम में आयोजित रिट्रीट कैंप में भाग लिया। विद्यार्थियों ने हिमालय की शांत वातावरण में स्वयं को डुबोते हुए विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करना था।

आर्ट ऑफ लिविंग और डीटीयू, दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (14 अप्रैल, 2024)

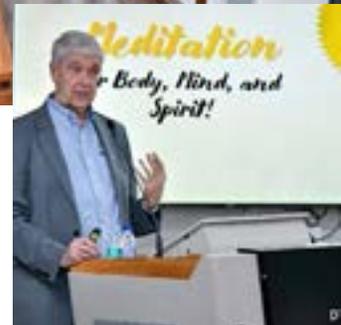
युवाओं को सशक्त बनाने और छात्रों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम और डीटीयू के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ 14 अप्रैल, 2024 को आर्ट ऑफ लिविंग और डीटीयू के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

“योग” पर विशेषज्ञ व्याख्यान (अगस्त, 2023)

केंद्र अगस्त 2023 में नए प्रवेशित विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए तनाव प्रबंधन, समग्र स्वास्थ्य, योग, ध्यान आदि पर विशेषज्ञ व्याख्यान और आमंत्रित वार्ताओं के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. मानस मंडल (आईआईटी खड़गपुर), डॉ. राहुल मेहोत्रा (फोटिस, फरीदाबाद के निदेशक और प्रमुख) और श्री संजय उप्रेती (आइआरएएस :1990) ने इस कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस (20 मार्च, 2024)

केंद्र ने छात्र कल्याण को बढ़ावा देने और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से खुशी के विज्ञान के बारे में शिक्षा सत्र के माध्यम से सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए एसटीईपी, डीटीयू के सहयोग से 20 मार्च, 2024 को “अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस” मनाया।



6. पूर्व छात्रों का योगदान

डीटीयू और उसके पूर्व छात्रों के बीच गहरा और सुस्थापित संबंध है। डीटीयू अपने पूर्व छात्रों और उनके मातृ संस्था के बीच संबंधों को बढ़ावा देते हुए अपने छात्रों के लिए नए अवसर पैदा करने का प्रयास करता है। हमारा डीसीई-डीटीयू पूर्व छात्र संघ मज़बूत है और हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के लिए होमकमिंग मीट के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संगठन संरचना:

डीन, प्रो. राजेश रोहिल्ला

एसोसिएट डीन, प्रो. यशा हसीजा

हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित छात्रवृत्ति:

छात्रवृत्ति का नाम	राशि
विंग कमांडर आदर्श बाल छात्रवृत्ति	₹ 3,00,000/-
एन.सी. कुक्रेजा और संतोष कुक्रेजा एवं नंद लाल कुक्रेजा	₹ 10,00,000/-

घटनाएँ:

1. "उद्यमिता एक रास्ता है जीवन का", श्री आर.पी. सिंह (1978 के पूर्व छात्र) के साथ:



इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए 22 अगस्त, 2023 को श्री रविंदर पॉल सिंह (1978 बैच के पूर्व छात्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के साथ "उद्यमिता जीवन का एक तरीका है" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।



2. इंटरैक्शन कार्यक्रम "उद्यमिता" श्री विक्रम मनुजा के साथ:



11 अक्टूबर, 2023 को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 1973 के पूर्व छात्र श्री विक्रम मनुजा के साथ एक संवाद कार्यक्रम "उद्यमिता" आयोजित किया गया।

3. इंटरैक्शन कार्यक्रम "मारुति सुजुकी 3.0 - बड़ी भारतीय ऑटोमोबाइल क्रांति" श्री आर. एस. कलसी के साथ:

एक संवाद कार्यक्रम "मारुति सुजुकी 3.0 - द बिग इंडियन ऑटोमोबाइल रिवोल्यूशन" श्री आर.एस. कलसी (कार्यकारी बोर्ड सदस्य) एवं 1981 के पूर्व छात्र के साथ 12 अक्टूबर, 2023 को सभी बैच के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया।



4. डीसीई-डीटीयू पूर्व छात्र संघ डीटीयू में बैठक:



डीसीई-डीटीयू एलुमनी एसोसिएशन के सदस्य 15 जनवरी, 2024 को डीटीयू में एलुमनी पहल की संभावनाओं का पता लगाने के लिए आए।

इस बैठक की अध्यक्षता निम्नलिखित द्वारा की गई:

- प्रो. मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू
- डॉ. पवन कुमार शर्मा, अध्यक्ष, डीसीई-डीटीयू एलुमनी एसोसिएशन (पूर्व छात्र 1994, यांत्रिक अभियांत्रिकी)
- श्री अरुण गुप्ता, संयुक्त सचिव, डीसीई-डीटीयू एलुमनी एसोसिएशन (पूर्व छात्र 2005, यांत्रिक अभियांत्रिकी)
- प्रो. सागर माजी, सदस्य, डीसीई-डीटीयू एलुमनी एसोसिएशन (पूर्व छात्र 1981, यांत्रिक)
- प्रो. राजेश रोहिल्ला, डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू
- प्रो. यशा हसिजा, एसोसिएट डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू

- प्रो. अनिल सिंह परिहार, सहयोगी प्रमुख, प्रशिक्षण एवंप्लेसमेंट (टी एवम् पी)



5. घर वापसी मीट 2024:



डीसीई स्नातकों (कक्षा 1963, 1964, 1973, 1974, 1998 और 1999) के लिए डायमंड, गोल्डन और सिल्वर जुबली होमकमिंग मीट-2022 का आयोजन पूर्व छात्रों को उनकी उपलब्धियों और समाज में योगदान के लिए सम्मानित करने हेतु किया गया था। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्रों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया और यह 2 फरवरी, 2024 को डीटीयू में आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता निम्नलिखित ने की:

- प्रो. प्रतीक शर्मा, माननीय कुलपति, डीटीयू

- प्रो. मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू
- डॉ. पवन कुमार शर्मा, अध्यक्ष, डीसीई-डीटीयूएलुमनी एसोसिएशन (पूर्व छात्र 1994, यांत्रिक अभियांत्रिकी) - माननीय अतिथि
- श्री कर्नाल सिंह, पूर्व प्रवर्तन निदेशालय - विशेषअतिथि
- प्रो. राजेश रोहिल्ला, डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू
- प्रो. यशा हसिजा, सहयोगी डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू

6. पूर्व छात्रों द्वारा पूर्व छात्र मिलन समारोह 2024 एसोसिएशन (सुब्रतो प्राक में):

डीसीई-डीटीयू पूर्व छात्र संघ ने 1963, 1964, 1973, 1974, 1998 और 1999 की कक्षाओं के लिए एक पूर्वछात्र बैठक का आयोजन किया। मुख्य अतिथि श्री राजीवचंद्रशेखर (कौशल विकास और उद्यमिता, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और जल शक्ति राज्य मंत्री, भारतसरकार) द्वारा बैचों के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निम्नलिखित द्वारा की गई:

- प्रो. प्रतीक शर्मा, माननीय कुलपति, डीटीयू
- प्रो. मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू
- प्रो. राजेश रोहिल्ला, डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू
- प्रो. यशा हसिजा, सहयोगी डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू
- डीसीई-डीटीयू एलुमनी एसोसिएशन के सदस्य

7. कार्यक्रम: "डेटा साइंस में करियर कैसे बनाएं"

28 फरवरी 2024 को अमेरिकन एक्सप्रेस के 2011 के पूर्व छात्र, डेटा साइंस के निदेशक श्री प्रणव मेहता के साथ "डेटा साइंस में करियर कैसे बनाएं" विषय पर एक संवाद कार्यक्रम।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता निम्नलिखित द्वारा की गई:

- प्रो. राजेश रोहिल्ला, डीन, एलुमनी कार्य, डीटीयू
- प्रो. अनिल सिंह परिहार, सहयोगी प्रमुख, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट (टी एवं पी)



7. आउटरीच और विस्तार गतिविधियाँ

प्रबंधन बोर्ड ने 23 फरवरी, 2018 को अपनी 27वीं बैठक में डीटीयू में विस्तार एवं क्षेत्रीय आउटरीच केंद्र की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इस केंद्र की भूमिका समुदाय तक ज्ञान और अन्य संस्थागत संसाधनों का विस्तार करना और ज्ञान संसाधनों और सामाजिक-सांस्कृतिक वास्तविकताओं के बीच संपर्क से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना है ताकि इन्हें शिक्षण और अनुसंधान सहित उच्च शिक्षा की संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रणाली में प्रतिबिंबित किया जा सके। यह विशेषज्ञों और लोगों के बीच एक द्वि-मार्गी प्रक्रिया होगी, जो समुदाय की जीवन की उन समस्याओं में एक बौद्धिक हस्तक्षेप होगी जिन्हें शैक्षिक प्रक्रिया के माध्यम से दूर करने की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य छात्रों के जीवन और उसकी चुनौतियों में मदद करना और एक सीखने वाले समाज के लिए एक माहौल तैयार करना है।

संगठनात्मक संरचना

डीन

प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, (जनपद अभियांत्रिकी)

समन्वयक

प्रो. पी. के. गोयल, (जनपद अभियांत्रिकी)

उद्देश्य

विश्वविद्यालय और समुदाय के बीच सार्थक और सतत् संबंध को प्रोत्साहित करना।

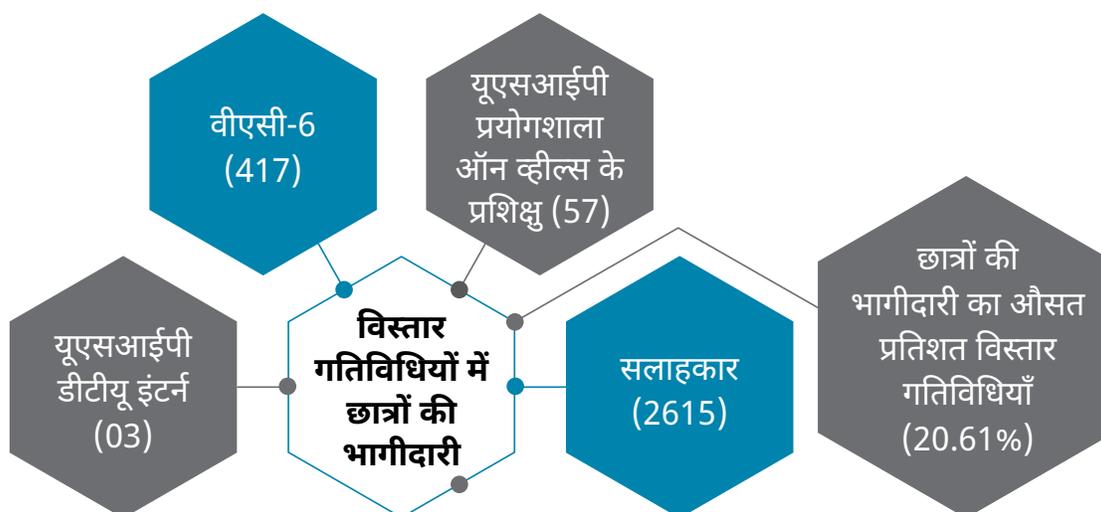
उद्देश्य

1. समुदाय को ज्ञान और अन्य संस्थागत संसाधन उपलब्ध कराना तथा समुदाय को ज्ञान और अन्य संस्थागत संसाधन उपलब्ध कराना।

2. शैक्षिक वास्तविकताओं के बीच संपर्क से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और इसे उच्च शिक्षा के संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रणाली में, जिसमें शिक्षण और शोध शामिल हैं, प्रतिबिंबित करना।
3. विशेषज्ञों और जनता के बीच द्विपक्षीय प्रक्रिया प्रदान करना।
4. समुदाय के जीवन समस्याओं में बौद्धिक हस्तक्षेप प्रदान करना।
5. समग्र शिक्षा कार्यक्रम का एक हिस्सा के रूप में विस्तार और आउटरीच के दर्शन को बढ़ावा देना।
6. विस्तार के माध्यम से विशेष रूप से वंचित समूहों सहित बड़े समुदाय तक पहुँच बनाना।
7. मुख्य रूप से विस्तार गतिविधियों के माध्यम से संकाय और विद्यार्थियों के लिए सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करना।
8. छात्रों के हितों को अकादमिक क्रेडिट (1 या 2) के लिए ध्यान में रखा जाना चाहिए, अतिरिक्त रूप से या उनके नियमित अध्ययन पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर।

कार्यक्रम की व्यापक श्रेणियाँ:

1. स्कूलों और कॉलेजों को सेवाएँ
2. समुदायको सेवाएँ
3. विश्वविद्यालय परिसर में सेवाएँ



सरकारी संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों और स्वच्छ भारत, एड्स जागरूकता, लैंगिक मुद्दों आदि जैसे कार्यक्रमों के साथ विस्तार गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत।

इस दौरान आयोजित गतिविधियाँ 2023-24

गतिविधियों का विवरण			
क्र. सं.	गतिविधि का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	छात्रों के ओपन हाउस विजिट के तहत, "तितिक्षा पब्लिक स्कूल", रोहिणी, दिल्ली।	29 अगस्त, 2023	55
2	"ईशान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग" के छात्रों का दौरा, 18 सितंबर, मथुरा जिला, उत्तर प्रदेश।	18 सितंबर, 2023	41
3	ओपन हाउस विजिट कार्यक्रम के तहत एनसीसी कैडेट्स के रूप में स्कूली छात्रों ने डीटीयू का दौरा किया। ये छात्र जम्मू-कश्मीर और लेह-लद्दाख क्षेत्र से थे।	10 सितंबर, 2023	300
4	इंजीनियरिंग की खोज - 2024	1 - 6 जुलाई, 2024	248 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए और लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
5	डॉ. संजय शाह द्वारा विषय "स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रेरणा" पर विशेषज्ञ व्याख्यान	09 अक्टूबर, 2023	55
6	विषय "एनईपी-2020 के संदर्भ में शैक्षणिक संस्थानों की सामाजिक जिम्मेदारी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन	12 जनवरी, 2024	300
7	दिल्ली के बरवाला गाँव में स्मार्ट फ़ोन के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल	19 अप्रैल, 2024	18
8	दिल्ली के ज्योन्ती गाँव में स्मार्ट फ़ोन के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल	15 मई, 2024	24
9	दिल्ली के शाहबाद दौलतपुर गाँव में स्मार्ट फ़ोन के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल	11 - 18 मई, 2024	15

8. अंतर्राष्ट्रीय मामले

डीन: प्रो. प्रवीर कुमार (जैव प्रौद्योगिकी)

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय ने विभिन्न प्रवेश माध्यमों — दासा, आईसीसीआर और डीटीयू पोर्टल — के माध्यम से कुल 116 विद्यार्थियों का नामांकन किया।

**दासा के माध्यम से प्रवेशित छात्र,
आईसीसीआर और डीटीयू पोर्टल**

यूजी-100

पीजी-1

पीएचडी-04

8 से 14 फरवरी के दौरान ऋषिकेश में 35वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में 25 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने भाग लिया।
मार्च, 2023.

अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आगमन:

जर्मनी से
प्रतिनिधि

19 सितंबर,
2023

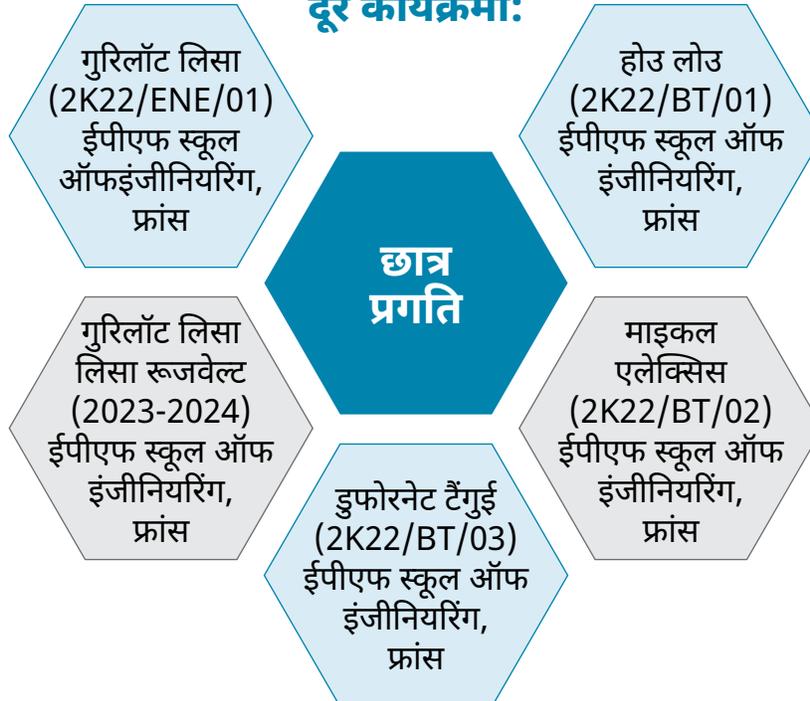
लिथुआनिया से
प्रतिनिधि

7 नवंबर,
2023

ताइवान से
प्रतिनिधि

1 जनवरी,
2024

डीटीयू छात्र प्रगति के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर-दूर कार्यक्रमों:



राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, अन्य विश्वविद्यालयों, उद्योगों, कॉर्पोरेट घरानों के साथ कार्यात्मक समझौता ज्ञापनों की संख्या:

पिछले पाँच वर्षों के दौरान				
क्र. सं.	विश्वविद्यालय/संगठन	हस्ताक्षर वर्ष	उद्देश्य	अवधि
1	"n+i" इंजीनियरिंग संस्थानों का नेटवर्क	2017	छात्र विनिमय कार्यक्रम	4 साल (स्वतः नवीनीकृत)
2	ताशकंद सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उज़्बेकिस्तान	2018	छात्र विनिमय कार्यक्रम	5 साल (स्वतः नवीनीकृत)
3	ईपीएफ, अँकोल डी इंजीनियर-ई-एस, फ्रांस	2019	इंटरशिप, सेमेस्टर अवे एवं इन्वर्ट मोबिलिटी	5 साल (स्वतः नवीनीकृत)
4	बालितार इस्लामिक विश्वविद्यालय, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल (स्वतः नवीनीकृत)
5	डॉ. सोएटोमो विश्वविद्यालय, सुरबाया, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
6	मंडला कॉलेज ऑफ़ इकॉनॉमिक्स, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
7	पीजीआरआई अदी बुआना, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
8	एसटीआईई विल्वाटिक्टा, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
9	एसटीआईकेआई मलांग, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
10	एसटीटीएम, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
11	यूनिवर्सिटास विस्नुर्धाना मलांग, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
12	यूनिवर्सिटी ऑफ़ कंजुराहन, पूर्वी जावा, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
13	यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेसान्त्रेन टिंगी दारुल'उलुम, जोम्बांग, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
14	विद्या कार्तिका विश्वविद्यालय, सुरबाया, इंडोनेशिया	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
15	पीजीआरआई, माडिउन	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
16	एसटीटी एटलस नुसंतारा, मलांग	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
17	नानजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ़ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स, चीन।	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल

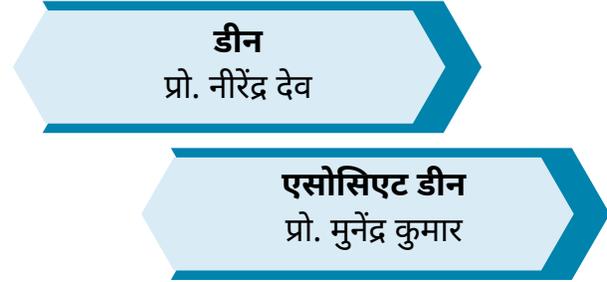
पिछले पाँच वर्षों के दौरान				
क्र. सं.	विश्वविद्यालय/संगठन	हस्ताक्षर वर्ष	उद्देश्य	अवधि
18	मापुआ विश्वविद्यालय, फिलीपींस।	2019	छात्र एवं संकाय विनिमय	5 साल
19	ला ट्रोब विश्वविद्यालय, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया।	2019	छात्र गतिशीलता	5 साल
20	क्रेते तकनीकी विश्वविद्यालय, चानिया, क्रेते, ग्रीस।	2019	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	5 वर्ष (स्वतः नवीनीकृत)
21	परिवहन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वियतनाम।	2019	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	5 वर्ष (स्वतः नवीनीकृत)
22	नेशनल फॉर्मोसा यूनिवर्सिटी, ताइवान।	2020	सेमेस्टर अवे प्रोग्राम	5 वर्ष (स्वतः नवीनीकृत)
23	मर्कु बुआना विश्वविद्यालय, जकार्ता, इंडोनेशिया।	2020	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	5 साल
24	रीगा तकनीकी विश्वविद्यालय, लातविया।	2020	सेमेस्टर अवे प्रोग्राम	5 साल
25	शाहरूद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ईरान।	2022	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
26	रोवुमा विश्वविद्यालय, नामपुला, मोज़ाम्बिक।	2022	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
27	यूरेकैट टेक्नोलॉजिकल सेंटर ऑफ कैटालोनिया, कैटालोनिया, स्पेन।	2022	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
28	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)	2022	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
29	ईएसटीपी पेरिस, फ्रांस।	2022	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
30	क्लेपेडा विश्वविद्यालय, लिथुआनिया।	2023	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
31	बोर्डो विश्वविद्यालय, फ्रांस।	2023	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-
32	नान ची नान विश्वविद्यालय, ताइवान।	2023	ज्ञान साझाकरण और ऑनलाइन व्याख्यान	-

9. योजना एवं परामर्श (पी एंड सी)

यह विभाग पहली बार 2022 में स्थापित किया गया था और विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का मुख्य ढांचा बन गया है। यह आवश्यक आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए परियोजनाओं और परामर्श सेवाओं के संचालन को नियंत्रित करता है। प्रायोजित परियोजनाएँ अकादमिक-उद्योग संबंध को मज़बूत करने में एक महत्वपूर्ण घटक हैं जो संकाय और छात्र विकास को सक्षम बनाती हैं। परियोजना एवं विकास विभाग का समग्र कार्य अधिनियम, संविधि

और अध्यादेशों के इर्द-गिर्द केंद्रित है। साथ ही डीटीयू के शासी निकाय द्वारा बनाए गए नियम और विनियम।

संगठन संरचना



प्रायोजित परियोजनाएँ :

क्रम. सं.	मुख्य अन्वेषक/ सह-मुख्य अन्वेषक का नाम	परियोजना का शीर्षक	एजेंसी का नाम	उपलब्ध कराई गई धनराशि (₹ में)
1.	प्रो. रोली पुरवार	पुनर्जीवित रेशम फाइब्रोइन का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक एसईआरबी-डीएसटी उपकरणों का डिजाइन और विकास/ धातु ऑक्साइड नैनो कंपोजिट्स और हाइड्रोजेल.	सर्ब - डीएसटी	29,95,696/-
2.	डॉ संजय पाटीदा	स्मार्ट स्वायत्त खरपतवार डिटेक्टर और हटाना.	AI4ICPS-I-HUB	31,89,516/-
3.	डॉ. भारती सिंह	यांत्रिक ऊर्जा फसल काटने वाले एमएक्सीन फंक्शनलाइज्ड पॉलिमर कम्पोजिट नैनोफाइबर और इसे ऊर्जा भंडारण उपकरणों के साथ एकीकृत करना आईओटी और पहनने योग्य अनुप्रयोगों के लिए ।	सर्ब- एसयूआरई	31,79,840/-
4.	प्रो. राजन यादव	डिजिटल रिपोर्टिगरी बनाने के लिए सरकारी संगठनों निजी क्षेत्र और नागरिकों के बीच सहयोगात्मक संयोगों में समस्याएँ और चुनौतियाँ डिजिलॉकर के विशेष संदर्भ में।	आईसीसीएसएसआर	13,00,000/-
5.	डॉ. मुख्तियार सिंह	मशीन लर्निंग सहायता प्राप्त प्रथम-सिद्धांत वेइल सेमीमेटल्स में विषम नर्नस्ट प्रभाव का अध्ययन।	सर्ब - डीएसटी	28,08,104/-
6.	प्रो. के.सी. तिवारी	जीपीएस निषिद्ध वातावरण में नाविक और ऑप्टिफ्लो आधारित ड्रोन प्रणालियों का अध्ययन।	आईएचयूबी-एनटीआईएचएसी	19,83,560/-
7.	प्रो. एस. इंदु	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण और डिजिटल दस्तावेजों तक ऑनलाइन पहुँच को सुगम बनाना।	आईआईटी, जोधपुर	60,00,000/-

परामर्श परियोजनाएं:

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
1.	डॉ. राजीव कुमार मिश्र	कण पदार्थ (पीएम 2.5 और 10) को नियंत्रित करने के लिए प्रदूषणशमन प्रणाली में विशेषज्ञ तकनीकी परामर्श।	4,50,000/-
2.	श्री. गौर अनुनय अशोककुमार	आरएमसी का डिजाइन मिश्रण, आयकर कॉलोनी का संरचनात्मक लेखा परीक्षा कार्य, पंजाब नेशनल बैंक का जल परीक्षण, डिजाइन और संरचनात्मक ड्राइंग की जांच, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए सामग्री परीक्षण, बहुस्तरीय कार पार्किंग।	43,54,000/-
3.	डॉ. रितु राज	सिविल प्रभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, नई दिल्ली के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन।	27,11,384/-
4.	प्रो. एस.अंबू कुमार	02 और 06 सिविल कार्यों के संबंध में टीपीक्यूए।	2,18,858/-
5.	डॉ. लवलीन गुप्ता	श्री बद्रीभक्त में स्थापित एंटी-स्मॉग टावर का परीक्षण झंडेवालान मंदिर, रानी झाँसी रोड, नई दिल्ली।	2,11,864/-
6.	डॉ. रितु राज	विभिन्न विकास कार्यों का तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन विभिन्न मदों जैसे डीआरडीबी, डूडा, एमएलए, एलएडी, एमपी एलएडी, अनधिकृत कॉलोनियों, शहरी गांवों, एससी/एसटी पंचायतों के अंतर्गत और आई एंड एफसी के सभी प्रभागों के अंतर्गत योजना कार्य आदि।	2,00,00,000/-
7.	डॉ. लवलीन गुप्ता	दिल्ली जल बोर्ड के अंतर्गत सीवेज उपचार संयंत्रों की संरचनात्मक ड्राइंग की जाँच।	3,00,000/-
8.	डॉ. रितु राज	एनआईटी नागालैंड में नए लड़कों के छात्रावास के लिए संरचनात्मक डिजाइन और संरचनात्मक चित्र तैयार करना, एम्स जम्मू का सामग्री परीक्षण, पश्चिम विहार के जिला पार्क के लिए संरचनात्मक डिजाइन, दौलत राम कॉलेज में पश्चिमी विंग का निर्माण।	13,25,718/-
9.	प्रो. ए.के. हरिताश	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट का परिमाणीकरण और लक्षण वर्णन, सेक्टर-8, मानेसर, हरियाणा।	1,25,000/-
10.	प्रो. ए. के. साहू	मृदा जांच रिपोर्ट की जांच।	50,000/-
11.	डॉ. रितु राज	सरिता विहार में वृद्धाश्रम का निर्माण, डिजाइन मिश्रण कंक्रीट ग्रेड M10 और M30, विदेश मंत्रालय आवास परिसर, गोल मार्केट, आर.के. आश्रम। मेसर्स एआईएमएस मैक्स गार्डेनिया डेवलपर्स लिमिटेड के लिए मौजूदा व्यावसायिक भवन के संरचनात्मक डिजाइन और रेखाचित्रों का परीक्षण। शैक्षणिक सुविधा ब्लॉक और कक्षा के डिजाइन और रेखाचित्रों का परीक्षण। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन/पुनर्विकास कार्य के लिए कंक्रीट का डिजाइन मिश्रण। भूकंपरोधी संरचनात्मक के अनुसार मौजूदा भवन का संरचनात्मक स्वास्थ्य मूल्यांकन। इनडोर प्रावधान वॉलीबॉल हॉल के निर्माण हेतु सामग्री परीक्षण कार्य।	7,36,000/-
12.	प्रो. एस. अंबू कुमार	11 और 08 सिविल कार्यों के संबंध में टीपीक्यूए।	12,24,045/-
13.	श्री आशीष राजेश्वर कुलकर्णी	डीडीए परामर्श कार्य के लिए पंप डिजाइन के लिए कोटेशन प्रदान करने और जाँच करने की अनुमति।	52,039/-
14.	प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव	दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में कंप्यूटर केंद्र के निर्माण कार्य के लिए टीपीक्यूए सेवाएँ, दिल्ली बागवानी कार्य ईपीसी आधार पर।	30,32,411/-
15.	प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव	अफ्रीका एवेन्यू डिफेंस कॉम्प्लेक्स में पूर्णतः स्वचालित बहुस्तरीय कार पार्किंग प्रणाली के निर्माण और स्थापना कार्य के लिए टीपीक्यूए सेवाएँ, ईपीसी आधार पर बागवानी कार्य।	21,41,742/-
16.	प्रो. ए. के. साहू	एम30 के डिजाइन मिश्रण के संबंध में परामर्श।	50,000/-

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
17.	प्रो. राजू सरकार	सामग्री परीक्षण/मिश्रण डिजाइन के संबंध में।	4,93,814/-
18.	डॉ. रितु राज	संरचनात्मक जाँच (नोएडा) प्रमाण जाँच (बवाना) चर्च पर बाहरी विकास (नई दिल्ली) वृद्धाश्रम का निर्माण सतगुरु, लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली का पुनर्निर्माण जेएनवी में चरण बी का आंतरिक विद्युतीकरण मेरठ कॉरिडोर की तृतीय पक्ष द्वारा प्रमाण जाँच टावरों के डिजाइन की जाँच संरचनात्मक जाँच, नोएडा दौसे राजस्थान का निर्माण डिजाइन की जाँच, सीआईआरए मुख्यालय संरचना, स्कोप कॉम्प्लेक्स की जाँच	42,45,512/-
19.	डॉ. लवलीन गुप्ता	दिल्ली जल बोर्ड के तहत सीवेज उपचार संयंत्रों की संरचनात्मक ड्राइंग की जांच।	1,50,000/-
20.	प्रो. मुनेंद्र कुमार	गोदरेज नेस्ट, एससी 02 एच एंड आई, सेक्टर-150, नोएडा के लिए संरचनात्मक लेखा परीक्षा रिपोर्ट।	25.60,349/-
21.	डॉ. पारस कुमार	डीजेबी के ब्लोअर का एमओसीएल, एएसपी आधारित परामर्श से लेकर सीवेज उपचार संयंत्र तक।	2.80,000/-
22.	डॉ. लवलीन गुप्ता	दिल्ली जल बोर्ड के अंतर्गत सीवेज उपचार संयंत्रों की संरचनात्मक ड्राइंग की जाँच।	90,000/-
23.	डॉ. रितु राज	एसपीएस स्कूल के लिए संरचनात्मक डिजाइन और रेखाचित्रों की प्रूफ जाँच/सत्यापन। एम20, एम25, एम30 का डिजाइन मिश्रण। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के लिए पीईबी वेयरहाउस के संरचनात्मक डिजाइन और रेखाचित्रों की जाँच। कामधेनु सीमेंट लिमिटेड के एम10 और एम30 के लिए डिजाइन मिश्रण। एम10, 15, 25 और 30 ग्रेड के रेडी मिक्स कंक्रीट के लिए डिजाइन मिश्रण तैयार करना। एम्स में 150 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक भवन के निर्माण के लिए एम-10, एम30 ग्रेड के कंक्रीट के डिजाइन मिश्रण की तैयारी। कंक्रीट सामग्री परीक्षण: कोर कटिंग परीक्षण (एनडीटी)। मौरिस नगर स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक केंद्र स्कूल भवन का क्षैतिज विस्तार, एम30 और एम30 एससीसी का डिजाइन मिश्रण।	13,00,000/-
24.	प्रो. ए.के. हरिताश	मुरार नदी, ग्वालियर, चरण II, मध्य प्रदेश के पुनरुद्धार और विकास के लिए डीपीआर के मूल्यांकन के संबंध में।	1,50,000/-
25.	प्रो. राजू सरकार	टीपीक्यूए और सामग्री परीक्षण के संबंध में	30,86,855/-
26.	प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव	टाटा यूरेका पार्क, एससी-02, ए-1 सेक्टर-150, नोएडा का संरचनात्मक ऑडिट।	68,18,000/-

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
27.	डॉ. रितु राज	एम-30 का डिज़ाइन मिश्रण। विभिन्न परियोजनाओं, बस डिपो की प्रूफ जाँच। ग्लोबल सिटी परियोजना (चरण-1) गुरुग्राम के लिए संरचनात्मक रेखाचित्रों की प्रूफ जाँच। छत/भूमि आधारित एमडब्लू पोल/टावरों के लिए संरचना डिज़ाइन और नींव की जाँच। ग्रेड एम-30 के लिए कंक्रीट मिश्रण डिज़ाइन। बीबी टैंक से बुद्ध जयंती पार्क, नई दिल्ली तक अनफ़िल्टर्ड पानी की पाइपलाइन बिछाने और बिछाने के कार्य के लिए कंक्रीट मिश्रण डिज़ाइन। नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ब्लॉक, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली के लिए प्रूफ जाँच और डिज़ाइन मिश्रण कार्य ईओआर। लुधियाना रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के चार/छह लेन वाले ग्रीनफील्ड निर्माण कार्य के लिए सामग्री परीक्षण। टीसीएस, एएल सॉफ्टवेब और गुलशन एजुकेशन फाउंडेशन आदि के लिए संरचनात्मक डिज़ाइन और रेखाचित्रों की जाँच। नोएडा के सेक्टर-136, प्लॉट 175 और 176 पर मौजूदा संस्थागत भवन के संरचनात्मक डिज़ाइन और रेखाचित्रों की जाँच। नोएडा के सेक्टर-127 और सेक्टर-154 के प्लॉट 15 पर स्थित संस्थागत भवनों के लिए संरचनात्मक डिज़ाइन और रेखाचित्रों की जाँच।	33,71,610/-
28.	डॉ. रितु राज	नोएडा के रत्न प्लॉट संख्या 14, सेक्टर-75, नोएडा में स्थित हमारे प्रोजेक्ट टावर ए का संरचनात्मक ऑडिट। मैसर्स ट्रेडवेल होल्डिंग्स लिमिटेड के लिए प्लॉट संख्या ए-105, सेक्टर-136, नोएडा, उत्तर प्रदेश में नवनिर्मित कार्यालय भवन का संरचनात्मक ऑडिट।	16,25,000/-
29.	प्रो. एम. रिज़वान	ईएसआईसी अस्पताल, रोहिणी, सेक्टर-15 के लिए अग्नि ऑडिट का आयोजन।	4,01,800/-
30.	श्री हिमांशु सिंह	प्रबंधन संस्थान बिहटा, पटना, बिहार के लिए एमईपी सेवाओं की जांच सेवा।	10,00,000/-
31.	डॉ. रितु राज	"नंद नगरी और गगन सिनेमा पर फ्लाइओवर का निर्माण मंगल पांडे मार्ग का जंक्शन। गुरुग्राम के सेक्टर-18 के प्लॉट 84 पर पंजाब नेशनल बैंक के लिए डेटा सेंटर सहित कार्यालय भवन का डिज़ाइन, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग। कर्नाटक के प्लॉट संख्या 1 और 2 पर स्थित मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के लिए संरचनात्मक डिज़ाइन और ड्राइंग भवनों की जाँच। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मेरठ रोड पर प्लॉट संख्या A-6/1/2 पर प्रस्तावित भवन के संरचनात्मक डिज़ाइन और ड्राइंग की प्रूफ जाँच। उपराष्ट्रपति एन्वलेव के पीछे नॉर्थ ब्लॉक की तरफ चारदीवारी का निर्माण और गेट संख्या 38 के पास राष्ट्रपति भवन की क्षतिग्रस्त चारदीवारी का जीर्णोद्धार। लुधियाना रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या NH-205K पर NE-5 के जंक्शन से चार/छह लेन के ग्रीनफील्ड का निर्माण। एनएसीपी, गुजरात के लिए विभिन्न कार्यालय भवनों और आवासीय क्वार्टरों का निर्माण। पुराने जेएनयू परिसर, नई दिल्ली में आईएसटीएम के लिए कार्यालय प्रशिक्षण परिसर और कार्यालय आवास की एकीकृत सुविधाओं के लिए नए भवन का निर्माण।	15,30,500/-

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
		मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, आईबीएचएएस, शाहदरा, दिल्ली में उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत प्रस्तावित भवन के संरचनात्मक रेखाचित्रों की जांच। दिल्ली के कड़कड़डूमा जिला न्यायालय के पीछे शिशुगृह के निर्माण के लिए चित्रों की जांच। नई दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में पार्किंग क्षेत्र को कवर करने के लिए ड्राइंग की जांच। डॉ. रितु राज, पी.आई., सिविल इंजीनियरिंग विभाग।"	
32.	डॉ. शिल्पा पाल	प्लॉट 138, मान सिंह रोड, नई दिल्ली पर कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग-13 (सीसीएस-13) के निर्माण के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन।	1,71,17,250/-
33.	श्री आशीष राजेश्वरकुलकर्णी	इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रैफिक लाइटों के डिजाइन और ड्राइंग की जांच करने तथा कोटेशन प्रदान करने की अनुमति (परामर्श कार्य)।	70,000/-
34.	प्रो. ए. के. हरिताश	पश्चिम बंगाल में चकधा, शांतिपुरा और गरुलिया नगर पालिकाओं में विद्युत शवदाह गृह के लिए पीबीआईजी के तहत 03 डीपीआर का मूल्यांकन।	4,50,000/-
35.	प्रो. ए. के. हरिताश	एसटीपी (7.0 एमएलडी और 9.5 एमएलडी) टीडी-2, नई दिल्ली से उपचारित सीवेज का परीक्षण।	80,000/-
36.	डॉ. रितु राज	"क्षमता के आरओ जल उपचार संयंत्र की मरम्मत और रखरखाव 10000 एलपीएच. डीटीयू परिसर में आंतरिक सड़क की बिटुमिनस कंक्रीट से मरम्मत और पुनः सतहीकरण तथा साइड ड्रेनेज प्रणाली उपलब्ध कराना वीआरईसी-68 गोकलपुर (बी+जी+4 मंजिला) का निर्माण, मठ, मजनु का टीला पर एफओबी का निर्माण और सीआईएफई में आरसीसी टैंक का निर्माण। ग्रेड एम-25 कंक्रीट का डिजाइन मिश्रण, ईएसआईसी के लिए चारदीवारी का निर्माण। प्लॉट संख्या GH03C सेक्टर-79, नोएडा स्थित एवीएस बाग में एनडीटी परीक्षण परिणामों की जांच के संबंध में। गंगा, झेलम, सतलुज, कावेरी में मौजूदा शौचालयों का नवीनीकरण। सामग्री का परीक्षण (1.2 मिमी एचडीपीई झिल्ली से 1.5 मिमी मोटी जलरोधक झिल्ली)। एमिटी यूनिवर्सिटी, सेक्टर-125 नोएडा का निर्माण। संसद परिसर में बाहरी क्षेत्रों के मिश्रित डिजाइन-रेग पुनर्विकास का निर्माण। पूर्वांचल परियोजना के लिए डायफ्राम दीवार का निर्माण शाइलाइन विस्टा, प्लॉट सेक्टर-94, नोएडा। एनएसीपी, ओखला, गुजरात के लिए विभिन्न कार्यालय भवनों और आवासीय क्वार्टरों का निर्माण। एमएमएस नारायणा, एएमपीसी बिल्डिंग के विभिन्न भवनों के संरचनात्मक ऑडिट के संबंध में। सेक्टर-136, नोएडा में संरचना लेखा परीक्षा प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध। ए98, सेक्टर-136, प्लॉट 02 सेक्टर 143ए, प्लॉट जीएच-16ई, सेक्टर 1, प्लॉट सी 35-36 सेक्टर, नोएडा के लिए संरचना की जांच और लेखा परीक्षा। केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर-8, आर.के.पुरम (सिविल एवं विद्युत) में 36 अर्ध-स्थायी संरचनाओं का निर्माण। राई, सोनीपत, हरियाणा में 3 डॉक्टरों की डिस्पेंसरी का निर्माण (सिविल एवं विद्युत) संरचनात्मक रेखाचित्रों, मिश्रण डिजाइन के कोटेशन के संबंध में। हरियाणा के सोनीपत के बरही में 3 डॉक्टर डिस्पेंसरी का निर्माण, संरचनात्मक चित्र, मिश्रण डिजाइन के कोटेशन के संबंध में।"	46,31,125/-

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
37.	श्री गौर अनुनय अशोककुमार	भारत के सर्वोच्च न्यायालय, मथुरा रोड, दिल्ली के अतिरिक्त भवन परिसर में विभिन्न स्थानों से पेयजल के लिए जल के नमूनों का परीक्षण।	11,40,000/-
38.	डॉ. रितु राज	रोहिणी सेक्टर-25 में विभिन्न मौजूदा एसटीपी का विस्तार/उन्नयन। एएनएम हॉस्टल आरएचटीसी नजफगढ़ में मरम्मत/नवीनीकरण और वॉटरपूफिंग कार्य। एएनएम हॉस्टल आरएचटीसी नजफगढ़ में मरम्मत/नवीनीकरण और वॉटरपूफिंग कार्य। आईएसटीएम के लिए कार्यालय प्रशिक्षण परिसर और कार्यालय आवास की एकीकृत सुविधाओं के लिए नए भवन का निर्माण। आरसीसी कार्य के लिए एम25, एम30 और एम40 ग्रेड कंक्रीट का डिजाइन मिश्रण तैयार करना, जीबी पंत के एकीकृत परिसर का निर्माण, एसआईबी देहरादून के तहत मुनस्थारी में कार्यालय सह आवासीय परिसर का निर्माण। मोती बाग में जीपीआरए क्वार्टरों में कार्यों का उन्नयन। ईओआर जिला न्यायालय, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली को। विभिन्न निर्मित संस्थागत परियोजनाओं की संरचनात्मक लेखा परीक्षा के संबंध में। प्लॉट संख्या एफसी 17बी और 17सी के ऑडिट के लिए शुल्क/प्रस्ताव के संबंध में, सैनिटरी लाइनों को छिपाने के लिए झूठी छत प्रदान करना। 3000 वर्ग मीटर और 6000 वर्ग मीटर के 2 गोदामों का निर्माण, निर्माण उद्देश्य के लिए जल परीक्षण और आरसीसी एम-30 और एम-40 के लिए डिजाइन मिश्रण।	29,08,000/-
39.	डॉ. शिल्पा पाल	कोड साथी और डिजाइन मूल्यांकन पर छोटी सहयोगी परियोजना।	4,72,000/-
40.	डॉ. रितु राज	यूजीसी भवन, मुख्यालय, नई दिल्ली में शौचालय का नवीनीकरण। एनडब्ल्यूसी, एएफसी स्टेशन (सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य) में एसएमक्यू ब्लॉक संख्या 14 और 19 (एसपीएस प्रकार) का पुनर्निर्माण। टी-I और टी-II क्वार्टरों के लिए विशेष मरम्मत और पुनर्वास कार्य संरचनात्मक ड्राइंग की जांच के लिए अनुरोध। प्रासंगिक बीआईएस कोड के अनुसार विभिन्न निर्माण सामग्रियों का परीक्षण। दिल्ली के मुस्तफाबाद में जीबीएसएस की निर्माण सामग्री का परीक्षण। ग्रेड एम25 और एम30 के कंक्रीट के लिए कंक्रीट मिश्रण डिजाइन हेतु उद्घरण हेतु अनुरोध। एसपीएस प्रकार के 76 समतुल्य कमरों का निर्माण। विभिन्न परियोजनाओं के संरचना डिजाइन और चित्रों की प्रूफ जांच। दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के खेल परिसर में बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण। झारखंड में केजीबीवी स्कूल और छात्रावास की डिजाइन की समीक्षा। टीएमटी बार का परीक्षण, 33 केवी सबस्टेशन से विद्युत लाइनों का विस्तार। बदायूं, उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के लिए प्लॉट संख्या 1, नांगल राया, जनकपुरी में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के कार्यालय भवन के लिए गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार इंजीनियरिंग की एक टीम द्वारा तकनीकी ऑडिट का अनुरोध। 52 समतुल्य एसपीएस कक्षाओं में विद्युत सामग्री का परीक्षण।	39,58,000/-
41.	डॉ. राजीव कुमार मिश्रा	एम्स परिसर में स्थापित वायु शोधक का प्रदर्शन।	3,62,000/-

क्र. सं.	सलाहकार का नाम	परामर्श परियोजना का नाम	संकुचित राशि (₹ में)
42.	डॉ. रितु राज	नई दिल्ली में मौजूदा कड़कड़ूमा कोर्ट परिसर के सामने कड़कड़ूमा में नए प्लॉट पर अतिरिक्त कोर्ट के निर्माण के लिए टीपीव्यूए, ।	40,00,000/-
43.	डॉ. रितु राज	शास्त्री पार्क, उस्मानपुर, थाना (दिल्ली) के निकट जिला न्यायालय परिसर के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन।	40,00,000/-
44.	डॉ. रितु राज	संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की सत्यापन। आईटी टावर के लिए डीटीयू के माध्यम से संरचना ऑडिट के संबंध में अनुरोध पत्र। मत्स्य पालन हेतु बिना शुद्ध किये गये पानी की गुणवत्ता। प्लॉट संख्या 145, सेक्टर-136, नोएडा में मौजूदा संस्थागत भवन के लिए संरचना ऑडिट रिपोर्ट के लिए अपने शुल्क प्रस्ताव को साझा करने का अनुरोध। नई दिल्ली में विद्यालय भवन की छत विस्तार के लिए संरचनात्मक जांच। नोएडा स्थित ए-149, ए-75, ए-162 के संरचना पुनरीक्षण और ऑडिट के लिए शुल्क/प्रस्ताव के संबंध में।	1,03,52,500/-
45.	प्रो. ए. के. हरिताश	नौरंगपुर एमआरएफ सेंटर, मानेसर पहाड़ी, सेक्टर-8 और सेक्टर-6, गुरुग्राम में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट का परिमाणीकरण और विशेषता निर्धारण ।	3,85,000/-

10. औद्योगिक अनुसंधान और विकास (आईआरडी)

डीटीयू दिल्ली का आईआरडी प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की रीढ़ है तथा स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर विद्यार्थियों के अनुसंधान की नीतियों के निर्माण एवं निगरानी के लिए उत्तरदायी है। यह विभाग अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने, बौद्धिक संपदा के सृजन, पेटेंट दाखिल करने, तथा संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा किए गए अनुसंधान प्रकाशनों के आँकड़ों के संधारण का कार्य करता है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार का समन्वय भी यही प्रकोष्ठ करता है।

पिछले वर्ष में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है, जिसका प्रमाण सात महत्वपूर्ण नीतियों के कार्यान्वयन और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कारों के आयोजन से मिलता है। इन पहलों का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को बढ़ाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करना है। यह प्रतिवेदन इन नीतियों का विवरण प्रस्तुत करता है और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में सम्मानित उपलब्धियों को रेखांकित करता है।

संगठन संरचना

डीन, आईआरडी

आचार्य अनिल कुमार साहु
(प्रोफेसर, जनपद अभियांत्रिकी)

सहायक डीन, आईआरडी

आचार्य रोली पुरवार
(प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त रसायन)

सुश्री निशा पंचाल (कनिष्ठ अधिकारी)
श्री सौरभ (बहुउद्देश्यीय कर्मचारी)

प्रमुख नीतियाँ और पहल:

1. डीटीयू में अध्यक्षा प्राध्यापक पद हेतु नीति

समाज को लाभ पहुँचाने वाले उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु, डीटीयू ने प्रतिष्ठित अध्यक्षा प्राध्यापक पदों की स्थापना की पहल है। उद्योग भागीदारों, पूर्व विद्यार्थियों और विभिन्न प्रायोजकों द्वारा वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से समर्थित इन पदों का उद्देश्य विश्वभर के विशिष्ट शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखते हैं। यह पहल केवल संकाय भर्ती को सुदृढ़ नहीं करती, बल्कि नियुक्तियों की उत्कृष्टता और सम्मान को भी मान्यता देती है। इस पहल की स्थायित्व और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने हेतु प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश विकसित किए गए हैं।

2. संकाय सदास्यो के लिए अनुसंधान एवं विकास योजनाएँ

संकाय सदास्यो के लिए बनाई गई अनुसंधान एवं विकास योजनाओं का उद्देश्य डीटीयू में शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करना है, जिससे नवाचार और अंतर विषयक सहयोग को बढ़ावा मिले। ये वित्तीय योजनाएँ प्रायोजक संस्थाओं से बाहरी अनुदान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और शोधकर्ताओं तथा अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं के बीच सेतु का कार्य करता है। यह समर्थन सुनिश्चित करता है कि संभावनापूर्ण विचार प्रभावशाली अनुसंधान परिणामों में परिणत हो सकें, जिससे विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा समृद्ध होती है।

3. डीटीयू में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) हेतु नीति

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुरूप, डीटीयू ने एक सीएसआर (सीएसआर) नीति लागू की है जिसके तहत कंपनियों को अपने शुद्ध लाभ का न्यूनतम 2% सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों के लिए आवंटित करना अनिवार्य है। यह नीति भारत में कार्यरत घरेलू

और विदेशी दोनों प्रकार की कंपनियों पर लागू होती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पर्याप्त संसाधन सामुदायिक लाभ के लिए निर्देशित हों। सीएसआर पहलों के साथ विश्वविद्यालय की भागीदारी, सामाजिक उन्नति में योगदान देने वाले एक जिम्मेदार शैक्षणिक संस्थान के रूप में इसकी भूमिका को बढ़ाती है।

4. अनुसंधान एवं विकास कार्यालय की भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

डीटीयू में अनुसंधान एवं विकास कार्यालय शोध-संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बहुविषयक और अनुवादक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि संकाय विभिन्न अनुसंधान पहलों के अनुरूप कार्य करें। यह कार्यालय बाहरी अनुदान संस्थाओं के साथ मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है, नवाचारी परियोजनाओं के लिए सहयोग और समर्थन को बढ़ावा देता है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर और आवश्यक संसाधन प्रदान कर, अनुसंधान एवं विकास कार्यालय विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों की कुल उत्पादकता को बढ़ाता है।

5. कॉर्पोरेट संबंध कार्यालय की संरचना

शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम के लिए, डीटीयू ने कॉर्पोरेट रिलेशनशिप कार्यालय की स्थापना की है। यह कार्यालय कॉर्पोरेट सहभागिता को बढ़ावा देता है, जिससे संकाय उद्योग भागीदारों के साथ अनुसंधान परियोजनाओं, सीएसआर पहलों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहयोग कर सके। यह बौद्धिक संपदा प्रबंधन और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं का भी समर्थन करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उद्योग सहयोग उत्पादक और पारस्परिक रूप से लाभकारी हो।

6. अनुसंधान प्रकाशन मानदंड में संशोधन

शैक्षणिक उत्कृष्टता के अनुरूप, डीटीयू ने डिज़ाइन और संबंधित क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए प्रकाशन आवश्यकताओं में संशोधन किया है। अब उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त अनुक्रमित पत्रिकाओं में न्यूनतम दो

अनुसंधान पत्र प्रकाशित करना अनिवार्य है, जिससे विश्वविद्यालय की अनुसंधान उत्पादकता में उच्च मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को मजबूती मिलती है।

7. एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर कार्यशाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला 5 अक्टूबर, 2023 को आयोजित की गई, जिसमें भारतीय विश्वविद्यालय संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल मुख्य वक्ता थे। एनईपी का उद्देश्य 2030 तक भारत की शिक्षा प्रणाली को रूपांतरित करना है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच को बढ़ावा देना और भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। यह पहल डीटीयू की शैक्षणिक सुधार और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार:

डीटीयू में “अनुसंधान और नवाचार उत्कृष्टता पुरस्कार -2024” का आयोजन, अपने संकाय सदास्यो और शोध विद्वानों के असाधारण योगदान को सम्मानित करने के लिए किया गया। कुल ₹1.72 करोड़ के पुरस्कार राशि के साथ इस कार्यक्रम में 441 शोध पत्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 25 को “प्रधान अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार” और 416 को “प्रशंसनीय अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार” प्रदान किया गया। ये पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए, जिनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, प्रबंधन और डिज़ाइन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 04 “नवाचार पुरस्कार” उन आविष्कारकों को प्रदान किए गए जिनके पेटेंट स्वीकृत हो चुके थे, जो डीटीयू की नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पुरस्कार श्रेणियाँ:

श्रेष्ठ अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार

सराहनीय अनुसंधान उत्कृष्टता

पुरस्कार नवाचार पुरस्कार

उद्धरण पुरस्कार:

- प्लैटिनम संचयी प्रशस्ति पत्र
- स्वर्ण संचयी प्रशस्ति पुरस्कार
- रजत संचयी प्रशस्ति पुरस्कार
- अत्यधिक उद्धृत शोध पत्र पुरस्कार
- वार्षिक प्रशस्ति पुरस्कार

उपलब्धियाँ:

इस कार्यक्रम में डीटीयू के शोध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि को प्रदर्शित किया गया, जिसका प्रमाण इस के बढ़ते एच-इंडेक्स और 2023 में 2,020 शोध पत्रों का प्रकाशन है।

प्रधान अनुसंधान पुरस्कार	
विभाग	शोध पत्रों की संख्या
विद्युत अभियांत्रिकी	4
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	4
अनुप्रयुक्त गणित	2
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	5
जनपद अभियांत्रिकी	2
सूचना प्रौद्योगिकी	3
यांत्रिकी अभियांत्रिकी	3
अनुप्रयुक्त रसायन	1
अनुप्रयुक्त भौतिकी	1
कुल	25

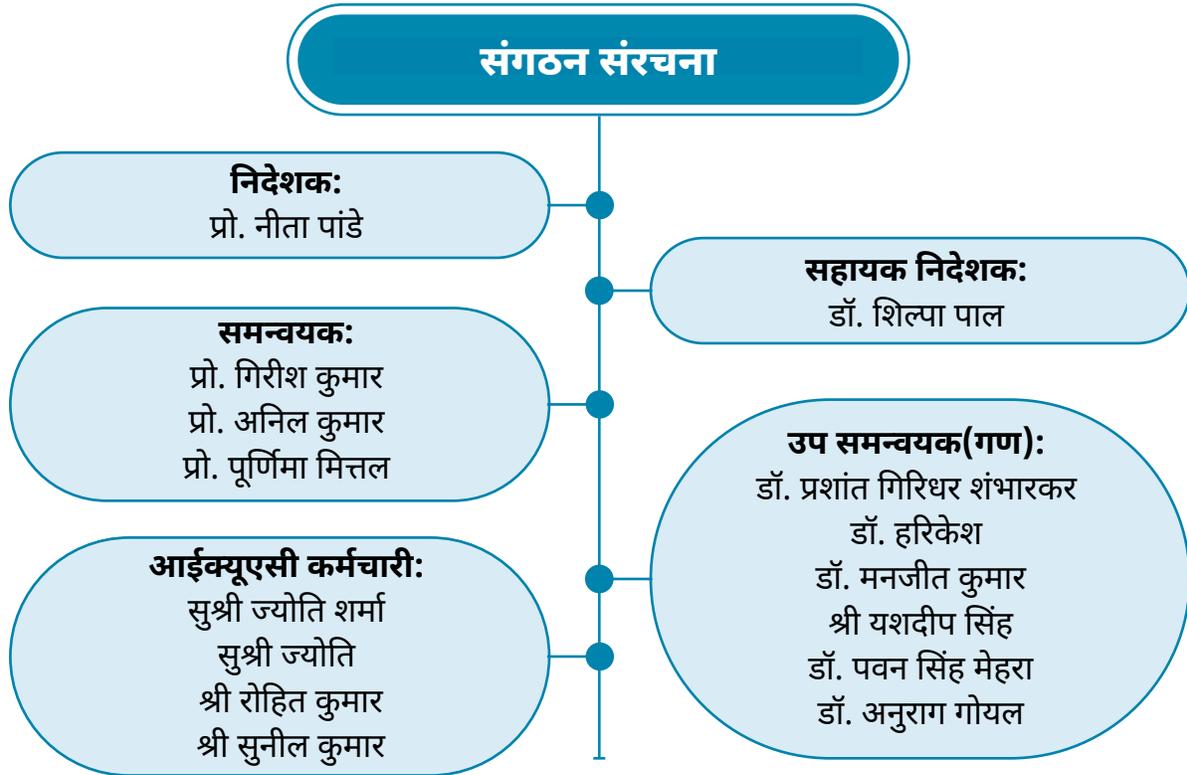
प्रशंसनीय अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार	
विभाग	शोध पत्रों की संख्या
अनुप्रयुक्त भौतिकी	78
यांत्रिकी अभियांत्रिकी	61
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	63
संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	40
जैव प्रौद्योगिकी	35
जनपद अभियांत्रिकी	11
विद्युत अभियांत्रिकी	26
अनुप्रयुक्त रसायन	26
अनुप्रयुक्त गणित	24
सूचना प्रौद्योगिकी	19
पर्यावरण अभियांत्रिकी	18
सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	07
यूएसएमई	04
डीएसएम	03
मानविकी	01
कुल	416

11. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), दिल्ली, अत्याधुनिक सुविधाओं, विश्वस्तरीय शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं प्रबंधन के क्षेत्र में परामर्श सेवाओं के साथ हमारे महान देश के एक प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में उभरा है और एक ओर उद्योगों और दूसरी ओर विश्व के शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक समुदाय के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। शिक्षा की गुणवत्ता संस्कृति को बनाए रखने, सुनिश्चित करने और बढ़ाने के लिए एक आंतरिक तंत्र के रूप में, डीटीयू ने गुणवत्ता चेतना की गति को बनाए रखने हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना की है।

वास्तव में, डीटीयू-आईक्यूएसी की परिकल्पना विश्वविद्यालय स्तर पर हितधारकों की विविध

आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक गुणवत्ता संस्कृति के निर्माण और उसे सुनिश्चित करने हेतु एक तंत्र के रूप में की गई है। डीटीयू-आईक्यूएसी का उद्देश्य विश्वविद्यालय की गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाना, मार्गदर्शन करना और निगरानी करना है। आईक्यूएसी शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों और उपायों को दिशा प्रदान करता है और व्यवस्थित करता है तथा विश्वविद्यालय का एक सुविधाप्रद और सहभागी अंग है। डीटीयू-आईक्यूएसी कमियों को दूर करने और गुणवत्ताको बढ़ाने हेतु हस्तक्षेप रणनीतियों पर काम करके गुणवत्ता लाने की एक प्रेरक शक्ति है।



आईक्यूएसी के अंतर्गत गतिविधियाँ:

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) के मुख्य कार्यों को इस प्रकार संक्षेपित किया जा सकता है:

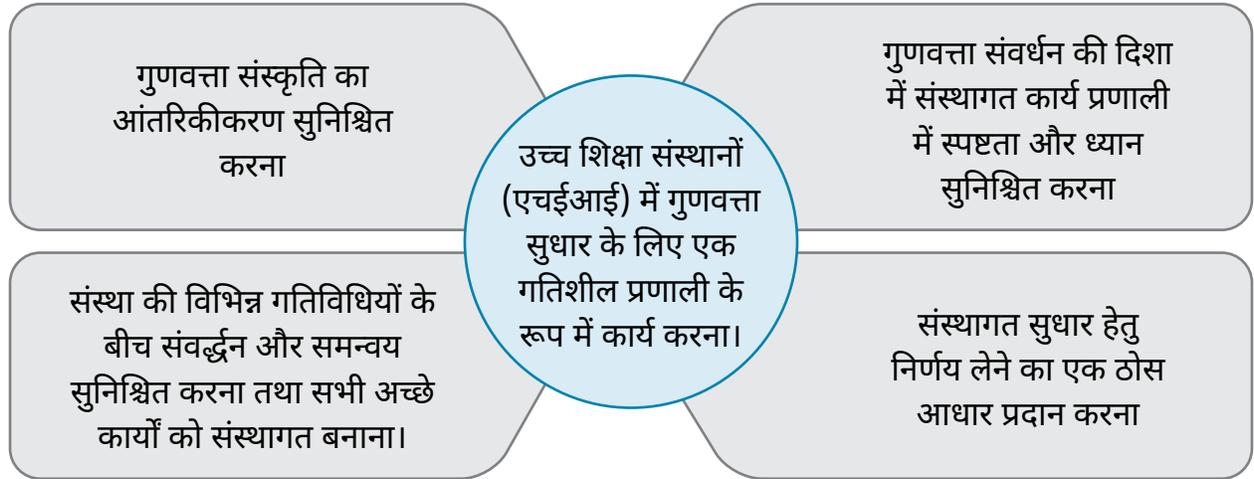
- विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए गुणवत्ता मानक/परामापको का विकास और उनका कार्यान्वयन।
- गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और संकाय विकास के लिए छात्र-केंद्रित वातावरण का निर्माण, ताकि सहभागी शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रौद्योगिकी अपनाई जा सके।
- गुणवत्ता - संबंधित संस्थागत प्रक्रियाओं पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने की व्यवस्था।
- उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणवत्ता मानकों की जानकारी का प्रचार।
- गुणवत्ता - संबंधित विषयों पर अंतर और आंतरिक संस्थागत कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन और गुणवत्ता मंडलियों को बढ़ावा देना।
- कॉलेज की विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों का दस्तावेजीकरण।
- कॉलेज की गुणवत्ता संबंधित गतिविधियों का समन्वय करने वाली नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना, जिसमें अच्छे अभ्यासों को अपनाना और उनका प्रचार करना शामिल है।
- संस्थागत गुणवत्ता बनाए रखने/सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) के माध्यम से संस्थागत डेटाबेस का विकास और रखरखाव।
- संबंधित गुणवत्ता आश्वासन निकायों (जैसे राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन आयोग - एनएएसी, राष्ट्रीय बोर्ड - एनबीए, एबी) द्वारा विकसित गुणवत्ता मानकों/मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर कॉलेज की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) का निर्माण।

- द्विवार्षिक गुणवत्ता राडार (क्यूआर) का विकास और कॉलेजों की समग्र इकाईयों का वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) के आधार पर रैंकिंग।
- मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मूल्यांकन, स्थायित्व और सुधार प्रयासों से पूर्व और पश्चात गुणवत्ता आकलन समितियों (एसक्यूएसी) के साथ संवाद।

आईक्यूएसी की जिम्मेदारियाँ और प्राधिकरण:

- गुणवत्ता प्रणाली दस्तावेजों की तैयारी और नियंत्रण।
- गुणवत्ता प्रणाली में प्रशिक्षण का आयोजन, यह सुनिश्चित करना कि कर्मचारी गुणवत्ता नीति, उद्देश्यों और स्थापित गुणवत्ता प्रणाली के कार्यों को समझें।
- आंतरिक गुणवत्ता ऑडिट की योजना बनाना और उसका कार्यान्वयन करना।
- गुणवत्ता प्रणाली का रखरखाव और इसके कार्यप्रणाली पर रिपोर्ट देना: सभी सुधारात्मक और निवारक कार्रवाइयों का कार्यान्वयन करना।
- गुणवत्ता प्रणाली से संबंधित मामलों में बाहरी संस्थाओं/संगठनों के साथ संपर्क।
- प्रबंधन समीक्षा (मैनेजमेंट रिव्यू) की व्यवस्था।
- क्रियाशील गुणवत्ता प्रणाली और इसके संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव।
- विश्वविद्यालय की ओर से सभी गुणवत्ता पहलों का समन्वय, जैसे एनएएसी, एनबीए, क्यूएस रैंकिंग आदि।
- विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों से प्रतिक्रिया एकत्रित करना और उसका विश्लेषण करना।

आईक्यूएसी इसके लिए प्रतिबद्ध है:



वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियाँ:

- छठी आईक्यूएसी बाहरी बैठक : 7 फरवरी, 2024 को आयोजित।
- सातवीं आईक्यूएसी बाहरी बैठक : 27 जुलाई, 2024 को आयोजित।
- शैक्षणिक वर्ष 2022-23 की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) 2023-24 के दौरान एनएएसी पोर्टल पर प्रस्तुत की गई।
- शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी और प्रकाशन।
- तीसरी प्रबंधन समीक्षा बैठक (आईएसओ) दिनांक 20 सितंबर, 2023 को आयोजित।
- आंतरिक शैक्षणिक और आईएसओ ऑडिट दिनांक 10-11 अक्टूबर, 2023 को आयोजित।
- सीओ, पीओ और पीएसओ के लिए कार्यशाला दिनांक 13-14 फरवरी, 2024 को आयोजित।
- उच्च गुणवत्ता वाले प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए कार्यशाला 13-14 फरवरी, 2024 को आयोजित।
- चौथी प्रबंधन समीक्षा बैठक आईएसओ दिनांक 30 जुलाई, 2024 को आयोजित।



12. छात्र कल्याण, समितियां और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण डीन (डीएसडब्ल्यू) छात्र जीवन के सभी पहलुओं की देखरेख करते हैं, जहाँ पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्र अनुभव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रदान करता है, जिससे छात्र अपनी रुचियों के अनुसार रुचि समूहों में शामिल हो सकते हैं। डीएसडब्ल्यू कार्यालय छात्रों को इन गतिविधियों में सहयोग प्रदान करता है, जो सभी विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधि, अध्यादेश और दिल्ली सरकार द्वारा अधिनियम संख्या 6, 2009 के तहत स्थापित नियमों द्वारा विनियमित हैं।

संगठन संरचना:

डीन (छात्र कल्याण):

प्रो. एस. इंदु

सहायक डीन (छात्र कल्याण):

प्रो. राम सिंह

डीटीयू मित्र:

डीटीयू मित्र हेल्पडेस्क, डीएसडब्ल्यू कार्यालय के अंतर्गत एक सूचना प्रसार केंद्र है। छात्र अपने प्रश्न कार्यालय में दर्ज कराते हैं और हेल्पडेस्क उन्हें संबंधित शाखा को भेज देता है।

सोसायटी/परिषद/छात्र अध्याय/क्लब के नाम:

क्रमांक	क्रमांक	क्रमांक	क्रमांक
1	एसीएस-छात्र अध्याय	26	क्विज़ क्लब
2	भांगड़ा	27	यस + हैप्पीनेस
3	तत्व	28	इनोवा डीटीयू
4	डीटीयू - एनएसएस	29	आईओएसडी
5	साहित्य	30	परछायी
6	वाइब	31	साईट
7	युवान	32	सीएसआई-डीटीयू
8	एससीईई	33	एसएसई-डीटीयू
9	डी_कोडर	34	क्यूरी रिसर्च प्रमोशन सोसाइटी
10	असेट्स	35	मधुरिमा - द म्यूजिक सोसाइटी
11	आईईईई	36	एक्टस
12	ई-सेल	37	जीवाईआई
13	नृत्यांगना	38	एलिक्सिर
14	आईजीटीएस-डीटीयू	39	डिबेटिंग सोसाइटी
15	पनाश	40	कॉस्मोलॉजी क्लब
16	राउंड टैबल	41	जीज़णाशा
17	प्रतिबिंब	42	डीटीयू कंसल्टिंग ग्रुप
18	कलाकृति	43	एनसीसी
19	डीटीयू - सुपर माइलेज	44	लेट टॉक
20	टीम रफ़्तार	45	क्वाड-डीटीयू
21	कोडशेफ डीटीयू	46	फिल्म क्लब
22	एसआर डीटीयू	47	डेलटेक मुन
23	180 डिग्री परामर्श डीटीयू	48	आईएसएक्ट डीटीयू स्टूडेंट चैप्टर
24	एसएई-डीटीयू	49	कल्चरल काउंसिल
25	रिफ्लेक्ट डीटीयू	50	डीटीयू स्पोर्ट्स

2023-24 के दौरान विभिन्न सोसायटियों द्वारा आयोजित प्रमुख छात्र कार्यक्रम

आरंभ 2023

आरंभ, एक 2-दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम, सांस्कृतिक परिषद द्वारा 20 - 21 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय जीवन में सहज रूप से प्रवेश कराने में सहायता प्रदान करना था। इस अभिविन्यास कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों से जुड़ने, परिसर संसाधनों के बारे में जानने और विभिन्न सांस्कृतिक समितियों का व्यक्तिगत प्रस्तुति के माध्यम से अन्वेषण करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के पहले दिन एथनिक डे और दूसरे दिन वेस्टर्न फॉर्मल्स डे का आयोजन किया गया।



इंजीफेस्ट 2024

इंजीफेस्ट '24, डीटीयू का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, 15 - 17 फरवरी, 2024 के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें परिसर में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहले दिन प्रसिद्ध गायिका "श्रेया घोषाल" का प्रदर्शन हुआ, दूसरे दिन गायक "तलविंदर" ने प्रस्तुति दी, और तीसरे दिन डीजे "ब्रुक्स एवं रावेटर" ने कार्यक्रम का समापन किया।



वोआ (VoA) वाइल्डलाइफ सेंचुरी यात्रा

एनएसएस डीटीयू ने स्वयंसेवकों में पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने और जैव विविधता की गहरी समझ विकसित करने के उद्देश्य से असोला भट्टी वाइल्डलाइ

फसेंचुरी की यात्रा आयोजित की। यह अनुभव मानव और प्रकृति के बीच संतुलित संबंध बनाए रखने के महत्व को उजागर करता है, और एनएसएस डीटीयू की सतत और पारिस्थितिक रूप से संतुलित भविष्य निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

इंडिया 2050

एनएसएस डीटीयू ने 2 फरवरी, 2024 को एक रोचक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें "इंडिया 2050" नामक डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग दिखाई गई, जो दिल्ली में तेजी से बदलते जलवायु परिस्थितियों के प्रभाव को उजागर करती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के महत्व पर प्रकाश डालना और 2050 में दिल्ली के संभावित भविष्य के परिदृश्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कैंसर जागरूकता एवं पल्लियेटिव केयर संवेदनशीलता कार्यक्रम

24 जनवरी, 2024 को, एनएसएस डीटीयू और डीटीयू के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने डीनिप (DNIP) केयर के सहयोग से कैंसर जागरूकता और पल्लियेटिव केयर संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि इनकी महत्वता पर जोर दिया जा सके।

समृद्धि'24

19 जनवरी, 2024 को, एनएसएस डीटीयू ने "महिला सशक्तिकरण और बाल विकास" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। प्रतिष्ठित पैनलिस्ट प्रो. चारु (आईआईपीए) ने महिला और बालविकास के मार्ग को उजागर किया। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और जागरूकता व पोषण साक्षरता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. निधि, एक प्रतिष्ठित गायनेकोलॉजिस्ट, ने इस कार्यक्रम में पैनलिस्ट के रूप में योगदान दिया।

करुणा: एड्स जागरूकता, पर्यावरण स्वच्छता और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरोध में एकजुट

26 अक्टूबर, 2023 को, एनएसएस डीटीयू ने 'करुणा' कार्यक्रम का आयोजन किया, जो एड्स जागरूकता, पर्यावरण स्वच्छता और नशीली दवाओं

के दुरुपयोग के मुद्दों पर केंद्रित था। जागरूकता, नशा और पर्यावरण संरक्षण अभियान यह एक परिवर्तनकारी सत्र था जिसमें डॉ. अनूप कुमारपुरी, एचजी पंडवा, डॉ. उषा भटनागर और श्री शंकर सिंह ने भाग लिया। डॉ. पुरी ने एचआईवी/एड्स जागरूकता पर चर्चा की, मिथकों का खंडन किया और नशे के दुरुपयोग के जोखिमों के बारे में बताया।

स्वच्छता अभियान'23

1 अक्टूबर, 2023 को एनएसएस डीटीयू ने भारत सरकार के "कॉल टू एक्शन" के समर्थन में पूरे समुदाय से आग्रह किया कि वे कम से कम 1 घंटे का समय समर्पित करें। "एक तारीख - एक घंटा" अभियान के तहत विश्वविद्यालय के संवेदनशील स्थानों से कचरा साफ किया गया। यह क्लीनलिनेस ड्राइव 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने मिलकर पर्यावरण की जिम्मेदारी निभाई और समुदायको एक उज्ज्वल उदाहरण बनाया।

भोजन अभियान'23

वॉइस ऑफ एनिमल्स (वोआ) ने 12 अप्रैल को "मेगा फीडिंग ड्राइव" का सफल आयोजन किया। मिनी ओपन-एयर थिएटर (मिनीओएटी) में पशु प्रेमियों को एकत्र कर पशुओं को भोजन व देखभाल प्रदान करने के लिए एक सामूहिक प्रयास किया गया।



एसेट्स डीटीयू

डीटीयू की वित्त एवं निवेश सोसाइटी, एसेट्स-डीटीयू की स्थापना छात्रों में वित्तीय साक्षरता और निवेश संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। 150 से अधिक सक्रिय सदस्यों वाली यह सोसाइटी वित्तीय प्रबंधन सिखाने और बाज़ार के रुझानों से अपडेट रहने पर केंद्रित है।

प्रांजल कामरा के साथ पर्सनल फाइनेंस (27 अगस्त, 2023)

एसेट्स डीटीयू ने यूट्यूबर प्रांजल कामरा के साथ व्यक्तिगत वित्त पर एक वेबिनार की मेजबानी की, जिसमें बजट, निवेश रणनीतियों को शामिल किया गया।

खर्चे पे चर्चा आईजीडीटीयूडब्लू (13th जनवरी, 2023)

आईजीडीटीयूडब्लू के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार में व्यक्तिगत वित्त, कर बचत और म्यूचुअल फंड पर चर्चा की गई, जिसमें वित्त के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्व छात्र शामिल हुए। एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने धन प्रबंधन, ऋण और फ्रीलांसिंग पर चर्चा की।



हार्वर्ड ड्रॉपआउट की नज़र से दुनिया (27 अक्टूबर, 2023)

संदीप गुप्ता, जो जीएमएटी विशेषज्ञ और हार्वर्ड ड्रॉपआउट हैं, ने जीएमएटी तैयारी की रणनीतियों पर एक वेबिनार का नेतृत्व किया, जिसमें मात्रात्मक और मौखिक कौशल, और परीक्षा देने की तकनीकें शामिल थीं।

इक्विटी एज प्रतियोगिता

एक नकली स्टॉक प्रतियोगिता का अनुकरण वास्तविक दुनिया के व्यापारिक परिदृश्यों को समझने के लिए, इक्विटी एज ने छात्रों को जोखिम-मुक्त वातावरण में निवेश रणनीतियों को लागू करने और शेयर बाजार की गतिशीलता के बारे में सीखने का अवसर दिया।

नियमित निवेश सत्र

निवेश प्रमुखों के नेतृत्व में, ये सत्र विकल्प व्यापार, तकनीकी विश्लेषण, मौलिक विश्लेषण और विदेशी मुद्रा व्यापार को कवर करते हैं, जो व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

बैंड नाइट

शार्क टैंक सम्मेलन के बाद वरुण राजपूत के नेतृत्व में प्रसिद्ध अंतरिक्ष बैंड द्वारा एक शानदार, ऊर्जावान और दिल को छू लेने वाला प्रदर्शन किया गया। 90 मिनट तक चले इस प्रदर्शन में 5,000 छात्र शामिल हुए। खाने-पीने के कई स्टॉल भी थे।

कॉस्मोलॉजी क्लब

चंद्रयान-3

23 अगस्त, 2023 को, डीटीयू के कॉस्मोलॉजी क्लब ने एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम की मेज़बानी की - चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक चंद्र लैंडिंग की लाइव स्क्रीनिंग। इस कार्यक्रम ने खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही, छात्रों और वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों सहित विभिन्न दर्शकों को आकर्षित किया।

आईएपीएस स्कूल डे (खोज और सीखने का एकदिन)

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स स्टूडेंट्स (आईएपीएस) ने 8 नवंबर, 2023 को एकशैक्षिक कार्यक्रम, आईएपीएस स्कूल डे का आयोजन किया, जिसमें सेंट प्रोबेल स्कूल के 50 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम को आईएपीएस के 10 से अधिक स्वयंसेवकों और डीटीयू के 25 स्वयंसेवकों के सहयोग से और अधिक समृद्ध किया गया।

स्पेस टॉक इवेंट (इसरो एवं क्वांटम संचार)

10 जून, 2024 को, डीटीयू के कॉस्मोलॉजी क्लब ने एक मनमोहक "स्पेस टॉक" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "इसरो एवं क्वांटम संचार: एक बड़ी छलाँग"। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वक्ता मनीष पुरोहित, जो इसरो के पूर्व वैज्ञानिक, एनआईएमबीयूएस एजुकेशन के संस्थापक (जिनके 1,66,000 से अधिक यूट्यूब ग्राहक हैं), और एक निपुण शिक्षाविद, अंतरिक्ष उद्यमी, एआई विशेषज्ञ तथा क्वांटम कंप्यूटिंग विशेषज्ञ हैं, ने एक विचारोत्तेजक प्रस्तुति दी।

एक्सोप्लैनेट एक्सप्लोरेशन (ब्रह्मांड के अज्ञात क्षेत्र तक की यात्रा)

20 जुलाई, 2024 को, डीटीयू के कॉस्मोलॉजी क्लब ने "एक्सोप्लैनेट एक्सप्लोरेशन: जर्नी टू द अननोन रील्स ऑफ़ यूनिवर्स" नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। ऑनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थापक कौशिक भट्टाचार्जी, जिन्होंने ब्रह्मांड के अपने व्यापक ज्ञान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था, ने भाग लिया।

सीबी देवगुन मेमोरियल

29 अगस्त, 2024 - 23 सितंबर, 2024 तक, कॉस्मोलॉजी क्लब ने सक्रिय रूप से इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल सर्च कोलैबोरेशन (आईएससी) सीबी देवगुन कैम्पेन में भाग लिया। यह वैश्विक पहल, जिसका नाम सीबी देवगुन के सम्मान में रखा गया था, का उद्देश्य छोटे ग्रहों (टीएनओएस) की खोज और निगरानी में व्यक्तियों को शामिल करना है। इस अभियान ने खगोलीय विज्ञान के क्षेत्र में योगदान करने और उनके खगोलीय ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों को एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

रणनीतिक साझेदारी और सहयोग

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में, डीटीयू के कॉस्मोलॉजी क्लब ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण साझेदारियों में प्रवेश करके अपने सहयोगी प्रयासों का विस्तार करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऑप्टिका (आईक्यूडीटीयूडब्लू की

कॉस्मोलॉजी सोसायटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हाल ही में हुआ हस्ताक्षर है। यह रणनीतिक गठबंधन हमारे सदस्यों के लिए नए अवसर लाने और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में हमारे क्लब के प्रभाव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार है।

आईएपीएस के साथ साझेदारी

कॉस्मोलॉजी क्लब डीटीयू, आईएपीएस के साथ साझेदारी के संबंध में निरंतर संवाद में है, ताकि नेशनल नोडल सेंटर में एक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हो सके और भारतीय अध्याय के लिए मेलिंग पॉइंट के रूप में डीटीयू को स्थापित कर सके। यह क्लब आईआईटी-दिल्ली, एनएसयूटी, दिल्ली आदि जैसे अन्य क्लबों के साथ भी सहयोग करने का लक्ष्य रखता है।

द गॉड पार्टिकल

28 अगस्त, 2024 को, डीटीयू के कॉस्मोलॉजी क्लब ने "द गॉडपार्टिकल" नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को मुख्य रूप से बी.टेक. के नव-प्रवेशित प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ एक संवादात्मक परिचय के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों के साथ एक संवादात्मक सत्र के साथ शुरुआत की गई।

मल्टीवर्स ऑफ़ मैडनेस

27 अगस्त, 2024 को, इस क्लब ने "खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान की अवधारणाएँ" पर एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया। यह एक संवादात्मक सत्र था, जिसमें उपस्थित लोगों से अपने विचारों और सुझावों को प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। कॉस्मोलॉजी क्लब की यह परिचयात्मक बैठक खगोल विज्ञान और कॉस्मोलॉजी में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए एक व्यापक अभियान के रूप में कार्य करती है।

मधुरिमा - द म्यूजिक सोसाइटी

मधुरिमा, डीटीयू की संगीत सोसाइटी, जिसे सनकी संगीतकारों के संस्थान के नाम से भी जाना जाता है, अपने अनोखे संगीतकारों के समूह के लिए जानी जाती है! इसकी शुरुआत लगभग 12 साल पहले हुई थी। मधुरिमा ने निश्चित रूप से एक लंबा सफर तय

किया है, यूनिवर्सिटी म्यूज़िक सर्किट में धूम मचा रही है। हर साल यह सोसाइटी नए फ्रेशर्स से मिलती है जो अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं और अपनी उम्मीदों से भी बढ़कर प्रदर्शन करते हैं। मधुरिमा सोसाइटी सभी प्रमुख कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेती है। कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. स्वतंत्रता - 11 अगस्त, 2023
2. गणतंत्र दिवस समारोह
3. डोरेमीपा (एंगिफेस्ट - 2024)
4. कैडेंस
5. फ्लैशमॉब
6. 2 जून, 2024 को स्थापना दिवस समारोह के लिए सीएसओआई (सिविल सेवा अधिकारी संस्थान) में प्रदर्शन
- जी20 की भारत की अध्यक्षता के उपलक्ष्य में 'आकाश वाणी - दिल्ली' द्वारा आयोजित यूथ कॉन्क्लेव जी20 में प्रस्तुति।
7. फ्रेशर्स नाईट, दिवाली रोटरेक्ट मेला और कल्चरल नाईट जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति।

आईईईई डीटीयू

'अपनी ऊँचाइयों को पाने के लिए परिश्रम करो' के शाश्वत ज्ञान से निर्देशित यात्रा पर अग्रसर, आईईईई डीटीयू एक परिवर्तनकारी छलांग के लिए तैयार है। अपने प्रयासों में समर्पण, निर्णयों को आकार देने वाली सजगता और वास्तविकता में दृढ़ विश्वास के साथ, यह समाज प्रगति और नवाचार के वादे से प्रकाशित पथ पर अग्रसर है।

बूटस्ट्रैप: 4 अगस्त, 2023 को वार्षिक अभिविन्यास
आईईईई डीटीयू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने 2K27 के लिए शैक्षिक यात्रा की शुरुआत को चिह्नित किया। महत्वाकांक्षी इंजीनियरों के एक बैच के लिए। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रेरित करना था।

आई.ई.ई.ई. दिवस समारोह

9 अक्टूबर, 2023 को आईईईई डीटीयू के पीईएसआईएस चैप्टर द्वारा आयोजित द टिकर केस इवेंट में हार्डवेयर मॉडल प्रदर्शित किए गए। इन मॉडलों का मूल्यांकन उनके डिज़ाइन, तकनीकी दक्षता और टीम वर्क के आधार पर किया गया, जिसमें साइबर शिल्पकार, टेकगीक्स और वेलकेयर वॉरियर्स ने शीर्ष सम्मान प्राप्त किए। 12 अक्टूबर, 2023 को आईईईई डीटीयू और क्रूस्फियर आईसीपी इंडिया हब द्वारा आयोजित ब्लॉकचेन वर्कशॉप में प्रमुख वक्ताओं और व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से वेब3 और ब्लॉकचेन का परिचय कराया गया, जिसका उद्देश्य भविष्य के इंजीनियरों को प्रेरित करना और करियर के अवसरों को उजागर करना था।

आई.ई.ई.ई. एक्सट्रीम 17.0

आईईईई एक्सट्रीम एक 24 घंटे की वैश्विक प्रतियोगिता है, जहाँ आईईईई (IEEE) छात्र सदस्य, एक आईईईई (IEEE) सदस्य के मार्गदर्शन में प्रोग्रामिंग चुनौतियों को हल करते हैं। इस वर्ष, 28 अक्टूबर, 2023 को आईईईई एक्सट्रीम 17.0 में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो पिछले वर्षके पंजीकरणों से दोगुने से भी अधिक थी।

टेकवीक

आईईईई डीटीयू ने 4 से 10 नवंबर, 2023 तक टेकवीक '23 का आयोजन किया। इस इवेंट का उद्देश्य कार्यशालाओं और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से छात्रों को उभरती हुई तकनीकों से परिचित कराना था। इसमें नौ मुफ्त कार्यशालाएँ शामिल थीं, जो ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित की गईं, और जिन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों को आकर्षित किया।

इनविक्टस '24

9 से 12 फरवरी, 2024 तक आयोजित इनविक्टस 2024 में आई.ई.ई.ई. (IEEE) द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया, जिन्होंने नवाचार और रचनात्मकता को उजागर किया। इस उत्सव में गेसापालूज़ा, रचनात्मक कैनवास, डिज़ाइन प्रतियोगिता, तकनीकी वेशभूषा प्रदर्शन, चित्रण प्रतियोगिता, तेजी-मंदी (BullsandBears), पिचफ़ॉर्क, केस अध्ययन, BITS, टेकलू, कैट-प्रश्नोत्तरी, एडोब देवक्राफ्ट,

कोडक्रंच एम.एल., कोडकेज़, वायुगतिकीय डिज़ाइन, साइफरक्रैक, टर्बोएफएक्स और इलेक्ट्रिसिडी जैसे कार्यक्रम शामिल थे।

इनविवटस '24

आईईईई डीटीयू ने 12-13 अप्रैल, 2024 को राज सोइन हॉल में 24 घंटे का हैकाथॉन विहान 007 आयोजित किया। यह कार्यक्रम "विकसित भारत 2047" की थीम के अनुरूप, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, फिनटेक और एआई जैसे क्षेत्रों में नवाचार पर केंद्रित था। इसने पूरे भारत से लगभग 500 टीमों को आकर्षित किया, जिससे टीम वर्क और रचनात्मकता को बढ़ावा मिला। इस हैकाथॉन में तीन चरण थे, जिसकी शुरुआत 4500 पंजीकरणों के साथ हुई, जिसके बाद 24 घंटे की कोडिंग मैराथन के लिए 492 टीमों चुनी गई, और अंत में 15 टीमों ने उद्योग विशेषज्ञों के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी।



युवान- डीटीयू (13-14 फरवरी, 2024)

कार्यक्रम-1 (उद्घाटन)



कार्यक्रम -2 (वाद विवाद)



कार्यक्रम-3 (कहानी सुनाना)



कार्यक्रम-4 (नुक्कड़ नाटक)



कार्यक्रम-5 (स्टैंडअप कॉमेडी)



कार्यक्रम-6 (बादल शर्मा के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी)



कार्यक्रम- 7 (युवराज दुआ के साथ टॉक शो)



कार्यक्रम-8 (कलाकार प्रदर्शन)



कार्यक्रम-9 (सिनेवाँक)



कार्यक्रम-10 (स्लैम कविता) (अंग्रेज़ी)



कार्यक्रम-11 नकल



एमी जैक्सन



कार्यक्रम-12 (फैशन शो)



विद्युत जामवाल



कार्यक्रम-13 (फिल्म पदोन्नति) अर्जुन रामपाल



कार्यक्रम-14 (आदित्य कुलश्रेष्ठ द्वारा स्टैंड-अपकॉमेडी)



कार्यक्रम-15 (अज़हर इक़बाल एवं ग्रुप)



कार्यक्रम-16 सूफ़ीनामा बैंड



अन्य आयोजित कार्यक्रम

- रैप बैटल
- कलामकार
- फर्ज़ी मुशायरा
- पैनाचे, डीटीयू द्वारा फैशन शो

कलाकृति - डीटीयू की क्रिएटिव आर्ट्स



सोसाय टीडीटीयू की रचनात्मक कला संस्था, कला कृति का ओरिएंटेशन समारोह, उत्सुकता और जीवंत माहौल से ओतप्रोत, विश्व-प्रसिद्ध रेत कलाकार, श्री रजत कुमार की गरिमामयी उपस्थिति के साथ, उत्साह और उत्सुकता से भरपूर रहा। स्पष्ट उत्साह और उत्सुकता के बीच, छात्र कुमार के भाषण और रेत कला प्रदर्शन द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक प्रतिभा और गहन अंतर्दृष्टि का आनंद लेने के लिए उत्सुकता से एकत्रित हुए। जैसे-जैसे यह कार्यक्रम आगे बढ़ा, इसने न केवल कलात्मक निपुणता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया, बल्कि प्रेरणा का एक प्रकाश स्तंभ भी प्रस्तुत किया, जिसने रचनात्मकता की लौ को प्रज्वलित किया और एक समृद्ध यात्रा के लिए मंच तैयार किया।

स्ट्रोक्स

हमने प्रतिभागियों में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए कला प्रतियोगिता "स्ट्रोक्स" का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य कलाकारों को एक आकर्षक और प्रेरक वातावरण में अपने नवोन्मेषी विचारों और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

स्पेक्ट्रैंग

17-19 फरवरी, 2024 को हमारी सोसाइटी ने इंगिफेस्ट डीटीयू के सहयोग से एक अंतर-कॉलेज टी-



शर्ट पेंटिंग, स्केच। वॉक और फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है जिसमें, डीयू सर्किट के कॉलेजों और दिल्ली-एनसीआर के विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को कला प्रेमियों के सामने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिला।

अभिव्यक्ति

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की क्रिएटिव आर्ट्ससोसाइटी, कलाकृति ने अभिव्यक्ति के साथ कला और संस्कृति का एक जीवंत, जो दो दिवसीय देसी पॉप उत्सव 19 - 20 अप्रैल, 2023 को मनाया।

राउंडटेबल

डीटीयू की एक कौशल विकास संस्था ने इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए। कुछ प्रतिनिधि कार्यक्रम नीचे दिए गए हैं:

कार्यक्रम विवरण: वेब3 सम्मेलन

यह एक दिवसीय कार्यक्रम पंजीकरण के साथ शुरू हुआ, इसके बाद प्रारंभिक भाषण हुआ। भाषण ने पूरे दिन का माहौल बना दिया और सभी को आगामी वार्ताओं के लिए उत्साहित कर दिया।

कार्यक्रम विवरण: क्रिटिक हंट

“क्रिटिक हंट” एक 24 घंटे की दिमागी चुनौती थी, ने की क्षमता का परीक्षण किया गया। जिसे राउंड टेबल डीटीयू द्वारा आयोजित किया गया। टीमों ने आपस में

प्रतिस्पर्धा करते हुए कोड क्रैक करने का प्रयास किया और पुरस्कार जीतने का अवसर पाया। ये रोमांचक आयोजन 27-28 मई को राज सोइन हॉल, डीटीयू में संपन्न हुआ



ई-सेल डीटीयू

ई-सेल डीटीयू ने उत्तर भारत में उद्यमिता की भावना को प्रज्वलित किया, नवाचार को बढ़ावा दिया और क्षेत्र के बढ़ते स्टार्टअप परिदृश्य का प्रमाण प्रस्तुत किया। यह केंद्र पिछले 16 वर्षों से लगातार सक्रिय है। इस वर्ष ई-सेल डीटीयू ने अभूतपूर्व ऊँचाइयाँ हासिल कीं और कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे – ओरिएंटेशन, ई-सम्मिट'24, वीकेंड स्टार्टअप और अन्य। कार्यक्रमों की शुरुआत 14 सितम्बर 2023 को बी.आर. ऑडिटोरियम में ओरिएंटेशन से हुई।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उपस्थित हुए, जैसे – अलख पांडेय (फिजिक्सवाला), प्रियरंजन कुमार (पूर्वसीईओ, स्प्रिंगवेल मैट्रेस और बेला वीटा लकज़री), अमित भधाना, बर्खा सिंह, विजेन्द्र चौहान, विवेक रैना (संस्थापक, एक्साईटल), मनासा गरेमेला (सह-संस्थापक, काइंडलाईफ), श्रीमती श्वेता जैन (उपाध्यक्ष, एचएसबीसी), और बिपिन कौल (सीबीओ, पेटीएम)। उन्होंने दर्शकों को उपयोगी जानकारी दी और अन्य प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने। ई-सम्मिट'24, जो ई-सेल डीटीयू का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम है, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में आयोजित हुआ और इसमें 40,000 से अधिक प्रतिभागियों, छात्रों और समान सोच वाले लोगों ने भाग लिया।

इंडियन गेम थ्योरी सोसायटी - डीटीयू

इंडियन गेम थ्योरी सोसायटी (आईजीटीएस), डीटीयू अध्याय ने 2016 में स्थापना के बाद से महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभिन्न विषयों से जुड़े स्नातक स्तर के छात्रों की टीम डॉ. नंद कुमार (मानविकी विभाग के प्रमुख, डीटीयू) के मार्गदर्शन में काम कर रही है। डॉ. नंद कुमार का नेतृत्व सोसायटी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे छात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरणा मिल रही है। आईजीटीएस-डीटीयू निरंतर प्रयास करता है कि गेम थ्योरी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाए और नवाचार व सहयोग की भावना को आगे बढ़ाया जाए।

केएनसी

इंडियन गेम थ्योरी सोसायटी - डीटीयू ने मार्च 2024 में कमला नेहरू कॉलेज क इकोनॉमिक फेस्ट में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। आयोजित किए गए कार्यक्रमों में डाइनर्स, वेइटेड वार्स और टीजीए शामिल थे। यह कार्यक्रम बेहद उत्साहपूर्ण रहा और बड़ी सफलता प्राप्त की।



आईआईटी बॉम्बे

इंडियन गेम थ्योरी ने आईआईटी बॉम्बे टेक फेस्ट'23 में अपना प्रमुख कार्यक्रम "स्ट्रेटजेनिथ" आयोजित किया। इसमें लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया और यह आयोजन बहुत बड़ी सफलता साबित हुआ।



आयोजित कार्यक्रम

1. स्ट्रेटजेनिथ



2. कोडलॉक



3. ग्रांड नैशीफाई: “पल जलाना, अनुभव समृद्ध करना” के आदर्श के साथ, एमसी डीटीयू ने पिछले वर्ष को प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ अपनाया। इस यात्रा पर विचार करते हुए, प्रतिभागी हर कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने पर ध्यान केंद्रित रहते हैं।



“पलों को प्रज्वलित करना, अनुभवों को समृद्ध बनाना” के आदर्श के साथ, ईएमसीईई डीटीयू ने इस पिछले वर्ष को प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ अपनाया। यात्रा पर विचार करते हुए, प्रतिभागी हर कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने पर ध्यान केंद्रित रखते हैं।

ईएमसीईई-डीटीयू

स्वतंत्रता दिवस



फूड उत्सव



आरम्भ



दीवाली मेला



गणतंत्र दिवस



इन्विक्टस



इंजीफेस्ट



युवान



गतिशील



फ्रेटरनिटी फाउंडेशन दिवस और फेयरवेल



ई-सेल डीटीयू

साहित्य, वाद-विवाद और लेखन को बढ़ावा देने वाली "साहित्य लिटरेरी एंड डिबेटिंग समिति" का यह वर्ष शानदार रहा। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की गईं। स्याही 2024 जो इंगफेस्ट का हिस्सा था, में पारंपरिक वाद-विवाद, कहानी लेखन, हिंदी/अंग्रेज़ी स्लैम कविता, ब्लैकआउट कविता और एक अनूठी पुस्तक नीलामी का आयोजन किया गया, जो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से पहले आयोजित हुई थी। इसके अलावा, युवान 2024

ने विभिन्न साहित्यिक और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया।

डिबेटिंग विंग ने प्रतिष्ठित कार्यक्रमों का आयोजन किया, जैसे डीटीयू संसदीय डिबेट 2023, जिसमें आईआईटी, एनआईटी और एनएलयू से 200+ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन आयोजनों ने पहले वर्ष के छात्रों को वाद-विवाद कौशल विकसित करने में मदद की। इसके साथ ही आईडीपीडी: प्रो-एम इवेंट ने वरिष्ठ वक्ताओं को जूनियर छात्रों के साथ मेंटरशिप के लिए जोड़ा। डिबेट जजमेंट, तर्क निर्माण, और अनुमान आधारित कार्यशाला के साथ-साथ टीआईएमई द्वारा प्रदान किए गए अतिरिक्त लर्निंग अवसरों ने प्रतिभागियों को और सक्षम बनाया।

इन आयोजनों की उपलब्धियों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल है। एशियन ब्रिटिश संसदीय डिबेट 2023 में वी. सैयाराम और अंगद सिंह चावला प्री-क्वार्टर फाइनलिस्ट बने और सबसे उच्च रैंक वाले भारतीय टीम रहे। अंगद ने ऑस्ट्रेलेशियन डिबेटिंग चैंपियनशिप 2023 में ईएसएल रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। यूनाइटेड एशियन डिबेटिंग चैंपियनशिप 2023 में डीटीयू पहला भारतीय संस्थान बना जिसने संस्थागत ब्रेक कैप हासिल किया, और अंगद एशिया में 5वें सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में रैंक किया गया। वर्ल्ड यूनाइटेड डिबेटिंग चैंपियनशिप 2024 जो वियतनाम में हुई जिस्मे अंगद और सैयाराम ईएसएल क्वार्टर फाइनल तक पहुँचे, जो विश्व की सबसे प्रतिस्पर्धी डिबेट प्रतियोगिताओं में एक बड़ा उपलब्धि है।



विवादकर्ताओं ने 20+ राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ जीतीं, जिनमें शामिल हैं - आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, और एनएलयू दिल्ली आदि। इन सभी साहित्यिक गतिविधियों में डीटीयू की पहचान मजबूत हुई। साहित्य लिटरेरी सोसायटी का यह वर्ष उल्लेखनीय रहा, जहाँ विचार-विमर्श, चर्चा, और उपलब्धियों ने इसे और समृद्ध बनाया। पोएट्री विंग ने मासिक चुनौतियाँ और पखवाड़े आधारित बैठकें आयोजित कीं, जिसमें कवियों को मिथक, संगीत, स्लैम कविता, और रचनात्मकता जैसे विविध विषयों पर प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।



डीटीयू की नाट्य एवं फिल्म निर्माण सोसायटी की

प्रतिबिम्ब, जिसका अर्थ है 'परछाई', दुनिया को उसके वास्तविक स्वरूप और भविष्य के प्रतिबिम्ब के रूप में प्रस्तुत करने के अपने मिशन का प्रतीक है। रंगमंच के प्रति साझा जुनून से एकजुट होकर, यह नवोदित रंगमंच प्रेमियों को विकसित करने, उनके जुनून को बढ़ावा देने और उन्हें समाज और उसकी जटिलताओं पर चिंतन करने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास करता है। इसका लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार को सुगम बनाना और सामाजिक बेहतरी के लिए ज़िम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

प्रतिबिम्ब - फिल्मस प्रोडक्शंस

1. मगरिब

निर्देशक - विवान पाहवा, तेजस्व कौशिक
लेखक - हर्षित पांडा, शुभ्रा अतरेजा
संपादन - प्रियांशु, हर्षित पांडा
छायांकन - विवान पाहवा
संगीत और ध्वनि - शायन, एक्कम
कलाकार - अंकुश, अनिरुद्ध, दिवित, निश्रय



2. दिए तले अंधेरा

निर्देशक - श्रीजा, सना, सत्यम, सोमेश
लेखक - श्रीजा, सना
संपादित - अक्षित, देवेश, शिवम
छायांकन - विवान पाहवा
संगीत और ध्वनि - शायन, एक्कम
कलाकार - अंकुश, अनिरुद्ध, दिवित, निश्रय



3. भूख

निर्देशक - शुभ्रा, मीनू
संपादन - प्रियांशु, शिवम
छायांकन - शुभ्रा, मीनू
संगीत और ध्वनि - अनुभव, एक्कम
कलाकार - अनुभव, दिवित



4. एंड गोल एंड

निर्देशन - कबीर, श्रिजा
संपादन - हर्षित, शिवम
छायांकन - मीनू, सना
संगीत और ध्वनि - अनुभव, एक्कम
कलाकार - कबीर, श्रिजा



5. बेजान दिल का ज़िंदा इश्क़

निर्देशन - सना, हर्षित
लेखन - सना, हर्षित, शुभ्रा
संपादन - अक्षित
संगीत और ध्वनि - शायन, एक्कम
कलाकार - शायन, एक्कम, अक्षित, श्रिजा



6. जादू की झप्पी

निर्देशन - श्रिजा, शुभ्रा, मीनू
छायांकन - शुभ्रा, श्रिजा, मीनू
कलाकार - श्रिजा



7. किस्मत

निर्देशन - सना
संपादन - शिवम
संगीत और ध्वनि - एक्कम
कलाकार - मीनू, श्रिजा, सना, अंकुश



आयोजित कार्यक्रम- नयन इंगिफेस्ट 2024

एंगिफेस्ट 2024 के दौरान, प्रतीबिंब डीटीयू ने नयन, एक अंतर-महाविद्यालय फिल्म निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। देशभर से 50 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। चयनित फिल्मों को एंगिफेस्ट के पहले दिन डीटीयू परिसर में पदर्शित किया गया।

प्रतीबिंब - स्ट्रीट (वार्षिक प्रस्तुति - "च-व्यू")

हमारी वार्षिक प्रस्तुति, "च -VIEW", ने मीडिया अशिक्षा और सामग्री उपभोग के सामान्यीकरण की थीम को संबोधित किया। इसमें गलत सूचना, अत्यधिक सामग्री उपभोग, धार्मिक असहिष्णुता, अभिभावकता के महत्व और डिजिटल युग में पालन-पोषण के प्रभाव जैसे मुद्दों को उजागर किया गया। नाटक ने यह भी दिखाया कि सोशल मीडिया की लत

में एल्गोरिद्म और मनोवैज्ञानिक तंत्र की क्या भूमिका होती है। अपनी भारी बिषयों के बावजूद, यह डिजिटल साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आशावादी रूप से समाप्त हुआ

त्रैमासिक प्रस्तुति

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से, छात्रों ने विकसित भारत जन महोत्सव के दौरान लाल किला परनुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्रदर्शन में लापरवाह ड्राइविंग, तेज गति, नकली लाइसेंस, नशेमें ड्राइविंग, और कम उम्र में ड्राइविंग जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। व्यंग्य और विडंबना का उपयोग करते हुए, नाटक ने दर्शकों को मनोरंजित किया और साथ ही साथ जिम्मेदार ड्राइविंग तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण संदेश भी दिए।





पैनाचे

पैनाचे डेली ने उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया। यह प्रकाशन अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहा, विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की, और साथ ही कई सफल आयोजनों की मेजबानी भी कुशलता से की।

एनआईटी- कुरुक्षेत्र - कॉन्फ्लुएंस

एनआईटी- कुरुक्षेत्र - कॉन्फ्लुएंस पैनाचे ने अक्टूबर 2023 में एनआईटी कुरुक्षेत्र के वार्षिक उत्सव कॉन्फ्लुएंस में द्वितीय उपविजेता (Second Runner-up) का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त किया। फैशन इवेंट "लिबास" में प्रतिभागियों को रनवे पर अपने परिधानों और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।



परिधान चयन, वॉक निष्पादन, आत्मविश्वास और कोरियोग्राफी जैसे तत्वों पर मूल्यांकन किया गया, और पैनाचे ने प्रत्येक पहलू में उत्कृष्टता दिखाई।



आईआईटी-कानपुर (अंतराग्नि)

पैनाचे ने आईआईटी कानपुर के वार्षिक उत्सव अंतराग्नि में फैशन इवेंट में प्रतिष्ठित द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष और महिला मॉडल दोनों को प्रस्तुत करने के अवसर के साथ, प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके वॉक, कोरियोग्राफी, परिधान चयन और आत्मविश्वास पर किया गया। पैनाचे ने प्रत्येक क्षेत्र में असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए शैली और मंच उपस्थिति का शानदार समन्वय प्रदर्शित किया।



मूड-इंडिगो (आईआईटी-बी)

पैनाचे ने प्रतिष्ठित 'प्रथम' पुरस्कार हासिल किया। पैनाचे ने आईआईटी बॉम्बे में आयोजित "ट्रैशियन" प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह

प्रतियोगिता कचरे से बनाए गए फैशन पर आधारित थी, इसमें अपशिष्ट सामग्री से रचनात्मक फैशन तैयार कर नवाचार, रचनात्मकता और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया गया।

एमएनआईटी-जयपुर (ब्लिट्सश्लाग)

पैनाचे ने एमएनआईटी जयपुर के वार्षिक उत्सव ब्लिट्सश्लाग में प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की। यह जीत 12-20 सदस्यों की टीम द्वारा सामूहिक प्रयास से हासिल की गई। प्रतिभागियों का मूल्यांकन वॉक, परिधान, प्रॉप्स, आत्मविश्वास और कोरियोग्राफी जैसे पहलुओं पर किया गया, और पैनाचे ने हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पैनाचे द्वारा आयोजित आयोजन

2023-24 के गतिशील सत्र में, पैनाचे ने कई विविध आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन किया। इसकी शुरुआत 2027 बैच के ऑडिशन से हुई, जिसने बड़ी संख्या में छात्रों को आकर्षित किया। इसके बाद, पैनाचे ने "पोज़िंग और शिष्टाचार कार्यशाला" का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व ग्लोमिदिवा की संस्थापक प्रीति वशिष्ठ जोशी ने किया। इसने प्रतिभागियों को बहुमूल्य कौशल और ज्ञान प्रदान किया। पैनाचे ने डीटीयू-एंगिफेस्ट के सांस्कृतिक उत्सव में तीन रोमांचक आयोजनों का संचालन किया पहले दिन हुआ "श्री एण्ड सुश्री एक्स्क्वज़िट" प्रतियोगिता, जहाँ प्रतिभागियों ने अपनी अनोखी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा की। दूसरे दिन हुआ "परिधान" इवेंट, जिसमें विभिन्न कॉलेजों की उत्साही टीमों ने जोशपूर्ण प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

ओपन हाउस 2023

सफल भर्ती प्रक्रिया और ओरिएंटेशन के बाद, प्रतिभागियों ने ओपन हाउस 2023 के लिए एक प्रदर्शनी तैयार की, जहाँ स्कूल के बच्चे स्वयं आकर गतिविधियों को देख और अनुभव कर सके। एसएनवी ने अपने दोनो बहनों की प्रदर्शनी मे रखा (प्रोटो और शहरी वर्ग)

आंतरिक टीम विकास

हर परिस्थिति में टीम ने लगातार विकास किया। हर नए सदस्य को विभिन्न विषयों में निरंतर प्रशिक्षण दिया गया जिसमें वाहन का ढांचा बनाना और मॉडल तैयार करना, दक्षता का विश्लेषण करना, इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली पर काम करना और वास्तविक परिस्थितियों का अनुकरण करना शामिल था।

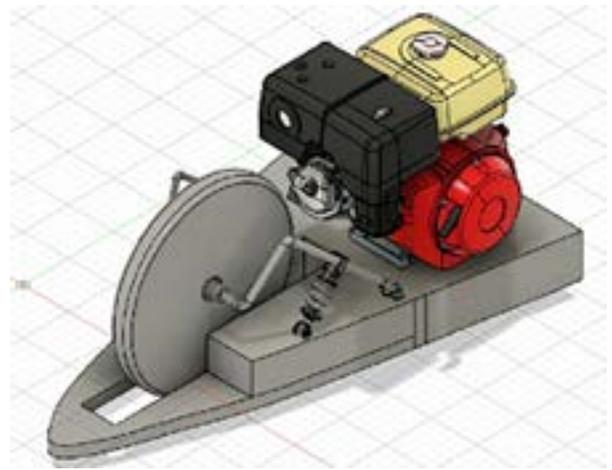
एसएमवी डीटीयू

इन्विक्टस 2024

टीम का काम इन्विक्टस 2024 में शानदार तरीके से प्रदर्शित किया गया। उन्होंने अपनी गाड़ी प्रयोगशाला से लेकर ओएटी तक चलाई, जहाँ दो गाड़ियाँ प्रदर्शित की जानी थीं। विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए छात्रों के साथ-साथ दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी इन वाहनों की खूब प्रशंसा की।

वाहन विकास

इन आयोजनों के बाद, टीम ने इस पर काम करना शुरू किया कि प्रोटोटाइप श्रेणी की गाड़ी को और बेहतर कैसे बनाया जाए। सबसे अधिक माइलेज प्राप्त करने के लिए, टीम ने इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली पर काम किया, स्टायरोफोम से मॉडल तैयार किया, डिज़ाइन विकसित किया और इंजन को संतुलित किया। पहले वर्ष से लेकर तीसरे वर्ष तक, टीम का हर सदस्य मेहनत से अनुसंधान कर रहा है और लगातार हमारी ऑटोमोबाइल्स को विकसित करने पर कार्य कर रहा है।



13. केंद्रीय सुविधाएं

13.1 पुस्तकालय

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पुस्तकालय इस ऐतिहासिक संस्थान में ज्ञान, नवाचार और बौद्धिक विकास का एक प्रतीक है। 1941 में स्थापित, डीटीयू पुस्तकालय छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विकसित हुआ है, जिसमें परंपरा और आधुनिक तकनीकी प्रगति का मिश्रण है। यह एक आईएसओ 9001 प्रमाणित पुस्तकालय है।

केंद्रीय पुस्तकालय कर्मचारी

पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. आर. के. शुक्ला

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. एम. जयसिंहाद्री

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) ललिता

काउंटर सहायक

श्रीमती तरूणा
श्रीमती रामपति नैन
श्रीमती नीरू विग
श्री अब्दुल अलीम

पुस्तकालय परिचारक

श्री सौदान सिंह

एमटीएस श्री

ओम वीर

करती हैं। पुस्तकालय संसाधन शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों प्रकार की प्रगति को समर्थन देते हैं, और सामग्री हिन्दी तथा अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है जिससे हमारी विविध शैक्षणिक समुदाय की सेवा हो सके।

पुस्तकालय 500 छात्रों के लिए बैठने की सुविधा देता है, जो सुविधा और सुलभता सुनिश्चित करता है, तथा पूरे परिसर में वाई-फाई कनेक्टिविटी से निर्बाध डिजिटल पहुँच प्रदान करता है। पुस्तकालय पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत है, और सभी संग्रह बारकोड युक्त हैं जिससे प्रबंधन कुशलतापूर्वक होता है। ऑनलाइन सार्वजनिक पहुँच सूची (ओपीएसी) इंटरनेट पर उपलब्ध है, जिससे उपयोगकर्ता पुस्तकें खोज सकते हैं, नई पुस्तकों के लिए सुझाव दे सकते हैं, और उधार ली गई पुस्तकों का नवीनीकरण कहीं से भी कर सकते हैं, जिससे पुस्तकालय संसाधनों से दूरस्थ रूप से जुड़ना पहले से अधिक आसान हो गया है।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय सम्मेलन कक्ष (कॉन्फ्रेंस रूम) जिसकी क्षमता 100 व्यक्तियों की है, कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रस्तुतियों के लिए एक बहुउद्देश्यीय स्थान के रूप में कार्य करता है। अत्याधुनिक ऑडियो-विज़ुअल तकनीक से सुसज्जित यह कक्ष नियमित रूप से संकाय विकास सत्रों, अतिथि व्याख्यानों और शोध संगोष्ठियों के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे पुस्तकालय की भूमिका एक सहयोगात्मक और आकर्षक शिक्षण वातावरण के रूप में बढ़ती है।

समावेशी सदस्यता और परिवार सहभागिता

डीटीयू पुस्तकालय अपनी सेवाएँ छात्रों और संकाय से आगे बढ़ाकर उनके परिवारजनों को भी सदस्यता प्रदान करता है, जिससे निरंतर सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहित किया जा सके।

विस्तृत संग्रह, समर्पित स्थान और उन्नत सुविधाएँ

5000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला डीटीयू पुस्तकालय 2,30,000 से अधिक पुस्तकों का भंडार रखता है जो अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, साहित्य तथा विज्ञान जैसे क्षेत्रों को कवर

डिजिटल परिवर्तन को अपनाना

डिजिटल पहुँच के प्रति प्रतिबद्ध, डीटीयू पुस्तकालय सक्रिय रूप से राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एनडीएलआई) में भाग लेता है। मिलियन बुक्स प्रोजेक्ट के तहत, हमने 400 दुर्लभ पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया है, जिससे ये मूल्यवान संसाधन राष्ट्र के लिए सुलभ हो गए हैं। हमारा डिजिटल संग्रह चयनित पांडुलिपियों को डिजिटल रूप और मल्टीमीडिया संसाधनों में भी शामिल करता है। पुस्तकालय 24 शैक्षणिक डेटाबेस, अनेक ई-पुस्तकों, और एक रिमोट एक्सेस सुविधा तक पहुँच प्रदान करता है जो छात्रों और संकाय को कभी भी, कहीं भी संसाधनों तक पहुँचने की अनुमति देती है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को समर्थन देने हेतु, हम साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) जाँच, व्याकरण सुधार, तथा उद्योग मानकों (बीआईएस, एएसटीएम, आईईईई) और हार्वर्ड बिज़नेस पब्लिशिंग के केस स्टडी तक पहुँच के लिए उपकरण प्रदान करते हैं। डिजिटल सेवाएँ न केवल उच्च गुणवत्ता वाले संसाधन सुनिश्चित करती हैं बल्कि शोध तथा शैक्षणिक लेखन में ईमानदारी भी बनाए रखती हैं।

सूचना साक्षरता कार्यक्रम: ज्ञान को सशक्त बनाना

सूचना साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, संकाय तथा स्टाफ को आवश्यक कौशल प्रदान करना है जिससे वे जानकारी को खोज, मूल्यांकन और लागू कर सकें। प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- पुस्तकालय अभिमुखीकरण:** नए छात्रों को पुस्तकालय संसाधनों, ओपीएसी (OPAC) और ऑनलाइन खोज सुविधाओं से परिचित कराना।
- डेटाबेस और ई-संसाधन प्रशिक्षण:** कार्यशालाएँ जैसे की कैसे डेटाबेस को प्रभावी ढंग से खोजें, ओपीएसी का उपयोग करें, और ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच प्राप्त करें।
- शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी जागरूकता:** नैतिक शोध प्रथाओं, संदर्भण, और साहित्यिक चोरी पहचान सॉफ़्टवेयर के उपयोग पर प्रशिक्षण।

- शोध कौशल विकास:** स्नातकोत्तर एवं पीएचडी छात्रों के लिए साहित्य समीक्षा, शैक्षणिक लेखन, और डाटा विश्लेषण पर उन्नत कार्यशालाएँ।
- डिजिटल साक्षरता और संकाय प्रशिक्षण:** संकाय हेतु डिजिटल उपकरणों, संसाधनों की दूरस्थ पहुँच, तथा शोध एवं शिक्षण की आवश्यकताओं हेतु अनुकूलित सहायता सत्र।

सूचना साक्षरता सप्ताह एक प्रमुख आयोजन है जो प्रत्येक वर्ष शोध, प्रकाशन तथा डिजिटल छात्रवृत्ति में महत्वपूर्ण विषयों को प्रस्तुत करता है।

डिजिटल अभिलेखागार और शोध सहायता

डिजिटल अभिलेखागार डीटीयू के शैक्षणिक योगदानों को संरक्षित करता है, जिसमें पीएचडी शोध-प्रबंध, स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध, तथा संकाय प्रकाशन शामिल हैं। नवीनतम प्रकाशनों, छात्र एवं संकाय की उपलब्धियों, और नए पुस्तकालय अधिग्रहणों पर सूचनाएँ संपूर्ण डीटीयू समुदाय को नियमित रूप से दी जाती हैं, जिससे सहयोगी एवं सूचित शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

अंतर-पुस्तकालय सहयोग और नेटवर्क संसाधन

इनफ्लिबनेट और डेलनेट नेटवर्क के सदस्य के रूप में, डीटीयू पुस्तकालय संसाधन-साझाकरण क्षमताओं को बढ़ाता है, जिससे छात्रों एवं संकाय को विभिन्न संस्थानों के बीच व्यापक सामग्री तक पहुँच मिलती है और अंतर-पुस्तकालय सहयोग को प्रोत्साहन मिलता है।

डीटीयू पुस्तकालय में, प्रत्येक पुस्तक, डिजिटल संसाधन और कार्यक्रम अवसरों की दुनिया खोलता है। यह छात्रों, संकाय तथा पूर्व छात्रों की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा का समर्थन करने हेतु समर्पित है।

डीटीयू पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ हर कोना खोज एवं उत्कृष्टता की संभावना रखता है।

ई-जर्नल्स/डेटाबेस

क्र.सं.	ई - जर्नल्स डेटाबेस	जर्नल्स की संख्या	उपयोग
1	एसीएम	13	5107
2	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स	19	2315
3	अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी	15	1134
4	ईबीएससीओ अल्टीमेट	47776	8963
5	आईईईईई/आईईईएल	386	130255
6	इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स	115	3745
7	जे-गेट	29640	1951
8	नेचर	1	2238
9	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	262	489
10	साइंस डायरेक्ट	1217	155275
11	स्प्रिंगर लिंक	1724	80500
12	टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल	1078	7244
13	विले ईएसएस जर्नल्स कलेक्शन	1259	नया
	कुल	83505	

इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस

क्र. सं.	ई - डेटाबेस	उपयोग
1	डेलनेट	41
2	इंजीनियरिंग विलेज	18208
3	ईपीडब्ल्यूआरएफ	1088
4	एचबीआर	1902
5	प्रोवेस	3185
6	रिमोटएक्स	12168
7	एससीओपीयूएस	476914
8	टर्निटिन	57535
9	वेब ऑफ साइंस	449962

ई-पुस्तकें

क्र.सं.	प्रकाशक	गिनती
1	एल्गर (प्रबंधन)	21
2	सीबीएस (पर्यावरण-20, बायोटेक-5, सिविल-24, इलेक्ट्रिकल-9, ईसीई-10)	68
3	एल्सेवियर (बायोटेक-20, केम-40, सिविल-17, सीएसई-26, इलेक्ट्रिकल-37, ईसीई-26, आईटी-22, पर्यावरण-36, मैकेनिकल-71 व फिजिक्स-35)	330
4	पियर्सन (मैकेनिकल-363 व प्रबंधन-27)	390
5	टी एंड एफ (इलेक्ट्रिकल-38, पर्यावरण-25 व आईटी-26)	89
6	विद्या (सामान्य)	338
7	कॉपी किताब (सामान्य)	20
8	विले (मिश्रित)	71
9	यूनिवर्सिटी प्रेस / ओरिएंट ब्लैक स्वान (सिविल-3, सिविल-6)	09
	कुल	1336

पिछले वर्षों के दौरान पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद पर वार्षिक व्यय का विवरण (लाखों रुपये में)

वर्ष व्यय	पत्रिकाओं की खरीद पर व्यय (रुपये में)	खरीद पर व्यय पुस्तकें (रुपये में)	ई-पत्रिकाओं और अन्य ई-संसाधनों की सदस्यता पर व्यय (रुपये में)
2023-24	2,53,598.00	46,207.00	2,95,86,077.00



पुस्तकालय



पुस्तकालय प्रवेश द्वार



पहली मंजिल पर वाचनालय



भूतल



प्रथम तल पर पाठ्य पुस्तक अनुभाग



दूसरी मंजिल पर बुक बैंक



सभी 3 मंजिलें

13.2 कंप्यूटर केंद्र

डीटीयू (DTU) में एक सुव्यवस्थित केंद्रीकृत संगणक केंद्र है जो विश्वविद्यालय में उच्च-प्रोफाइल छात्रों और संकाय सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करता है। यह अत्याधुनिक भवन में स्थित है, जहाँ विशेष प्रयोगशालाएँ विभिन्न प्लेटफॉर्म और कंप्यूटिंग वातावरण प्रदान करती हैं, जो यूजी (UG), पीजी (PG) और अनुसंधान छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। इस केंद्र में स्टैंड अलोन सर्वर, डेल R630 और R720 रैक सर्वर, तथा लगभग 235 डेस्कटॉप कंप्यूटर (इंटेल कोर i5 प्रोसेसर) हैं जो विंडोज10 प्रोफेशनल संस्करण, सर्वर 2012, 2016 और लिनक्स प्लेटफॉर्म पर काम करते हैं।

संगठन संरचना

संगणक केंद्र की प्रमुख

सुश्री दिव्या नारायण
head.cc@dce.ac.in

नॉलेज नेटवर्क मैनेजर

श्री पियूष वैश
piyushvaish@dtu.ac.in

सिस्टम प्रबंधक

श्री विकास
system.manager@dtu.ac.in

तकनीकी कर्मचारी:

सहायक आचार्य

श्री मनीष कुमार
श्री मुकेश कुमार
श्री निलेश कुमार

नेटवर्क सहायक

श्री सुधीर कुमार
श्री विनोद सैनी

डीटीयू परिसर-व्यापी नेटवर्क:

यह केंद्र उच्च-स्तरीय इंटेलिजेंट डैक्स/अवाया/अरूबा/डी-लिनक/ब्रोकेड/जुनिपर प्रबंधनीय स्विच के माध्यम से नेटवर्क से जुड़ा है और इसमें दो लीड लाइनें हैं, जिनमें से प्रत्येक में एनकेएन (प्राथमिक

लाइन) का 10Gbps लिंक और रेलटेल (द्वितीयक लाइन) का 1Gbps लिंक है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, शैक्षणिक विभाग, प्रशासनिक भवन, संकाय सदस्यों निवास और छात्रावासों को इंटरनेट से जोड़ने के लिए वाई-फाई कनेक्टिविटी हेतु सभी नोड्स पर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सभी नोड्स को सुरक्षित प्रमाणीकरण के बाद अंतिम उपयोगकर्ता को एक्सेस दी जाती है। नेटवर्क ट्रैफ़िक का नियंत्रण और निगरानी Palo-Alto 5220 (फ़ायरवॉल और यूटीएम) से की जाती है। वर्तमान में कंप्यूटर केंद्र के लगभग 200 संगणक दो मंजिलों पर फैले हुए लैन के माध्यम से जुड़े हुए हैं। यह विश्वविद्यालय के सभी विभागों को प्रोग्रामिंग सुविधाएँ प्रदान करता है। विभाग/शैक्षणिक/पुस्तकालय/प्रशासनिक ब्लॉक, संकाय सदस्यों आवास और डीटीयू के सभी छात्रावास 48-कोर और 6-कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) और 250 एक्सेस पॉइंट्स वाले वाई-फाई का उपयोग करके आपस में जुड़े हुए हैं।

वर्तमान नेटवर्क सेटअप विश्वविद्यालय के मूलभूत इंटरनेट कनेक्टिविटी और संसाधन साझा करने की ज़रूरतों को पूरा करता है।

डीटीयू वेबसाइट

संगणक केंद्र डीटीयू की वेबसाइट (www.dtu.ac.in), पूर्व छात्र पोर्टल, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग, शैक्षणिक विभाग पोर्टल, पुस्तकालय पोर्टल, आइक्यूएसी पोर्टल, संकाय पोर्टल, छात्रावास पोर्टल, छात्र पोर्टल, और अन्य संबंधित इंटरनेट/इंट्रानेट वेब सेवाओं का रख रखाव करता है। यह केंद्र डीटीयू वेबसाइट को प्रतिदिन अपडेट करता है। वेबसाइट पर जानकारी संबंधित विभाग, संकाय या प्रशासनिक कार्यालयों की स्वीकृति के बाद प्रदर्शित की जाती है। संगणक केंद्र विश्वविद्यालय की शिक्षण समुदायों और प्रशासनिक अधिकारियों को ईमेल सेवाएं प्रदान करता है। मेल सेवा GoogleG-Suite शिक्षा संस्करण से एकीकृत है और यह संकाय व छात्रों को शैक्षणिक कार्य हेतु प्रतिदिन उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाती है।

डीटीयू ईआरपी:

संगणक सेंटर विश्वविद्यालय ईआरपी प्रणाली का भी प्रबंधन करता है (<https://dtu.samarth.ac.in/>)



13.3 प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग (T&P), डीटीयू विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रयासों को संगठित करने वाला प्रमुख विभाग है। यह प्रतिभाशाली डीटीयू छात्रों के कौशल को निखारने और उन्हें प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट और इंटरनशिप के लिए तैयार करने के लिए ज़िम्मेदार है।

प्लेसमेंट प्रक्रिया की शुरुआत कंपनियों को विश्वविद्यालय में प्री-प्लेसमेंट वार्ता के लिए आमंत्रित करने और अपनी नौकरी की घोषणाएँ देने से होती है। ये वार्ताएं छात्रों को भर्ती करने वाले संगठनों और उनके कार्य प्रोफाइल के साथ बातचीत और परिचित होने का अवसर प्रदान करती हैं। बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक), मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक), और मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) कार्यक्रमों के छात्र विभिन्न अभियांत्रिकी और तकनीकी क्षेत्रों में प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

संगठन संरचना:

प्रमुख :

प्रो. राजेश रोहिल्ला
(इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियंत्रण)

सहायक प्रमुख:

प्रो. अनिल सिंह परिहार
(संगणक विज्ञान और अभियंत्रण)

कनिष्ठ कार्यालय सहायक:

इंद्रजीत भारद्वाज

प्लेसमेंट अवलोकन:

विभिन्न पृष्ठभूमियों से संगठन हर साल भर्ती सत्र में भाग लेते हैं और विविध प्रोफाइल पेश करते हैं, जिन्हें मोटे तौर पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

कोर अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी

डीटीयू के छात्र रोजगार के चुनाव में अपनी मूल शैक्षिक पृष्ठभूमि के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते

रहते हैं। बड़ी संख्या में छात्र विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी-उन्मुख नौकरियों का विकल्प चुनते हैं, जिनकी भर्ती करने वाली कंपनियां अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत होती हैं। कुछ प्रमुख कंपनियाँ हैं मारुति सुजुकी, एलएंडटी, हुंडई, सैमसंग अभियांत्रिकी और अनुसंधान एवं विकास, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट, क्वालकॉम, वेस्टर्न डिजिटल, बीएएसएफ, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर, एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, जेके टायर्स, हैवेल्स, जेसीबी आदि। 2023-24 में 109 कंपनियों से 512 नौकरियाँ इसी क्षेत्र में मिलीं।

सॉफ्टवेयर और आईटी सक्षम सेवाएं

2023-24 के दौरान कई वैश्विक नेताओं सहित 142 अग्रणी आईटी फर्मों ने कैम्पस प्लेसमेंट के लिए डीटीयू का दौरा किया। ये कंपनियाँ बड़े निगमों के साथ मिलकर काम करती हैं और जटिल व्यावसायिक समस्याओं को हल करने में मदद करती हैं। प्रबंधन परामर्श कंपनियाँ विशेष रूप से कैम्पस चयन में अत्यधिक चयनात्मक होने और अपने भर्ती मानकों में उच्च मानदंड रखने के लिए जानी जाती हैं। 823 ऑफ़र सॉफ्टवेयर कंपनियों से मिले जैसे — गूगल, अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट, एटलसियन, स्पिंक्लर, डी.ई. शॉ, फ़्लिपकार्ट, एडोबी, पेटीएम, गोल्डमैन सैक्स, सिटीबैंक, ऊबर, एयरटेल, एचसीएल आदि।

विश्लेषिकी और परामर्श

डीटीयू स्नातकों की श्रेष्ठ विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमताओं की प्रतिष्ठा लगातार तेजी से बढ़ते डेटा एनालिटिक्स क्षेत्र की कंपनियों को आकर्षित करती है। 2023-24 में 91 कंपनियों से कुल 180 ऑफ़र इसी क्षेत्र में मिले, जिससे यह आईटी के बाद सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया। कुछ प्रमुख कंपनियाँ जो डीटीयू आई — जेपीएमसी, मैकिंज़ी एंड कंपनी, ऑप्टम, बार्कलेज, डेलॉइट, ज़ेडएस एसोसिएट्स, ईएक्सएल सर्विसेज, केपीएमजी, बेन, बीसीजी (बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप), विलिस टॉवर्सवॉटसन, पीडब्ल्यूसी (प्राइसवाटर हाउसकूपर्स), नोमुरा, थोरोगुड आदि।

शिक्षण

डीटीयू (DTU) ने पिछले कई वर्षों से कैंपस भर्ती के माध्यम से कई शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों को संकाय सदस्य उपलब्ध कराए हैं। कई स्नातकोत्तर छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक संस्थानों में नौकरियाँ दी गई हैं। डीटीयू में आने वाले कुछ शैक्षणिक संस्थानों में डीआईटी यूनिवर्सिटी, बायजूस, के आईटी, बंसल क्लासेस, और फिजिक्स वाला शामिल हैं।

पीएसयू/सरकारी

विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और सरकारी संगठन डीटीयू से छात्रों की नियुक्ति करते हैं, इन संस्थानों में गेल, बीईएल, सी-डॉट, एडसिल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम शामिल हैं। इस वर्ष यूआईडीएआई ने भी डीटीयू से कई छात्रों की नियुक्ति की है।

85.3 एलपीए उच्चतम

कुल 2053 ऑफर

सीटीसी 14.02 एलपीए

360+ रिक्रूटर्स

शीर्ष भर्तीकर्ताओसत



आधारभूत संरचना

प्रस्तुतियाँ, ऑनलाइन परीक्षण, समूह चर्चा और साक्षात्कार आयोजित करने के लिए विभाग में निम्नलिखित बुनियादी ढांचा है:

साक्षात्कार की संख्या कमरा	समूह चर्चा की संख्या (जीडी) कमरे	ऑनलाइन टेस्ट सुविधा (संख्या सीसी में कंप्यूटर)	प्रस्तुति कमरा
27	05	250	01

प्लेसमेंट हाइलाइट्स:

पाठ्यक्रम	विभाग का नाम	ऑफ़र की संख्या	प्लेस हुए छात्रों की संख्या	इंटरनशिप व फील्ड ट्रेनिंग ऑफ़र (एलपीए में)	उच्चतम पैकेज की पेशकश
बी.टेक.	वाहन अभियांत्रिकी	37	34	***	13
	जैव प्रौद्योगिकी	37	35	***	16.5
	जनपद अभियांत्रिकी	69	58	1	19.2
	संगणक अभियांत्रिकी	389	346	103	85.3
	विद्युत अभियांत्रिकी	199	177	10	51
	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी।	157	139	6	85.3
	अभियांत्रिकी भौतिकी	67	57	0	26
	पर्यावरण अभियांत्रिकी	44	38	1	26
	सूचना प्रौद्योगिकी	119	108	34	51
	गणित और कंप्यूटिंग	126	113	15	85.3
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	215	184	12	26
	रासायनिक प्रौद्योगिकी	49	45	***	16.5
	उत्पादन और औद्योगिक अभियांत्रिकी	34	33	***	17.73
	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	114	98	18	64
कुल		1668	1472	200	85.3
एम.टेक.	जनपद अभियांत्रिकी	9	9	***	5.7
	भू-सूचना विज्ञान	***	***	***	***
	विद्युत अभियांत्रिकी	14	14	***	22
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	4	4	***	15
	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	41	41	***	29
	सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी	38	32	***	18.98
	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी।	20	20	***	28.9
	पर्यावरण अभियांत्रिकी	***	***	***	***
	जैव प्रौद्योगिकी	1	1	***	***
	सूचना प्रौद्योगिकी	16	15	***	18.98
कुल		142	135	***	29

पाठ्यक्रम	विभाग का नाम	ऑफ़र की संख्या	प्लेस हुए छात्रों की संख्या	इंटरशिप व फील्ड ट्रेनिंग ऑफ़र (एलपीए में)	उच्चतम पैकेज की पेशकश
एमबीए	एमबीए (सभी विशेषज्ञताएं)	102	100	8	14.13
बी.टेक. (सीई)	बी.टेक. (सतत शिक्षा)	10	10	***	21
बीबीए/बीएई		87	72	***	13
एम.एस.सी.	एम.एस.सी. (भौतिकी, गणित, जीव विज्ञान)	30	30	1	10.5
बी.डेस/ एम.डेस .		5	5	1	13.68
एम.ए.ई.		9	9	***	14.13
पीएचडी		0	0	***	***
कुल		2053	1833	210	85.3

हमारे शीर्ष भर्तीकर्ता:

पिछले पाँच वर्षों में डीटीयू छात्रों के लिए कंपनियों द्वारा दिए जा रहे सीटीसी (कॉस्ट टू कंपनी) में लगातार वृद्धि देखी गई है।

वर्ष 2023-24 में 20 एलपीए से ऊपर के ऑफ़र की संख्या 330 तक पहुँची, जबकि 10 से 20 एलपीए के बीच ऑफ़र 734 तक बढ़े। औसत सीटीसी 14.02 एलपीए रहा। डीटीयू के छात्रों की मांग इस बात से स्पष्ट है कि कंपनियां न केवल उच्च पैकेज की पेशकश कर रही हैं, बल्कि बड़ी संख्या में नियुक्तियां भी कर रही हैं।

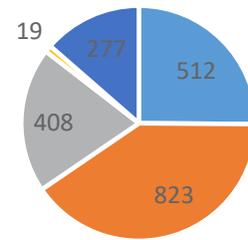
Number of offers with CTC >=20 LPA



Number of offers with 10<=CTC<20 LPA



2023-24 No. of Offers



- Core Engineering & Technology
- Software & IT Enabled Services
- Teaching
- Analytics and Consulting
- Sales/Mkt/Operations/HR

एनआईआरएफ रैंकिंग



इंटरशिप के अवसर

बेहतर प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ-साथ, वर्ष 2023-24 में डीटीयू ने रिकॉर्ड तोड़ इंटरशिप सीज़न भी देखा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी संख्या में छात्रों को इंटरशिप के अवसर प्राप्त हुए, जिससे उनकी शिक्षा और व्यावसायिक अनुभव में वृद्धि हुई।

अंतर्राष्ट्रीय भर्तीकर्ता इंटरन्स को शामिल करने के उद्देश्य से परिसर में आए। कई छात्रों को उनके इंटरनशिप प्रदर्शन के आधार पर कंपनियों द्वारा प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी दिए गए। वजीफा 2 लाख रुपये तक था।

210+ ऑफर

2 लाख उच्चतम वजीफा

58 ऑफर: 1 लाख से ऊपर

51 ऑफर: 1 लाख < 50 हजार

मुख्य इंटरनशिप भर्ती कंपनियाँ

कंपनी	वजीफा	कंपनी	वजीफा
स्प्रिंकलर	200000	गूगल	114000
उबर	177000	अमेज़न	110000
डी शॉ	150000	इंट्यूट	100000
एटलसियन	130000	एडोब	100000
माइक्रोसॉफ्ट	125000	फ्लिपकार्ट	100000
विंज़ो	125000	सिस्को	98000
आर्केसियम	125000	वीज़ा	90000

प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग छात्रों को विभिन्न भूमिकाओं के लिए सक्षम बनाने के लिए उद्योग प्रासंगिक और कौशल संवर्धन प्रशिक्षण प्रदान करता है। निम्नलिखित व्यापक श्रेणियों में छात्रों के समग्र विकास के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है:

क्रम सं.	श्रेणी	कार्यक्रम
1	कैरियर परामर्श	मेंटरशिप सत्र छात्रों को स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद विभिन्न कैरियर और उच्च अध्ययन विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।
2	कौशल संवर्धन कार्यक्रम	उद्योग की आवश्यकता के लिए तैयारी हेतु विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्रों द्वारा कौशल संवर्धन पर वार्ता/विशेषज्ञ व्याख्यान। संचार कौशल, साक्षात्कार कौशल और समूह गतिशीलता को बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं।
3	उद्योग प्रासंगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	इलेक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिकी, रोबोटिक्स, सॉफ्टवेयर, एनालिटिक्स और परामर्श जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर कार्यशालाएं। प्रौद्योगिकी के वर्तमान रुझानों पर कई प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
4	इंटरव्यू तैयारी सत्र	विभिन्न कंपनियों के इंटरव्यू की प्रक्रिया से छात्रों को परिचित कराने के लिए सत्र। मॉक इंटरव्यू और कंपनी-विशिष्ट तैयारी।
5	सिविल सेवा और उच्च अध्ययन के लिए सत्र	देश भर की विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों द्वारा उच्च शिक्षा और सिविल सेवा से संबंधित मार्गदर्शन। आवेदन प्रक्रिया, तैयारी रणनीति और करियर ज्ञान बढ़ाने में मदद।

13.4 खेल और शारीरिक शिक्षा

शिक्षा के लक्ष्यों को पूरा करने में खेल और शारीरिक शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डीटीयू में छात्रों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं और उन्हें डीटीयू के अंदर और बाहर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय में 400 मीटर का ट्रैक, फुटबॉल, हॉकी और क्रिकेट के मैदान, दो वॉलीबॉल कोर्ट, दो

बास्केटबॉल कोर्ट, तीन टेनिस कोर्ट और पाँच बैडमिंटन कोर्ट हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक छात्रावास में टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम और जिम के लिए कमरे उपलब्ध हैं। खेल कैलेंडर में इंटर-हॉस्टल टूर्नामेंट भी शामिल होते हैं, जो बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कैरम, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और टेनिस जैसे विभिन्न खेलों में आयोजित किए जाते हैं।

संगठन संरचना:

डीन छात्र कल्याण
प्रो. एस. इंदु

अध्यक्ष खेल परिषद
प्रो. आर. सी. सिंह

संकाय सदस्य का	पदनाम खेल समन्वयक	योग्यता
श्री नवनीत गुलिया	खेल समन्वयक	खेल कोचिंग-फुटबॉल में डिप्लोमा (एनएससीई कोलकाता), डी-लाइसेंस (कोच)
सुश्री प्रकृति	सह समन्वयक	बी.ए., बी.पी.ई.डी., एम.पी.ई.डी., खेल कोचिंग में डिप्लोमा (कबड्डी साई एनएससीसी)
श्री अजय	एथलेटिक्स कोच	बी.पी.ई., बी.एड., एम.पी.एड., एनआईएस
श्री हरीश दागर	क्रिकेट कोच	बी.पी.एड., एम.पेड., बीसीसीआई लेवल 1 कोच
श्री नरेश हूडा	बास्केटबॉल कोच	बी.ए., बी.पी.ई.डी., एनआईएस योग्य
श्री अंकित यादव	बॉक्सिंग और जिमसमन्वयक	बी.ए., बी.पी.ई.डी., एम.पी.ई.डी.
श्री सुनील कुमार	ईस्ट कैम्पस कोच	डीयू स्नातक, फिटनेस, प्रशिक्षण और आहार योजना में डिप्लोमा, प्रमाणित फिटनेस कोच (बीएफवाई)
श्री दीपक	ग्राउंड मेन	स्नातक
श्री जयदेव	ग्राउंड मेन	स्नातक

खेल सुविधा:

डीटीयू उच्च स्तरीय खेल सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें अच्छी तरह से रखरखाव वाले खेल मैदान, अत्याधुनिक उपकरणों वाला एक आधुनिक जिम और 400 मीटर का ट्रैक शामिल है। विश्वविद्यालय फुटबॉल,

हॉकी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस और बैडमिंटन जैसे विभिन्न खेल विकल्प प्रदान करता है। इनडोर सुविधाओं में बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस, पूल टेबल और एक जिम भी शामिल है।



क्रिकेट मैदान और एथलेटिक्स कोर्ट



लॉन टेनिस कोर्ट



क्रिकेट नेट



वॉलीबॉल कोर्ट



बास्केटबॉल प्रांगण



ओपन जिम



लड़कियों का जिम



लड़कों का जिम



बैडमिंटन कोर्ट



टेबल टेनिस कोर्ट



कबड्डी कोर्ट



राज सोइन टेबल टेनिस



शतरंज



कैरम बोर्ड

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) :

- VAC 20-खेल I
- VAC 21-खेल II

शारीरिक शिक्षा समय के साथ काफ़ी विकसित हो चुकी है। अब यह केवल शारीरिक फिटनेस और विभिन्न खेलों के नियमों की समझ तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह एक बहुविषयक विषय बन गई है। आज शारीरिक शिक्षा में विज्ञान, जीवविज्ञान,

अनुवांशिकी, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों का ज्ञान सम्मिलित होता है। यह बहुविषयक दृष्टिकोण विद्यार्थियों को खेल और शारीरिक गतिविधियों की उनके जीवन में भूमिका को गहराई से और समग्र रूप में समझने में मदद करता है। शारीरिक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करके विद्यार्थी यह समझ पाते हैं कि खेल उनके शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को

कैसे प्रभावित करते हैं, और इनका उनके संपूर्ण जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। ज्ञान उनके समग्र विकास में योगदान दे सकता है। विश्वविद्यालय शारीरिक फिटनेस, मानसिक लचीलापन और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के अलावा, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम वीएसी 20 - खेल I और वीएसी 21 - खेल II के माध्यम से, छात्र शारीरिक शिक्षा के व्यापक लाभों का पता लगा सकते हैं, ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकते हैं जो उनके जीवन भर उनके काम आएंगे।

खेल परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

आज़ादी का अमृत महोत्सव
(15 अगस्त 2023)

डीटीयू की खेल परिषद ने भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त, 2023 को आज़ादी का अमृत महोत्सव फ्रीडम रन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज़ादी का अमृत महोत्सव नामक राष्ट्रव्यापी उत्सव का एक हिस्सा था, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इस दौड़ का उद्देश्य डीटीयू के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों तथा व्यापक समुदाय के बीच स्वतंत्रता, एकता और स्वस्थ जीवन की भावना का जश्न मनाना था। डीटीयू ने अपने दृष्टिकोण से हमेशा शिक्षा नवाचार और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने का लक्ष्य रखा है। विश्वविद्यालय ने हमेशा खेल गतिविधियों का समर्थन और प्रोत्साहन किया है क्योंकि ये न केवल शिक्षा के लिए बल्कि अन्य उद्देश्यों की पूर्ति भी करती हैं। यह जीवन के महत्वपूर्ण



सबक सिखाता है, जो बेहतर विकास और वृद्धि के लिए किसी व्यक्ति के लिए अपनी जीवनशैली में अपना महत्वपूर्ण है।



राष्ट्रीय खेल दिवस
(29 अगस्त 2023)

राष्ट्रीय खेल दिवस भारत में एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को समर्पित है। यह भारतीय खेलों में उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देने और देश भर में खेलों और शारीरिक गतिविधियों के महत्व को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। 29 अगस्त, 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद को उनके असाधारण कौशल और मैदान पर महारत के लिए "हॉकी के जादूगर" के रूप में जाना जाता है। 1920 और 1930के दशक में हॉकी के क्षेत्र में भारत के प्रभुत्व में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय नायक बना दिया। राष्ट्रीय खेल दिवस उनकी विरासत को एक वार्षिक श्रद्धांजलि है।

माननीय कुलपति, डीटीयू; प्रो. जय प्रकाश सैनी इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक थे और उनके साथ सम्मानित रजिस्ट्रार डीटीयू; प्रो. मधुसूदन सिंह संरक्षक और प्रो.आर. सी. सिंह, अध्यक्ष - खेल परिषद, डीटीयू भी मौजूद थे। डीटीयू खेल परिसर में आयोजित फिट इंडिया रन और खेल गतिविधियाँ बेहद सफल रहीं, जिनमें समाज के सभी वर्गों के प्रतिभागियों और खेल प्रेमियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी, बल्कि आज के समय में एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली के महत्व पर भी जोर दिया।



राष्ट्रीय युवा दिवस दौड़ (12 जनवरी 2024)

राष्ट्रीय युवा दिवस दौड़ का आयोजन डीटीयू की खेल परिषद द्वारा 12 जनवरी, 2024 को प्रभावशाली आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। यह दिवस विवेकानंद की शिक्षाओं का सम्मान करता है और राष्ट्र निर्माण में युवाओं के महत्व पर ज़ोर देता है। डीटीयू के माननीय कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक थे। कार्यक्रम में अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति प्रो. राजीव चौधरी, डीन (छात्र अनुशासन) और प्रो. आर. सी. सिंह, अध्यक्ष, खेल परिषद, डीटीयू थे।



गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी 2024)

गणतंत्र दिवस पर, डीटीयू खेल परिषद ने राष्ट्र की भावना का जश्न मनाने के लिए खेल गतिविधियों से भरपूर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणतंत्र दिवस दौड़ और संकाय टीम व छात्रों के बीच एक रोमांचक क्रिकेट मैच के साथ हुई। गणतंत्र दिवस समारोह में डीटीयू खेल परिसर में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें डीटीयू के माननीय कुलपति, प्रो. प्रतीक शर्मा, रजिस्ट्रार, प्रो. मधुसूदन सिंह और खेल परिषद के अध्यक्ष प्रो. आर.सी. सिंह शामिल थे। यह दौड़ छात्रों और संकाय सदस्यों, दोनों के लिए खुली थी और इसमें डीटीयू समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न आयु समूहों और फिटनेस स्तरों के प्रतिभागी युवाओं और खेल भावना के सार का जश्न मनाने के लिए एक



साथ आए। इस आयोजन की समावेशी प्रकृति ने प्रतिभागियों के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा दिया।

पराक्रम (14 - 17 फरवरी 2024)

“पराक्रम” खेल मिलो डीटीयू के संकायों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए 14 से 17 फरवरी, 2024 तक आयोजित किया गया था। यह इस साल खेल परिषद द्वारा आयोजित सबसे बेहतरीन आयोजनों में से एक था। समापन समारोह भी शानदार तरीके से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मानित प्रतिभागियों, आयोजकों, सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों आदि को ट्रॉफी, पदक और प्रशंसाचिह्न प्रदान किए गए। सभी लोग एक साथ आए और नियमित कार्य से समय निकाल कर सभी के बीच सौहार्द और खेल भावना के अनूठे मिश्रण का जश्न मनाया।



आह्वान (5 - 7 अप्रैल 2024)

आह्वान'24 वार्षिक राष्ट्रीय स्तर का आयोजन खेल परिषद, डीटीयू द्वारा 5 से 7 अप्रैल, 2024 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें 3 और 4 अप्रैल 2024 को शून्य दिवस मनाया गया। यह भव्य कार्यक्रम समर्पित छात्र समिति द्वारा अत्यंत सावधानीपूर्वक

आयोजित किया गया था, जो डीटीयू के गतिशील समुदाय के उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश भर में प्रमुख खेल उत्सवों में से एक के रूप में मनाया जाने वाला आह्वान 24 एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठा प्राप्त करता है, जो देश के सभी कोनों से प्रतिभागियों और दर्शकों को आकर्षित करता है। अपने सार में, यह एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है जो एकमात्र खेल आयोजन से परे है। यह एक जीवंत मंच है जिसे विश्वविद्यालयों के छात्रों को अपने एथलेटिक कौशल को प्रदर्शित करने का एक असाधारण अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, यह उभरती प्रतिभाओं के लिए एक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करता है, उनके विकास और सफलता के लिए अनुकूल वातावरण का पोषण करता है। आह्वान 24 का मिशन बहुआयामी है, जो न केवल एथलेटिकवाद के उत्सव पर बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की एक उत्साही संस्कृति को बढ़ावा देने पर भी जोर देता है। यह प्रतिभाशाली युवा दिमागों के लिए एक अभिसरण बिंदु है, जो सौहार्द, खेल कौशल और उत्कृष्टता के माहौल को बढ़ावा देते हुए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हैं। 5 अप्रैल, 2024 को डीटीयू के खेल परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में, माननीय कुलपति, डीटीयू; प्रो. प्रतीक शर्मा ने युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया।



उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले:

बैडमिंटन - शाश्वत दलाल

डीटीयू में कंप्यूटर अभियांत्रिकी के छात्र शाश्वत दलाल, जो 2024 में स्नातक होंगे, एक अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में 310वें स्थान पर हैं। उन्होंने हाल ही में कोरिया ओपन 2023 में पी. वी. सिंधु और अन्य शीर्ष भारतीयों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया, जो विश्व बैडमिंटन का तीसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। उन्होंने अमेरिका में आयोजित नॉर्दर्न मारियानास इंटरनेशनल चैलेंज में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को हराया और विश्व रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इंडिया ओपन और सैयद मोदी इंटरनेशनल चैलेंज और अन्य प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करना संस्थान और देश के लिए गर्व की बात है। वह अगली बार अगस्त के उत्तरार्ध में होने वाले बेहद प्रतिष्ठित इंडोनेशिया ओपन 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।



रस्सी कूदना - अमित पाल

डीटीयू में 2023 बैच के ऑटोमेशन अभियांत्रिकी के पूर्व छात्र अमित पाल एक रस्सी कूदने वाले एथलीट हैं, जिन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए हैं और अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है। वह 3 बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक, 5 बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक, अखिल भारतीय रोप स्किपिंग चैंपियनशिप (एआईयू) - रजत पदक, 5 बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता, 5 बार राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता, 2 बार दिल्ली ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता हैं।



अन्य उत्कृष्टता प्राप्तकर्ता:

छात्र शाखा का नाम	उपलब्धि का विवरण
अंकिता यादव एम.एससी. (जैव प्रौद्योगिकी)	<ul style="list-style-type: none"> एथलेटिक्स कप्तान आगाज़ 24- 100 मीटर- रजत, 200 मीटर- रजत, 4×100 मीटर- स्वर्ण, वॉलीबॉल - स्वर्ण रस्सी कूद कप्तान आईआईटी कानपुर (उद्घोष)- 4×100 मीटर रिले कांस्य आईआईटी बीएचयू (स्पर्धा)-रजत (हैंडबॉल) आह्वान 23 - कांस्य रस्सी कूद आह्वान 24- 1500 मीटर - स्वर्ण, 800 मीटर- रजत, डिस्कस थ्रो- कांस्य, 4 × 100 मीटर - रजत एरिना 23 - 800 मीटर स्वर्ण राष्ट्रीय खेल दिवस 23- 100 मीटर - स्वर्ण, 200 मीटर- स्वर्ण, 400 मीटर- स्वर्ण
धन्वी नौटियाल गणित एवं संगणन	<ul style="list-style-type: none"> आईआईटी कानपुर (उद्घोष)- 4×100 मीटर रिले कांस्य आईआईटी बीएचयू- शॉट पुट में द्वितीय, डिस्कस थ्रो में तृतीय, हैंडबॉल में द्वितीय आईआईटी रुड़की- द्वितीय शॉट पुट आह्वान- डिस्कस थ्रो में द्वितीय, शॉट पुट में तृतीय, 4×100 मीटर रिले में द्वितीय
पीयूष यादव मैकेनिकल इंजीनियरिंग	<ul style="list-style-type: none"> आईआईटी, बीएचयू में 1 स्वर्ण और 1 रजत आईआईटी, दिल्ली में 1 कांस्य पदक आईआईटी, रुड़की में रजत डीटीयू आवाहन में कांस्य आगाज़ - 1 स्वर्ण, 1 रजत एरिना में स्वर्ण
आकांक्षा त्यागी पर्यावरण इंजीनियरिंग	<ul style="list-style-type: none"> आईआईटी, कानपुर में 3 कांस्य रिले आईआईटी, मुंबई में 4×100 मिश्रित रिले में तीसरा स्थान आईआईटी, बीएचयू टेबल टेनिस में तृतीय स्थान
ऋषि मैकेनिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी, बीएचयू टेबल टेनिस में तृतीय स्थान
कार्तिक मैकेनिकल इंजीनियरिंग	आईआईटी, बीएचयू टेबल टेनिस में तृतीय स्थान
गौरव कंप्यूटर इंजीनियरिंग	आईआईटी, बीएचयू टेबल टेनिस में तृतीय स्थान
फेट्सो जैक पर्यावरण इंजीनियरिंग	आईआईटी, बीएचयू टेबल टेनिस में तृतीय स्थान

13.5 स्वास्थ्य केंद्र

प्रभारी अधिकारी: - डॉ. राजेश बिरोक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक साधारण स्वास्थ्य केंद्र है, जहाँ अनुभवी डॉक्टर और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ़ कार्यरत हैं। छात्रों और अन्य सभी हितधारकों के लिए पूरे दिन दो सामान्य चिकित्सा चिकित्सकों की सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं। नेत्र, दंत चिकित्सा, अस्थि रोग, स्त्री रोग, मनोचिकित्सा, फिजियोथेरेपी आदि के विशेषज्ञ चिकित्सक विशेषज्ञ सलाह और उपचार के लिए इस स्वास्थ्य केंद्र में आते हैं। विश्वविद्यालय ने भी छात्रों की आपातकालीन

चिकित्सा सहायता के लिए आस-पास के प्रमुख अस्पतालों के साथ समझौता किया गया है। विश्वविद्यालय के आस-पास के कई अस्पताल, जैसे सरोज अस्पताल, महावीर अस्पताल, जयपुर गोल्डन अस्पताल, मैक्स अस्पताल, आदि, इसपैनल में शामिल हैं। इसके अलावा, एक अत्याधुनिक स्पोर्ट्स मेडिसिन-कम-फिजियोथेरेपी केंद्र भी आवश्यक विशेषज्ञ सलाह प्रदान करता है। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में निम्नलिखित डॉक्टर कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत डॉक्टर

डॉ. रवि बंसल

विशेषज्ञता: सामान्य चिकित्सक

दिन: सोमवार से शनिवार

समय: दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक

डॉ. राजेश सिंघई

विशेषज्ञता: सामान्य चिकित्सक

दिन: सोमवार से शनिवार

समय: सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक

डॉ. अर्पणा बंसल

विशेषज्ञता: नेत्र विशेषज्ञ

दिन: सोमवार, बुधवार और शुक्रवार

समय: दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक

डॉ. भारत बी. सेठी

विशेषज्ञता: दंत चिकित्सक

दिन: सोमवार, बुधवार और शुक्रवार

समय: दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक

डॉ. सुबोध मोर

विशेषज्ञता: खेल चिकित्सा cum

फिजियोथेरेपिस्ट

दिन: सोमवार से शनिवार

समय: दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक

डॉ. दिनेश बंसल

विशेषज्ञता: ऑर्थोपेडिक

दिन: सोमवार, बुधवार और शुक्रवार

समय: दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक

डॉ. गौरव गुप्ता

विशेषज्ञता: मनोरोग विशेषज्ञ

दिन: मंगलवार और गुरुवार

समय: दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक

डॉ. निशि झा

विशेषज्ञता: स्त्री रोग विशेषज्ञ

दिन: मंगलवार और गुरुवार

समय: दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक

पैरामेडिकल स्टाफ

क्रम संख्या	नर्सिंग स्टाफ	परिचारक
1	सुश्री मिलन गुप्ता	गोविंद सिंह
2	सुश्री अनमोल जैन	श्री. गोविंद चौधरी
3	सुश्री प्रिया शर्मा	श्री. मुकुल मंडल
4	सुश्री सोनाली राणा	सुश्री सविता
5	श्री करण	श्री. त्रिदेव साह
6	श्री अशोक रोहिल्ला - फिजियोथेरेपी सहायक	

स्वास्थ्य केंद्र की गुणवत्ता और सेवाओं को बढ़ाने के लिए कई पहल की गई हैं:

- सभी हितधारकों को दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया गया।
- एक नए नैदानिक मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है।
- नए डॉक्टरों को निम्नलिखित विभागों में शीघ्र ही नियुक्त किया जाएगा
 - आयुर्वेद
 - होम्योपैथी
- सोमवार से शनिवार तक शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक सेवाएँ प्रदान करने के लिए दो नए सामान्य चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी।
- डॉक्टरों के वेतन में 15% की और वृद्धि की गई।
- दवाओं और अन्य उपभोग्य सामग्रियों की खरीद खर्च को पूरा करने के लिए टीआई को मौजूदा ₹50,000/- से तीन गुना बढ़ाकर ₹1,50,000/- कर दिया गया।
- रेबीज के टीकों सहित नई दवाओं के साथ जेनेरिक दवाओं के भंडार में सुधार और विस्तार किया गया।
- नई गैर-उपभोज्य वस्तुएँ जोड़ी गई, जैसे-
 - सभी विभागों में नए एयर कंडीशनर लगाए गए,
 - नया फ़र्नीचर जैसे टेबल, कुर्सियाँ, स्टूल, बेंच और रिसेप्शन डेस्क
 - नया 100 लीटर का आरओ वाटर प्यूरीफायर सिस्टम
- तीन नए अलग डॉक्टर कक्षों का निर्माण किया गया है और वे अंतिम चरण में हैं।
- स्वास्थ्य केंद्र को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र की बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है।
- लगभग सभी स्वास्थ्य केंद्र विभागों में समय-समय पर सिविल और विद्युत संबंधी नवीनीकरण कार्य किए जाते हैं।
- नए चिकित्सा निदान और परीक्षण उपकरणों की खरीद भी प्रक्रियाधीन है।
- आपातकालीन सेवाओं के विवरण, अवसाद, तनाव के लक्षणों और प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करने के लिए सभी प्रमुख स्थानों पर साईन/फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए हैं।
- विश्वविद्यालय के विभागों और केंद्रीय उपयोगिताओं में वितरण के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स खरीदे गए हैं।
- यूएचसी के व्यवस्थित कामकाज की निगरानी और शरारती तत्वों की घुसपैठ को रोकने के लिए, सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम प्रगति पर है।
- फिजियोथेरेपिस्ट की अतिरिक्त सेवाएँ जल्द ही शुरू की जाएँगी।



विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र का मुख्य प्रवेश द्वार



दंत चिकित्सा विभाग



फिजियोथेरेपी विभाग



स्वागत



आपा त्कालीन वार्ड



प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र



नेत्र विभाग

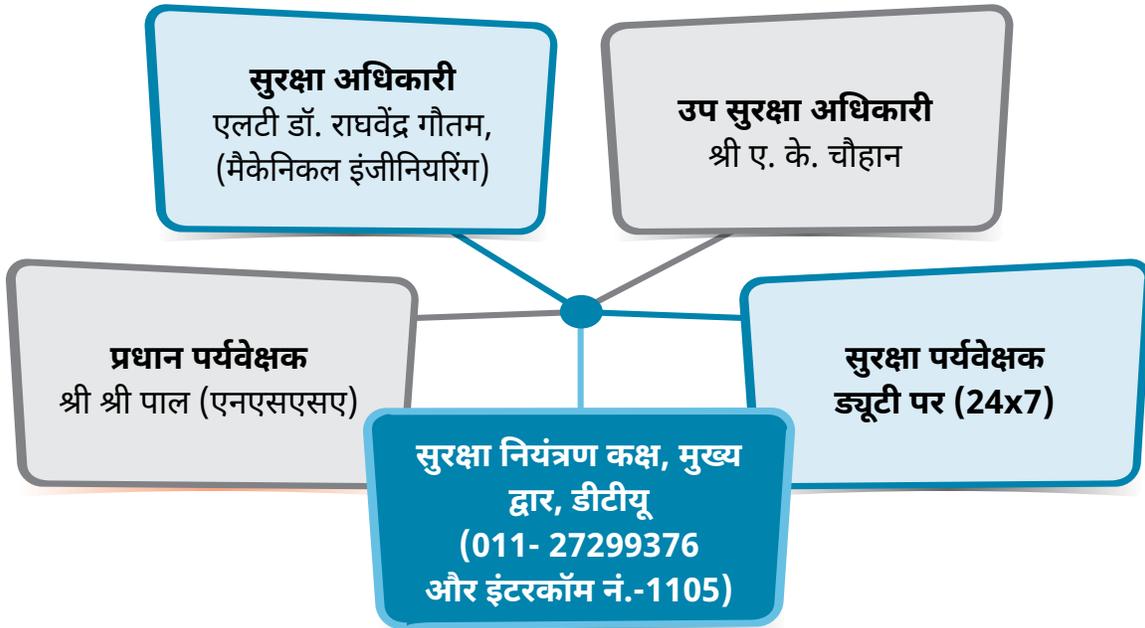
13.6 सुरक्षा एवं परिवहन शाखा सुरक्षा

शाखा:

डीटीयू की सुरक्षा शाखा निम्न प्रकार कार्य करती है विश्वविद्यालय की प्रतिरक्षा प्रणाली, परिसर के भीतर लोगों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें समर्पित सुरक्षा कर्मियों की एक अत्यंत कुशल टीम शामिल है, जिसका नेतृत्व एक निर्णायक और सिद्धांत निष्ठ सुरक्षा अधिकारी और

उप-सुरक्षा अधिकारी करते हैं। अधिकारी। उनकी अथक सतर्कता छात्रों, विशिष्ट व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, अतिथियों और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, साथ ही विश्वविद्यालय की इमारतों, उपकरणों और बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा भी करती है। किसी भी सुरक्षा उल्लंघन या लापरवाही की स्थिति में, संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती है।

किसी भी सुरक्षा संबंधी शिकायत/सहायता/प्रतिक्रिया के लिए,
निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है:



विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को सूचित किया जाता है कि किसी भी स्थिति में विश्वविद्यालय एम्बुलेंस की आवश्यकता होने पर निम्नलिखित व्यक्तियों से संपर्क किया जा सकता है:



विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे किसी भी मूल्यवान वस्तु (लैपटॉप, मोबाइल, कैमरा, पर्स आदि) के मिलने पर तुरंत सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, मुख्य द्वार या सुरक्षा कार्यालय, कमरा नंबर 109, एडमिन ब्लॉक, डीटीयू में स्थित "खोया और पाया" अनुभाग को रिपोर्ट करें।

परिवहन शाखा:

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित वाहनों से सुसज्जित एक परिवहन कार्यालय स्थापित किया है: जो आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय में आधिकारिक कर्तव्यों के लिए उपलब्ध हैं।

क्र. सं.	वाहन का प्रकार	रजिस्ट्रेशन नंबर	संबंधित विभाग	चालक का नाम
1.	मरुति सियाज	DL-11CB-2685	माननीय कुलपति, डीटीयू	श्री मुकेश कुमार, (स्थायी)
2.	होंडा सिटी	DL-10CA-2100	सामान्य पूल	श्री उपदेश सैनी (अनुबंधित)
3.	एम्बेसडर	DL-8CNA-3902	सामान्य पूल	श्री ऋषि पाल (आउटसोर्स)
4.	ओमनी वैन	DL-5CD-9975	सामान्य पूल	श्री ऋषि पाल (आउटसोर्स) (अतिरिक्त प्रभार)
5.	एम्बुलेंस	DL-1A-2507	आपातकालीन एवं आघात विभाग	श्री मुकेश कुमार (स्थायी) (अतिरिक्त प्रभार)
6.	एसएम बस (लैब ऑन व्हील)	DL-1MA-6407	डीन, आउटरीच एवं विस्तार	श्री दवेन्द्र कुमार (आउटसोर्स)

"लैब ऑन व्हील "

यह प्रयोगशालाओं के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाने वाला एक अनुकूलित वाहन है जिसे आउटरीच और विस्तार गतिविधियों (ओईए) के डीन को सौंपा गया है।

विश्वविद्यालय एक 35-सीटों वाली सीएनजी बस (एस/माजदा, डीएल-1पीसी-3419) भी संचालित करता है, जिसे श्री रविंद्र कुमार चलाते हैं, और श्री किशन राणा हेल्पर के रूप में कार्यरत हैं। यह बस छात्रों को निकटतम मेट्रो स्टेशनों (समयपुर बादली और रिठाला) और परिसर के बीच दिन में छह बार ले जाती है। इसके अलावा, यह बस छात्रों के निकटवर्ती क्षेत्रों में शैक्षिक और औद्योगिक भ्रमण के लिए भी उपलब्ध कराई जाती है।



13.7 सभागार

1. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सभागार:-

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ऑडिटोरियम का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. गोल्डार ने किया। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 30 दिसंबर, 2007 को आयोजित एक भव्य समारोह में, यह पूर्णतः वातानुकूलित सभागार अत्याधुनिक दृश्य-श्रव्य अवसंरचना से सुसज्जित है, जिसमें वेब कास्टिंग क्षमता भी शामिल है, और इसकी बैठने की क्षमता 650 लोगों की है। इसका उपयोग विभिन्न समारोहों और आयोजनों के लिए किया जाता है, जैसे दीक्षांत समारोह, गोल्डन प्राइड फंक्शन, इंजीफेस्ट, युवान, टेक फेस्ट, और विभिन्न विभागीय कार्यक्रम और सेमिनार।



डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम

अल्ट्रानिक्स

5 सितंबर, 2023 को एसआर-डीटीयू के वक्ता-सहित अभिविन्यास कार्यक्रम का समापन एक सशक्त संदेश के साथ हुआ: नवाचार और अनुसंधान उज्ज्वल भविष्य की कुंजी हैं। इस कार्यक्रम में इंटेल, एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्तार फाइनैस, डीआरडीओ, सियोन लैब्स जैसी औद्योगिक दिग्गज कंपनियाँ हमारे विभाग के संकाय सदस्यों के साथ एकत्रित हुईं और उन्होंने अपने अमूल्य विचार छात्रों के साथ साझा किए। उनके शब्द प्रेरणा का दीप स्तंभ बने, जिन्होंने हमारे युवा मन को ऊंचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित किया।



आईईईई - पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और ऊर्जा प्रणालियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2024

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, डीटीयू ने आईईईईई पीईएलएस-आईईएस दिल्ली चैप्टर, आईईईई पीईएस-आईईएस दिल्ली चैप्टर और आईईईई दिल्ली सेक्शन के सहयोग से अप्रैल 2024 में "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल एंड एनर्जी सिस्टम्स 2024 पर तीसरा आईईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया। प्रो. अनिल पाहवा, कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी और प्रो. इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वर्जीनिया टेक एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर सैफुर रहमान थे। डीटीयू के माननीय कुलपति प्रोफेसर प्रतीक शर्मा मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे, साथ ही संरक्षक प्रोफेसर मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू और प्रोफेसर भीम सिंह, आईआईटी दिल्ली भी उपस्थित रहे। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रचना गर्ग और डीटीयू के प्रोफेसर विनोद कुमार यादव ने सम्मेलन की अध्यक्षता की, जबकि डॉ. अंकिता अरोड़ा, डीटीयू और डॉ. चौधरी इंद्र कुमार, डीटीयू सह-अध्यक्ष रहे।



सामंत - 2024

डीटीयू-एनसीसी, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 12-13 अप्रैल, 2024 को "भविष्य प्रगति के साथ" विषय पर दो दिवसीय वार्षिक समारोह - "सामंत-2024" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डीटीयू के माननीय कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने डॉ. बी आर सभागार में किया।



तपोवन

डीटीयू - एनसीसी ने एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, मई, 2024 को डॉ. बी. आर. ऑडिटोरियम, डीटीयू में "तपोवन: ध्यान के लिए वनों का पुनरुद्धार - मियावाकी पद्धति" विषय पर संगोष्ठी। मुख्य अतिथि; मेजर जनरल जी. डी. बख्शी, मुख्य संरक्षक; माननीय कुलपति, डीटीयू; प्रोफेसर प्रतीक शर्मा, संरक्षक; डीटीयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मधुसूदन सिंह, प्रसिद्ध रक्षा विश्लेषक डॉ. विवेक कौल और एनजीओ सेट्रीज़ के श्री नितिन कुमार ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

2. राज सोइन हॉल:-

राज सोइन हॉल की आधार शिला 1969 बैच के पूर्व छात्र डॉ. राज सोइन ने रखी। 8 फरवरी, 2019 को डीसीई के उद्घाटन समारोह में इस हॉल का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने 28 अक्टूबर, 2022 को किया। सोइन एलएलसी के सीईओ और 1969 के पूर्व छात्र डॉ. राज सोइन द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित, राज सोइन हॉल में 3,300 लोगों के बैठने की क्षमता है। इस हॉल में लॉबी क्षेत्र में चार कैफेटेरिया और चार बैडमिंटन कोर्ट और चार टेबल टेनिस वाला एक खेल क्षेत्र शामिल है। हॉल में ओरिएंटेशन और विहान 007 जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।



राज सोइन हॉल में आयोजित कार्यक्रम विहान 007

आईईईई डीटीयू द्वारा आयोजित उत्तर भारत के सबसे बड़े छात्र-संचालित हैकाथॉन, विहान 007 का उद्घाटन दिवस एक अद्भुत सफलता थी। "विकसितभारत" विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम को देश भर के छात्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1,300 से अधिक प्रतिभागियों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उद्घाटन समारोह में डॉ. तनु जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने उपस्थित लोगों के साथ अपने अमूल्य विचार और प्रेरक शब्द साझा किए। इस अवसर पर आईईईई की दिल्ली सेक्शन की अध्यक्ष प्रोफेसर रचना गर्ग और डीटीयू, दिल्ली की डीन, छात्र कल्याण प्रोफेसर एस. इंदु की उपस्थिति ने गरिमामयी बना दिया।



13.8 स्टोर और खरीद

प्रभारी अधिकारी: डॉ. प्रदीप कुमार तेवतिया

भंडार अनुभाग इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली की गुणवत्ता प्रणाली बनाए रखता है जिसमें उपयोगकर्ता विभागों को प्राप्त और जारी किए गए सभी भंडारों और उपकरणों का अद्यतन रिकॉर्ड शामिल है, साथ ही वार्षिक स्टॉक सत्यापन और अप्रचलित या अनुपयोगी भंडारों/उपकरणों का निपटान भी शामिल है।

संगठनात्मक संरचना:

सहायक रजिस्ट्रार

डॉ. प्रदीप कुमार तेवतिया

अनुभाग अधिकारी

श्री मधुरेश कुमार झा

मुख्य स्टोर कीपर

श्री अशोक कुमार पांडे

सहायक स्टोर कीपर (अनुबंध)

सुश्री अनुराधा

कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आउटसोर्स)

श्री सुनील

कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आउटसोर्स)

श्री मोहम्मद शमशेर

कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आउटसोर्स))

श्री बलबीर सिंह

क्रय अनुभाग एक गुणवत्ता खरीद नीति का पालन करता है, जिसमें वस्तुओं और सेवाओं की खरीद पर मुख्य ध्यान दिया जाता है, जिसमें शामिल हैं:



यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि अनुबंध और क्रय आदेश बोलियों की मूल वैधता के भीतर ही दिए जाएं। लागत प्रभावशीलता के साथ ही आपूर्तिकर्ता की निर्दिष्ट गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर भी विचार किया जाना चाहिए। इस विश्वविद्यालय में अपनाई जाने वाली क्रय प्रक्रियाएं सामान्य वित्तीय नियम 2017 और माल खरीद मैनुअल 2017 में उल्लिखित दिशानिर्देशों पर आधारित हैं।

विश्वविद्यालय ने खरीद प्रक्रिया की देखरेख के लिए संकाय और अधिकारियों की विभिन्न समितियां गठित की हैं:

केंद्रीय क्रय समिति (सीपीसी)

वरिष्ठ संकाय सदस्यों वाली समिति का गठन विश्वविद्यालय के विभागों से प्राप्त सभी खरीद प्रस्तावों जिनकी लागत 50 लाख रुपये से अधिक है की जांच और मूल्यांकन करने के लिए किया गया है। समिति अंतिम अनुमोदन के लिए डीटीयू के कुलपति को अपनी सिफारिश प्रस्तुत करता है।

विश्वविद्यालय तकनीकी मूल्यांकन समिति

विश्वविद्यालय तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) की स्थापना विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से कंप्यूटर, कंप्यूटर बाह्य उपकरणों और सॉफ्टवेयर के खरीद प्रस्तावों की समीक्षा और अनुमोदन के लिए की गई है।

विभागीय क्रय समिति

विभाग स्तर पर, संबंधित विभागाध्यक्ष (एचओडी) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जो अपने विभाग से संबंधित सभी क्रय प्रस्तावों के लिए तकनीकी एवं वित्तीय बोलियों का प्रतिभूतिकरण एवं मूल्यांकन करेगी। यह समिति अपनी अनुशंसा सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी।

समितियों के अतिरिक्त, कुछ विशिष्ट समितियाँ भी हैं, जिनमें शामिल हैं:

स्टेशनरी और मुद्रण समिति, रसायन और कांच के बने पदार्थ खरीद समिति

13.9 अभियांत्रिकी सेल एवं एस्टेट कार्यालय

अधिकारी-प्रभारी **प्रो. अमित श्रीवास्तव** (मुख्य परियोजना अधिकारी)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) या पूर्व दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (डीसीई) का परिसर लगभग 55 वर्षों से अपने ऐतिहासिक कश्मीरी गेट परिसर से संचालित होता रहा है और 1996 में इसे बवाना रोड, सेक्टर-17, रोहिणी, दिल्ली-42 से सटे अपने 164 एकड़ के हरे-भरे परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। नए परिसर में इसके स्थानांतरण से अनुसंधान और विकास के नए आयाम जुड़ गए हैं। इस परिसर ने प्रचुर मात्रा में नवाचार किए हैं, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रशंसा मिली है। परिसर का कुल क्षेत्रफल 163.87 एकड़ (663154.03 वर्ग मीटर) है। 3000 छात्रों के लिए बुनियादी ढाँचे के लक्ष्य के साथ पहले चरण के निर्माण के बाद, परिसर को कश्मीरी गेट परिसर से बवाना रोड स्थानांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में, यह लगभग 15000 छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। भूमि उपयोग का विवरण नीचे दिया गया है:-



विवरण	डीटीयू - मुख्य परिसर (एकड़ में)	डीटीयू -पूर्वी दिल्ली परिसर (एकड़ में)
कुल उपलब्ध भूमि	163.87	2.06
सड़क चौड़ीकरण हेतु क्षेत्र	1.13	-
शुद्ध क्षेत्रफल	162.74	2.06
शैक्षणिक क्षेत्र	74.86 (46%)	0.58
आवासीय एवं छात्रावास क्षेत्र	42.31 (26%)	N/A
हरा/खुला क्षेत्र	21.15 (13%)	1.23
खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्र	24.42 (15 %)	0.25

प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉक

डीटीयू के प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉकों का विवरण इसके साथ-साथ अनुमानित भू-आच्छादन और कवर्ड क्षेत्र का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	विवरण	कुल ग्रेड कवरेज (वर्ग मीटर)	सभी तल पर कुल आवृत क्षेत्र (वर्ग मीटर में)
1.	प्रशासनिक ब्लॉक	1879.40	4063.66
2.	अभियांत्रिकी ब्लॉक	9628.64	23684.49
3.	अभियांत्रिकी	9628.64	23684.49
4.	सिविल इंजीनियरिंग ब्लॉक	9628.64	23684.49
5.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्लॉक	4208.83	14291.10

क्रम सं.	विवरण	कुल ग्रेड कवरेज (वर्ग मीटर)	सभी तल पर कुल आवृत क्षेत्र (वर्ग मीटर में)
6.	कार्यशाला खंड	3416.20	3416.20
7.	संकाय खंड (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग)	-	1100
8.	संकाय खंड (सिविल अभियांत्रिकी)	-	1118
9.	विज्ञान खंड	2817.43	8667.78
10	शैक्षणिक खंड-3 (AB-3)	1809	17032
11	शैक्षणिक खंड-4 (AB-4)	2285	22773

केंद्रीय प्रशासनिक और शैक्षणिक सुविधाएं

डीटीयू में विभिन्न केंद्रीय प्रशासनिक और शैक्षणिक सुविधाओं का विवरण नीचे दिया गया है:-

एसबीआई की शाखा	स्वास्थ्य केंद्र
डाकघर	अतिथि गृह
कैंटीन, कियोस्क और दुकानें	डीटीयू स्टूडियो
खेल परिसर	बच्चों का डे केयर सेंटर
ओपन एयर थिएटर (ओएटी)	राज सोइन हॉल (बहुउद्देशीय हॉल)
व्यायामशाला	रिकॉर्ड रूम
बी.आर. अंबेडकर सभागार	जन औषधि केंद्र
कंप्यूटर केंद्र	केंद्रीय भंडार
प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कक्ष	मदर डेयरी
पुस्तकालय	प्रज्ञा भवन के पास कैफेटेरिया

आवास सुविधाएँ: लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास

लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास आवास का विवरण जिसमें शामिल हैं प्रत्येक छात्रावास की क्षमता नीचे दी गई है:

लड़कों के छात्रावास का विवरण

क्रम सं.	छात्रावास का नाम	क्षमता (सं.)
1.	भास्कराचार्य छात्रावास	176
2.	सर सी. वी. रमन छात्रावास	177
3.	सर जे.सी. बोस हॉस्टल	177
4.	वराहमिहिर छात्रावास	174
5.	सर विश्वेश्वरैया छात्रावास	178
6.	होमी जहांगीर भाभा हॉस्टल	164
7.	आर्यभट्ट छात्रावास	171
8.	रामानुजन छात्रावास	42

क्रम सं.	छात्रावास का नाम	क्षमता (सं.)
9.	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास (एसी)	315
10.	टाइप-2 छात्रावास	159

लड़कियों के छात्रावास का विवरण

क्रम सं.	छात्रावास का नाम	क्षमता (सं.)
1.	कल्पना चावला छात्रावास (केसीएच)	42
2.	भगिनी निवेदिता छात्रावास (एसएनएच)	74
3.	वीरांगना लक्ष्मीबाई छात्रावास (एसी)	666

आवासीय सुविधाएँ: संकाय एवं कर्मचारियों के लिए

संकायों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाओं का विवरण, संख्या सहित विभिन्न प्रकार के मकानों/ फ्लैटों की अनुमानित भूमि कवरेज और कवर्ड एरिया का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	निवास का प्रकार	संख्या	कुल क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	सभी मंजिलों पर कुल कवर्ड क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)
1.	प्रकार VI आवास	1	200.00	250.00
2.	प्रकार V आवास	56	2984.68	11938.72
3.	प्रकार IV आवास	60	1565.56	6262.24
4.	प्रकार III आवास	45	878.28	3513.12
5.	प्रकार II आवास	105	1679.37	6717.48
6.	प्रकार I आवास	60	803.12	3212.48
कुल		327	8111.01	31894.04

अन्य हरित अवसंरचना पर एक नज़र

विश्वविद्यालय सरकारी मानदंडों के अनुसार अन्य हरित बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	विवरण	क्षमता
1.	सौर ऊर्जा उत्पादन	880 (किलोवाट घंटा)
2.	सौर जल तापन	28000 एलपीडी
3.	पीएनजी जनरेटर सेट	ईस्ट कैंपस में 125 केवीए
4.	सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)	1.0 एमएलडी
5.	अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र (डब्ल्यूटीपी)	1.0 टीपीडी
6.	जैविक खाद बनाने के लिए सूखे पत्तों का गड्ढा	864 घनमीटर
7.	वर्षा जल संचयन प्रणाली	
	7.1 मुख्य परिसर	कुल 162 क्षमता के 6 गड्ढे हैं जो मुख्य परिसर में 3300 घनमीटर/वर्ष वर्षा की आवश्यकता पूरी करते हैं।
	7.2 पूर्वी परिसर	6 घनमीटर आकार का 1 गड्ढा है जो पूर्वी परिसर में लगभग 122 घनमीटर/वर्ष वर्षा की आवश्यकता पूरी करता है।

चल रहे परियोजनाएँ: सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य

छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की भविष्य की माँग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता जताई है। जिनके लिए विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्य चल रहे हैं। विवरण नीचे दिया गया है:

विभिन्न सिविल कार्यों का विवरण:

क्रम सं.	कार्य का वर्णन
1.	गर्ल्स हॉस्टल के लिए चार मंजिला मेस भवन का निर्माण।
2.	मंदिर क्षेत्र के पास छात्रों के लिए पार्किंग का निर्माण।
3.	शैक्षणिक क्षेत्र में शौचालयों का नवीनीकरण और उन्नयन।
4.	विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र और अतिथि गृह की मरम्मत और नवीनीकरण।
5.	ट्रांजिट हॉस्टल की मरम्मत और नवीनीकरण।
6.	आवासीय फ्लैटों की विशेष मरम्मत और नवीनीकरण।

क्रम सं.	कार्य का वर्णन
7.	डीटीयू परिसर में मदर डेयरी, जन औषधि केंद्र और केंद्रीय भंडार का उद्घाटन।
8.	पुराने शैक्षणिक और टाइप-IV एवं V आवासीय ब्लॉकों में लिफ्टों का निर्माण।
9.	प्रज्ञा भवन कैफेटेरिया का निर्माण।
10.	तालाब क्षेत्र का विकास।
11.	सिविल इंजीनियरिंग विभाग में पवन सुरंग का निर्माण।
12.	डॉ. एपीजे छात्रावास एवं तालाब क्षेत्र, विद्युत एवं सिविल विभाग के मुख्य प्रवेश द्वार, टाइप-IV, प्रशासनिक ब्लॉक के पास पार्क का विकास।
13.	डॉ. राज सोइन एमपी हॉल के पास औषधीय जड़ी-बूटियों का उद्यान।
14.	नहर के पास डीटीयू परिसर के वैकल्पिक प्रवेश/निकास द्वार का निर्माण।
15.	स्वास्थ्य केंद्र में बिस्तरों की सुविधा 10 बिस्तरों से बढ़ाकर 16 बिस्तरों की गई।

विभिन्न विद्युत कार्यों का विवरण:

क्रम सं.	कार्य का वर्णन
1.	क्रिकेट और फुटबॉल मैदानों की रोशनी के लिए हाई-मास्ट फ्लड लाइटें उपलब्ध कराना और लगाना।
2.	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली की मौजूदा अग्निशमन और अग्नि संसूचन प्रणाली का विस्तार।
3.	पुस्तकालय, कंप्यूटर केंद्र और सभागार भवन के लिए आरएमओ 3×100 टीआर स्क्रू चिलिंग मशीन स्थापित।
4.	राज सोइन हॉल और सभागार के लिए सराउंड सिनेमा सिस्टम के साथ प्रोफेशनल ऑडियो सिस्टम की एसआईटीसी।
5.	डीटीयू, दिल्ली के फैकल्टी ब्लॉक और डिज़ाइन सेंटर में वीआरएफ प्रकार के एयर कंडीशनिंग सिस्टम का एएमसी।
6.	डीटीयू, बवाना रोड, दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर आरओ सिस्टम या एक्वा-गार्ड के साथ एएमसी वाटर कूलर स्थापित।
7.	डीटीयू, दिल्ली के विभिन्न ब्रांडों के एसएसी, डब्ल्यूएसी, कैसेट प्रकार और टावर प्रकार के एसी की सर्विसिंग और नियमित रखरखाव।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्य पूरे किए हैं और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं इससे हितधारकों और विश्वविद्यालय की कुल जनसंख्या को प्रत्यक्ष रूप से लाभ हुआ है। महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है:



विभागों में लिफ्ट



सेंट्रल कैंटीन के पास पवन इंजीनियरिंग



कैफेटेरिया (प्रज्ञा भवन)



मंदिर के पास पार्किंग



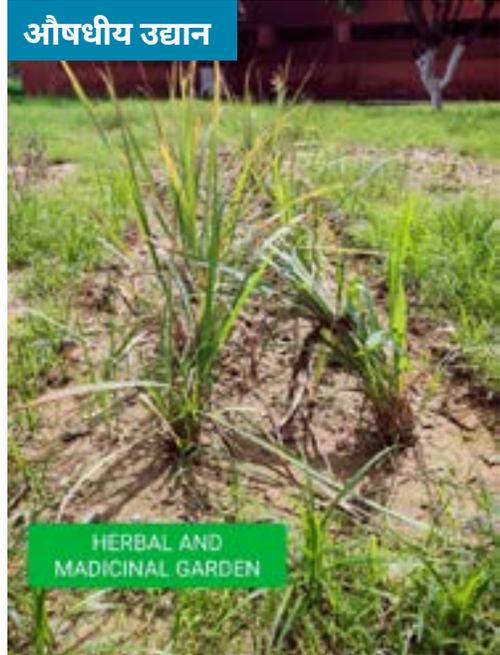
केंद्रीय भंडार



जन औषधि केंद्र



मदर डेयरी बूथ



औषधीय उद्यान

HERBAL AND
MADICINAL GARDEN



14. अन्य सुविधाएं

14.1 डीटीयू स्टूडियो

कार्यालय प्रभारी: **प्रोफेसर एस. इंदु** (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग)

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) का टेलीविज़न स्टूडियो नवाचार और उद्योग-अकादमिक सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह अत्याधुनिक स्टूडियो प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट-प्रोडक्शन गतिविधियों सहित मीडिया प्रोडक्शन के पूरे क्षेत्र को संभालने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है। यह साक्षात्कार, पैनल चर्चाएँ, लघु नाटक, व्याख्यान, आदि के आयोजन के लिए उपयुक्त है।

डीटीयू स्टूडियो में लाइटिंग ग्रिड, टेलीप्रॉम्प्टर और उन्नत कंट्रोल पैनल से लैस एक प्रोडक्शन कंट्रोल रूम है जो लाइव और रिकॉर्डेड, दोनों ही फॉर्मेट में कई वीडियो और ऑडियो स्रोतों को प्रबंधित करता है। स्टूडियो में ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट जेनरेटर, और वीडियो एडिटिंग सूट भी हैं जो अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें फ़ाइनल कट प्रो एक्स (FCP-10) के साथ आई-मैक सिस्टम, ग्राफिक डिज़ाइन के लिए फ़ोटोशॉप, और एनिमेशन के लिए मोशन और लाइव-टाइप शामिल हैं।

हमारे अनुभवी और सक्षम पेशेवरों की टीम, आवश्यकतानुसार सटीक आवश्यकताओं और ज़रूरतों के अनुरूप, अत्याधुनिक तकनीक और गुणवत्ता मानकों का उपयोग करके ये सेवाएँ प्रदान करती है। विश्वसनीय समाधान, लचीला दृष्टिकोण, परेशानी मुक्त प्रबंधन, तत्परता और पेशेवर दृष्टिकोण जैसी अनूठी विशेषताओं के कारण, इन सेवाओं की अत्यधिक मांग है।

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र इन-हाउस और आउटडोर, दोनों तरह की उत्पादन गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। ये गतिविधियाँ अपने समयबद्ध निष्पादन, तत्परता और निर्बाध संचालन के लिए जानी जाती हैं। स्टूडियो की ताकत इसकी

परियोजनाओं को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ निष्पादित करने की क्षमता, जिससे सभी प्रस्तुतियों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम सुनिश्चित हों।

आधारभूत संरचना:

- दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) स्थित डीटीयू स्टूडियो में दो पूरी तरह सुसज्जित प्रोडक्शन स्टूडियो हैं, जो इनडोर और आउटडोर दोनों तरह के मीडिया प्रोडक्शन की क्षमता प्रदान करते हैं। इनमें से एक स्टूडियो में टेलीप्रॉम्प्टर, वर्चुअल स्टूडियो सेट के साथ क्रोमा कीडिंग जैसी उन्नत सुविधाएँ और उच्च-गुणवत्ता वाले वीडियो प्रोडक्शन के लिए सभी आवश्यक उपकरण मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, स्टूडियो में दो ईएनजी (इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ गैदरिंग) कैमरा सेटअप भी हैं, जो डीटीयू में आयोजित होने वाले आउटडोर कार्यक्रमों, उत्सवों, सेमिनारों और लाइव प्रदर्शनों को रिकॉर्ड करने के लिए आदर्श हैं।
- स्टूडियो उच्च-स्तरीय प्रसारण-गुणवत्ता वाले उपकरणों से सुसज्जित है जो पेशेवर स्तर का उत्पादन सुनिश्चित करते हैं। इनमें शामिल हैं: तीन सोनी स्टूडियो कैमरा, दो कैमकॉर्डर, दो स्टिल कैमरा, एक नॉन-लीनियर एडिटिंग मशीन मैक प्रो. फ़ाइनल कट प्रो वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर के साथ, एक डेल प्रिसिज़न T7500 वर्कस्टेशन, एक 7 डेल प्रिसिज़न टावर 7810 डुअल इंटेल ज़ीऑन वर्कस्टेशन, VT-5 लाइव स्विचर, सोनी D-800 लाइव स्विचर, न्यूटेक लाइव ऑडियो और वीडियो स्विचर, दो Yamma 01V96 डिजिटल ऑडियो कंसोल, दो लाइट-प्यूटर CV12। ये अत्याधुनिक उपकरण व्यापक उत्पादन की अनुमति देते हैं, जो लाइव प्रसारण से लेकर पेशेवर वीडियो संपादन

उपयोग

डीटीयू स्टूडियो विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों को कवर करता है, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विभागीय कार्यशालाएँ, प्रयोगशाला प्रयोग, छात्र उत्सव और पूर्व छात्र सम्मेलन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, स्टूडियो उच्च शिक्षा में प्रमुख शैक्षणिक पहलों, जैसे कि ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ़ अकादमिक के नेटवर्क (जियान) और टेक्युप कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग का भी समर्थन करता है। इन कार्यक्रमों में प्रतिष्ठित संकाय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान शामिल होते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि मूल्यवान शैक्षणिक सामग्री को भविष्य में उपयोग के लिए संग्रहित और संरक्षित किया जा सके।

डीटीयू स्टूडियो यूट्यूब चैनल

- वर्तमान में, डीटीयू स्टूडियो यूट्यूब चैनल पर 600 से अधिक वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं, जिसके अब तक 14,000 से अधिक सब्सक्राइबर और कई मिलियन व्यूज़ हो चुके हैं।
- इसके अलावा, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में होने वाले लगभग सभी प्रमुख कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण, कार्यक्रम की फोटोग्राफी, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य डिजिटल सामग्री, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य वीडियो भी शामिल हैं, डीटीयू स्टूडियो यूट्यूब चैनल पर लगातार अपलोड किए जा रहे हैं।

तक, मीडिया की विस्तृत ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

दी जा रही सेवाएं:

अपनी आंतरिक क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, हम विभिन्न कार्यक्रमों के लिए व्यापक प्रीप्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिनमें साक्षात्कार, पैनल चर्चाएँ, लघु नाटक और व्याख्यान शामिल हैं। ये गति विधियाँ विश्वविद्यालय के विशाल टेलीविजन स्टूडियो में आयोजित की जाती हैं, जो सिविल/पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग की पहली मंजिल पर स्थित है। हमारी वीडियो लाइब्रेरी में वर्तमान में विविध विषयों पर 2,000 से अधिक व्याख्यान उपलब्ध हैं।

- इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए, हम अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक अनुभव वाले अत्यधिक कुशल और नवोन्मेषी पेशेवरों को नियुक्त करते हैं। हमारी सेवाएँ अपने लचीलेपन, विश्वसनीयता और समय पर निष्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं।
- इसके अतिरिक्त, हम विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च-स्तरीय आउटडोर फोटोग्राफी और वीडियो उत्पादन सेवाएँ प्रदान करते हैं। ये सेवाएँ अनुकूलन योग्य हैं और अपनी शीघ्रता, निर्बाध संचालन और समय पर डिलीवरी के लिए व्यापक रूप से प्रशंसित हैं।

क्र. सं.	वीडियो शीर्षक	जोड़ना
1	ओरिएंटेशन सह इंडक्शन कार्यक्रम-2023 भाग -1 प्रोफेसर राजेश्वरी पांडे का स्वागत भाषण	https://youtu.be/Yrv7U9o7j1s
2	ओरिएंटेशन सह इंडक्शन कार्यक्रम-2023 भाग 2 प्रोफेसर मधुसूदन सिंह, रजिस्ट्रार, डीटीयू का संबोधन	https://youtu.be/Yrv7U9o7j1s
3	ओरिएंटेशन सह इंडक्शन प्रोग्राम-2023 भाग 3 प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री करनैल सिंह, पूर्व आईपीएस अधिकारी	https://youtu.be/ZO2hMhTO4jw
4	ओरिएंटेशन सह इंडक्शन प्रोग्राम-2023 भाग-4 प्रोफेसर जे.पी. सैनी, कुलपति, डीटीयू का संबोधन	https://youtu.be/ZO2hMhTO4jw
5	डीटीयू 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है आजादी का अमृत महोत्सव - 2023 की प्रमुख झलकियाँ	https://youtu.be/-xFTGILLIWU
6	द स्टूडेंट्स पॉडकास्ट सीरीज़ डीटीयू आईएसएस यूनाइटेड पॉडकास्ट सीरीज़ का टीज़र	https://youtu.be/8iexw96Q94w

क्र. सं.	वीडियो शीर्षक	जोड़ना
7	द स्टूडेंट्स पॉडकास्ट एपिसोड-1 डीटीयू आईएसएस यूनाइटेड पॉडकास्ट सीरीज एपिसोड-1	https://youtu.be/8iexw96Q94w
8	डीटीयू के लिए साइबर सुरक्षा कानून नैतिकता और मानवीय मूल्य	https://youtu.be/2b65UxW2be0
9	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग का परिचय और एआई में इसका अनुप्रयोग उद्घाटन सत्र	https://youtu.be/ykTEWpU9cw4
10	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और आकाशवाणी दिल्ली का युवा कॉन्फ्रेंस (जी -20 समिति-2023) हाइलाइट	https://youtu.be/uhXuf8Cu46U
11	द स्टूडेंट्स पॉडकास्ट एपिसोड-2 डीटीयू आईएसएस यूनाइटेड पॉडकास्ट श्रृंखला : प्रकरण 2	https://youtu.be/FAIOomQQh7c
12	डीटीयू एंटी-रैगिंग सप्ताह की प्रमुख झलकियाँ दिल्ली प्रौद्योगिकियां विश्वविद्यालय ने मनाया एंटी रैगिंग सप्ताह	https://youtu.be/ykTEWpU9cw4
13	द स्टूडेंट्स पॉडकास्ट एपिसोड-3 डीटीयू आईएसएस यूनाइटेड पॉडकास्ट श्रृंखला : प्रकरण 3	https://youtu.be/j0TIgG0_bok
14	द स्टूडेंट पॉडकास्ट एपिसोड-4 डीटीयू आईएसएस यूनाइटेड पॉडकास्ट श्रृंखला : प्रकरण 4	https://youtu.be/Z5fXQpmlYHY
15	प्रो. जेपी सैनी के विदाई समारोह का मुख्य आकर्षण डीटीयू के माननीय कुलपति	https://youtu.be/x548aQ0xFp0
16	तीन सप्ताह का तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम मुख्य आकर्षण	https://youtu.be/8cbgJUQ52_0
17	अतिथि वक्ता व्याख्यान डॉ. सुबोध मोरजी	https://youtu.be/YJgBKWUkKFI
18	अतिथि वक्ता व्याख्यान राहुल पांडेजी	https://youtu.be/yK5yXkgk-ek
19	प्रोफेसर रुचिका मल्होत्रा जी व्याख्यान	https://youtu.be/9Vf8q3JJOk
20	कौशल संवर्धन कंप्यूटर कार्यशाला भाग-1	https://youtu.be/bvRfjZ7clK4
21	कौशल संवर्धन कंप्यूटर कार्यशाला भाग-2	https://youtu.be/YWgz9TIaesY
22	डीटीयू गोल्डन प्राइड फंक्शन-2023 कार्यक्रम मुख्य आकर्षण	https://youtu.be/mkt-4m14h_I
23	डीटीयू गोल्डन प्राइड फंक्शन-2023 वितरण प्रमाणपत्र और पदक	https://youtu.be/OP2IoSTKznI
24	शैक्षणिक संस्थानों को 100 5जी यूज़ केस लैब प्रदान करना इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023	https://youtu.be/HO6JstH0I1I
25	डीटीयू गोल्ड मेडलिस्ट-2023 डीटीयू द्वारा अनुभव साझा करना स्वर्ण मेडलिस्ट-2023 डीटीयू दीक्षांत समारोह-2023	https://youtu.be/SoZn4xbzpK4
26	डीटीयू स्वर्ण पदक विजेता -2023 डीटीयू द्वारा अनुभव साझा स्वर्ण पदक विजेता -2023 डीटीयू दीक्षांत समारोह-2023	https://youtu.be/bd3XZJl-6Fg
27	डीटीयू स्वर्ण पदक विजेता -2023 डीटीयू द्वारा अनुभव साझा स्वर्ण पदक विजेता -2023 डीटीयू दीक्षांत समारोह-2023	https://youtu.be/c2rWoBBp0tk
28	डीटीयू में दो नए शैक्षणिक ब्लॉकों का उद्घाटन माननीय उपराज्यपाल महोदय और तकनीकी शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया	https://youtu.be/DXFnC90tEE
29	डीटीयू के नए कुलपति प्रोफेसर प्रतीक शर्मा ने डीटीयू का कार्यभार संभाला	https://youtu.be/1lgFIPWDnFM

क्र. सं.	वीडियो शीर्षक	जोड़ना
30	डीटीयू के दसवें दीक्षांत समारोह-2023 की मुख्य विशेषताएं	https://youtu.be/sTU3QRvHsow
31	राष्ट्रीय गणित दिवस-2023 श्रीनिवास रामानुजन के सम्मान में एक उल्लासपूर्ण समारोह	https://youtu.be/-bSuwBYhWBg
32	राष्ट्रीय युवा दिवस-2024 पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य आकर्षण	https://youtu.be/58tQC_VXOr8
33	75वां गणतंत्र दिवस-2024 समारोह भाग-1 डीटीयू परिवार 75वां गणतंत्र दिवस-2024 का उत्सव	https://youtu.be/rxKXvdbiAlw
34	75वां गणतंत्र दिवस-2024 समारोह भाग 2 डीटीयू परिवार 75वां गणतंत्र दिवस-2024 का उत्सव	https://youtu.be/g11u4NBfE5w
35	हमारे पूर्व छात्रों की खूबसूरत यादें (वृत्तचित्र) डीटीयू घर वापसी मिलन-2024	https://youtu.be/Sa8Z-KjEMCU
36	डीटीयू इनविक्टस-2024 कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ इनविक्टस, डीटीयू का वार्षिक तकनीकी महोत्सव है डीटीयूफेस्ट	https://youtu.be/cBuaNnmILUA
37	डीटीयू पराक्रम - 2024 कार्यक्रम की मुख्य विशेषता खेल संकाय और कर्मचारियों के लिए बैठक डीटीयूफेस्ट कॉलेज	https://youtu.be/tz4CCBtoyQo
38	डीटीयू पराक्रम 2024 समापन समारोह की मुख्य विशेषता पराक्रम-2024 का विजेता कौन है डीटीयूफेस्ट	https://youtu.be/q02y6nOr22Y
39	डीटीयू के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बारे में डीटीयूके जैव प्रौद्योगिकी विभाग की वृत्तचित्र डीटीयू फेस्ट	https://youtu.be/QXzBh9fZu6I
40	डीटीयू के परीक्षा विभाग के बारे में डीटीयूके परीक्षा विभाग की एक सफल कहानी	https://youtu.be/07A4acw2EbA
41	डीटीयू अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 मनाता है डीटीयू में शुरू होगा योग और वैलनेस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता	https://youtu.be/DyHzQZ4NDsw
42	डीटीयू के नवीनतम पाठ्यक्रमों के साथ अपना भविष्य संवारे अभी प्रवेश प्रक्रिया देखें!	https://youtu.be/h1tD051oRmc
43	लाइव ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम 2023	https://youtube.com/live/g88iWTWEg9U
44	जी-20 शिखर सम्मेलन-2023	https://youtube.com/live/8PTnZkB5-4Q
45	डीटीयू गोल्डन प्राइड फंक्शन-2023 लाइव	https://youtube.com/live/kZ1UoOupe_g
46	डीटीयू 10वां दीक्षांत समारोह-2023 लाइव	https://youtube.com/live/LGcANMVRUKU
47	डीटीयू ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम-2024 लाइव नव प्रवेशित छात्रों और उनके अभिभावकों का स्वागत	https://youtube.com/live/OaO1rFiY8rA
48	डीटीयू गृह आगमन-2024 (डीसीई स्नातकों के लिए हीरक, स्वर्ण और रजत जयंती) लाइव	https://youtube.com/live/wyt2V5DmbCE
49	डीटीयू चैप्टर द्वारा राजस्थानी लोक गीत प्रस्तुत अनवर खान लंगा जी और समूह	https://youtube.com/live/wfNI1azMmoQ

14.2 गेस्ट हाउस

प्रभारी अधिकारी : डॉ. आर. के. यादव, (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग)

विश्वविद्यालय परिसर में एक अतिथि गृह है, जो मुख्य रूप से डीटीयू के आधिकारिक अतिथियों के साथ-साथ सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए है।

विश्वविद्यालय, उसके केंद्रों या विभागों के लिए गेस्ट हाउस में आठ डबल बेड वाले कमरे हैं, जो आरामदायक प्रवास के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।



15. विश्वविद्यालय खाते

Govt. of NCT of Delhi
Delhi Technological University
(Formerly Delhi College of Engineering)
ShahbadDaulatpur; Bawana Road, Delhi-110042.
GFR 12-C [SEE RULE 239]

AUDITED UTILIZATION CERTIFICATE OF GRANT- IN- AID FOR THE FY 2023-24
(PERIOD FROM 01.04.2023 TO 31.03.2024)

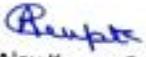
SN	DETAILS	AMOUNT (IN RS.)
01	Un-spent amount of the FY 2022-23 (Opening balance for FY 2023-24)	NIL
02	GIA 1 st instalment released	14,00,00,000
03	GIA 2 nd instalment released	20,50,00,000
04	GIA 3 rd instalment released	10,25,00,000
	Total	44,75,00,000
05	Expenditure during the period 01.04.2023 to 31.03.2024	44,75,00,000
	SALARY- 30,00,00,000	
	GENERAL- 11,00,00,000	
	CAPITAL-3,75,00,000	
	Un-spent amount of the FY 2023-24	NIL

Certified that out of Rs.44,75,00,000/- (GIA) of total fund i.e. un-spent balance of previous year (2022-23), GIA during the FY 2023-24 the DTU has utilized a sum of Rs.44,75,00,000/- during the period of 01.04.2023 to 31.03.2024 and NIL is remained unutilized as on 01.04.2024.

Certified that I have satisfied that the condition on which the GIA was sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilizing for the purpose for which it was sanctioned.

Kind of checks exercised:

1. As per Delegation of Financial Powers, DTU
2. As per GFR-2017 provisions
3. As per existing R&P Rules


Ajay Kumar Gupta
Chartered Accountant




(Sr.A.O./DDO)


(Sr.A.O.)


(DCA)


(Controller of Accounts)


(Registrar, DTU)

DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

	Schedule	As at 31-03-2024 (Rs)	As at 31-03-2023 (Rs)
SOURCES OF FUNDS			
CAPITAL FUND	1	6,047,040,692.79	5,418,387,821.09
CORPUS FUND	1A	519,726,856.00	485,226,572.00
DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	2	4,723,100,471.87	3,550,072,979.21
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	3	102,270,905.00	90,340,505.38
TOTAL		11,392,138,925.66	9,544,027,877.68
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS			
Tangible Assets	4	3,640,722,354.34	3,700,043,373.34
Intangible Assets		32,204,209.39	39,196,744.34
Capital Work In Progress		111,531,994.00	97,222,865.00
INVESTMENTS			
Long Term (Earmarked Funds)	5	3,863,020,903.00	2,952,941,325.09
INVESTMENTS - OTHERS			
	6	2,190,496,789.00	1,210,626,925.00
CURRENT ASSETS			
	7	1,168,425,181.65	1,274,674,913.41
LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS			
	8	305,737,494.28	269,321,731.59
TOTAL		11,392,138,925.66	9,544,027,877.68
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS	23		

For M.A.M & Associates
Chartered Accountants


Ajay Kumar Gupta
(Partner)
M.No. 095390



For Delhi Technological University


(Sr. AO / DDU)


(Sr. AO)


(DCA)


(Controller of Finance)


(Registrar)


(Vice Chancellor)

Place : New Delhi
Dated : 5th September, 2024

DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2024

	Schedule	2023-2024 (Rs)	2022-2023 (Rs)
INCOME			
Academic Receipts			
Grant in Aid	9	1,984,853,131.86	1,836,103,018.83
Income From Investments	10	410,000,000.00	410,000,000.00
Interest Earned	11	86,102,050.00	33,836,944.00
Other Incomes	12	-	-
Prior Period Income	13	163,674,026.17	208,114,852.88
	14	800,429.00	-
TOTAL (A)		2,645,429,637.03	2,488,054,815.71
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses)	15	1,077,203,860.00	1,061,343,661.00
Academic Expenses	16	151,771,280.00	140,746,806.00
Administrative and General Expenses	17	404,052,323.00	351,287,020.28
Transportation Expenses	18	314,787.00	157,361.00
Repair and Maintenance	19	225,674,037.02	143,411,749.00
Finance Costs	20	44,588.55	167,496.02
Depreciation	4	228,471,230.13	222,282,255.09
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	-	24,610,559.00
TOTAL (B)		2,087,532,105.70	1,944,006,967.39
Balance being Excess of Income over Expenditure		557,897,531.33	544,047,848.32
Transfer To Retirement Benefits Fund		20,000,000.00	20,000,000.00
Building Fund		-	-
Balance Being Surplus/(Deficit) Carried To Capital Fund		537,897,531.33	524,047,848.32

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS 23

For M.A.M & Associates
Chartered Accountants


Ajay Kumar Gupta
(Partner)
M.No. 095390

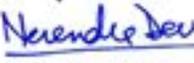


For Delhi Technological University


(Sr. AO / DHO)


(Sr. AO)


(DCA)


(Controller of Finance)


(Registrar)


(Vice Chancellor)

Place : New Delhi
Dated : 5th September, 2024

DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY
RECEIPTS AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2024

	2023-2024	2022-2023	2023-2024	2022-2023	Amount in Rupees
I. RECEIPTS					
1. Opening Balance					
a) Cash Balance					
b) Bank Balance					
2. As Current accounts					
3. In Deposit accounts					
4. Saving accounts					
II. Grant Received					
a) From Government of India					
b) From State Government					
(c) For Capital Expenditure					
(d) For Revenue Expenditure					
e) From Other sources (details shown separately if available)					
III. Academic Receipts					
IV. Receipts against Earmarked / Endowment Funds					
V. Receipts against Corpus Fund					
VI. Receipts against Sponsored Fellowships and Scholarships					
VII. Interest on Investments from					
a) Earmarked / Endowment Funds					
b) Other Investments					
c) Corpus Fund					
VIII. Interest Received on					
a) Bank Deposits					
b) Loans and Advances					
c) Saving Bank Accounts					
I. PAYMENTS					
1. Payments					
a) Establishment Expenses					
b) Academic Expenses					
c) Administrative Expenses					
d) Transportation Expenses					
e) Repair and Maintenance					
f) Finance Costs					
g) Prior Period Expenses					
2. Payments against Earmarked / Endowment Fund					
3. Payment against Sponsored Projects/Scholarships					
4. Expenditure Out of Corpus Fund					
V. Investment and Deposits made					
a) Out of Earmarked / Endowment Funds					
b) Out of own funds (Investments-Others)					
VI. Term Deposits with Scheduled Banks					
VII. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in - Progress					
a) Fixed Assets out of Gross U/GF					
b) Capital Works - in - Progress out of Gross U/GF					
c) Fixed Assets out of NGF					
d) Capital Works - in - Progress out of NGF					
VIII. Other Payments including Statutory payments					



IX. Term Deposits with Scheduled Banks encashed			IX. Refund of Grants		
				61,331,159.00	49,860,175.00
X. Investments encashed			X. Deposits and Advances		
a) Out of Earmarked (Embelement Funds)	2,938,340,813.00	1,302,549,348.00			
b) Out of own funds (Investments-Others)	2,738,615,918.00	186,415,725.00			
XI. Other Income (including Prior Period Income)			XI. Other Payments		
XII. Deposits and Advances	49,678,496.50	40,718,718.00	XII. Closing Balance		
			a) Cash in hand		
			b) Bank Balance		
			In Current accounts	881,064,754.56	887,616,756.96
			In Deposit accounts	287,568,427.29	105,435,919.00
			In Saving accounts		291,612,257.45
XIII. Miscellaneous Receipts including Statutory Receipts	478,547,830.32	449,708,981.97			
XIV. Any other Receipts					
Total	11,675,872,954.33	8,868,853,538.87	Total	11,675,872,954.33	8,868,853,538.87

For M.A. M& Associates
Chartered Accountants
Rajesh
Ajay Kumar Gupta
(Partner)
M.No. 005390



For Delhi Technological University

[Signature]
(V. A.D. DDO)

[Signature]
(V. A.D.)

[Signature]
(V. A.D.)
[Signature]
(V. A.D. Chancellor)

[Signature]
(Controller of Finance)

[Signature]
(Registrar)

Place: New Delhi
Date: 30th September, 2024



ashish

Minister of Higher Education,
Government of Karnataka,
Bengaluru

Minister of Technical Education,
Government of Karnataka,
Bengaluru

संपादकीय सदस्य



प्रो. नीता पांडे
निदेशक, आईक्यूएसी



डॉ. शिल्पा पाल
एसोसिएट डायरेक्टर, IQAC



प्रो. पूर्णिमा मि्तल
समन्वयक, आईक्यूएसी



प्रो. अनिल कुमार
समन्वयक, आईक्यूएसी



डॉ. प्रशांत गिरिधर शंभरकर
उप समन्वयक, आईक्यूएसी



डॉ. हरिकेश
उप समन्वयक, आईक्यूएसी



डॉ. मंजीत कुमार
उप समन्वयक, आईक्यूएसी



डॉ. यशदीप सिंह
उप समन्वयक, आईक्यूएसी



डॉ. पवन सिंह मेहरा
उप समन्वयक



डॉ. अनुराग गोयल
उप समन्वयक



सुश्री ज्योति शर्मा
आईक्यूएसी, स्टाफ



सुश्री ज्योति
आईक्यूएसी, स्टाफ



श्री रोहित मिश्रा
आईक्यूएसी, स्टाफ



श्री सुनील कुमार
आईक्यूएसी, स्टाफ



दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
Delhi Technological University